आज का मौसम
18.0⁰ अधिकतम तापमान
8.0⁰ न्यूनतम तापमान
सूर्योदय 06.57
सूर्यास्त 05.30

अमृत विचार

कानपुर

एक सम्पूर्ण दैनिक अखबार

www.amritvichar.com

2 राज्य | 6 संस्करण
लखनऊ बरेली कानपुर
मुरादाबाद अयोध्या हल्द्वानी

आषाढ़ शुक्ल पक्ष षष्ठी 10:20 तक उपरांत सप्तमी विक्रम संवत 2082

रविवार, 4 जनवरी 2026, वर्ष 4, अंक 135, पृष्ठ 14+4 मूल्य 5 रुपये

- प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी बोले- बुद्ध के अवशेष देश की विरासत का हिस्सा - 12

- एटरनल के संस्थापक ने कहा - गिग व्यवस्था से डिलीवरी कर्मियों पर दबाव नहीं - 12

- ऑपरेशन सिंदूर : पाकिस्तान ने संघर्ष के लिए रुकवाने का चीन को दिया क्रेडिट - 13

- मोहम्मद सिराज न्यूजीलैंड श्रृंखला से करेंगे वनडे में वापसी - 14

संगम में आस्था का सैलाब

लखनऊ। तीर्थराज प्रयागराज में शनिवार को पौष पूर्णिमा स्नान पर्व के साथ आध्यात्मिक और सांस्कृतिक वार्षिक समागम माघ मेला–2026 की भव्य शुरुआत हुई। पवित्र त्रिवेणी संगम और आसपास के घाटों पर श्रद्धालुओं का सैलाब उमड़ पड़ा। वहीं, संगम पर पूरे दिन स्नान, पूजन और दान का क्रम चलता रहा। प्रशासन के अनुसार सायं चार बजे तक 22 लाख से अधिक श्रद्धालु संगम में पुण्य स्नान कर चुके थे, जबकि यह संख्या रात तक 25 लाख पार करने का अनुमान है।

केकेआर ने बांग्लादेशी क्रिकेटर मुस्तफिजुर को हटाया

गुवाहाटी, एजेंसी

कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) ने शनिवार को बीसीसीआई के निर्देश पर इंडियन प्रीमियर लीग के आगामी सत्र से पहले बांग्लादेश के तेज गेंदबाज मुस्तफिजुर रहमान को अपनी टीम से रिलीज कर दिया। बीसीसीआई ने भारत और बांग्लादेश के बीच द्विपक्षीय संबंधों में बढ़ते तनाव के मद्देनजर यह कदम उठाया। पिछले महीने खिलाड़ियों की नीलामी में केकेआर ने बाएं हाथ के तेज गेंदबाज रहमान को 9.20 करोड़ रुपये में खरीदा था। उनका आधार मूल्य दो करोड़ रुपए था।

चेन्नई सुपर किंग्स और दिल्ली कैपिटल्स के साथ कड़ी बोली प्रक्रिया के बाद केकेआर इस 30 वर्षीय गेंदबाज को अपनी टीम से जोड़ने में सफल रहा था। बीसीसीआई ने कहा कि 26 मार्च से शुरू होने वाली लीग में जरूरत पड़ने पर केकेआर को उनके स्थान पर किसी अन्य खिलाड़ी का चयन करने की अनुमति होगी। बीसीसीआई सचिव देवजीत सैकिया ने बताया, बीसीसीआई ने कोलकाता नाइट राइडर्स से मुस्तफिजुर रहमान को अपनी टीम से रिलीज करने को कहा है। जरूरत पड़ने पर वह उनके स्थान पर किसी अन्य खिलाड़ी के चयन के लिए कह सकते हैं। अगर वह अनुरोध करते हैं तो बीसीसीआई उन्हें किसी अन्य खिलाड़ी को अपनी टीम से जोड़ने की अनुमति देगा। सैकिया से जब पूछा गया कि बीसीसीआई ने कोलकाता नाइट राइडर्स को ऐसा करने के लिए क्यों कहा है, तो उन्होंने कहा, हाल ही में हुई घटनाओं के कारण।

- बीसीसीआई के निर्देश पर की कार्रवाई, आईपीएल के आगामी सत्र से बाहर
- भारत-बांग्लादेश के बीच बढ़ते तनाव के मद्देनजर यह कदम उठाया

हिंदुओं पर अत्याचार के बाद बीसीसीआई पर बढ़ा था दबाव

केकेआर ने कहा, कोलकाता नाइट राइडर्स पुष्टि करता है कि आईपीएल के नियामक बीसीसीआई–आईपीएल ने आगामी सत्र से पहले मुस्तफिजुर रहमान को टीम से रिलीज करने का निर्देश दिया है। केकेआर ने कहा, भारतीय क्रिकेट बोर्ड के निर्देश पर उचित प्रक्रिया और परामर्श के बाद (खिलाड़ी को) रिलीज कर दिया गया है। बांग्लादेश में हाल ही में एक हिंदू व्यक्ति की हत्या और वहां अल्पसंख्यकों की सुरक्षा को लेकर भारत की चिंता के मद्देनजर बांग्लादेशी क्रिकेटर की भागीदारी को लेकर बीसीसीआई पर दबाव बढ़ता जा रहा था।

इस बार के रविवारीय संस्करण 'लोक दर्पण' में, परीक्षा की चिंता दबाव, डर और उससे निकलने की राह व अन्य विषयों पर विशेष सामग्री दी जा रही है।

☞ www.amritvichar.com

वेनेजुएला पर अमेरिका की एयर स्ट्राइक राष्ट्रपति मादुरो व उनकी पत्नी गिरफ्तार

राष्ट्रपति ट्रंप ने की हमले की पुष्टि, कहा- लाइव देखी गिरफ्तारी, चार दिन तक इंतजार किया

काराकस (वेनेजुएला), एजेंसी

अमेरिका ने शुक्रवार देर रात को वेनेजुएला पर बड़े पैमाने पर हमला किया। इसके बाद राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने दावा किया कि राष्ट्रपति निकोलस मादुरो और उनकी पत्नी को गिरफ्तार कर लिया गया है और उन्हें देश से बाहर ले जाया गया है। उन पर अमेरिका में मुकदमा चलाया जाएगा।

ट्रंप ने हमले के कुछ घंटों बाद सोशल मीडिया पर इस संबंध में एक पोस्ट भी की। उन्होंने कहा कि मादुरों की गिरफ्तारी को उन्होंने लाइव देखा है, जिसके लिए उन्होंने चार दिन तक इंतजार किया। वेनेजुएला की राजधानी काराकस में कम ऊंचाई पर उड़ते कई विमानों और कम से कम सात विस्फोटों की आवाज सुनी गई। शुक्रवार देर रात स्थानीय समयानुसार करीब दो बजे हुई इस घटना को लेकर टिप्पणी करते हुए वेनेजुएला सरकार ने अमेरिका पर कई राज्यों में सैन्य तथा सैन्य प्रतिष्ठानों पर हमला करने का आरोप लगाया। वेनेजुएला की सरकार ने इसे साम्राज्यवादी हमला करार दिया और नागरिकों से सड़कों पर उतरने का आह्वान किया।

ट्रंप ने 4:30 बजे (ईस्टर्न टाइम) के बाद 'ट्रुथ सोशल' पर इन घटनाक्रमों की घोषणा की। यह अभियान अमेरिकी कानून प्रवर्तन एजेंसियों के सहयोग से चलाया गया। वेनेजुएला के राष्ट्रपति मादुरो के पहले से रिकॉर्ड किए गए वीडियों को गुरुवार को प्रसारित किया गया जिसमें वह कहते देखे गए कि अमेरिका वेनेजुएला में सरकार बदलने के लिए दबाव बनाने के साथ उसके विशाल तेल भंडार तक पहुंच हासिल करना चाहता है।

अमेरिकी हमले के बाद वेनेजुएला की राजधनी में लगी आग। दाएं : धमाकों के बाद सड़कों पर निकले लोग।

मादुरो पर अमेरिका में नशीले पदार्थों से जुड़े आतंकवाद का सहारा लेने का आरोप

काराकस। यह हमला ऐसे समय हुआ है जब ट्रंप प्रशासन ने मादुरो पर दबाव बढ़ाया है। ट्रंप ने मादुरो पर अमेरिका में नशीले पदार्थों से जुड़े आतंकवाद का सहारा लेने का आरोप लगाया है। पिछले हफ्ते वेनेजुएला के मादक पदार्थ गिरोहों द्वारा इस्तेमाल किए जाने वाले एक 'डॉकिंग' (बंदरगाह) क्षेत्र पर अमेरिका खुफिया एजेंसी सेंट्रल इन्वेस्टिगेशन एजेंसी ने ड्रोन हमला किया था। सितंबर में अमेरिका द्वारा हमले शुरू किए जाने के बाद से वेनेजुएला की धरती पर यह पहला ज्ञात प्रत्यक्ष अभियान था। ट्रंप महीनों से धमकी दे रहे थे।

उपराष्ट्रपति रॉड्रिग्ज ने मादुरो के जीवित होने का प्रमाण मांगा

काराकस। वेनेजुएला की उपराष्ट्रपति डेल्सी रॉड्रिग्ज ने कहा है कि अमेरिकी सेना द्वारा राष्ट्रपति मादुरो और उनकी पत्नी को पकड़े जाने के बाद सरकार को नहीं पता कि वे कहां हैं। रॉड्रिग्ज ने कहा, हमें इसकी जानकारी नहीं कि राष्ट्रपति निकोलस मादुरो और उनकी पत्नी सिलिया फ्लोरेस कहां है। हम उनके जीवित होने का प्रमाण मांगते हैं।

न्यूयार्क में मादुरो और उनकी पत्नी पर चलेगा आपराधिक मामला

काराकस। अमेरिकी अटॉर्नी जनरल पाम बोंडी ने कहा है कि न्यूयॉर्क में अभ्यारोपित होने के बाद वेनेजुएला के अपदस्थ नेता निकोलस मादुरो और उनकी पत्नी सिलिया फ्लोरेस को आपराधिक आरोपों का सामना करना पड़ेगा। मादुरो को 2020 में न्यूयॉर्क में अभ्यारोपित किया गया था।

सिंचाई की परियोजनाओं को मिले 6,431 करोड़

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- बुंदेलखंड, पूर्वांचल और पश्चिमी यूपी में सिंचाई, पेयजल व कृषि को मिलेगी नई मजबूती
- पश्चिमी यूपी में मध्य गंगा चरण–2 से बाढ़ व सिंचाई समस्या का होगा बड़ा समाधान

अमृत विचार: मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के प्रयासों से शनिवार को राज्य ने सिंचाई क्षमता में क्रांति की दिशा में बड़ी उपलब्धि हासिल की है। केंद्र सरकार के जल शक्ति मंत्रालय की दीर्घकालिक सिंचाई कोष योजना (एलटीआईएफ) के अंतर्गत नाबार्ड ने प्रदेश की तीन प्रमुख नहर परियोजनाओं के लिए 6,431.34 करोड़ रुपये की धनराशि स्वीकृत की है। इसके तहत बुंदेलखंड में अर्जुन सहायक नहर, पूर्वांचल के लिए सरयू नहर परियोजना और पश्चिमी उत्तर प्रदेश में मध्य गंगा नहर परियोजना (चरण-2) का निर्माण व क्षमता विस्तार किया जाएगा।

नाबार्ड के अधिकारियों के मुताबिक इसके तहत बुंदेलखंड क्षेत्र में अर्जुन सहायक नहर, पूर्वांचल के क्षेत्र में सरयू नहर और संभल, मुरादाबाद, अमरोहा जनपद में मध्य गंगा नहर परियोजना के दूसरे चरण का निर्माण किया जाएगा। ये परियोजनाएं पूर्वी, पश्चिमी यूपी में बाढ़ नियंत्रण के साथ बुंदेलखंड के सूखा प्रभावित क्षेत्र में कृषि उत्पादन, उत्पादकता और किसानों की आय में उल्लेखनीय वृद्धि होने के साथ पेयजल और भूगर्भ जल की समस्या के समाधान में भी मदद मिलेगी। नदियों के चैनलाइजेशन से जल प्रबंधन सुदृढ़ होगा और जलवायु परिवर्तन व ग्लोबल वार्मिंग की चुनौतियों से निपटने में भी प्रदेश को मजबूती मिलेगी।

1,899.35 करोड़ सरयू नहर को

सरयू नहर परियोजना के अंतर्गत 1,899 .35 करोड़ स्वीकृत किए गए हैं। यह परियोजना बहराइच, श्रावस्ती, बलरामपुर, गोंडा, बस्ती, संत कबीर नगर, महाराजगंज, सिद्धार्थनगर और गोरखपुर जिलों में फैली है। इसके माध्यम से सरयू, राप्ती, बाणगंगा और रोहिणी नदियों के अतिरिक्त जल का चैनलाइजेशन किया जाएगा। इससे 6,227 गांवों के 30 लाख किसान लाभान्वित होंगे और 15 लाख हेक्टेयर क्षेत्र को सिंचाई सुविधा मिलेगी।

अर्जुन सहायक के लिए 1,353 करोड़ मंजूर

बुंदेलखंड क्षेत्र की अर्जुन सहायक परियोजना के लिए 1,353 .86 करोड़ स्वीकृत किए गए हैं। यह परियोजना महोबा, हमीरपुर और बांदा जिलों को कवर करती है।

ब्रीफ न्यूज

छत्तीसगढ़ में दो मुठभेड़ में 14 नक्सली मारे गए

सुकमा/बीजापुर। छत्तीसगढ़ के बस्तर क्षेत्र में सुरक्षाबलों के साथ शनिवार को दो अलग-अलग मुठभेड़ों में 14 नक्सली मारे गए। सुरक्षाबलों की सराहना करते हुए मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने कहा कि सटीक रणनीति, सतत दबाव और मजबूत जमीनी पकड़ के चलते यहां माओवादी नेटवर्क तेजी से ढह रहा है। अधिकारियों ने बताया कि सुरक्षाबलों ने सुकमा जिले में 12 नक्सलियों तथा पड़ोसी जिले बीजापुर में दो अन्य नक्सलियों को मार गिराया। उन्होंने बताया कि बीजापुर और सुकमा जिलों के दक्षिणी क्षेत्रों में सशस्त्र माओवादियों की मौजूदगी की जानकारी के आधार पर सुरक्षाबलों ने तलाश अभियान शुरू किया।

आंध्र प्रदेश में दवा की फैक्टरी में विस्फोट

रामबिल्ली। आंध प्रदेश के अनकापल्ली में एसवीएस फार्मा की फैक्टरी में शनिवार को विस्फोट हो गया, लेकिन किसी के हताहत होने की खबर नहीं है। पुलिस अधीक्षक तुहिन सिन्हा ने बताया कि दवा कंपनी में अपराह्न 4 .15 बजे से 4 .30 बजे के बीच विस्फोट हुआ। यह विस्फोट एसवीएस फार्मास्युटिकल कंपनी में हुआ। पुलिस के अनुसार, विस्फोट के समय परिसर के अंदर लगभग 10 लोग मौजूद थे और वे सभी सुरक्षित बाहर आ गए।

2025 में दिल्ली में वायु प्रदूषण का 65 % हिस्सा बाहर से आया

- सेंटर फॉर रिसर्च ऑन एनर्जी एंड क्लीन एयर की रिपोर्ट में खुलासा

नई दिल्ली, एजेंसी

वर्ष 2025 में दिल्ली के वायु प्रदूषण का 65 प्रतिशत हिस्सा शहर के बाहर से, मुख्य रूप से एनसीआर के अन्य जिलों से आया, जबकि शेष 35 प्रतिशत का कारण स्थानीय स्रोत रहे।

सेंटर फॉर रिसर्च ऑन एनर्जी एंड क्लीन एयर के विश्लेषण के अनुसार, निर्णय समर्थन प्रणाली के शीतकालीन आंकड़ों से पता चला कि 2025 में राष्ट्रीय राजधानी में बाहर से आना वाला प्रदूषण, स्थानीय उत्सर्जन से अधिक था। सीआरईए के विश्लेषक मनोज ने कहा, दिल्ली की भौगोलिक स्थिति भी इसे संवेदनशील बनाती है, क्योंकि उत्तरी व उत्तर-पश्चिमी हवाएं आसपास के क्षेत्रों से प्रदूषित हवा को शहर में लाती हैं। इसलिए, संकट से निपटने के लिए केवल शहर-विशिष्ट उपायों के कार्रवाई की आवश्यकता है।

उद्यमियों को इंफ्रास्ट्रक्चर विकसित करने में पूरी मदद देंगे : योगी

- सीआईआई प्रतिनिधि बोले- यूपी में व्यापार और निवेश का माहौल बहुत मजबूत

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : मुख्यमंत्री योगी ने भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई) के शीर्ष प्रतिनिधियों से मुलाकात के दौरान शनिवार को कहा कि प्रदेश में उद्योगों के लिए इंफ्रास्ट्रक्चर विकसित करने में राज्य सरकार हरसंभव मदद करेगी। उन्होंने कहा कि बेहतर कानून-व्यवस्था, पारदर्शी प्रशासन और निवेश-अनुकूल नीतियों के कारण प्रदेश आज देश का सबसे भरोसेमंद निवेश गंतव्य बनकर उभरा है।

मुख्यमंत्री ने उद्योगों को आश्वस्त किया कि सरकार की प्राथमिकता है कि निवेशकों को सुरक्षित, स्थिर और अनुकूल वातावरण मिले, ताकि औद्योगिक परियोजनाएं समयबद्ध तरीके से धरातल पर उतर सकें। योगी से शनिवार को आवास पर भारतीय उद्योग परिसंघ के शीर्ष प्रतिनिधियों ने राजीव मेमानी, उमाशंकर भरतिया और सुनील मिश्रा के नेतृत्व में मुलाकात कर निवेश, इंफ्रास्ट्रक्चर और औद्योगिक विस्तार को लेकर विस्तृत विचार-विमर्श किया। प्रतिनिधियों ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि सीएम योगी के नेतृत्व में प्रदेश का सिस्टम और गवर्नेंस मॉडल पूरी तरह बदला है। प्रतिनिधिमंडल ने कहा कि एक्सप्रेसवे, औद्योगिक कॉरिडोर, एयरपोर्ट, लॉजिस्टिक्स हब के साथ बिजली-पानी जैसी बुनियादी सुविधाओं के तेज विकास ने राज्य के औद्योगिक इकोसिस्टम को नई मजबूती दी है। कहा कि बेहतर कानून, सशक्त इंफ्रास्ट्रक्चर, पारदर्शी प्रशासन और त्वरित निर्णय प्रक्रिया के चलते उत्तर प्रदेश अब एक विश्वसनीय और स्थिर निवेश राज्य के रूप में उभर चुका है।

एक ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था में भागीदार होंगे

उद्योग प्रतिनिधियों ने कहा कि प्रदेश को एक ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाने के विजन में वे सक्रिय भागीदार बनना चाहते हैं। मुख्यमंत्री के साथ इंडस्ट्रियल डेवलपमेंट को और गति देने पर चर्चा हुई। डिक्रिमिनलाइजेशन विधेयक के लागू होने से उद्योग जगत का भरोसा और बढ़ा है। वहीं, योगी के साथ बातचीत में यह भी सामने आया कि ईज ऑफ डूइंग बिजनेस अब केवल नीति तक सीमित नहीं, बल्कि जमीन पर प्रभावी ढंग से लागू हो रहा है। सिंगल-विंडो सिस्टम 'निवेश मित्र' वर्तमान में 43 विभागों की 525 से अधिक सेवाएं प्रदान कर रहा है।

बांग्लादेश में हमले के 3 दिन बाद हिंदू कारोबारी की मौत

ढाका/नई दिल्ली, एजेंसी

- खोकोन चंद्र दास (50) पर बुधवार रात हुआ था हमला
- दिसंबर से हिंदू समुदाय के किसी व्यक्ति की यह पांचवीं मौत

बांग्लादेश में तीन दिन पहले बर्बर हमले के बाद आग के हवाले किए गए एक हिंदू व्यापारी की शनिवार को मौत हो गई। अल्पसंख्यक समुदाय के एक नेता ने यह जानकारी दी।

बांग्लादेश हिंदू बौद्ध ईसाई एकता परिषद के प्रवक्ता काजोल देबनाथ ने कहा कि दिसंबर से हिंदू समुदाय के किसी व्यक्ति की यह पांचवीं मौत है और बांग्लादेश में कट्टरपंथी समूह अल्पसंख्यक समुदायों को डराने-धमकाने की कोशिश कर रहे हैं।

खोकोन चंद्र दास (50) पर बुधवार रात को शरीयतपुर जिले के केउरभंगा बाजार के पास उस समय हमला किया गया जब वह अपनी दुकान बंद करके घर लौट रहे थे। हमलावरों ने वाहन को रोक लिया और उनकी पिटाई की, धारदार हथियारों से वार किये और फिर उनपर पेट्रोल डालकर आग लगा दी थी। देबनाथ ने कहा, दिसंबर महीने में यह पांचवें हिंदू व्यक्ति की मौत है। इस महीने हमने समुदाय पर सात हमले दर्ज किए हैं।

उपलब्धि एक माह में राष्ट्रीय स्तर पर दो बड़े सम्मान, सहफसली खेती से कर रहे दो लाख रुपये प्रति हेक्टेयर की अतिरिक्त आमदनी

खेती में नवाचार की मिसाल बने प्रगतिशील किसान अचल

विकास शुक्ल, लखीमपुर खीरी

अमृत विचार : तराई क्षेत्र के प्रगतिशील किसान अचल कुमार मिश्रा ने पारंपरिक खेती को नवाचार से जोड़कर न केवल अपनी आमदनी बढ़ाई है, बल्कि जिले का नाम प्रदेश और राष्ट्रीय स्तर पर भी रोशन किया है। खेती में सहफसली मॉडल अपनाकर उन्होंने यह साबित कर दिया है कि यदि वैज्ञानिक सोच और बाजार की मांग को समझकर खेती की जाए तो किसान भी मिलेनियर फार्मर बन सकता है।

विकास खंड बिजुआ के गांव मेड़ईपुरवा जगदेवपुर निवासी अचल कुमार मिश्रा ने शरदकालीन गन्ने के साथ गेंदा फूल की सहफसली खेती कर अभिनव प्रयोग किया है। इस प्रयोग से उन्हें गन्ने की नियमित आय के साथ दो लाख रुपये प्रति हेक्टेयर की अतिरिक्त आमदनी हो रही है। जगदेवपुर गांव में एक एकड़ भूमि पर शीतकालीन गन्ने की बुवाई ट्रेंच विधि से की गई, जिसमें गन्ने की कतारों के बीच गेंदा बोया गया। गेंदा की फसल लगभग अप्रैल माह तक तैयार हो जाती है। इसके बाद गन्ने की बढ़वार तेजी से शुरू होती है, जिससे दोनों फसलों में कोई प्रतिस्पर्धा नहीं होती। वे फूलों की नेपाल तक सप्लाई कर रहे हैं। अचल का कहना है कि सहफसली खेती किसानों की आर्थिक स्थिति सुधारने का प्रभावी माध्यम है।

गन्ने की सहफसली खेती में लहलहाते गेंदे के फूल। दाएं : प्रगतिशील किसान अचल कुमार मिश्रा।

राष्ट्रीय स्तर पर कई सम्मान

अचल को आईसीएआर, पूसा नई दिल्ली से वर्ष 2023-24 के लिए लगातार दो बार फार्मर मिलेनियम अवार्ड से सम्मानित किया जा चुका है। हरियाणा में आयोजित राष्ट्रीय किसान कार्यक्रम में उन्हें सर्वश्रेष्ठ किसान पुरस्कार भी प्राप्त हुआ। दिसंबर माह में ही उन्हें दो और राष्ट्रीय सम्मान क्रमशः मिलेनियर फार्मर किसान सम्मान और आईसीएआर स्तर पर विशेष सम्मान मिला।

मांग को बनाया अवसर

अचल बताते हैं कि जिले की धार्मिक नगरी गोला गोकर्णनाथ में स्थित प्राचीन शिव मंदिर के कारण फूलों की मांग पूरे वर्ष बनी रहती है। इसी मांग को अवसर में बदलते हुए उन्होंने गन्ने के साथ स्थानीय स्तर पर गेंदे की खेती शुरू की। उन्होंने सरकार की फ्लोरिकल्चर मिशन योजना के अंतर्गत किसानों का एक क्लस्टर भी तैयार किया, ताकि आसपास के किसान भी फूलों की खेती से जुड़ सकें।

अन्य किसानों के लिए बने प्रेरणा स्रोत

अचल की यह सफलता अब जिले के अन्य किसानों के लिए प्रेरणास्रोत बन रही है। उनके खेतों पर किसानों का आवागमन बना रहता है, जो उनके प्रयोग को अपनाने की कोशिश कर रहे हैं। कृषि विशेषज्ञों का मानना है कि यदि इस मॉडल को बड़े स्तर पर अपनाया जाए तो गन्ना किसानों की आमदनी में उल्लेखनीय वृद्धि हो सकती है। अचल ने साबित कर दिया है कि गन्ने की मिठास के साथ फूलों की खुशबू जोड़कर खेती को खुशहाल बना सकते है।

अमृत विचार

कानपुर, रविवार, 4 जनवरी 2026

न्यूज ब्रीफ

'रोजगार दो-सामाजिक न्याय दो' पदयात्रा 16 से

अमृत विचार, लखनऊ : उत्तर प्रदेश में बेरोजगारी, पेपर लीक और आरक्षण में कथित घोटालों के खिलाफ 16 से 22 जनवरी तक आम आदमी पार्टी (आप) तीसरे चरण की 'रोजगार दो-सामाजिक न्याय दो' पदयात्रा निकालेगी। यह पदयात्रा मिर्जापुर के शहीद उद्यान से काशी-वाराणसी के सारनाथ तक लगभग 100 किलोमीटर के रूट पर आयोजित होगी। यह जानकारी पार्टी के उप्र. प्रभारी व राज्यसभा सांसद संजय सिंह ने दी। गोमतीनगर स्थित प्रदेश पार्टी कार्यालय में शनिवार को प्रेस कांफ्रेंस में आप सांसद ने कहा कि प्रदेश में युवाओं के भविष्य के साथ लगातार खिलवाड़ हो रहा है। उन्होंने कहा कि यह पदयात्रा बेरोजगार युवाओं, वंचित वर्गों और सामाजिक अन्याय के शिकार लोगों की आवाज बनेगी।

शिक्षकों का समायोजन निरस्त करने की मांग

अमृत विचार, लखनऊ : बेसिक शिक्षा परिषद के अंतर्गत किए गए तीसरे चरण के शिक्षक समायोजन में राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ उत्तर प्रदेश (प्राथमिक संवर्ग) ने अनियमितताओं के आरोप लगाए हैं, महासंघ ने जिला स्तर पर किए गए समायोजन को निरस्त करने की मांग की है। इस संबंध में संगठन ने उच्चाधिकारियों को ज्ञापन भेजा है। प्रदेश अध्यक्ष शिवशंकर सिंह ने शनिवार को बताया कि शैक्षिक सत्र 2025-26 में शिक्षकविहीन और एकल विद्यालयों में सरप्लस शिक्षकों के समायोजन के शासनादेश के बावजूद जिलों में अलग-अलग मानक अपनाए गए हैं।

समाजवादी पीडीए पंचांग-2026 जारी

पीडीए पंचांग जारी करते अखिलेश यादव।

अमृत विचार, लखनऊ : सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने शनिवार को पार्टी मुख्यालय में समाजवादी पीडीए पंचांग-2026 का विमोचन किया। पंचांग का प्रकाशन अखिल भारतीय चौरसिया महासभा ने किया है, जिसमें विशेष रूप से पीडीए समाज के महापुरुषों की जयंती एवं पुण्यतिथि के साथ राष्ट्रीय एवं ऐतिहासिक दिवसों का भी उल्लेख है। महासभा के प्रदेश अध्यक्ष डॉ. अजय चौरसिया ने बताया कि पंचांग में रोजाना की आवश्यकता के भी कालम हैं। सावित्री बाई फुले की जयंती के अवसर पर सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने सावित्री बाई के चित्र पर माल्यार्पण कर श्रद्धासुमन अर्पित किए।

माघ मेला की भव्य शुरुआत, संगम पर उमड़ा आस्था का सैलाब

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- पौष पूर्णिमा पर 22 लाख से अधिक श्रद्धालुओं ने लगाई डुबकी
- प्रशासन रहा मुस्तैद, सुरक्षा के रहे अभूतपूर्व इंतजाम

अमृत विचार : तीर्थराज प्रयागराज में शनिवार को पौष पूर्णिमा स्नान पर्व के साथ आध्यात्मिक और सांस्कृतिक वार्षिक समागम माघ मेला-2026 की भव्य शुरुआत हुई। कड़ाके की ठंड और गलन के बावजूद तड़के ब्रह्म मुहूर्त से ही पवित्र त्रिवेणी संगम और आसपास के घाटों पर श्रद्धालुओं का सैलाब उमड़ पड़ा। प्रशासन के अनुसार सायं चार बजे तक 22 लाख से अधिक श्रद्धालु संगम में पुण्य स्नान कर चुके थे, जबकि यह संख्या रात तक 25 लाख पार करने का अनुमान है।

गंगा, यमुना और अदृश्य सरस्वती के संगम पर पूरे दिन स्नान, पूजन और दान का क्रम चलता रहा। संगम तट पर आध्यात्मिक उल्लास और धार्मिक आस्था का अनुपम दृश्य देखने को मिला। देश के कोने-कोने से आए श्रद्धालुओं, संत-महात्माओं और अखाड़ों ने माघ मेले की पहली डुबकी लगाई। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर प्रशासन द्वारा की गई व्यापक व्यवस्थाओं से श्रद्धालु संतुष्ट नजर आए। संगम क्षेत्र में स्नान, आवागमन और सुरक्षा की पुख्ता व्यवस्था रही।

माघ मेले की शुरुआत के साथ ही पूरा मेला क्षेत्र उत्सव और उल्लास से सराबोर हो गया। प्रयागराज की मंडलायुक्त सौम्या ने बताया कि शाम पांच बजे तक 22 लाख से अधिक श्रद्धालुओं ने स्नान किया और यह क्रम लगातार जारी है। मेला पुलिस अधीक्षक नीरज पांडेय के अनुसार, मेला क्षेत्र और शहर में 1500 से अधिक सीसीटीवी कैमरों से 24 घंटे निगरानी की जा रही है। पब्लिक एड्रेस सिस्टम, वॉच टावर, जल पुलिस और आधुनिक उपकरणों से लैस सुरक्षाकर्मियों के जरिए प्रभावी भीड़ प्रबंधन सुनिश्चित किया गया है।

पौष पूर्णिमा पर प्रयागराज में संगम तट पर कड़ाके की ठंड और गलन के बावजूद पवित्र स्नान के बाद पूजा-अर्चना करते श्रद्धालु।

माघ मेले में प्रस्तुति देंगे ख्याति प्राप्त कलाकार

अमृत विचार, लखनऊ: प्रयागराज की त्रिवेणी भूमि पर 3 जनवरी से शुरू माघ मेला-2026 में संस्कृति विभाग, उप्र. अंतर्गत संस्कृति निदेशालय की स्वायत्तशासी संस्थाओं की ओर से भव्य सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा। शनिवार को पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने ने बताया कि संस्कृति विभाग द्वारा चयनित ख्यातिलब्ध कलाकारों की सहभागिता से शास्त्रीय संगीत, वाद्य संगीत, शास्त्रीय नृत्य, लोकनृत्य, भजन, कबीर वाणी, सुंदरकांड, शंख वादन, देशभक्ति एवं उप-शास्त्रीय प्रस्तुतियां होंगी। बताया कि माघ मेला के दौरान लोकगायिका मालिनी अवस्थी, भजन सम्राट अनूप जलोटा, कबीर कैफे, ममता जोशी, मैहर बैंड सहित कई प्रसिद्ध कलाकारों की प्रस्तुतियां प्रस्तावित हैं।

फर्जीवाड़ा कर 89 मदरसों ने हासिल की मान्यता, दर्ज होगी एफआईआर

143 मदरसों की मान्यता की एसआईटी जांच में 42 प्रबंधक मिले दोषी

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- अल्पसंख्यक कल्याण विभाग के अधिकारियों व कर्मचारियों की मिलीभगत
- 11.73 करोड़ रुपये सरकारी धन के गबन के मिले साक्ष्य

अमृत विचार: मदरसा बोर्ड में फर्जीवाड़ा कर मान्यता हासिल करने का खेला बदस्तूर जारी है। हाल ही में शासन द्वारा गठित स्पेशल इन्वेस्टिगेशन टीम (एसआईटी) ने मिर्जापुर के 143 मदरसों के मान्यता की जांच की। जिसमें 89 ने फर्जीवाड़ा कर मान्यता की मंजूरी करा ली। इन मदरसों ने मान्यता के साथ ही सरकारी धन का भी खुलेआम उपभोग किया। इस बड़े घोटाले में एसआईटी ने अपनी रिपोर्ट शासन को भेजी है। जिसमें अल्पसंख्यक कल्याण विभाग के अधिकारी व कर्मचारी के अलावा 42 मदरसा प्रबंधकों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराने की सिफारिश की है।

मिर्जापुर जिले में संचालित 143 मदरसों की जांच स्पेशल इन्वेस्टिगेशन टीम (एसआईटी) ने की। जांच के दौरान 89 मदरसों की मंजूरी में गंभीर अनियमितताएं पाई गईं। इसके साथ ही मदरसा आधुनिकीकरण योजना के तहत नियुक्त शिक्षकों को बिना किसी भौतिक या दस्तावेजी सत्यापन के अवैध रूप से मानदेय दिए जाने के भी ठोस सबूत मिले हैं।

एसआईटी रिपोर्ट के अनुसार, इस पूरे मामले में तत्कालीन जिला अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारियों, कर्मचारियों और मदरसा प्रबंधकों की मिलीभगत सामने आई है। रिपोर्ट में नीरज कुमार अग्रवाल, (वर्तमान जिला अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारी, सिद्धार्थनगर), विष्णु कुमार मिश्रा (वर्तमान जिला अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारी, सोनभद्र), विजय प्रताप यादव (वर्तमान उप निदेशक, आजमगढ़), शिव शंकर मालवीय (सेवानिवृत्त क्लर्क), राजेश गिरी (कंप्यूटर ऑपरेटर) और 42 मदरसा प्रबंधकों को दोषी ठहराया गया है। एसआईटी ने इन सभी के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराने की सिफारिश की है।

जांच में यह भी सामने आया कि अधिकारियों और कर्मचारियों ने मदरसा प्रबंधकों के साथ मिलकर सरकारी आदेशों और उत्तर प्रदेश मदरसा शिक्षा परिषद अधिनियम, 2004 का उल्लंघन करते हुए मदरसों को अस्थायी मान्यता दी। इसके बाद बिना उचित जांच-पड़ताल के शिक्षकों के वेतन के लिए बजट की मांग की गई और कई ऐसे मदरसों को भी भुगतान कर दिया गया, जिनके लिए बजट स्वीकृत नहीं था। इस प्रक्रिया में करीब 11.73 करोड़ रुपये के सरकारी धन के गबन के साक्ष्य मिले हैं। वहीं, तत्कालीन जिला अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारी विनोद कुमार जायसवाल (वर्तमान में उप निदेशक, गोरखपुर) पर वर्ष 2017 में बिना किसी सत्यापन के डिजिटल हस्ताक्षर के जरिए मदरसों को लॉक करने और लगभग 1.94 करोड़ रुपये के भुगतान का आरोप है। उनके खिलाफ लापरवाही और शिथिलता को लेकर विभागीय जांच पहले से ही चल रही है, हालांकि एसआईटी ने उनके खिलाफ एफआईआर की सिफारिश नहीं की है।

26 जून 2020 को अल्पसंख्यक कल्याण निदेशक की सिफारिश पर 2 नवंबर 2020 को इस प्रकरण की जांच एसआईटी से कराने का निर्णय लिया गया था। जांच के दौरान दस्तावेजी और मौखिक साक्ष्यों के विश्लेषण के बाद बड़े पैमाने पर अनियमितताओं की पुष्टि हुई। रिपोर्ट सामने आने के बाद अब इस मामले में राज्य स्तर पर सख्त कानूनी और विभागीय कार्रवाई की संभावना बढ़ गई है।

अयोग्य कोर्स कोआर्डिनेटर के प्रमाण-पत्रों की होगी जांच, विभाग ने शासन से की सिफारिश

अमृत विचार, लखनऊ: मुख्यमंत्री अभ्युदय योजना के तहत संचालित अभ्युदय कोचिंग सेंटरों में भर्ती हुए 48 अयोग्य कोर्स कोआर्डिनेटर के सारे प्रमाण-पत्रों की जांच कराई जाएगी। इसकी सिफारिश समाज कल्याण विभाग ने शासन से की है। वहीं, गोमतीनगर पुलिस इस मामले में दर्ज एफआईआर की जांच शुरू कर दी है। पुलिस मामले से जुड़े साक्ष्य व दस्तावेज जुटा रही है। इसके बाद आरोपियों को नोटिस जारी करेगी। मुख्यमंत्री अभ्युदय योजना के तहत संचालित अभ्युदय कोचिंग सेंटरों में अयोग्य कोर्स कोआर्डिनेटर 48 की भर्ती की गई थी। इन सभी को 60 हजार रुपये प्रति माह का मानदेय दिया जा रहा था। भर्ती के दो वर्ष बाद इस फर्जीवाड़े का खुलासा हुआ। इसके बाद गोमतीनगर थाने में एफआईआर दर्ज कराई गई। आउटसोर्सिंग कंपनी अवनि परिधि एनर्जी-कम्युनिकेशन प्रा. लि. इस मामले में दोषी पायी गई है। इस फर्जीवाड़े में विभाग के अधिकारी व कर्मचारी की भूमिका भी संदिग्ध पायी गई है। इसकी जांच विभागीय स्तर पर चल रही है। वहीं, पुलिस इन सभी की कुंडली खंगाल रही है। दो वर्षों में कुल 48 कोर्स कोआर्डिनेटरों को कुल 6.91 करोड़ रुपये का भुगतान हो चुका है। समाज कल्याण विभाग की ओर से इन सभी कोर्स कोआर्डिनेटरों से रिकवरी की जाएगी। इस मामले में गोमतीनगर थाने में एफआईआर दर्ज कराई गई है।

प्रदेश के 14 सेतुओं की मरम्मत के लिए 1297.90 करोड़ रुपये मंजूर

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- हादसे रोकने की पहल, किसानों, व्यापारियों और औद्योगिक गतिविधियों को भी सीधा लाभ

अमृत विचार : प्रदेश में सड़क और सेतु इंफ्रास्ट्रक्चर को सुरक्षित एवं सुदृढ़ बनाने की दिशा में एक अहम कदम उठाया गया है। सरकार ने वित्तीय वर्ष 2025-26 के दौरान प्रदेश के 14 सेतुओं की मरम्मत एवं अनुरक्षण कार्य के लिए 1297.90 करोड़ रुपये की स्वीकृति प्रदान की है। यह कार्य लोक निर्माण विभाग के माध्यम से प्रदेश के 14 जिलों में कराया जाएगा।

शासनादेश के अनुसार, यह धनराशि राज्य योजना (सामान्य) के अंतर्गत सेतु अनुरक्षण मद से खर्च की जाएगी। शासन का उद्देश्य है कि समय से पहले जर्जर हो रहे पुलों की मरम्मत कर यातायात को सुरक्षित बनाया जाए और भविष्य में किसी भी तरह की दुर्घटना की आशंका को रोका जा सके।

स्वीकृत परियोजनाओं के तहत आजमगढ़, चित्रकूट, बांदा, बस्ती, जालौन, लखीमपुर खीरी, सीतापुर, उन्नाव और अमरोहा सहित कुल 14 जिलों में सेतुओं की मरम्मत, रीहैबिलिटेशन, एप्रोच रोड सुधार और सुरक्षा संबंधी कार्य किए जाएंगे। इसमें कुआनो, सई, धसान, बागेन, गोमती, वान नदी और रामगंगा फीडर नहर पर बने सेतु शामिल हैं। शासनादेश में स्पष्ट किया गया है कि प्रत्येक परियोजना के लिए पहले विस्तृत आगणन (डीपीआर) तैयार कर सक्षम अधिकारी से तकनीकी स्वीकृति ली जाएगी। इसके बाद ही कार्य प्रारंभ किया जाएगा। साथ ही यह भी सुनिश्चित किया जाएगा कि इन कार्यों की किसी अन्य योजना के तहत दोहराव न हो।

लोक निर्माण विभाग को निर्देश दिए गए हैं कि सभी मरम्मत कार्य निर्धारित मानकों और स्वीकृत विशिष्टताओं के अनुरूप कराए जाएं। गुणवत्ता में किसी भी तरह की लापरवाही पर संबंधित अभियंताओं की जिम्मेदारी तय की जाएगी।

तीन आरटीओ, 18 एआरटीओ को नई तैनाती

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

- राघवेंद्र सिंह बने आरटीओ वाराणसी, आलोक कुमार यादव लखनऊ और वैभव सोती को एआरटीओ बरेली प्रवर्तन का जिम्मा

अमृत विचार: शासन ने तीन आरटीओ समेत 18 एआरटीओ को नई तैनाती दी है। संभागीय परिवहन अधिकारी (आरटीओ प्रशासन) राघवेंद्र सिंह को वाराणसी, मनोज कुमार सिंह को आरटीओ प्रशासन सहारनपुर व अम्बरीश कुमार को आरटीओ प्रवर्तन मेरठ बनाया गया है। वहीं राजधानी लखनऊ में आलोक कुमार यादव को एआरटीओ प्रवर्तन की जिम्मेदारी सौंपी गई है।

इस आशय के आदेश शनिवार को विशेष सचिव खेमपाल सिंह ने जारी किए हैं। नव प्रोन्नत 18 सहायक संभागीय परिवहन अधिकारियों को विभिन्न जनपदों में तैनाती दी गई है। चंपा लाल को सिद्धार्थनगर का एआरटीओ प्रशासन, अशोक कुमार श्रीवास्तव को गाजियाबाद, कौशल कुमार सिंह को सोनभद्र का एआरटीओ प्रशासन बनाया गया है। वहीं हरिओम को एआरटीओ प्रवर्तन बदायूं, वैभव सोती को एआरटीओ प्रवर्तन बरेली दल, आलोक कुमार यादव को एआरटीओ प्रवर्तन लखनऊ, सतेंद्र कुमार सिंह को एआरटीओ प्रवर्तन मथुरा, विंध्याचल कुमार गुप्ता को कानपुर का एआरटीओ प्रवर्तन का दायित्व सौंपा गया है। मानवेंद्र प्रताप सिंह को सहारनपुर, विनय कुमार सिंह को आगरा, कृष्ण कुमार यादव को फर्रुखाबाद का एआरटीओ प्रशासन बनाया गया है। उमेश चंद्र कटियार को सहायक संभागीय परिवहन अधिकारी प्रवर्तन रायबरेली, गुलाब चंद्र अयोध्या, विपिन कुमार को बागपत, हरिओम को शाहजहांपुर, प्रतीक मिश्रा को फतेहपुर, नीतू शर्मा को बुलंदशहर का एआरटीओ प्रवर्तन बनाया गया है। देवदत्त कुमार को मेरठ का एआरटीओ प्राविधिक बनाया गया है।

अयोध्या में तैनात खान निरीक्षक निलंबित

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- अवैध खनन को लेकर लापरवाही बरतने के आरोप

अमृत विचार : प्रदेश सरकार ने अयोध्या में तैनात खान निरीक्षक पाठक चन्द्रशेखर रामानुज को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है। निलंबन के दौरान उन्हें मुख्यालय लखनऊ से संबद्ध किया गया है। उन पर अवैध खनन और अवैध परिवहन मामलों में लापरवाही बरतने के आरोप लगे थे। सख्त रुख अपनाते हुए शासन द्वारा यह कार्रवाई भ्रष्टाचार के खिलाफ जीरो टॉलरेंस नीति के तहत की गई है।

भूतत्व एवं खनिकर्म विभाग, उप्र. की सचिव एवं निदेशक माला श्रीवास्तव ने शनिवार को बताया कि खान निरीक्षक द्वारा अपने पदीय दायित्वों के निर्वहन में घोर लापरवाही और उदासीनता बरती गई। साथ ही, उप खनिजों के अवैध खनन और अवैध परिवहन पर प्रभावी नियंत्रण बनाए रखने में वे विफल पाए गए। उन्होंने कहा कि विभाग द्वारा अवैध खनन और परिवहन पर पूर्ण अंकुश लगाने के लिए सभी अधिकारियों और कर्मचारियों को कड़े निर्देश दिए गए हैं। यदि किसी भी स्तर पर कोई अधिकारी या कर्मचारी उप खनिजों के अवैध खनन अथवा परिवहन में संलिप्त पाया जाता है, तो उसके विरुद्ध कठोर कार्रवाई की जाएगी।

स्ट्रॉबेरी, ड्रैगनफ्रूट और रागी की खेती से कायम की मिसाल

आधुनिक खेती के प्रशिक्षण से सालाना तीन लाख रुपये कमा रहीं इटावा की मंत्रवती

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार: बेहतर नीति, मजबूत इच्छाशक्ति और आधुनिक सोच से इटावा की एक ग्रामीण महिला ने आत्मनिर्भरता की मिसाल कायम कर दी है। इटावा जिले के भतोरा गांव की रहने वाली मंत्रवती शाक्य आज गांव में रहकर स्ट्रॉबेरी, ड्रैगनफ्रूट और रागी की खेती से सालाना करीब तीन लाख रुपये की कमाई कर रही हैं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की रूरल डेवलपमेंट की विशेष प्लानिंग के तहत स्वयं सहायता समूहों से महिलाओं को जोड़ने और आधुनिक खेती का प्रशिक्षण देने का यह परिणाम है।

मंत्रवती शाक्य

राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन से जुड़ने के बाद मंत्रवती ने पारंपरिक खेती से आगे बढ़ते हुए बाजारोन्मुख और लाभकारी फसलों को अपनाया। आठवीं तक शिक्षित मंत्रवती ने कोरोना काल में नई शुरुआत की। वह एक बीघा में स्ट्रॉबेरी (अक्टूबर-मार्च), तीन बीघे में ड्रैगनफ्रूट (छह माह में कटाई) और रागी जैसे मोटे अनाज की खेती करती हैं। ड्रैगनफ्रूट की खासियत यह है कि एक बार का निवेश 20 साल तक नियमित आमदनी देता है, जिससे उनकी आय स्थायी बनी हुई है।

महिलाओं को दे रहीं प्रशिक्षण, बन रहीं रोल मॉडल

मंत्रवती सिर्फ अपनी नहीं, बल्कि अन्य महिलाओं की भी तकदीर संवार रही हैं। वह जिले के अलग-अलग ब्लॉकों की 50 से अधिक महिलाओं को आधुनिक खेती का प्रशिक्षण दे चुकी हैं। उनका कहना है कि 12-15 महिलाओं का स्वयं सहायता समूह बनाकर शुरुआत की जा सकती है।

गणतंत्र दिवस पर दिल्ली में विशेष अतिथि

मंत्रवती की उपलब्धियों को देखते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ उन्हें दो बार सम्मानित कर चुके हैं। अब यह उनके लिए गौरव का क्षण है कि गणतंत्र दिवस पर नई दिल्ली में कर्तव्य पथ पर आयोजित परेड में वह प्रदेश की ओर से विशेष अतिथि के रूप में शामिल होंगी।

समय पूर्व रिहाई प्रक्रिया न्यायसंगत हो : राज्यपाल

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने निर्देश दिए कि समयपूर्व रिहाई की प्रक्रिया पारदर्शी, न्यायसंगत और सुधारात्मक उद्देश्य के अनुरूप होनी चाहिए, जिससे बंदियों के अधिकार सुरक्षित रह सकें। उन्होंने कारागार व्यवस्था में मानवीय दृष्टिकोण अपनाने, स्वच्छता, स्वास्थ्य, शिक्षा और कौशल विकास की सुविधाओं को सुदृढ़ करने पर विशेष बल दिया।

राज्यपाल शनिवार को राजभवन में कारागार प्रशासन एवं सुधार सेवाएं, उप्र. द्वारा समयपूर्व रिहाई से संबंधित प्रस्तावित शासनादेश पर समीक्षा बैठक को संबोधित कर रही थी। बैठक में बंदियों के आय सृजन और आत्मनिर्भरता पर भी चर्चा हुई। आनन्दी बेन पटेल ने निर्देश दिए कि बंदियों को उनकी रुचि के अनुसार कौशल प्रशिक्षण दिया जाए और उत्पादक गतिविधियों से जोड़ा जाए। जेल परिसरों में उगाई जा रही सब्जियों के उपयोग को आंगनबाड़ी केंद्रों व प्राथमिक विद्यालयों के मध्यान्ह भोजन में शामिल करने की संभावनाओं पर अध्ययन के निर्देश भी दिए गए।

बदलाव व्यवस्था होगी और पारदर्शी, 98 जनकल्याणकारी योजनाओं से जुड़ी फैमिली आईडी

फैमिली आईडी से फर्जी लाभार्थियों पर लगेगी रोक

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- पोर्टल पर अब तक 44 लाख आवेदन, 15.07 करोड़ को सीधा लाभ : प्रमुख सचिव

अमृत विचार: समाज के अंतिम पायदान पर खड़ा व्यक्ति भी सरकारी योजनाओं के लाभ से वंचित न रहे। इसी उद्देश्य से प्रदेश में फैमिली आईडी कार्ड को कल्याणकारी योजनाओं से जोड़कर एक मजबूत और पारदर्शी व्यवस्था विकसित की जा रही है। फैमिली आईडी के माध्यम से डायरेक्ट बेनीफिट ट्रांसफर को प्रभावी बनाया गया है, जिससे फर्जी लाभार्थियों पर रोक लगी है और वास्तविक पात्र परिवारों तक योजनाओं का लाभ निर्बाध पहुंच रहा है।

प्रमुख सचिव नियोजन आलोक कुमार के अनुसार, केंद्र और राज्य सरकार की कुल 98 जनकल्याणकारी योजनाएं अब फैमिली आईडी से जुड़ चुकी हैं। इन योजनाओं का लाभ प्रदेश के 15.07 करोड़ से अधिक लाभार्थियों को मिल रहा है। फैमिली आईडी पोर्टल पर अब तक 44 लाख नागरिक आवेदन कर चुके हैं। शहरी क्षेत्रों में लेखपाल और ग्रामीण क्षेत्रों में ग्राम पंचायत अधिकारी के माध्यम से फैमिली आईडी बनाई जा रही है। एक ही पहचान संख्या से पूरे परिवार का विवरण उपलब्ध होने से योजनाओं का लाभ पारदर्शी, त्वरित और सटीक तरीके से पात्र लोगों तक पहुंच रहा है।

एक परिवार-एक पहचान से योजनाओं का स्वत: चयन

फैमिली आईडी 12 अंकों की विशिष्ट पहचान संख्या है, जिसमें परिवार के सभी सदस्यों की जानकारी दर्ज रहती है। मुख्यमंत्री की मंशा के अनुरूप यह व्यवस्था एक परिवार-एक पहचान के सिद्धांत को साकार कर रही है। इससे पात्रता के आधार पर योजनाओं का स्वत: चयन संभव हो रहा है और दोहराव, अपात्रता या गड़बड़ी की संभावनाएं समाप्त हो रही हैं। फैमिली आईडी लागू होने से नागरिकों को आय, जाति, निवास जैसे प्रमाण पत्रों के लिए अलग-अलग दफ्तरों के चक्कर नहीं लगाने पड़ रहे। सरकार ने यह भी सुनिश्चित किया है कि जो परिवार किसी कारणवश राशन कार्ड से वंचित हैं, वे भी फैमिली आईडी के माध्यम से योजनाओं से जुड़ सकें।

आधार आधारित प्रणाली से गरीबों तक सीधी पहुंच : फैमिली आईडी के लिए परिवार के सभी सदस्यों का आधार नंबर और मोबाइल से लिंक होना अनिवार्य है, जिससे ओटीपी आधारित सत्यापन किया जा सके। यह व्यवस्था गरीब, श्रमिक, किसान, महिला, बुजुर्ग और दिव्यांग तक सरकारी सहायता की सीधी पहुंच सुनिश्चित कर रही है। अब तक 19 लाख से अधिक फैमिली आईडी कार्ड वितरित किए जा चुके हैं और यह कार्ड पूरी तरह निःशुल्क है, जिसका खर्च सरकार स्वयं वहन कर रही है। फैमिली आईडी डाटाबेस में अब तक 15.7 करोड़ से अधिक नागरिक पंजीकृत हैं।

ईडी ने मौर्या उद्योग लि. की 99.26 करोड़ की संपत्ति जब्त की

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- आम्रपाली समूह के निवेशकों के रुपये मौर्या उद्योग में किये गये थे ट्रांसफर, छह मामले दर्ज, 33 आरोपी बनाए

अमृत विचार: प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की लखनऊ टीम ने आम्रपाली समूह के पीएमएलए के तहत 99.26 करोड़ रुपये की संपत्ति अस्थायी रूप से जब्त की है। जब्त की गई संपत्तियों में मौर्या उद्योग लि. का कार्यालय, कारखाना भूमि व भवन शामिल है। यह सुरेका समूह की एक इकाई है। जिसके मालिक नवनीत सुरेका व अखिल सुरेका है। ईडी के अधिकारियों के मुताबिक आम्रपाली समूह के भवन खरीदने में निवेशकों ने करोड़ों रुपये निवेश किये, जिसे मौर्या उद्योग लि. में लगाया गया।

ईडी के मुताबिक, मौर्या उद्योग लि. की 30 दिसंबर 2016 तक कुल बाजार मूल्य 99.26 करोड़ रुपये था। ईडी ने गौतम बुद्ध नगर, उत्तर प्रदेश के विभिन्न पुलिस स्टेशनों और दिल्ली पुलिस के ईओडब्ल्यू में दर्ज कई एफआईआर के आधार पर कार्रवाई की है। यह मामला पीड़ित घर खरीदारों की ओर से दायर याचिकाओं पर दर्ज किया गया है। आरोप था कि आम्रपाली समूह ने घर खरीदारों से भारी मात्रा में धन जुटाया। निर्धारित समय के भीतर फ्लैटों का कब्जा नहीं दिया। फर्जी लेनदेन, जालसाजी और धोखाधड़ी की साजिश कर घर खरीदारों के धन का दुरुपयोग किया।

ईडी के मुताबिक, आम्रपाली समूह के निदेशक अनिल शर्मा, शिव प्रिया, अजय कुमार, लेखा परीक्षक अनिल मित्तल, मुख्य वित्तीय अधिकारी चंदर प्रकाश वधवा को गिरफ्तार किया था। ईडी ने छह मामले दर्ज किये हैं। जिसमें 33 लोगों को आरोपी बनाया गया है। ईडी ने अब तक इस समूह से जुड़े लोगों की कुल मिलाकर 303.08 करोड़ रुपये मूल्य की संपत्तियों को कुर्क किया है।

अनुराग हेल्थ केयर प्रा.लि.
•ICU •NICU DIALYSIS
• MODULAR OT
दूरबीन विधि से आपरेशन अब कम खर्च में
सीजीएचएस, मेडीक्लेम व आयुष्मान कार्ड मान्य
117/क्यू/702,
शारदा नगर, कानपुर
9889538233, 7880306999

दिन भर छाए रहे बादल, 45 मिनट ही निकला मद्धिम सूरज

11 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से चली हवाओं ने लोगों को कंपाया

कार्यालय संवाददाता कन्नौज

अमृत विचार। जिले के लोग इस समय भीषण सर्दी से जूझ रहे हैं। कभी लगातार कोहरा मुसीबत बनता है तो कभी सर्द हवाएं हाड़ कंपा देतीं हैं। एक दिन के घने कोहरे के बाद सुबह कोहरे से तो नहीं हुई लेकिन दिन भर बादल छाए रहे। सुबह के ही समय मात्र 45 मिनट के लिए सूरज निकला लेकिन इसकी तपिश बेअसर रही। न्यूनतम तापमान गिर 6.8 डिग्री सेल्सियस रहा। इसके साथ ही ठंडी हवाएं चलने के कारण लोग गलन से बेहाल रहे।

शनिवार सुबह अन्य दिनों के सापेक्ष इस मायने में राहत भरी रही कि कोहरा नहीं छाया। यह बात अलग है कि बादलों का साया बना रहा। कभी घने तो कभी हलके बादलों ने सूरज की किरणों के धरती पर पहुंचने में ब्रेक सा लगा दिया। यद्यपि करीब 10 बजे सूरज ने बादलों की ओट से झांका और दो से तीन बार यही स्थिति रही लेकिन इसके बाद ओझल हो गया। लोग दिन भर धूप की आस में आसमान ताकते नजर आए लेकिन रोशनी में बढ़ोतरी तो हुई पर सूर्य देव ने दर्शन नहीं दिए। स्थान-स्थान पर लोग अलाव जलाकर या फिर हीटर के सहारे राहत पाते नजर आए। कोहरे

दोपहर बाद तीन बजे कुछ इस तरह का रहा नजारा। अमृत विचार

- न्यूनतम तापमान 7 डिग्री से भी नीचे तो अधिकतम 15 डिग्री सेल्सियस रहा

के न होने से सड़कों पर आवाजाही तो बढ़ी लेकिन छुट्टी का दिन होने से रोज के सापेक्ष कम ही रही। बाजार में भी आवश्यक खरीदारी करने वाले ही दिखाई दिए नहीं तो अधिकांशतया सन्नाटे जैसी ही स्थिति रही। उधर, डॉक्टरों ने भी सलाह दी है कि इस भीषण सर्दी में जहां तक हो सके बाहर निकलने से बचें। कृषि मौसम वैज्ञानिक अमरेंद्र यादव ने जानकारी दी कि रविवार को सुबह से घने से ज्यादा घना तक कोहरा छा सकता है। हालांकि इसके बाद आने वाले दिनों में धूप निकलने की संभावना बनी हुई है। भले ही बादल रहे हों लेकिन फिलहाल बारिश को लेकर कोई भविष्यवाणी नहीं है। शनिवार को न्यूनतम तापमान 6.8 और अधिकतम 15 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया। पछुआ हवा 10-11 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से चलने के कारण गलन रही। सूरज निकलने की अवधि 45 मिनट रही जबकि आर्द्रता 85 प्रतिशत रही।

उन्होंने देर से बोए जाने वाले गेहूं को लेकर सलाह दी है कि किसान 25 फीसदी बीज अधिक डालें क्योंकि देरी से बुआई में कल्ले कम आते हैं। बीज कम डालने से उत्पादन पर असर पड़ सकता है। साथ ही खर पतवार नियंत्रण को लेकर 35 दिन के भीतर ही संबंधित दवा का स्प्रे करें।

कोहरा और पाला पड़ने से फसलों पर संकट, किसान करें बचाव

कार्यालय संवाददाता कन्नौज

- जिला उद्यान अधिकारी ने दी कीट व फफूंदीनाशक के छिड़काव की सलाह
- कोहरा एवं बूंदाबांदी के कारण आलू की फसल पिछेती झुलसा की चपेट में आ सकती है

अमृत विचार। वर्तमान में सर्दी की बढ़ोतरी के साथ ही कोहरे और पाले की स्थिति बनी हुई है। ऐसे में फसलों पर कीट, रोग और फफूंदी का खतरा मंडरा रहा है। ऐसे में आलू एवं शाकभाजी फसलों के गुणवत्तापूर्ण उत्पादन हेतु समसामयिक रोगों एवं कीटों का समय से नियंत्रण नितांत आवश्यक है। जिला उद्यान अधिकारी सीपी अवस्थी ने फसलों के बचाव को लेकर कीट व फफूंदीनाशक के छिड़काव की सलाह दी है।

अवस्थी का कहना है कि तापमान में गिरावट, घना कोहरा एवं बूंदाबांदी के कारण आलू की फसल पिछेती झुलसा की चपेट में आ सकती है। बदलीयुक्त, नम वातावरण में यह रोग बहुत तेजी से फैलता है तथा फसल को भारी क्षति पहुंचाता है। इस रोग के प्रकोप में पत्तियों के सिरे झुलसने लगते हैं और भूरे-काले जलीय धब्बे बनते हैं। निचली सतह पर रुई जैसी फफूंद दिखाई देती है। 80 प्रतिशत से अधिक आर्द्रता एवं 10 से 20 डिग्री सेल्सियस तापमान में 2 से 4 दिनों के भीतर पूरी फसल नष्ट हो सकती है।

यह भी बताया कि पाला पड़ने के कारण मिर्च, टमाटर, मटर आदि सब्जी फसलों को भी भारी नुकसान हो सकता है। फसलों को पाले से बचाने तथा नमी बनाए रखने के लिए समय-समय पर सिंचाई की जानी चाहिए।

झुलसा, माहू कीट से बचाने को डालें दवा

- जिला उद्यान अधिकारी ने बताया कि पिछेती झुलसा रोग से बचाव के लिए मैन्कोजेब अथवा प्रोपीनेब 2 .0 से 2 .5 किलोग्राम को 800-1000 लीटर पानी में घोल बनाकर प्रति हेक्टेयर की दर से छिड़काव करें। माहू कीट के प्रकोप की स्थिति में दूसरे छिड़काव में फफूंदीनाशक के साथ इमिडाक्लोप्रिड 17 .1 प्रतिशत एसएल 1 .0 लीटर को 800 से 1000 लीटर पानी में मिलाकर प्रति हेक्टेयर छिड़काव करना चाहिए। जिन खेतों में पिछेती झुलसा लग चुका है, वहां डाईमेथोमार्फ 1 .0 ग्राम तथा मैन्कोजेब 2 .0 ग्राम (कुल 3 ग्राम प्रति लीटर पानी) या सायनोक्सानिल प्लस मैन्कोजेब 3 ग्राम प्रति लीटर पानी में घोल बनाकर छिड़काव करें। 7 से 10 दिन के अंतराल पर छिड़काव दोहराएं।

कीटनाशक प्रयोग करते समय रहें सावधान

- अवस्थी ने किसानों से अपील की कि कीटनाशकों का प्रयोग करते समय सावधानी बरतें। कीटनाशकों को बच्चों एवं पशुओं की पहुंच से दूर रखें, छिड़काव के समय दस्ताने, मास्क एवं आंखों पर चश्मा पहनें। छिड़काव शाम के समय या कम हवा में करें तथा खाली पाउच अथवा डिब्बों को सुरक्षित रूप से मिट्टी में दबाएं, जिससे मानव स्वास्थ्य एवं पर्यावरण सुरक्षित रह सके।

अस्पतालों में कुत्तों की निगरानी को तैनात होंगे नोडल अधिकारी

कन्नौज। अस्पतालों में कुत्तों को रोकने के लिये तैनात होंगे। नोडल अधिकारी एंटी रेबीज इंजेक्शन लगाने के मामलों की भी जांच करेंगे।

निजी व सरकारी अस्पतालों में आवारा कुत्तों को रोका जायेगा। इस के लिये शासन के निर्देश पर नोडल अधिकारियों की तैनाती की जायेगी। इन अधिकारियों की जिम्मेदारी होगी कि अस्पताल परिसर में कुत्ते प्रवेश न कर सकें। इसके लिये अस्पताल गेट पर कर्मचारियों की तैनाती की जायेगी जो कुत्तों को प्रवेश करने से रोकेंगे। इस संबंध में महा निदेशक चिकित्सा स्वास्थ्य डा. रतन पाल सिंह सुमन ने जिले से सीएमओ व अस्पतालों के सीएमएस को पत्र भेजा है। इस में कहा गया है कि कुत्तों के काटने के बाद अस्पतालों में लगाये जाने वाले एंटी रैबीज इंजेक्शन पर भी नजर रखी जाये। उन्होंने सरकारी व निजी सभी तरह के अस्पतालों में इस तरह की व्यवस्था किये जाने के निर्देश दिये हैं। कहा कि जिन अस्पतालों में एंटी रेबीज की वैक्सीन लगाई जाये उनका डाटा सुरक्षित रखा जाये जिनको कुत्तों ने काटा है। डाटा में लिखा जाये कि काटने वाला कुत्ता पालतू था या आवारा था। जिन अस्पतालों में नोडल अधिकारी की तैनाती करदी जाये उसकी सूचना उनको उपलब्ध कराई जाये।

न्यूज ब्रीफ

उड़ीसा में हुआ हादसा ट्रक हेल्पर की मौत

छिबरामऊ। कोतवाली क्षेत्र के गांव सराय गोपाल का रहने वाला ट्रक हेल्पर युवक उड़ीसा में सडक हादसे का शिकार हो गया। इलाज के दौरान

दीपक।

उसकी मौत हो गई। शव के गांव पहुंचते ही परिवार में कोहराम मच गया। सराय गोपाल निवासी राजू का बेटा दीपक ट्रक पर हेल्पर की नौकरी करता था। वह ट्रक पर उडीसा गया था। वहां 29 दिसंबर को भुवनेश्वर में हुए सड़क हादसे में घायल हो गया था। इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया था। इस दौरान दीपक की मौत हो गई। शनिवार को शव के घर पहुंचते ही परिवार में कोहराम मच गया।

अधूरे कार्यों को पूरा करवाना प्राथमिकता : मनोज पोरवाल

सौरिख। शासन की योजनाओं के लंबित पड़े कार्यों को समय अंतर्गत करवाना ही प्राथमिकता है। यह बात सौरिख ब्लॉक के नवागत खंड विकास अधिकारी मनोज पोरवाल ने कार्यभार संभालते समय कही। उन्होंने बताया कि ब्लॉक के अंतर्गत सभी विकास कार्यों एवं समस्याओं का निराकरण समय सीमा के अंतर्गत किया जाएगा। निवर्तमान एवं छिबरामऊ ब्लॉक के खंड विकास अधिकारी दीपांकर आर्य ने उन्हें दायित्व सौंपा। इस अवसर पर एडीओ पंचायत अतुल मिश्रा, एडीओ समाज कल्याण शिशुपाल सिंह यादव, मनीष बाबू, उपेंद्र कुमार, पंकज प्रजापति, राजू यादव, अवनीश सिंह बैंस आदि उपस्थित रहे।

नये वोटर के लिए फार्म भरकर जमा करें

छिबरामऊ। तहसील सभागार में एस आई आर के बाद मतदाता सूची को लेकर समीक्षा बैठक हुई। यहाँ एसडीएम ने बैठक में मौजूद बीएलओ को आवश्यक दिशा निर्देश दिए। एसडीएम ज्ञानेन्द्र कुमार द्विवेदी ने बताया कि 6 जनवरी मतदाता सूची का प्रकाशन किया जायेगा। नये मतदाता वोट बनवाने के लिए फार्म भर कर बीएलओ के पास जमा करें।

बाइक व साइकिल की भिड़ंत में दो लोग घायल

छिबरामऊ। सिकंदरपुर स्थित हाईवे पर हुई बाइक और साइकिल की जोरदार भिड़ंत में दो लोग घायल हो गए। दोनों को तिर्वा मेडिकल कॉलेज के लिए रेफर कर दिया गया। सिकंदरपुर के मोहल्ला आजाद नगर निवासी जावेद खान का 18 वर्षीय पुत्र फैज बाइक से कहीं जा रहा था। तभी एन एच 34 हाइवे पर 7 नंबर के सामने साइकिल सवार ग्राम हसनपुर निवासी कलेक्टर सिंह पुत्र राम सरन से भिडंत हो गई। स्थानीय लोगों की मदद से उन्हें एंबुलेंस के द्वारा सौ शैय्या अस्पताल पहुंचाया गया। यहां कुछ देर चले प्राथमिक उपचार के दौरान हालत गंभीर देख दोनों को तिर्वा मेडिकल कॉलेज के लिए रेफर कर दिया गया।

रास्ता पूछकर बाइक पर बैठाला, उड़ाए 44 हजार रुपये

छिबरामऊ। बाइक सवार युवकों ने टप्पेबाजी की वारदात को अंजाम दिया। मोटरसाइकिल पर सवार दो अज्ञात युवकों ने सौरिख जाने का रास्ता पूछा और मदद के बहाने अपनी बाइक पर बीच में बैठा लिया। रास्ते में उनकी जेब से पैसा निकाल कर उसे जबरदस्ती बाइक से उतार दिया। नगर के मोहल्ला चौधायन निवासी बांके बिहारी पुत्र शिवलाल ने बताया कि वे पोस्ट ऑफिस से काम निपटाकर हीरालाल कॉलेज के सामने जा रहे थे। तभी मोटरसाइकिल पर सवार दो अज्ञात युवकों ने उनसे सौरिख जाने का रास्ता पूछा और मदद के बहाने उन्हें अपनी बाइक पर बीच में बैठा लिया। रोडवेज बस अड्डे के पास पहुंचकर युवकों ने जबरन उन्हें उतार दिया। जब उन्होंने जेब टटोली तो पता चला कि पेंट की जेब से 44 हजार रुपये गायब हैं। युवक नकदी लेकर फरार हो चुके थे।

मरीजों से जानकारी लेते भाकियू (भानु गुट) के पदाधिकारी। अमृत विचार

महिला स्वास्थ्य कर्मी के समर्थन में उतरे किसान नेता

संवाददाता, छिबरामऊ

- बिना सर्जन ऑपरेशन के मामले में भाकियू भानु गुट ने की निष्पक्ष जांच की मांग

अमृत विचार। नगला दिलु स्थित सौ शैया अस्पताल में 23 दिसम्बर को बिना सर्जन के ऑपरेशन का मामला तूल पकड़ गया है। अस्पताल पहुंचे भारतीय किसान यूनियन भानु संगठन ने घटना पर विरोध जताते हुए निष्पक्ष जांच तथा महिला स्वास्थ्य कर्मचारी का समर्थन कर उसकी सुरक्षा के साथ जिला प्रशासन द्वारा सम्मानित किए जाने की मांग की है।

राष्ट्रीय संगठन मंत्री अमन यादव ने कहा कि उक्त वीडियो को बनाने और सार्वजनिक करने वाली महिला स्वास्थ्य कर्मचारी को अस्पताल प्रशासन और कुछ अन्य व्यक्तियों द्वारा धमकियां दी जा रही हैं। उसकी ड्यूटी हटा दी गई है तथा नौकरी से निकालने की धमकियां भी मिल रही हैं। उन्होंने महिला कर्मचारी को सुरक्षा प्रदान करने व जिला प्रशासन द्वारा पुरस्कार दिए जाने की मांग की है। उसके साथ गलत व्यवहार होने की स्थिति में आंदोलन की चेतावनी दी।

डॉक्टरों पर निजी अस्पताल चलाने का आरोप

- अमन यादव ने कहा कि उन्हें जानकारी मिली है कि अस्पताल से जुड़े कुछ डॉक्टर अपने निजी अस्पतालों को संचालित करने में संलग्न हैं, जिससे सरकारी संसाधनों का दुरुपयोग हो रहा है। ऐसा है तो उन पर सख्त कार्रवाई होनी चाहिए।

अस्पताल व्यवस्थाओं में तत्काल सुधार और दोषी अधिकारियों पर सख्त कार्रवाई की मांग की है।

इस दौरान अमित कुमार राजपूत (कानपुर मंडल अध्यक्ष), रविंद्र शर्मा, अयूब खान, आकाश कश्यप, फैजान खान, सचिन मिश्रा, शिवम मिश्रा, परमजीत सिंह, आलोक यादव सहित कई पदाधिकारी मौजूद रहे।

उद्दालक ऋषि आश्रम में इंटरलॉकिंग को क्रिटिकल गैप धनराशि होगी जारी

कार्यालय संवाददाता कन्नौज

- धार्मिक व पर्यटन स्थलों को बढ़ावा देने को लेकर हुई बैठक में जिलाधिकारी ने लिया निर्णय
- जिलाधिकारी आशुतोष मोहन अग्निहोत्री ने कलेक्ट्रेट कार्यालय कक्ष में की समीक्षा बैठक

अमृत विचार। जनपद के प्राचीन उद्दालक ऋषि आश्रम का विकास एवं सौन्दर्यीकरण कराया जा रहा है। इस परियोजना में यात्री विश्राम गृह, शौचालय, इंटरलॉकिंग पाथ-वे, स्टोन बेंच, स्टोन डस्टबिन, साइनेज तथा सोलर लाइट की व्यवस्था कराया जाना प्रस्तावित है। इस क्रम में जिलाधिकारी ने आश्रम में इंटरलॉकिंग हेतु क्रिटिकल गैप धनराशि जारी करने का निर्णय लिया।

जिलाधिकारी आशुतोष मोहन अग्निहोत्री कलेक्ट्रेट कार्यालय कक्ष में आयोजित समीक्षा बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे। इस दौरान जानकारी दी गई कि आश्रम में सुंदरीकरण का कार्य लगभग पूर्ण होने की स्थिति में है। विकास खण्ड उमर्दा के तिर्वा में स्थित माता अन्नपूर्णा देवी मंदिर में सुंदरीकरण के क्रम में मंदिर परिसर में इंटरलॉकिंग एवं कोटा स्टोन का कार्य जारी है।

विकास खण्ड कन्नौज में स्थित मां फूलमती देवी मंदिर में यात्री विश्राम गृह, बेंच, सोलर लाइट, चबूतरा एवं यज्ञशाला का सुंदरीकरण कार्य कराया जाना है। यात्री शेड के स्लैब का कार्य पूर्ण हो चुका है। जिलाधिकारी ने कहा कि इन सभी कार्यों को निर्धारित समय सीमा में पूर्ण किया जाए। निर्माण कार्यों की गुणवत्ता में किसी प्रकार का समझौता नहीं किया जाएगा। कहा है कि

इन सभी कार्यों के पूर्ण होने से धार्मिक स्थलों की गरिमा में वृद्धि होगी तथा श्रद्धालुओं एवं पर्यटकों को स्वच्छ, सुरक्षित एवं सुविधाजनक वातावरण प्राप्त होगा।

फीता काटकर ईंट भट्ठे का उद्घाटन करते विधायक कैलाश राजपूत व मौजूद संचालक।

भट्ठे का उद्घाटन कर बोले विधायक, मिलेगी अच्छी ईंट

संवाददाता तिर्वा

अमृत विचार। विधायक ने जय पीताम्बरा ब्रिक फील्ड का फीता काट कर शुभारंभ किया।

इस अवसर पर कहा कि इस भट्ठे के खुलने से आसपास के लोगों को काफी लाभ होगा। तिर्वा विधान सभा क्षेत्र के विधायक कैलाश राजपूत ने सदर तहसील क्षेत्र के ग्राम गोवा सतौरा में नए खुले ईंट भट्ठे का शुभारंभ किया। इस अवसर पर विधायक ने कहा कि इस भट्ठे के निर्माण से आसपास ग्रामीण क्षेत्र के लोगों को कम कीमत एवं कम भाड़े पर अच्छी एवं गुणवत्ता पूर्ण ईंटें मिलने लगेगी। इस अवसर पर भट्ठे के प्रोपाइटर डॉ. आशीष राजपूत ने विधायक का फूलमालाओं से स्वागत किया। इस दौरान डॉ. सुरेश चंद्र राजपूत, डॉ. जयप्रकाश, अभिनव, प्रवीण कुमार, गोविंद शुक्ला, क्षेत्र के कई ग्राम प्रधान सहित अन्य गणमान्य लोग रहे।

युवक ने जहरीला पदार्थ पीकर दी जान

कन्नौज। युवक संदिग्ध परिस्थिति में मौत हो गई। जानकारी पर परिजन जिला अस्पताल लेकर पहुंचे जहां मौत की पुष्टि हुई। पोस्टमार्टम में मौत का कारण जहरीला पदार्थ पीना आया।

मोहल्ला बगिया फजल इमाम निवासी सतेंद्र जोशी(40) पुत्र दिलीप जोशी ने शुक्रवार की शाम किसी बात से नाराज होकर जहरीला पदार्थ पी लिया। इससे उसकी हालत खराब हो गई। वह बेहोश हो गया। जब परिजनों को जानकारी हुई तो उसे रात 9:30 बजे जिला अस्पताल लेकर पहुंचे। जहां इमरजेंसी के डाक्टर ने जांच के बाद उसकी मौत की पुष्टि की।मौत की सूचना पर परिजनों में कोहराम मच गया । पोस्टमार्टम जांच में मौत की कारण जहरीला पदार्थ पीना आया है। मामले की जांच की जा रही है।

भगवान बुद्ध का जीवन प्रेरणादायक: प्रिया

संवाददाता छिबरामऊ

अमृत विचार। नगला महुअन, खोजीपुर गांव में समस्त ग्रामवासियों के सहयोग से होने वाली सात दिवसीय बुद्ध कथा का शुभारंभ फीता काटकर मुख्य अतिथि जिला पंचायत अध्यक्ष प्रिया शाक्य ने किया।

उन्होंने कहा कि भगवान बुद्ध का जीवन सभी के लिए प्रेरणादायक है। बुद्ध ने समाज में व्याप्त कुरीतियों के विरुद्ध पूरे जीवन संघर्ष किया। वास्तव में, अंत्योदय की राह उन्हीं से मिली। उन्होंने हमेशा शिक्षा पर जोर दिया और अंतिम सांस तक संघर्ष जारी रखा। कथावाचक शाक्य रजनी बौद्ध शास्त्री और प्रज्ञा (नन्दनी) बौद्ध ने भगवान बुद्ध के जन्म की कथा का विस्तार से बखान किया। कथा प्रतिदिन सुबह 11 बजे से शाम 4 बजे तक चलेगी। समापन सात जनवरी को, जबकि आठ को भंडारा आयोजित होगा। इस अवसर पर बड़ी संख्या में महिलाओं सहित विकास शाक्य, अजय शाक्य, हरिराम शाक्य, सुघर सिंह शाक्य, दीपक शाक्य, राहुल उर्फ टिंकू शाक्य, संदीप शाक्य, सिद्ध प्रकाश, जितेंद्र शाक्य, कुलदीप, राम बहादुर और हरीशंकर शाक्य आदि उपस्थित रहे।

पूजा अर्चना करतीं जिला पंचायत अध्यक्ष प्रिया शाक्य। अमृत विचार

अनदेखी

दो वर्ष पहले तक थी कैंटीन व कई दुकानें, किराया अधिक होने से चले गए ठेकेदार

बस स्टैंड पर कैंटीन, दुकानें न होने से विभाग को लाखों की चपत

कार्यालय संवाददाता कन्नौज

अमृत विचार। रोडवेज बस स्टैंड पर कैंटीन समेत दुकानों के न होने से परिवहन विभाग को प्रति माह लाखों रुपये का नुकसान हो रहा है। विभाग की ओर से किराया अधिक लिये जाने से दुकानदारों ने ठेका दुकानों का समाप्त कर दिया। दो वर्ष से यहां कैंटीन समेत कोई दुकान नहीं है।

रोडवेज बस स्टैंड पर कैंटीन व दुकानें न होने से बस यात्रियों को जरुरत का सामान लेने व चाय नाश्ता करने में दिक्कतों का सामना करना पड़ता है। यात्रियों को बस से उतर कर जीटी रोड किनारे लगी दुकानों से चाय नाश्ता व सेंट खरीदना पड़ता है। बस स्टैंड पर लगी दुकानों से परिवहन विभाग को हर माह करीब एक से दो लाख रुपये का राजस्व प्राप्त होता था। प्रति माह दुकानों का किराया बढ़ता गया।

दुकानदारों व कैंटीन संचालकों को घाटा होने लगा तो वह धीरे-धीरे दुकानें बंद करते गये। इस तरह सभी दुकानें बंद हो गई। विभाग को जो राजस्व मिल रहा था वह भी बंद हो गया पर परिवाहन विभाग के अधिकारियों ने कोई विचार नहीं किया। दुकानदार दुकानों का किराया घटाने की मांग कर रहे थए पर विभाग के अधिकारी नहीं माने। अब हालात बदल चुके हैं। रोडवेज बस स्टैंड पर केवल एक दुकान चल रही है। इस के अलावा सभी दुकानें बंद हो चुकी है। इन दुकानदारों ने जीटी रोड के किनारे अपनी दुकानें लगा ली है। इस संबंध में एआरएम अभिषेक बाजपेई से बात की गई तो उन्होंने कहा कि बस स्टैंड में जगह का अभाव है। सभी बसें अंदर आ जाने पर जगह नहीं बचती फिर भी प्रयास किाय जा रहा है कि दुकानों की कम रेट पर बोली लगवाई जाए। इससे परिवहन विभाग को प्रति महीने लाखों रुपये का राजस्व प्राप्त हो सकता है।

भले ही जिलाधिकारी आशुतोष मोहन अग्निहोत्री ने खुद के बजट से रोडवेज बस स्टैंड का सुंदरीकरण कराने की बात कही है पर कैंटीन की व्यवस्था हो जाए तो विभाग के लिए आय का बड़ा साधन हो सकता है।

रोडवेज बस स्टैंड पर पूर्व में चलने वाली कैंटीन की लगी जाली व खड़ी बसें। अमृत विचार

www.amritvichar.com पर भी खबरें पढ़ें

PAVAN PEST CONTROL PVT. LTD.
पवन पेस्ट कन्ट्रोल का सपना, कीड़ो मुक्त हो घर अपना
खटमल कबूतर नेट साप कॉकरोच पोरस पाइप
छिपकली मच्छर चूहा फयूमिगेशन फोगिंग
दीमक कबूतर स्पाइक मक्खी मकड़ी चरमल फोगिंग
M. 8931804705, 7860702019, 8081482309
Email : pavanppcs@gmail.com | www.pavanpestcontrol.com
M. 8353990313
7860702019
7318333512
AFSA™
M. 8400212019
8081482309
9643090313
AMAN FIRE & SAFETY APPLIANCES
Complete Industries Fire Hydrant System & Building Solution
• Fire Extinguisherrs, Refiling & Spares
• Fixed Fire Fighting & Automatic Fires Detacting System.
• Complete Industries and human safety Appliances
• Govt. & Gem Contractor & General Order Suppliers.

अमृत विचार

कानपुर, रविवार, 4 जनवरी 2026

कन्नौज

न्यूज ब्रीफ

गाली देने से रोका तो भाई-बहन को पीटा

कन्नौज। तालग्राम थाना क्षेत्र में गाली-गलौज का विरोध करने पर भाई-बहन को पीटने और बहन का फोन छीनने का मामला सामने आया है। चांदापुर गांव निवासी अनिल ने पुलिस को दी तहरीर में कहा कि उनके घर के सामने सर्वेश, राजू, मुस्कान और अरविंद (शराब पीकर गालीगलौज कर रहे थे। अनिल ने उन्हें रोकने की कोशिश की, तो सभी ने मिलकर उनके साथ मारपीट शुरू कर दी। अनिल की बहन सकीना बचाने आई, तो हमलावरों ने उसे भी पीटा और उसका फोन छीन लिया। मारपीट से अनिल और सकीना को चोटें आई हैं। पीड़ितों का आरोप है कि हमलावरों ने उन्हें लात-घूसों से मारते हुए जान से मारने की धमकी भी दी। तालग्राम थाना प्रभारी ध्यानेंद्र प्रताप सिंह ने बताया कि पीड़िता की शिकायत पर एफआईआर दर्ज कर ली गई है। मामले की जांच की जा रही है।

सन्मार्ग संस्था का दूसरा नेत्र शिविर आज

कन्नौज। शहर की सबसे बड़ी सन्मार्ग संस्था का दूसरा नेत्र शिविर 04 जनवरी (आज) कन्नौज के एसबीएस इंटर कॉलेज में सुबह 09 से दोपहर 02 बजे तक लगेगा। इसमें शंकरा आई हास्पिटल के डाक्टरों की टीम पहुंच कर नेत्र रोगियों की जांच करेगी। आपरेशन के लिये चिन्हित मरीजों को निशुल्क बस से कानपुर भेजा जायेगा। खाना, चश्मा, दवा की व्यवस्था संस्था की ओर से जायेगी।

हजरत मौला अली की विलादत पर आयोजन

छिबरामऊ। हजरत मौला अली की यौम-ए-विलादत के मौके पर हर साल की तरह इस साल भी अंजुमन मुस्लिम कमेटी, जामा मस्जिद की ओर से फातिहा का इंतजाम किया गया। कार्यक्रम में मौला अली की शान में नाते-पाक और मनकबत पढ़ी गईं। अंजुमन के सदर जाहिद चिश्ती ने बताया कि मौला अली को शेरे खुदा कहा जाता है। वे हजरत मुहम्मद के दामाद, इमाम हसन व इमाम हुसैन के वालिद हैं। उन्होंने हक व बातिल की जंगों में रसूल का साथ दिया और पूरा जीवन दीन की खिदमत में लगाया। उनके बेटे इमाम हुसैन ने करबला में दीन-ए-इस्लाम को जिंदा रखने के लिए जान कुर्बान की। इस अवसर पर हाफिज मुजीब, नसीम, सानू मंसूरी, नदीम, शाहिद, लहिक, मौजूद रहे।

श्रीमद् भागवत कथा में माता फूलमती का किया बखान

कार्यालय संवाददाता कन्नौज

- प्रयाग पीठाधीश्वर जगतगुरु शंकराचार्य ओमकारानन्द सरस्वती ने कथा का कराया रसपान
- शहर के माता फूलमती मंदिर में पहले दिन की कथा, बड़ी संख्या में लोग मौजूद रहे

अमृत विचार। एतिहासिक सिद्धपीठ माता फूलमती मंदिर परिसर में श्रीमद् भागवत कथा की शुरुआत हुई। इसमें पधारे प्रयाग पीठाधीश्वर जगतगुरु शंकराचार्य ओमकारानन्द सरस्वती महाराज ने कथा का रसपान कराया। उन्होंने माता फूलमती की कथा सुनाई।

पहले दिन की कथा के दौरान महाराज ने माता की शक्ति पर प्रकाश डालते हुए कहा कि बिना शक्ति के देवता भी इस भूतल पर दैत्यों का विनाश नहीं कर पाते। मंगलाचरण का अर्थ समझाते हुए उन्होंने कहा कि हर व्यक्ति को अपने जीवन में मंगल आचरण करना चाहिये। इसी को मंगलाचरण कहते हैं। नैमिष तीर्थ का वर्णन करते हुए कहा कि यहां ही 88000 ऋषियों ने तप किया है। हम सभी नैमिष तीर्थ में ही निवास करते हैं। भक्ति, ज्ञान, बैराग्य की कथा सुनाते हुए स्वामी जी ने कहा कि प्रभु की भक्ति से ही ज्ञान और ज्ञान से ही वैराग्य होता है।

मांता फूलमती की पूजा करते महाराज जी व सेवक शेखर मिश्रा। अमृत विचार

इस का मूल संत सेवा या उनका दर्शन करना है। शाम के समय शिखर मिश्रा उनके सहयोगियों ने महाराज जी का माल्यार्पण कर स्वागत किया। नैमिष से पधारे राधेश्याम मिश्रा यज्ञाचार्य ने यजमान के द्वारा वैदिक मंत्रों का आह्वान कर स्थापन पूजन कराया।

एसपी ने दिलाया सुरक्षा का भरोसा

कार्यालय संवाददाता कन्नौज

अमृत विचार। शांति व्यवस्था बनाये रखने व कानून का राज स्थापित करने के लिये ठठिया कस्बे में शुक्रवार की देर शाम पैदल गश्त किया। इस दौरान लोगों को भय मुक्त होकर रहने को कहा। इससे पहले ठठिया थाने का निरीक्षण कर व्यवस्थाएं देखीं।

पुलिस अधीक्षक विनोद कुमार ने जनपद में शांति एवं कानून व्यवस्था बनाये रखने के लिये थाना ठठिया पुलिस बल के साथ थाना क्षेत्र में पैदल गश्त कर सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया। उन्होंने आम जनमानस से वार्ता कर उन्हें सुरक्षा के प्रति आश्वस्त किया। संबंधित को महत्वपूर्ण स्थानों पर अधिक से अधिक सीसीटीवी कैमरों लगवाने को कहा। इसी तरह व्यापारियों से कहा कि वह अपने प्रतिष्ठानों पर सीसीटीवी कैमरे अवश्य लगवायें। इससे उनके प्रतिष्ठान की सुरक्षा के साथ ही अपराधों पर अंकुश लगेगा। ठठिया थाना प्रभारी से कहा कि वह भीड़भाड़ वाले क्षेत्रों में नियमित गश्त करते रहें। इसमें लापरवाही न बरती जाये। अपराधिक प्रवृत्ति वाले लोगों पर अधिक से अधिक कार्रवाई करें।

ठठिया थाना क्षेत्र में पैदल गश्त करते एसपी विनोद कुमार व अन्य पुलिस बल।

ट्रैक्टर में बांधकर खींची मृत गाय, हिंदू महासंघ का विरोध

वीडियो हो रहा वायरल, उच्च अधिकारियों से होगी शिकायत

कार्यालय संवाददाता कन्नौज

अमृत विचार। इब्राहिमपुर ग्राम पंचायत स्थित प्रेमनगर गोशाला में एक मृत गाय को ट्रैक्टर से घसीटने का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। इस घटना को लेकर विश्व हिंदू महासंघ के पदाधिकारियों ने गोशाला पहुंचकर कड़ी नाराजगी जताई है। हालांकि अमृत विचार इस वीडियो की पुष्टि नहीं करता है।

विश्व हिंदू महासंघ के जिलाध्यक्ष कुलदीप दुबे को जानकारी मिली की इब्राहिमपुर ग्राम पंचायत स्थित प्रेमनगर गोशाला में मृत गाय को ट्रैक्टर में बांध घसीटकर ले जाया जा रहा है। इसकी वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल है। इस पर संघ के पदाधिकारी मौके पर पहुंचे और विरोध जताया। उन्होंने बताया कि शनिवार दोपहर मृत गाय को ट्रैक्टर से घसीटकर ले जाने की जानकारी मिली थी। मौके पर पहुंचने पर देखा कि गाय का शव एक गड्ढे में पड़ा है, जिसे ठीक से मिट्टी डाल कर ढका भी नहीं गया। वह गुगरापुर ब्लॉक क्षेत्र की टीम के साथ गोशाला पहुंचे, जहां की स्थिति दयनीय मिली। गोशाला में न तो कोई बाउंड्री वॉल थी और न ही तारों की फेंसिंग। गोवंशों को सर्दी से बचाने के लिए भी कोई उचित इंतजाम नहीं थे। पूछताछ करने पर ग्राम प्रधान सद्दाम हुसैन और केयरटेकर एक-दूसरे पर आरोप-प्रत्यारोप लगाने लगे। ग्राम प्रधान ने गोशाला की स्थिति में सुधार करने का आश्वासन दिया। टीम के सदस्यों ने पंचायत सचिव और खंड विकास अधिकारी को फोन पर गोशाला के हालातों की जानकारी दी। इस के बाद भी कोई मौके पर जांच करने नहीं पहुंचा। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि स्थिति में सुधार नहीं हुआ तो मामले की शिकायत जिलाधिकारी आशुतोष मोहन अग्निहोत्री से की जाएगी। इस मौके पर संगठन के जिला मंत्री योगराज योगी, जिला कार्यसमिति सदस्य आनंद कुमार, रामनारायण, छोटे चतुर्वेदी, दीपू, राजेश, रोहित मौजूद रहे।

गोशाला के निकट मौजूद संघ के पदाधिकारी व अन्य। अमृत विचार

बोर्डिंग मैदान पर बनाई जा रही पिच व मैदान को समतल करता रोलर। अमृत विचार

बोर्डिंग मैदान का निरीक्षण करते कमेटी के पदाधिकारी संजय सामवेदी व अन्य।

बोर्डिंग मैदान पर 20 जनवरी से राज्यस्तरीय क्रिकेट टूनामेंट

कार्यालय संवाददाता कन्नौज

- जिला क्रिकेट एसोसिएशन के पदाधिकारियों ने मैदान का किया निरीक्षण

अमृत विचार। शहर के बोर्डिंग मैदान पर 20 जनवरी से स्वर्गीय पं. ओमप्रकाश पाठक मेमोरियल राज्य स्तरीय क्रिकेट प्रतियोगिता का शुभारंभ किया जायेगा। प्रतियोगिता की तैयारियां तेज कर दी गई है। पिच बनाने में मजदूरों को लगाया गया है। मैदान को बराबर करने के लिये रोलर चलाये जा रहे हैं।

हर वर्ष की भांति इस बार भी कन्नौज के. के. इंटर कॉलेज बोर्डिंग ग्राउंड में प्रतियोगिता के सातवें संस्करण की तैयारियां शुरू हो गई हैं। 20 जनवरी से मैच होंगे। ट्रायल के तौर पर 19 जनवरी को पहला मैच खेला जायेगा। फाइनल मैच 03 फरवरी को हागा। बोर्डिंग मैदान में पिच बनाने के लिये बाहर से मिट्टी मंगाई गई है। जिले मजदूर पिच पर मिट्टी डाल कर कुटाई कर रहे हैं। मैदान को बराबर किया गया है। आयोजन कमेटी ने बताया कि इस बार भी टूर्नामेंट में पूरे उत्तर प्रदेश की क्रिकेट टीमें प्रतिभाग करेंगी। जिला क्रिकेट एसोसिएशन के संरक्षक संजय सामवेदी के नेतृत्व में जिला क्रिकेट एसोसिएशन के अध्यक्ष पवन त्रिवेदी के निर्देशन में इस प्रतियोगिता का आयोजन कराया जा रहा है।

सभी बीएलए को हिंदी में दी जाएंगी एएसडी सूची

कार्यालय संवाददाता कन्नौज

- आज होगी राजनीतिक दलों के बीएलए व बीएलओ की बैठक

अमृत विचार। बूथ लेवल अधिकारी (बीएलओ) एवं मान्यता प्राप्त राजनैतिक दलों द्वारा नियुक्त बूथ लेवल एजेंट (बीएलओ) की रविवार को होने वाली बैठक में सभी बीएलए को एएसडी सूची हिन्दी में उपलब्ध कराई जाएगी। यह सूची जनपद के डीईओ पोर्टल पर भी उपलब्ध है, जिसका लिंक https://kannauj.nic.in/absent-shifted-dead-elector-list/ है।

यह जानकारी देते हुए जिला निर्वाचन अधिकारी आशुतोष मोहन अग्निहोत्री ने बताया है कि भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार अर्हता तिथि 01 जनवरी 2026 के आधार पर विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण कार्यक्रम के अंतर्गत जनपद की समस्त विधानसभा निर्वाचन क्षेत्रों की निर्वाचक नामावलियों का आलेख्य प्रकाशन दिनांक 06 जनवरी 2026 को जनपद के सभी मतदेय स्थलों पर किया जाएगा। बताया कि आयोग द्वारा आलेख्य निर्वाचक नामावलियों का प्रिंट चयनित वेण्डर को उपलब्ध करा दिया गया है।

आपत्तियों के निस्तारण को अधिकारी तैनात

कन्नौज। जानकारी दी कि जनपद में कुल मैप्ड मतदाताओं की संख्या 922586 है जो कि 91.24 प्रतिशत है। इसमें विधानसभा क्षेत्र 196-छिबरामऊ में 89.81 प्रतिशत, 197-तिर्वा में 92.47 प्रतिश, कन्नौज में 91.63 प्रतिशत मैपिंग पूर्ण हो चुकी है। दावे एवं आपत्तियों के त्वरित, पारदर्शी एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण को आयोग द्वारा छिबरामऊ में 40 एईआरओ, तिर्वा में 35 तथा कन्नौज में 40 एईआरओ की तैनाती की गई है।

दवाओं के स्टॉक के बारे में जानकारी लेती ज्वाइंट मजिस्ट्रेट वैशाली। अमृत विचार

ग्रामीण क्षेत्रों के मरीजों को मिले बेहतर इलाज : वैशाली

संवाददाता जलालाबाद (कन्नौज)

अमृत विचार। ज्वाइंट मजिस्ट्रेट ने सीएचसी का निरीक्षण कर स्वास्थ्य सेवाओं की जमीनी हकीकत को जाना और साफ सफाई की व्यवस्था के बारे में जानकारी ली।

शनिवार को एसडीएम सदर व ज्वाइंट मजिस्ट्रेट वैशाली ने सीएचसी का निरीक्षण किया।उन्होंने कहा कि ग्रामीण क्षेत्र से आए हुए मरीज को बेहतर सुविधा प्रदान कर स्वास्थ्य परीक्षण किया जाए जबकि दवाओं के स्टाक के बारे में भी जानकारी ली। उन्होंने कहा कि परिसर में स्वच्छता बनाए रखें। इस दौरान फार्मासिस्ट सत्येंद्र कटियार व अन्य स्टाफ मौजूद रहा।

जनता समझ गई एसआईआर का खेल : श्यामलाल

संवाददाता गुरसहायगंज

- शादी समारोह के बाद डुंडवाबुजुर्ग पहुचे सपा प्रदेश अध्यक्ष

अमृत विचार। देश व प्रदेश को धर्म, वर्ग व जाति के नाम पर बांट कर सत्ता हासिल करने वाली भाजपा सरकार का असली चेहरा जनता के सामने आ चुका है। उत्तर प्रदेश की जनता ने एसआईआर के कार्य को भी अपने हाथों में ले लिया है। इससे अब भाजपा का खेल प्रदेश में नहीं चल पाएगा। जिस प्रकार भाजपा ने बिहार में एसआईआर लाकर सत्ता हासिल कर ली। वह अब नहीं चलेगा। यह बात सपा के प्रदेश अध्यक्ष श्याम लाल पाल ने कही।

ग्राम डुंडवाबुजर्ग में शुक्रवार की रात पहुंचे प्रदेश अध्यक्ष ने एडवोकेट शाहमीर सिद्दीकी की पुत्री को शादी की बधाई दी। इसके बाद प्रेस वार्ता के दौरान उन्होने कहा कि भाजपा सरकार हर मोर्चों पर विफल हो रही है। जनता का साफ पानी तक सरकार नहीं दे पा रही है। सुरक्षा व व्यवस्था में सरकार नाकाम हुई है। भाजपा सरकार सिर्फ पूंजीपतियों और सामंतवादियों को बढ़ावा दे रही है। जबकि सपा सरकार ने अपने कार्यकाल में लखनऊ के नालों की सफाई कराकर गोमती रिवर फ्रंट का सुंदरीकरण कराया था। सपा सरकार में मूलभूत सुविधाएं प्राथमिकता से जनता तक पहुंचाई जा रही थी। लेकिन भाजपा सरकार धर्म को बढ़ावा देकर तुष्टिकरण की राजनीति कर रही है। भाजपा की कथनी और करनी में बहुत फर्क है। जुमले और झूठ के बल पर अब सरकार चलने वाली नहीं है। जनता सच्चाई को समझ चुकी है और आगामी विधान सभा में चुनाव पीडीए सहित सर्व समाज के लोग प्रदेश सरकार को सत्ता से बाहर करने का कार्य करेंगे। सपा के सत्ता में आने पर प्रदेश भर में विकास की गंगा बहेगी। कार्यकर्ता व पदाधिकारी जमीनी स्तर पर पार्टी को मजबूत कर चुनाव प्रचार की तैयारियों में जुट जाए। इस दौरान हसीब हसन, युवा सपा नेता जुनैद सिद्दीकी, नाजिम खां, अयाज खान, एडवोकेट, शाहमीर खान, मुश्ताक खान, शाहनवाज खान, अन्नू खान, फिरदौस आलम आदि रहे।

ग्राम डुंडवाबुजुर्ग में वार्ता करते सपा प्रदेश अध्यक्ष श्याम लाल पाल। अमृत विचार

सभी व्यापारियों के लिए अनिवार्य हो जीएसटी पंजीयन

संवाददाता तिर्वा

- व्यापार मंडल ने उठाई मांग, कहा-टर्नओवर के अनुसार स्लैब में मिले छूट

अमृत विचार। बाजार में लगातार बढ़ती प्रतिस्पर्धा, डुप्लीकेट माल की बिक्री और आधार कार्ड के नाम पर हो रही बिलिंग में धांधली को लेकर व्यापार मंडल ने गहरी चिंता जताई है। तिर्वा व्यापार मंडल वेलफेयर एसोसिएशन के प्रदेश महामंत्री अमित द्विवेदी ने सरकार से मांग की है कि सभी व्यापारियों के लिए जीएसटी पंजीकरण अनिवार्य किया जाए।

उन्होंने कहा कि वर्तमान व्यवस्था में जीएसटी विभाग द्वारा आधार कार्ड के नाम पर हो रही बिलिंग की प्रभावी निगरानी नहीं हो पा रही है। विभाग के पास यह स्पष्ट जानकारी नहीं रहती कि कौन व्यापारी जीएसटी पंजीकरण के अंतर्गत है और कौन बाहर। इसी खामी का लाभ उठाकर कई लोग बिना पंजीकरण के ही लाखों रुपये का कारोबार कर रहे हैं। इससे नियमों का पालन करने वाले व्यापारियों को आर्थिक नुकसान झेलना पड़ रहा है।कहा कि यदि सभी व्यापारियों का जीएसटी पंजीकरण अनिवार्य हो जाए और सरकार टर्नओवर के अनुसार छूट की व्यवस्था करे, तो पूरी प्रणाली अधिक पारदर्शी बन सकती है। इस मौके पर कई लोग मौजूद रहे।

आयोजन | सावित्रीबाई फुले जयंती पर हुआ महात्मा ज्योतिबा फुले शिक्षा जागृति कार्यक्रम

समानता व आत्मनिर्भरता का मार्ग दिखाता है सावित्रीबाई का जीवन

कार्यालय संवाददाता कन्नौज

अमृत विचार। भारत की पहली महिला शिक्षक, नारी शिक्षा की प्रणेता और सामाजिक समानता की मजबूत आवाज सावित्रीबाई फुले की जयंती धूमधाम से मनाई गई। इस अवसर उन्हें श्रद्धा और सम्मान के साथ नमन किया गया।

ठठिया क्षेत्र के भुलभुलियापुर, भुन्ना में महात्मा ज्योतिबा फुले शिक्षा जागृति कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में सावित्रीबाई फुले के वंचितों और पिछड़ों के सशक्तीकरण और महिला शिक्षा के लिए किए गए अद्वितीय योगदान का स्मरण किया गया। 'कोई भी बच्ची शिक्षा से वंचित न रहे' कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि उपस्थित समाज कल्याण राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) असीम अरुण ने कहा कि माता सावित्रीबाई फुले का जीवन आज भी समाज को समानता, सम्मान और आत्मनिर्भरता का मार्ग दिखाता है। उन्होंने कहा कि सावित्रीबाई ने उस दौर में बालिका शिक्षा की मशाल जलाई, जब समाज में इसके लिए संघर्ष करना पड़ता था। आज उनकी जयंती पर हम सब यह संकल्प लें कि कन्नौज जनपद में कोई भी बच्ची विद्यालय जाने से वंचित न रहे। कहा कि अगर किसी कारणवश कोई बालिका पढ़ाई से छूट गई हो, तो उसे कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय में अनिवार्य रूप से प्रवेश दिलाया जाए, ताकि हर बच्ची कम से कम हाईस्कूल तक शिक्षा अवश्य प्राप्त कर सके। कार्यक्रम के दौरान स्थानीय लोगों और युवाओं को शिक्षा के महत्व, सामाजिक जागरूकता और आत्मनिर्भरता के संदेश दिए गए। इस अवसर पर रामकली दोहरे, भाजपा जिलाध्यक्ष वीर सिंह भदौरिया, अरुण कठेरिया कार्यक्रम आयोजक, राजन अवस्थी मण्डल अध्यक्ष, संजय कटियार (प्रधान), रामानंद दोहरे, विकास त्रिपाठी सहित स्थानीय नागरिक उपस्थित रहे।

भुलभुलियापुर में आयोजित कार्यक्रम में मौजूद लोग। अमृत विचार

- कोई बालिका पढ़ाई से छूट गई तो कस्तूरबा विद्यालय में दिलाएं दाखिला

कंबल बांटते समाज कल्याण मंत्री असीम अरुण व भाजपा जिलाध्यक्ष। अमृत विचार

समाज कल्याण राज्य मंत्री ने बांटे कंबल

संवाददाता तिर्वा

अमृत विचार। समाज कल्याण राज्य मंत्री व सदर विधायक असीम अरुण ने शनिवार को खैरनगर स्थित निजी स्कूल में आयोजित कार्यक्रम में शासन की तरफ से उपलब्ध कराए गए पांच सैकड़ा कंबल क्षेत्र के निराश्रित पुरुष-महिलाओं को प्रदान किए।

इस अवसर पर उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार की पहली प्राथमिकता गरीब निसहाय लोगों को हर प्रकार की सहायता उपलब्ध कराना है जिससे वह लोग भी सम्मान पूर्वक जीवन जी सके। जिले में निरंतर विकास की योजनाओं पर काम तेजी से चल रहा है। इस अवसर पर भाजपा जिलाध्यक्ष वीर सिंह भदौरिया, पूर्व जिलाध्यक्ष नरेंद्र सिंह राजपूत, उपजिलाधिकारी राजेश कुमार मौर्य, तहसीलदार अविनाश कुमार, लेखपाल अनीस खान सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

सपाइयों ने भी मनायी सावित्रीबाई फुले की जयंती

कार्यालय संवाददाता कन्नौज

अमृत विचार। भारत में नारी शिक्षा एवं सशक्तिकरण की मिसाल रहीं भारत की प्रथम महिला शिक्षक माता सावित्रीबाई फुले की 195वीं जयंती सपाइयों ने मनाई।

इस अवसर पर समाजवादी पार्टी कार्यालय पर शनिवार को पुष्पांजलि सभा का आयोजन किया गया। सपा नेताओं एवं कार्यकर्ताओं ने सावित्रीबाई के चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी। कहा कि देश की पहली शिक्षिका ने महिलाओं को सशक्त करने में जीवन लगा दिया। कार्यक्रम में समाजवादी युवजन सभा के प्रदेश उपाध्यक्ष हसीब हसन एवं विधानसभा अध्यक्ष कन्नौज पी.पी सिंह वघेल ने कहा कि सावित्री बाई फुले ने नारी शिक्षा के क्षेत्र में जो ऐतिहासिक योगदान दिया वह आज भी समाज को दिशा देने वाला है। इस अवसर पर चंद्रभान दोहरे, अजय कश्यप, तुफैल अहमद, दीपक यादव, नितिन कनौजिया, मोहम्मद दानिश, रवि पाल, आदि लोग मौजूद रहे।

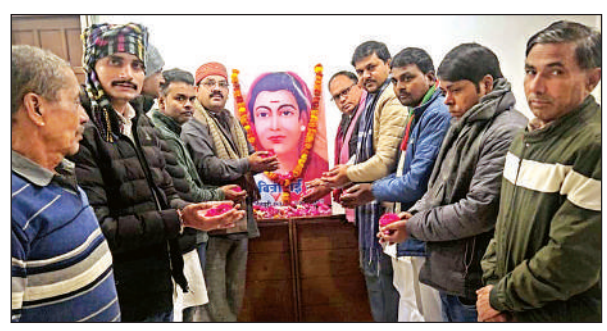

सपा कार्यालय में माता सावित्रीबाई फुले की जयंती मनाते सपाई। अमृत विचार

घर में घुस कर चाचा, भतीजे से की मारपीट, दी धमकी

गुरसहायगंज। गांव के लोगों ने रंजिश के चलते गाली गलौज की और घर में घुस कर चाचा व भतीजे को लाठी, डंडा व सरिया से मारपीट कर घायल कर दिया। जान से मारने की धमकी भी दी। पीड़ित ने कोतवाली पुलिस को शिकायती पत्र देकर कार्रवाई की मांग की है।

ग्राम मझपुर्वा निवासी अब्दुल करीम पुत्र अब्दुल जलील ने कोतवाली पुलिस को दिए शिकायती पत्र में कहा है कि 03 जनवरी की सुबह लगभग 09:30 बजे उसका भतीजा मो. अतहर घर के ताप रहा था। तभी गांव के पांच लोग आए और रंजिश को लेकर उसके साथ गली गलौज की। मना करने पर घर में घुस कर उसे व उसके भतीजे अतहर को लाठी, डंडा, सरिया आदि से मारपीट कर घायल कर दिया। आसपास के लोगों को आता देख आरोपित जान से मारने की धमकी देकर भाग गए। कोतवाली पुलिस ने मामले की जांच पड़ताल शुरू कर दी है।

न्यूज ब्रीफ

बढ़ी ठिठुरन, न्यूनतम तापमान 8 डिग्री

फर्रुखाबाद। जिले में कड़ाके की सर्दी का प्रकोप जारी है। शनिवार को हल्का कोहरा छाया रहा और ठंडी हवाएं चलीं। न्यूनतम तापमान लगभग 8 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। सुबह 10 .30 बजे करीब कुछ समय के लिए धूप ने दर्शन दिए जिससे लोगों को राहत मिली । दिसंबर के पहले सप्ताह से ही जिले में कड़ाके की ठंड पड़नी शुरू हो गई थी। कभी घना कोहरा तो कभी पाला पड़ रहा है, जिससे लोगों को सूर्य के दर्शन भी नहीं हो पा रहे हैं। तीन दिन पहले हल्की धूप निकली थी, जिससे थोड़ी राहत मिली, लेकिन उसके बाद मौसम फिर बिगड़ गया। शनिवार सुबह भी हल्का कोहरा छाया रहा और गलन भरी ठंडी हवाएं चलती रहीं। लोग सर्दी से बचाव के लिए अलाव का सहारा ले रहे हैं। शनिवार को अधिकतम तापमान लगभग 14 डिग्री सेल्सियस रहा । मौसम विभाग के अनुसार अभी फिलहाल एक सप्ताह तक कड़ाके की ठंड पढ़ने की संभावना बनी रहेगी।

शांति व्यवस्था बनाये रखने के लिए गश्त

फर्रुखाबाद। नवाबगंज पुलिस ने शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए शनिवार को पैदल गश्त की। यह गश्त थाना क्षेत्र के प्रमुख बाजारों और मुख्य मार्गों पर की गई, जिसका उद्देश्य सुरक्षा, शांति, सौहार्द और कानून-व्यवस्था सुनिश्चित करना था। इस दौरान थाना प्रभारी अवध नारायण पांडे, कस्बा प्रभारी गीतम सिंह, एसएसआई राम सिंह, सिपाही हर्षित चौहान, सुधांशु चौहान, किरन सिंह और अरविंद कुमार मौजूद रहे। पैदल गश्त का मुख्य लक्ष्य क्षेत्र में शांति, सुरक्षा और आपसी सौहार्द बनाए रखना था। गश्त के दौरान पुलिस टीम ने स्थानीय व्यापारियों और आम जनता से बातचीत की और उन्हें सुरक्षा का आश्वासन दिया। पुलिस ने संदिग्ध व्यक्तियों और वाहनों की जांच भी की, ताकि किसी भी अवांछनीय गतिविधि को रोका जा सके। थाना प्रभारी ने क्षेत्रवासियों से अपील की कि वे किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तुरंत पुलिस को दें और अफवाहों पर ध्यान न दें। उन्होंने कहा कि पुलिस प्रशासन जनता की सुरक्षा के लिए चौबीसों घंटे तत्पर है।

पति- पत्नी ने तालाब में लगाई छलांग, बचे

फर्रुखाबाद। कायमगंज में पति-पत्नी के विवाद के बाद शनिवार को पति कुआं खेड़ा चौकी के पास स्थित एक तालाब में कूद गया। उसे बचाने के लिए पत्नी भी तालाब में कूद गई। दोनों दलदल में फंस गए, जिन्हें ग्रामीणों ने सुरक्षित बाहर निकाला। जानकारी के अनुसार तालाब में पानी कम था और दलदल भरा हुआ था, जिसमें दंपति फंस गए। ग्रामीणों ने कड़ी मशक्कत के बाद उन्हें बाहर निकाला। युवक गांव में जूते-चप्पल की दुकान चलाता है। उसकी शादी डेढ़ साल पहले हुई थी और उनकी छह महीने की एक बेटी भी है। बताया जा रहा है कि पत्नी मायके जाने की जिद कर रही थी, जिस पर पति से उसका विवाद हो गया। इसी विवाद से क्षुब्ध होकर पति ने घर के पास स्थित तालाब में छलांग लगा दी थी। घटना की सूचना मिलने पर चौकी इंचार्ज जितेंद्र सिंह ने दंपति को चौकी बुलाकर पूछताछ की। चौकी इंचार्ज ने बताया कि पति ने आपसी विवाद में तालाब में कूदकर जान देने का नाटक किया था। उसे कूदते देख पत्नी भी कूद गई थी। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि तालाब में पानी नहीं था और दोनों को सुरक्षित निकाल लिया गया है।

अधिकारियों ने सुनीं ग्रामीणों की समस्याएं

फर्रुखाबाद। नवाबगंज क्षेत्र की ग्राम पंचायत जरहरी और खलवारा में शनिवार को ग्राम जन चौपाल का आयोजन किया गया। इस दौरान विकास खंड अधिकारी अमरेश चौहान के निर्देशन में अधिकारियों ने वन पर्यावरण विशेषज्ञ के साथ मिलकर ग्रामीणों की समस्याएं सुनीं और सरकारी योजनाओं की जानकारी दी। यह चौपाल सरकार की ग्राम जन चौपाल योजना के तहत आयोजित की गई थी। चौपाल में ग्रामीणों ने अधिकारियों को अपनी विभिन्न समस्याएं बताईं। एडीओ समाज कल्याण अंकुश कटियार ने वृद्धावस्था, विधवा और विकलांग पेंशन से संबंधित शिकायतों को सुना। वहीं, एडीओ पंचायत कृष्णपाल सिंह ने ग्रामीण विकास से जुड़ी अन्य समस्याओं का समाधान किया। अधिकारियों ने ग्रामीणों को स्वच्छता अभियान के तहत सफाई व्यवस्था के महत्व के बारे में जागरूक किया। इसके अतिरिक्त, मुख्यमंत्री आवास योजना, प्रधानमंत्री आवास योजना आदि के बारे में बताया गया।

हवन-पूजन के साथ मेला श्रीरामनगरिया का शुभारंभ

'तंबुओं के शहर' में आस्था और संस्कृति का अद्भुत संगम, पहले दिन उमड़ी भक्तों की भीड़

संवाददाता फर्रुखाबाद

अमृत विचार। माघ मेला श्री रामनगरिया का शनिवार को विधि विधान से हवन-पूजन के साथ शुभारंभ हो गया।

हवन-पूजन आचार्य प्रदीप शुक्ला द्वारा विधि-विधान से संपन्न कराया गया। इस अवसर पर जिलाधिकारी आशुतोष कुमार द्विवेदी, मुख्य विकास अधिकारी विनोद कुमार गौड़, अपर जिलाधिकारी (न्यायिक) दिनेश कुमार, भाजपा जिलाध्यक्ष फतेहचंद्र वर्मा तथा महंत ईश्वर दास महाराज की गरिमामयी उपस्थिति रही। सभी अतिथियों ने हवन में आहुति देकर मेले के सफल आयोजन की कामना की। डीएम व बीजेपी जिलाध्यक्ष नें फीता खोलकर मेले का श्रीगणेश किया। जिलाधिकारी ने मेला व्यवस्थाओं का अवलोकन करते हुए संबंधित अधिकारियों को श्रद्धालुओं की सुविधा, सुरक्षा, स्वच्छता एवं यातायात व्यवस्था को सुचारू बनाए रखने के निर्देश दिए। माघ मेला श्री रामनगरिया के शुभारंभ के साथ ही क्षेत्र में धार्मिक, सांस्कृतिक और सामाजिक गतिविधियों में तेजी आ गई। इस दौरान विधायक नागेंद्र सिंह

मेला श्री रामनगरिया में हवन-पूजन के दौरान उपस्थित डीएम आशुतोष कुमार द्विवेदी व अन्य लोग। अमृत विचार

03 फरवरी तक चलेगा मेला श्री राम नगरिया व्यवस्था चाकचौबंद

राठौर, सपा जिलाध्यक्ष चंद्रपाल सिंह यादव, विमल कटियार, डीएस राठौर, सुरेन्द्र पाण्डेय, अभिषेक वाजपेयी, अभिषेक बाथम, अनुपम रस्तोगी, एसडीएम सदर रजनी कांत पाण्डेय आदि रहे।

इस वर्ष मेला परिसर को विशेष रूप से आकर्षक ढंग से सजाया गया है। रंग-बिरंगी लाइटों से जगमगाता गंगा तट, आकर्षक प्रवेश द्वार, भव्य मंच और सुसज्जित कल्पवास क्षेत्र मेले की भव्यता को और बढ़ा रहे हैं। रात्रि में गंगा तट का दृश्य श्रद्धालुओं के लिए आस्था और सौंदर्य का अद्भुत अनुभव प्रदान कर रहा है। मेले में धार्मिक अनुष्ठानों के साथ-साथ सांस्कृतिक कार्यक्रम, लोक नृत्य, लोकगीत, रामकथा, भजन-कीर्तन और विकास प्रदर्शनी लोगों के आकर्षण का केंद्र हैं।

मेला श्रीरामनगरिया में कल्पवास का विशेष धार्मिक महत्व है। दूर-दराज से आए साधु-संत और श्रद्धालु पूरे एक माह तक गंगा तट पर कल्पवास करते हैं। कल्पवासी गंगा स्नान, जप-तप, यज्ञ, दान और संयमित जीवन का पालन करते हैं। इस दौरान पूरा क्षेत्र धार्मिक ऊर्जा से परिपूर्ण रहता है।

सुरक्षा के लिए मेला क्षेत्र में पुलिस बल व पीएसी की तैनाती की गयी है। सीसीटीवी कैमरों से निगरानी की जा रही है। फायर ब्रिगेड, एंबुलेंस और मेडिकल कैंप की व्यवस्था है तथा खोया-पाया केंद्र की स्थापना की गयी है। महिला श्रद्धालुओं के लिए विशेष सुरक्षा व्यवस्था है तथा साफ-सफाई और पेयजल की पर्याप्त सुविधा प्रशासन द्वारा उपलब्ध करायी गयी है।मेले में लगी विकास प्रदर्शनी में विभिन्न सरकारी विभागों द्वारा योजनाओं की जानकारी दी जा रही है। स्वास्थ्य, शिक्षा, कृषि, महिला एवं बाल विकास, स्वरोजगार और सामाजिक कल्याण से जुड़े स्टॉल लोगों को जागरूक कर रहे हैं।

पौष पूर्णिमा : लाखों श्रद्धालुओं ने गंगा में लगाई आस्था की डुबकी

संवाददाता फर्रुखाबाद

अमृत विचार। शहर के पांचाल घाट, शमशाबाद के ढाईघाट, कम्पिल व श्रंगीरामपुर घाट पर शनिवार को पौष पूर्णिमा के अवसर पर लाखों श्रद्धालुओं ने गंगा में आस्था की डुबकी लगाई। इसी के साथ पांचालघाट व ढाईघाट पर मेला रामनगरिया का भी शुभारंभ हो गया। भोर से ही श्रद्धालुओं ने गंगा स्नान करना शुरू कर दिया था।

स्नान के बाद श्रद्धालुओं ने दान-पुण्य किया और गंगा किनारे सत्यनारायण की कथाएं भी कराईं। पांचाल घाट पर हजारों की संख्या में संत और श्रद्धालु कल्पवास कर रहे हैं, जो 'हर हर गंगे' के उद्घोष के साथ गंगा में डुबकी लगाते रहे। सुरक्षा की दृष्टि से घाट पर बड़ी संख्या में पुलिस बल तैनात रहा। पुलिसकर्मी लगातार श्रद्धालुओं को गहरे पानी में न जाने के लिए जागरूक करते रहे। लाउडस्पीकर और सीटी बजाकर भी गहरे पानी से दूर रहने की चेतावनी दी जा रही थी।

पौष पूर्णिमा पर पांचालघाट स्थित गंगाघाट पर श्रद्धालुओं की भीड़। अमृत विचार

इसके अतिरिक्त, नावों के माध्यम से भी घाट के किनारों पर निगरानी रखी गई।

हरदोई, शाहजहांपुर, बरेली, बदायूं, इटावा, मैनपुरी, एटा सहित विभिन्न जनपदों से श्रद्धालु गंगा स्नान के लिए पांचाल घाट पहुंचे हैं।

शमशाबाद के ढाईघाट, कंपिल और अटैना घाटों पर शनिवार की सुबह ब्रह्म मुहूर्त से ही पौष पूर्णिमा पर हजारों श्रद्धालुओं ने आस्था की डुबकी लगाई। इस दौरान 'हर हर गंगे' के जयघोष से पूरा वातावरण गूंज उठा। सुबह से ही श्रद्धालुओं की गंगा स्नान हेतु भारी भीड़ लगी रही। भक्तगण स्नान-ध्यान और पूजन-अर्चन कर अपनी मनोकामनाओं की पूर्ति के लिए मां गंगा से प्रार्थना करते रहे । यह सिलसिला पूरे दिन जारी रहा। पौष पूर्णिमा जैसे प्रमुख स्नान पर्वों पर श्रद्धालु हर वर्ष लाखों की संख्या में गंगा डुबकी लगाते हैं।

मेले में ट्रैफिक सीओ ने महिला का खोया हुआ पर्स दिलाया

संवाददाता फर्रुखाबाद

अमृत विचार। शनिवार को थाना कादरीगेट क्षेत्रान्तर्गत पांचालघाट पर लगी मेला रामनगरिया में पुलिस की ईमानदारी की एक मिसाल देखने को मिली। मेले में आई एक महिला का पर्स अचानक गिर गया, जिसमें जरूरी दस्तावेज व अन्य सामग्री मौजूद थी। पर्स गिरने की जानकारी मिलते ही मेले में ड्यूटी पर तैनात यातायात पुलिस उपाधीक्षक अभय वर्मा ने तत्काल मामले को गंभीरता से लेते हुए कार्रवाई शुरू की।

सूचना प्राप्त होते ही पुलिस उपाधीक्षक अभय वर्मा द्वारा मेले में घोषणा करवाई गई, साथ ही पर्स की मालिक महिला की पहचान करने के लिए पुलिस टीम को सक्रिय किया गया। भारी भीड़ और मेले की चहल-पहल के बावजूद पुलिस की सतर्कता रंग लाई और शीघ्र ही पीड़ित महिला की पहचान कर ली गई।

इसके पश्चात यातायात पुलिस उपाधीक्षक अभय वर्मा ने व्यक्तिगत रूप से महिला को उसका पर्स पूर्ण सामग्री सहित सुरक्षित वापस सौंपा। मेले जैसे बड़े आयोजन में जहां हजारों श्रद्धालुओं की आवाजाही रहती है, ऐसे में पुलिस द्वारा दिखाई गई यह सजगता और ईमानदारी आमजन में सुरक्षा और विश्वास का संदेश देती है। स्थानीय लोगों और श्रद्धालुओं ने भी पुलिस के इस कार्य की सराहना करते हुए कहा कि ऐसी घटनाएं पुलिस और जनता के बीच भरोसे को और मजबूत करती हैं। श्रीरामनगरिया मेले में पुलिस द्वारा मानवीय संवेदनाओं के साथ किया गया यह कार्य निश्चित रूप से प्रशंसनीय और अनुकरणीय है।

मेला श्री रामनगरिया की वेबसाइट व लोगो का डीएम ने किया विमोचन

संवाददाता फर्रुखाबाद

अमृत विचार। शनिवार को जिलाधिकारी आशुतोष कुमार द्विवेदी ने मेला श्री रामनगरिया की आधिकारिक वेबसाइट एवं लोगो का विधिवत विमोचन किया।

जिलाधिकारी ने अपने संबोधन में वेबसाइट और लोगो के निर्माण में जुटी पूरी टीम की मुक्तकंठ से प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि सीमित समय में जिस तकनीकी दक्षता, रचनात्मक सोच और सांस्कृतिक संवेदनशीलता के साथ वेबसाइट और लोगो का निर्माण किया गया है, वह सराहनीय है।

यह पहल मेला श्री रामनगरिया की पहचान को केवल जनपद ही नहीं, बल्कि प्रदेश और देश स्तर तक पहुंचाने में सहायक सिद्ध होगी। वेबसाइट पर मेला का इतिहास, धार्मिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों की जानकारी, घाटों का विवरण, सुरक्षा, स्वास्थ्य सेवाएं, पार्किंग, यातायात व्यवस्था और आवश्यक दिशा-निर्देश अत्यंत सरल और सुगम रूप में उपलब्ध कराए गए हैं।

लोगो व वेबसाइट के विमोचन के दौरान मौजूद जिलाधिकारी व अन्य लोग।

- **जिलाधिकारी ने वेबसाइट और लोगो के निर्माण में जुटी पूरी टीम की मुक्तकंठ से प्रशंसा की**

जिलाधिकारी आशुतोष कुमार द्विवेदी ने कहा कि इस डिजिटल पहल से श्रद्धालुओं को सही और प्रामाणिक जानकारी समय पर मिलेगी, भीड़ प्रबंधन में सहायता मिलेगी और मेला प्रशासन की कार्यप्रणाली में पारदर्शिता आएगी। इस मौके पर कई लोग मौजूद रहे।

फर्रुखाबाद युवा महोत्सव में हुई निबंध प्रतियोगिता

संवाददाता फर्रुखाबाद

अमृत विचार। फर्रुखाबाद युवा महोत्सव की प्रतियोगिताओं के क्रम में समिति कार्यालय सभागार स्टेट बैंक के पीछे निबन्ध प्रतियोगिता आयोजित हुई।

प्रतिभागियों ने देश में ऑनलाइन शापिंग का व्यापारियों के व्यापार पर प्रभाव विषय पर अपने विचारों को संजोया। प्रतियोगियों का मानना है कि ऑनलाइन शापिंग से व्यापारियों को काफी नुकसान हो रहा है। प्रिया ने अपने विचार में बताया कि ऑनलाइन शापिंग से ग्राहक खुश है। सामान आसानी से बदल जाता है। ज्योति ने विचार में लिखा है कि ऑनलाइन शापिंग से सभी सन्तुष्ट हैं। खराब सामान आसानी से बदल जाता है। दुकान से सामान लेकर वापस करो तो व्यवहार खराब होते हैं। सुहानी का कहना है कि ऑनलाइन शापिंग से दुकानदारों को काफी नुकसान हो रहा है लेकिन ग्राहकों को सामान दरवाजे पर ही मिल जाता है। आसानी से बदल जाता है। कोई झिकझिक नहीं होती है। प्रगति का मानना है कि ऑनलाइन शापिंग से अधिकांश दुकानदारों के व्यापार पर सीधा प्रभाव पड़ा है। कुछ की तो कई दिन तक बिक्री नहीं होती है। प्रतियोगिता में अंशिका, प्रगति, ज्योति, प्रिया, सुहानी, पूर्वी, राधिका, मान्सी, प्राची, शिवा यादव, श्वेता, कशिश, प्रभा, जाहनवी, संजना सहजल आरती, पायल, कृष्णा, पूजा, प्रियांशी, प्रीती, सोनम, दुर्गा, ऐश्वर्या ने भागीदारी की। इस मौके पर सच्चिदानन्द मिश्रा डॉ. कृष्णकान्त अक्षर एवं हर्ष दुबे के संयोजन में निबन्ध प्रतियोगिता आयोजित हुई।

मेला श्री रामनगरिया के कारण एक फरवरी तक रूट डायवर्जन

संवाददाता फर्रुखाबाद

अमृत विचार। पांचाल घाट पर श्री रामनगरिया मेला शनिवार से शुरू गया है। इस मेले के मद्देनजर यातायात व्यवस्था को सुचारू बनाए रखने के लिए शनिवार से 1 फरवरी तक रूट डायवर्जन लागू रहेगा। पुलिस अधीक्षक ने भीड़भाड़ और यातायात जाम से बचने के लिए यह डायवर्जन प्लान तैयार किया है। यह व्यवस्था मेले की पूरी अवधि के दौरान प्रभावी रहेगी।

मेले के दौरान भारी मालवाहक वाहनों के लिए विशेष रूट निर्धारित किए गए हैं ताकि श्रद्धालुओं को असुविधा न हो और यातायात सुचारु रूप से चलता रहे। कन्नौज से कानपुर होते हुए फतेहगढ़ आने वाले ट्रक, टैंकर, डीसीएम, डंपर, लोडर और अन्य बड़े वाहनों को जिला जेल क्रॉसिंग से सेंट्रल जेल, मैनपुरी की ओर मोड़ा जाएगा। शाहजहांपुर-जलालाबाद से आने वाले मालवाहक वाहनों को डबरी तिराहा से अमृतपुर होते हुए बरेली मार्ग पर भेजा जाएगा। इसी तरह, बेवर (जनपद मैनपुरी) की ओर से फतेहगढ़ आने वाले मालवाहक वाहनों को बेवर से सेंट्रल जेल, आईटीआई चौराहा, ढीलाबल तिराहा, फैजाबाद तिराहा और शमशाबाद के लिए डायवर्ट किया जाएगा।

गंगा स्नान के लिए आने वाले छोटे वाहनों के लिए विभिन्न स्थानों पर पार्किंग स्थल बनाए गए हैं। यह व्यवस्था श्रद्धालुओं की सुविधा को ध्यान में रखते हुए की गई है। बरेली, शाहजहांपुर और बदायूं मार्ग से पांचाल घाट आने वाले छोटे वाहनों की पार्किंग वन चेतना में होगी। इटावा और छिबरामऊ मार्ग से आने वाले वाहनों को राधा रानी अस्पताल परिसर में पार्क किया जाएगा। नवाबगंज, शमशाबाद, लाल गेट तिराहा, कादरी गेट तिराहा और लकूला रोड से आने वाले छोटे वाहनों के लिए मालती गार्डन में पार्किंग की व्यवस्था है। मिलिट्री चौराहा से आर्मी कैंट मार्ग होते हुए पांचाल घाट पहुंचने वाले छोटे वाहनों को सोनू टाल के पास पार्क किया जाएगा।

विवाद में भाई को लाठी डंडों से पीटा

फर्रुखाबाद। अमृतपुर थाना क्षेत्र के ग्राम हुसेनपुर में जमीन जोतने को लेकर हुए विवाद में एक व्यक्ति पर उसके ही परिजनों ने लाठी-डंडों से हमला कर दिया। इस घटना में पीडित्त के सिर में गं

पीडित्त ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि अपनी जमीन पर खेत जोतने गया था। इसी दौरान उसके भाई ने खेत जोतने का विरोध किया। पीडित्त का आरोप है कि तीन आरोपियों ने गाली-गलौज करते हुए उस पर लाठी-डंडों से हमला कर दिया। मारपीट के दौरान आरोपियों ने उसके सिर पर लाठी से वार किया, जिससे उसे गंभीर चोटें आईं। पीडित्त ने पुलिस से अपना मेडिकल कराने और आरोपियों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई करने की मांग की है।

मौला अली की विलादत के जुलूस में दिखा गंगा-जमुनी तहजीब का नजारा

संवाददाता फर्रुखाबाद

अमृत विचार। शनिवार को हजरत अली की विलादत का जुलूस शहर में भारी सुरक्षा के व्यवस्था के बीच शान ए शौकत के साथ निकाला गया। जुलूस में मुख्य अतिथि के तौर पर लखनऊ के मौलाना कल्बे जब्बाद शामिल हुए। जुलूस लाल दरवाजा वारसी मस्जिद से शुरू हुआ।

जूलूस लाल दरवाजा स्थित वारसी मस्जिद से घुमना, चौक,पक्केपुल,टाउनहॉल होकर रकाबगंज स्थित दरगाह हजरत अब्बास में जाकर संपन्न हुआ। वहां पर मजलिस हुई जिसमें हजरत अली के इतिहास और उनके महत्व पर प्रकाश डाला गया। मेहमान

मौला अली का जूलूस निकलते अकीकतमंद। अमृत विचार

ए खुसूशी मौलाना कल्बे जब्बाद ने हजरत अली को इंसाफ और इंसानियत का दूत बताया और जुलूस को सफलतापूर्वक आयोजित करने के लिए आयोजन कमेटी को धन्यवाद दिया। मस्जिद के इमाम इकबाल,कांग्रेस के पूर्व जिलाअध्यक्ष सैयदआफताब हुसैन ने बताया कि मौलाना कल्बे जब्बाद का स्वागत कई जगह पर व्यापार मंडल व अन्य संस्थाओं व्दारा किया गया। जुलूस में 5 घोड़े , पांच मरकजी गाडियां शामिल रहीं। तिरंगा जुलूस के आगे आगे चलता रहा।

जयंती सपाइयों ने जयंती पर सावित्रीबाई फुले को किया याद

महिलाओं के लिए विद्या की देवी साबित हुईं सावित्रीबाई फुले

संवाददाता फर्रुखाबाद

अमृत विचार। शनिवार को समाजवादी पार्टी फर्रुखाबाद के जिला कार्यालय में जिलाध्यक्ष चंद्रपाल सिंह यादव की अध्यक्षता में भारत की प्रथम महिला शिक्षिका माता सावित्रीबाई फुले की जयंती के अवसर पर के अवसर पर श्रद्धांजलि सभा व गोष्ठी आयोजित की गई। इस दौरान पदाधिकारियों, कार्यकर्ताओं ने सावित्रीबाई फुले जी के चित्र पर माल्यार्पण कर उनके जीवन चरित्र एवं इस मातृभूमि और समाज के लिए किए गए संघर्ष को याद किया।

इस मौके पर जिलाध्यक्ष श्री चंद्रपाल सिंह यादव ने कहा

सावित्रीबाई फुले के चित्र पर माल्यार्पण करते सपा जिलाध्यक्ष चंद्रपाल सिंह यादव।

पौराणिक व्यवस्था में महिलाओं के पास शिक्षा का अधिकार नहीं था महिलाएं पठन-पाठन का कार्य नहीं कर सकती थी उस दौरान माता सावित्रीबाई फुले न सिर्फ खुद पढ़ी बल्कि समाज की अन्य महिलाओं में उन्होंने शिक्षा के प्रति जागृति पैदा की और दूसरी महिलाओं को भी पढ़ाया और आज इतिहास में उन्हें शैक्षिक क्रांति के एक शिलालेख के तौर पर याद किया जाता है।

जिला उपाध्यक्ष अजीत यादव ने कहा कि माता सावित्रीबाई फुले का जीवन आज भी हमें प्रेरणा देता है और ये बताता है कि कोई व्यक्ति जब समाज की लिए जीना प्रारंभ कर देता है फिर उसकी जीवनज्योति सदा-सर्वदा ऐतिहासिक धरोहर बनकर अमर हो जाती है। इसलिए हम सबको अपने साथ-दूसरों की जिंदगी भी बदले ऐसे प्रयास करने चाहिए, संपूर्ण परिवर्तन एक साथ नहीं हो सकता लेकिन एक दिन बदलाव जरूर होता है, सावित्रीबाई फुले जी ने पहली बार सिर्फ 9 बालिकाओं को पढ़ाने की शुरुआत की थी और आज उस बदलाव की नींव पर खड़ी इमारत हम सब के सामने है। इस दौरान अरविंद यादव जिलाध्यक्ष समाजवादी शिक्षक सभा, अमन सूर्यवंशी जिलाध्यक्ष समाजवादी बाबा साहब वाहिनी, नरेंद्र सिंह यादव विधानसभा अध्यक्ष भोजपुर, अजब सिंह शाक्य ब्लॉक अध्यक्ष मोहम्मदाबाद, रामपाल सिंह यादव जिला सचिव, राजपाल यादव एडवोकेट प्रदेश उपाध्यक्ष छात्र सभा, शिवम पटेल, सुधीर शाक्य ब्लॉक अध्यक्ष मुलायम सिंह यूथ ब्रिगेड, शिवकुमार बाथम, अतुल बाथम, डॉ0 संजय यादव, जयराम यादव, विनोद यादव, अनुराग यादव (लालू), संजीव कुमार, अर्चित शर्मा, सुधीर यादव, सत्येंद्र प्रताप सिंह, कौशलेंद्र यादव बलराम सिंह यादव, सलमान अहमद एवं विवेक भारद्वाज कार्यालय प्रभारी आदि कार्यकर्ता साथी मौजूद रहे।

फरार आरोपी के घर की कुर्की का नोटिस चस्पा

संवाददाता फर्रुखाबाद

अमृत विचार। नवाबगंज थाना क्षेत्र के ग्राम दनियापुर में पुलिस ने फरार चल रहे एक आरोपी के घर की कुर्की की कार्रवाई को अंजाम दिया।

दनियापुर निवासी शैलेश पुत्र रामदास लोधी के खिलाफ न्यायालय के आदेश पर धारा 82 और 83 के तहत कार्रवाई की गई थी। कई प्रयासों के बावजूद आरोपी को नोटिस तामील नहीं हो सका, जिसके बाद पुलिस को कुर्की के आदेश प्राप्त हुए। न्यायालय के आदेश का पालन करते हुए, उपनिरीक्षक सत्यनारायण और उपनिरीक्षक राजेश कुमार पुलिस बल के साथ आरोपी शैलेश के घर पहुंचे। गांव में काफी खोजबीन के बाद भी शैलेश मौके पर नहीं मिला। इसके बाद पुलिस ने कानूनी प्रक्रिया का पालन करते हुए, गांववासियों की मौजूदगी में कुर्की की कार्रवाई शुरू की। आरोपी के घर में मौजूद सभी घरेलू सामान को सूचीबद्ध किया गया। कुर्क किए गए सामान को एक ट्रैक्टर में भरकर थाने ले जाया गया। पुलिस ने बताया कि यह पूरी कार्रवाई नियमानुसार और पारदर्शी तरीके से संपन्न कराई गई है। पुलिस अधिकारियों ने चेतावनी दी है कि फरार आरोपियों के खिलाफ भविष्य में भी इसी तरह की कानूनी कार्रवाई जारी रहेगी। यदि आरोपी शीघ्र न्यायालय या पुलिस के समक्ष प्रस्तुत नहीं होता है, तो उसके खिलाफ और कठोर कदम उठाए जाएंगे।

न्यूज ब्रीफ

वारंटी को गिरफ्तार कर अदालत के समक्ष पेश किया

रुरुगंज। आरोपियों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत बिधूना कोतवाली पुलिस ने एक पुराने मामले में न्यायालय से फरार चल रहे एक वारंटी को गिरफ्तार किया गया है। आरोपी न्यायालय से जारी किए गए वारंट के बाद भी हाजिर नहीं हो रहा था। बिधूना कोतवाली के उपनिरीक्षक राजेश यादव ने बताया कि कोतवाली क्षेत्र के गांव सराय प्रथम निवासी हिमांशु भदौरिया पुत्र संजीव भदौरिया मामले में काफी समय से वांछित चल रहा था। शनिवार सुबह आरोपी को गिरफ्तार करके न्यायालय के समक्ष पेश किया गया जहां से जेल भेज दिया गया है।

अज्ञात कारणों से छप्पर में लगी आग

बेला (औरैया)। थाना क्षेत्र के गांव ढ़िपारा निवासी शिवसिंह के यहां घर के बाहर रखे छप्पर में शनिवार सुबह लगभग 6 बजे अज्ञात कारणों के चलते आग लग गयी। आग लगते ही शिवसिंह की पत्नी सरिता भैंस खोलने लगी। जिससे सरिता भी आग से झुलस गयी। सरिता ने बताया कि वो घर में अकेली रहती है पति बाहर नौकरी करते हैं। छप्पर में दो बोरी राई व गेहूं रखा था। ग्रामीणों ने प्रधान नंदकिशोर को सूचना दी। सरिता को परिजन बेला सीएचसी ले गये। सूचना के बाद पहुंचे उपनिरीक्षक ब्रज भूषण तिवारी व लेखपाल शिवम यादव ने रिपोर्ट बनाकर उच्च अधिकारियों को भेज दी। थानाध्यक्ष गंगादास गौतम ने बताया कि सूचना मिलते ही थाना पुलिस को भेजा गया था।

लाठी-डंडे चले, चार लोग घायल

राजेपुर। थाना क्षेत्र के कड़क्का गांव में बच्चों के विवाद ने हिंसक रूप ले लिया। इसमें लाठी-डंडे चलने से दोनों पक्षों के चार लोग घायल हो गए। एक महिला ने इस संबंध में राजेपुर थाने में लिखित शिकायत दर्ज कराई है। जानकारी के अनुसार, बच्चों के बीच हुए विवाद के बाद एक महिला पड़ोसी के घर शिकायत करने गई थी। आरोप है कि इसी दौरान चार लोगों ने लाठी-डंडों से उस पर हमला कर दिया, जिससे वह घायल हो गई। महिला के परिजन मौके पर पहुंचे तो उन पर भी पड़ोसी ग्रामीण महिलाओं ने हमला कर दिया। इस झड़प में कुल चार लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। घायल पीड़ित तत्काल राजेपुर थाने पहुंचे और लिखित तहरीर दी। पुलिस ने घायलों का मेडिकल परीक्षण कराया है।

स्ट्राबेरी की खेती कर किसान बढ़ाएं अपनी आय, मिल रहा अनुदान

जिलाधिकारी ने कहा कि किसान उद्यान की फसलें उगाकर अपनी आय बढ़ा सकते हैं

कार्यालय संवाददाता, औरैया

स्ट्राबेरी की खेती देखते डीएम। अमृत विचार

अमृत विचार। रानीपुर ग्राम के प्रगतिशील किसान रामगोविन्द शुक्ला स्ट्राबेरी की खेती कर किसानों के लिए प्रेरणा का स्रोत बने हैं। सचिव, सचिवालय प्रशासन विभाग लखनऊ गुर्राला श्रीनिवासुलु, जिलाधिकारी डॉ. इन्द्रमणि त्रिपाठी व मुख्य विकास अधिकारी संत कुमार व जनपद के सभी प्रमुख अधिकारियों ने क्षेत्र का भ्रमण कर वास्तविकता को परखा।

राम गोविन्द बताते हैं कि उद्यान विभाग के मार्गदर्शन और एकीकृत बागवानी विकास मिशन के तहत मिले अनुदान ने उन्हें आधुनिक खेती अपनाने में मदद की। लगभग दो एकड़ में स्ट्राबेरी लगाकर उत्पादन प्रारम्भ किया। स्थापनीय मार्केट में आसानी से 300 से 350 प्रति किलो की बिक्री कर हर दूसरे दिन दस हजार से 12 हजार की आय प्राप्त कर रहे है। उन्होने बताया कि 6 माह में 8 से 12 लाख की शुद्ध बचत होती है।

जिलाधिकारी व नोडल अधिकारी ने किसान का उत्साह वर्धन करते हुए जनपद के कृषकों को सलाह दी कि उद्यान की फसलें कैश क्राप है जिन्हें अपना कर कृषक अपनी आमदनी दो गुना व तीन गुना कर सकते हैं। मिशन योजना के तहत किसान ने .25 हेक्टेयर में पपीता की खेती भी की है साथ में चना फसल की इंटरक्रॉपिंग भी की गई है।

- **स्ट्राबेरी की खेती पर है प्रति हेक्टेयर 2 लाख लागत**
- **उद्यान विभाग दे रहा है दो किश्तों में 40 प्रतिशत अनुदान**

जिला उद्यान अधिकारी, सुनील कुमार तिवारी ने बताया कि स्ट्राबेरी की खेती पर प्रति हेक्टेयर लागत 2.00 लाख है जिसका 40 प्रतिशत दो किश्तों में अनुदान देय है। एक एकड़ में शुद्ध बचत 6.00 लाख कृषकों को प्राप्त होती है। उन्होने बताया कि जनपद औरैया में वर्ष 2025-26 में एकीकृत बागवानी विकास मिशन योजना लागू होते ही हाई वैल्यू क्राप में जनपद को वर्ष 2025-26 में स्ट्राबेरी की खेती का 2 हेक्टेयर का लक्ष्य प्राप्त था। इसी कड़ी में उद्यान विभाग द्वारा तीन कृषकों का चयन किया गया। जहां पहले धान, गेंहू जैसी परम्परागत फसलों पर निर्भर किसान संघर्ष कर रहे थे, वही आधुनिक तकनीकों से उच्च मूल्य वाली फसलें उगाकर वे लाखों की आमदनी कर रहे है। जनपद नोडल अधिकारी ने ग्राम सेहुद में टीडीए मॉडल से बन रहे मुख्यमंत्री कम्पोजिट विद्यालय का भी निरीक्षण किया। निर्देश दिए कि भवन निर्माण के साथ-साथ बहुउद्देशीय हाल का भी निर्माण कराया जाए साथ ही उन्होंने विद्यालय परिसर में लगे पेड़ों को क्षति न पहुंचाने एवं नए पौधे रोपित किए जाने के निर्देश दिए। जिलाधिकारी द्वारा शटरिंग में खराब प्लाई प्रयोग में लाए जाने पर नाराजगी व्यक्त करते हुए शटरिंग के लिए स्टील शीट प्रयोग में लाए जाने के निर्देश दिए साथ ही उन्होंने कार्यदाई संस्था को निर्देश दिए कि निर्माण कार्य में गुणवत्ता मानक के अनुरूप सुनिश्चित की जाए तथा निर्माण कार्य निर्धारित समय-सीमा के अंदर पूर्ण हो। इसके बाद चमरौहा में निर्माणाधीन स्टेडियम का निरीक्षण करते हुए नोडल अधिकारी ने निर्देश दिए कि शटरिंग हेतु उच्च गुणवत्ता की सामग्री प्रयोग में लाई जाए। निर्देश दिए गए कि समीपवर्ती ग्रामों में मंगल दलों का गठन किया जाए जिससे गांव के युवा स्टेडियम का लाभ उठा सकें साथ ही आउटसोर्सिंग के माध्यम से युवाओं को प्रशिक्षित करने हेतु प्रशिक्षक की भी तैनाती की जाए। निरीक्षण के दौरान कार्यदाई संस्था ने अवगत कराया कि स्टेडियम में वॉलीबॉल तथा बैडमिंटन कोर्ट के साथ टेबल टेनिस के लिए भी स्थान दिया गया है इसके अलावा स्टेडियम परिसर में रनिंग ट्रैक का भी निर्माण कराया जाएगा।

आज होगा श्री गहोई वैश्य समाज का सम्मान समारोह

औरैया। श्री ग़होई वैश्य सेवा समिति का सम्मान समारोह आगामी 04 जनवरी यानि आज शहर के गोपाल वाटिका में आयोजित किया जाएगा। इसको लेकर समाज की एक आवश्यक बैठक संगठन के उपाध्यक्ष मंगलेश सुहाने के आवास पर आयोजित की गई।

बैठक में सम्मान समारोह कार्यक्रम को भव्यता के साथ आयोजित करने को लेकर रणनीति तय की गई और सभी तैयारियां पूरी हो गईं। बैठक में समिति के अध्यक्ष विष्णु गहोई ने बताया कि समिति के द्वारा आयोजित सम्मान समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में राष्ट्रीय अध्यक्ष जिसमें अखिल भारतीय गहोई वैश्य महासभा के नव निर्वाचित राष्ट्रीय अध्यक्ष रामगोपाल जी छिरोलया एवं निवर्तमान राष्ट्रीय अध्यक्ष केके कठिल की गरिमामई उपस्थिति होगी। श्री ग़होई वैश्य सेवा समिति के उक्त अतिथिगणों को सम्मानित करेगा। वहीं कार्यक्रम में अखिल भारतीय गहोई वैश्य महासभा के नवनिर्वाचित पदाधिकारियों का भी सम्मान किया जाएगा। उन्होंने बताया कि समारोह में उरई, जालौन, कोंच, माधोगढ़, कानपुर, लखनऊ पंचायत के अध्यक्ष मंत्री एवं पदाधिकारियों के अलावा गहोई समाज औरैया के नवनिर्वाचित पदाधिकारी सहभागिता निभाएंगे। बैठक में मंत्री अमित सुहाने, महावीर सेठ, अनिल बहरे, अनुज बरसैंया, संजीव रेजा, सुधीर सोनी, आदि लोग मौजूद रहे।

गांव में कराया जाता बारात घर का निर्माण कार्य। अमृत विचार

सिंदुरिया आलमपुर मे हो रहा बारात घर का निर्माण

संवाददाता, फफूंद (औरैया)

- **प्रधान बेला देवी ने ग्रामीणों के लिए दिया बारात घर का एक और तोहफा**

अमृत विचार। ग्राम पंचायत सिंदुरिया आलमपुर में प्रधान बेला देवी ने पिछले 5 सालों में कई मुख्य विकास कार्य किये हैं। इसी नई कड़ी मे उन्होंने ग्रामीणों को सबसे बड़ी राहत देते हुए एक और बारात घर का निर्माण करवाना शुरू कर दिया है। उन्होंने साबित कर दिया है क्षेत्र भर में वही एक ऐसी प्रधान है जिन्होंने ब्लॉक भाग्य नगर में सबसे ज्यादा विकास कार्य अपनी पंचायत में कराए हैं।

इससे पहले उन्होंने पंचायत में काफी ऐसे कार्य किए हैं जिससे ग्रामीणों ने उनके हर ऐतिहासिक कदम की सराहना की है। ग्रामीण जेपी राजपूत, मनीष, अरविंद, भोले राजपूत, कल्लू पाल, मंगल सिंह सहित कई ग्रामीणों ने कहा है कि अब बारात घर बन जाने से हम लोगों को कस्बा फफूंद की तरफ नहीं जाना पड़ेगा। अब अपने गांव में ही शादी ब्याह एवं तमाम फंक्शन में बारात घर काम आएगा।

प्रधान बेला देवी के प्रतिनिधि सुधीर राजपूत ने बताया कि गांव में बारात घर नहीं था। जिसकी कमी को पूरा किया गया है। अभी निर्माण कर चल रहा है इससे गांव के लोगों को दूसरी जगह भटकना नहीं पड़ेगा।

नगर पंचायत प्रतिनिधि ने सर्दी में जरूरतमंदों को बांटे कंबल

संवाददाता फर्रुखाबाद

अमृत विचार। शमशाबाद में नगर पंचायत अध्यक्ष प्रतिनिधि नदीम अहमद फारुकी ने कड़ाके की ठंड से जूझ रहे गरीब और बेसहारा लोगों को कंबल वितरित किए। उनके आवास पर 50 से अधिक जरूरतमंदों को कंबल दिए गए, जिससे उन्हें सर्दी से राहत मिली।

मीडिया प्रभारी दीपक श्रीवास्तव ने बताया कि पिछले चार दिनों से कंबल वितरण का यह अभियान जारी है। शनिवार को भी कई गरीब महिला-पुरुष फारुकी के आवास पर पहुंचे और उन्हें खुशी-खुशी कंबल उपलब्ध कराए गए। कंबल पाकर लाभार्थियों ने खुशी व्यक्त की और उन्हें दुआएं दीं।

नदीम अहमद फारुकी ने इस पहल पर कहा कि सर्दी के मौसम में गरीब, मजदूर और किसान सभी बेहाल हैं। ऐसे में बेसहारा लोगों की मदद करना एक नेक कार्य है, जिनके लिए सर्द रातें गुजारना मुश्किल हो रहा है। उन्होंने यह भी आश्वासन दिया कि गरीबों की मदद का यह सिलसिला आगे भी जारी रहेगा।

जानकारी के अनुसार, क्षेत्र में भीषण सर्दी का दौर जारी है। कड़ाके की ठंड से बचने के लिए लोग अलाव का सहारा लेने को मजबूर हैं। कई ऐसे लोग हैं जिनके पास सर्दी से बचाव के लिए पर्याप्त कपड़े या रजाई-कंबल नहीं हैं। इस अवसर पर नगर पंचायत अध्यक्ष प्रतिनिधि नदीम अहमद फारुकी के साथ मीडिया प्रभारी दीपक श्रीवास्तव और इमरान खान सहित कई अन्य लोग मौजूद रहे।

ट्रेन के ब्रेक-शू में तकनीकी खराबी से उठीं चिंगारियां

संवाददाता, अछल्दा (औरैया)

अमृत विचार। दिल्ली-हावड़ा रेल मार्ग पर शनिवार दोपहर एक्सप्रेस ट्रेन में ब्रेक-शू जाम होने से चिंगारियां निकलने लगीं। सतर्कता के चलते ट्रेन को अछल्दा रेलवे स्टेशन के प्लेटफॉर्म संख्या 2 पर रोक दिया गया। रेलकर्मियों ने त्वरित कार्रवाई करते हुए तकनीकी खामी को दुरुस्त किया, जिसके बाद करीब 10 मिनट की देरी से ट्रेन को कानपुर की ओर रवाना कर दिया गया।

जानकारी के अनुसार शनिवार दोपहर करीब 12:30 बजे पुरी-आनंद विहार टर्मिनल एक्सप्रेस ट्रेन संख्या 12816 डाउन लाइन पर गुजर रही थी। ट्रेन के इंजन से दूसरी बोगी में अचानक ब्रेक-शू जाम हो गया, जिससे पहियों के पास से चिंगारियां उठने लगीं। यह दृश्य देखकर प्लेटफॉर्म पर मौजूद एक पोर्टर ने तुरंत स्टेशन मास्टर को सूचना दी। सूचना मिलते ही अछल्दा स्टेशन मास्टर ने सूझबूझ दिखाते हुए ट्रेन को प्लेटफॉर्म संख्या 2 पर रुकवाया। जांच के दौरान रेलकर्मियों ने पाया कि ब्रेक-शू में तकनीकी खराबी आ गई थी। आनन-फानन में मरम्मत कार्य शुरू किया गया। इसी दौरान पीछे से आ रही नेताजी एक्सप्रेस को प्लेटफॉर्म संख्या 1 से लूप लाइन के जरिए सुरक्षित रूप से निकाल दिया गया, जिससे अन्य ट्रेनों के संचालन पर ज्यादा असर न पड़े।

करीब 10 मिनट की मशक्कत के बाद ब्रेक-शू को दुरुस्त कर लिया गया और दोपहर 12:40 बजे पुरी-आनंद विहार एक्सप्रेस को कानपुर की ओर रवाना किया गया।

तकनीकी खराबी को चेक करते कर्मचारी। अमृत विचार

बिना टिकट दो यात्री पकड़े गए, लगा जुर्माना

संवाददाता, अछल्दा (औरैया)

अमृत विचार। रेलवे प्रशासन द्वारा चलाए जा रहे टिकट चेकिंग अभियान के तहत अछल्दा रेलवे स्टेशन पर बिना टिकट यात्रा कर रहे दो यात्रियों को पकड़ा गया।

गाड़ी संख्या 64588 टूंडला-कानपुर पैसेंजर निर्धारित समय से करीब 1 घंटे 30 मिनट देरी से 11:25 बजे अछल्दा स्टेशन पर पहुंची। ट्रेन के अछल्दा स्टेशन पर रुकते ही टिकट चेकिंग के दौरान टीसी जटाशंकर गुप्ता ने पैसेंजर ट्रेन से उतरे यात्रियों की जांच की। इस दौरान दो यात्री बिना टिकट यात्रा करते पाए गए। टीसी द्वारा दोनों यात्रियों को स्टेशन परिसर में ही पकड़ लिया।

स्टेशन पर बिना टिकट पकड़े गए यात्री।

रेलवे नियमों के तहत कार्रवाई करते हुए दोनों बिना टिकट यात्रियों से कुल 840 रुपये शुल्क (जुर्माना) वसूला गया।

हादसे में ट्रक चालक की मौत, शव गांव पहुंचते ही कोहराम

संवाददाता, अछल्दा (औरैया)

अमृत विचार। थाना क्षेत्र के गांव पैतुआ में शनिवार को उस समय कोहराम मच गया, जब सड़क हादसे में मृत अभय राम सिंह यादव (60 वर्ष) का शव गांव पहुंचा। शव के गांव में आते ही परिजनों में चीख-पुकार मच गई और पूरे गांव में शोक की लहर दौड़ गई।

अभय राम सिंह यादव।

अभय राम सिंह यादव पुत्र किताब सिंह पेशे से ट्रक चालक थे और फरीदाबाद में रहकर ट्रक चलाकर अपने परिवार का भरण-पोषण करते थे। परिजनों के अनुसार, वह खाना लेकर कहीं जा रहे थे, तभी रास्ते में एक कार ने उनके ट्रक में जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में वह गंभीर रूप से घायल हो गए। उन्हें तत्काल इलाज के लिए अस्पताल ले जाया गया, जहां इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई। मृतक अपने पीछे दो पुत्र छोड़ गए हैं। बड़ा पुत्र योगेंद्र (24 वर्ष) तथा छोटा पुत्र अमित (16 वर्ष) है।

रोते बिलखते परिजन। अमृत विचार

पिता की असामयिक मौत से दोनों बेटों के सिर से पिता का साया उठ गया है। पत्नी और अन्य परिजन गहरे सदमे में हैं। शनिवार को जब पोस्टमार्टम के बाद शव गांव पैतुआ पहुंचा तो परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल हो गया।

www.amritvichar.com पर भी खबरें पढ़ें

हादसे में घायल की इलाज के दौरान मौत

संवाददाता बेला

- **कार व बाइक में हुई थी टक्कर रसूलाबाद मार्ग पर हुई घटना**

अमृत विचार। थाना क्षेत्र के गांव याकूबपुर में रसूलाबाद मार्ग पर शुक्रवार शाम करीब साढ़े छह बजे रसूलाबाद की तरफ से आ रही कार ने बाइक सवार को टक्कर मार दी। जिससे बाइक सवार किसान गणेश (38) पुत्र मानसिंह निवासी गांव नवादा गंभीर रूप से घायल हो गया। सूचना पर पहुंची थाना पुलिस ने घायल को एम्बुलेंस से सीएचसी बेला भेज दिया। वहां मौजूद चिकित्सक ने प्राथमिक उपचार कर जनपद कन्नौज के तिर्वा स्थित डॉ रामजी अम्बेडकर मेडिकल कालेज भेज दिया। देर रात वहां से भी चिकित्स्कों ने घायल को कानपुर के हैलट अस्पताल भेज दिया जहां उसकी शनिवार सुबह मौत हो गयी। पुलिस ने पंचनामा भरकर शव का पोस्टमार्टम करा दिया। देर शाम शव गांव पहुंचते ही कोहराम मच गया।

गणेश।

वह गांव में ही रहकर खेती करता था व अपने घर के बाहर पंचर बनाने की दुकान भी रखे है। वह तीन भाइयों में सबसे छोटा था। पुलिस ने टक्कर मारने वाली कार को याक़ूबपुर से बरामद कर लिया है। थानाध्यक्ष गंगादास गौतम के अनुसार तहरीर मिलने पर मुकदमा दर्ज कर कार्यवाही की जाएगी।

गौचरा भूमि विवाद | गौचरा भूमि विवाद मामले में सांसद ने पीड़ितों से की मुलाकात

पीड़ित परिवार को न्याय दिलाने का आश्वासन

संवाददाता, अछल्दा (औरैया)

अमृत विचार। थाना क्षेत्र के गांव रामपुर-बोडेपुर में गौचरा भूमि पर हो रहे अवैध निर्माण कार्य को लेकर शुक्रवार को राजस्व टीम द्वारा बुलडोजर चलाए जाने के दौरान विवाद हो गया। विवाद बढ़ने पर जेसीबी चालक मशीन लेकर मौके से फरार हो गया। घटना में घायल हुए लोगों को सीएचसी अछल्दा में भर्ती कराया गया। चिकित्सक गौरव कुमार के अनुसार दोनों आनन्द और पत्नी सोनम की हालत सामान्य बताई जा रही है।

पीड़ितों से बातचीत करते सांसद। अमृत विचार

ग्रामीणों का आरोप है कि पूरा गांव गौचरा भूमि पर बसा हुआ है, जहां करीब 50 से 60 मकान बने हुए हैं, लेकिन कार्रवाई केवल चुनिंदा दो मकानों पर ही की गई।

शनिवार को इटावा सांसद गांव रामपुर-बोडेपुर पहुंचे और पीड़ित परिवार रंजीत पुत्र मुन्नीलाल एवं आशाराम पुत्र सोनेलाल से मुलाकात की। इस दौरान पीड़ित पक्ष ने लेखपाल पर अवैध रूप से रुपये मांगने का गंभीर आरोप लगाया। पीड़ितों का कहना है कि रुपये न देने पर लेखपाल ने जेसीबी के माध्यम से मकान की नींव गिरवा दी।

मौके पर उपस्थित ग्रामीणों को संबोधित करते हुए सांसद जितेंद्र दोहरे ने पीड़ित परिवार को न्याय दिलाने का आश्वासन दिया और मामले की निष्पक्ष जांच कराए जाने की बात कही। हालात को देखते हुए गांव में एहतियातन पुलिस फोर्स तैनात की गई है और प्रशासन स्थिति पर नजर बनाए हुए है।

दो पक्षों में लाठी-डंडे चले, आधा दर्जन घायल

संवाददाता अछल्दा (औरैया)

अमृत विचार। थाना क्षेत्र के सलेमपुर गांव में शनिवार को दो पक्षों के बीच हुए विवाद में मारपीट हो गई। इस दौरान लाठी-डंडे चलने से आधा दर्जन लोग घायल हो गए।

घायलों में सलेमपुर निवासी संतोष सक्सेना, प्रदीप सक्सेना और लव गोविंद पुत्र रामऔतार सक्सेना शामिल हैं। उन्हें तत्काल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया, जहां डॉ. गौरव ने प्राथमिक उपचार किया। गंभीर हालत को देखते हुए संतोष सक्सेना, प्रदीप सक्सेना और लव गोविंद को जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया। इसी घटना में शिवपाल सिंह पुत्र नरेंद्र सिंह तोमर का पुत्र भी घायल हुआ, जिसे भी रेफर किया गया है। नितेन्द्र तोमर के हाथ में फ्रैक्चर और सिर में गंभीर चोटें आई हैं। सभी घायलों का इलाज जारी है। हल्का इंचार्ज राजेंद्र कुमार ने बताया कि प्रथम दृष्टया यह मामला जमीन विवाद से जुड़ा हुआ प्रतीत होता है। उन्होंने रंगदारी जैसी किसी बात से इनकार किया। पुलिस मामले की जांच कर रही है और तहरीर के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

मारपीट में घायल युवक। अमृत विचार

ग्राम पंचायत गडौली विकास खंड पहाड़ी चित्रकूट

अल्पकालीन निविदा सूचना

विकास खंड पहाड़ी अन्तर्गत ग्राम पंचायत गडौली में सार्वजनिक वितरण प्रणाली योजना अंतर्गत निम्न कार्य में प्रयुक्त सामग्री हेतु व्यापार कर व आयकर में पंजीकृत फर्मो से निविदा आमंत्रित किया जाता है निविदा प्रकाशन के तीन दिवस तक ग्राम पंचायत कार्यालय में जमा निविदा ही मान्य होगी

क्र.सं.	कार्य का नाम	लागत	धरोहर राशि	निविदा मूल्य
1	सार्वजनिक वितरण प्रणाली के अन्तर्गत ग्राम पंचायत गडौली में उचित दर की दुकान (अन्नपूर्णा भवन) व जन सुविधा केंद्र का निर्माण	846408	16850	500

ग्राम पंचायत सचिव
ग्राम पंचायत गडौली विकास खंड पहाड़ी चित्रकूट

प्रधान
ग्राम पंचायत गडौली विकास खंड पहाड़ी चित्रकूट

कार्यालय ग्राम पंचायत औदहा विकास खंड पहाड़ी चित्रकूट

अल्पकालीन निविदा सूचना

विकास खंड पहाड़ी अन्तर्गत ग्राम पंचायत औदहा में राज्य वित्त 15वित्त योजना अंतर्गत निम्न कार्य में प्रयुक्त सामग्री हेतु व्यापार कर व आयकर में पंजीकृत फर्मो से निविदा आमंत्रित किया जाता है निविदा प्रकाशन के तीन दिवस तक ग्राम पंचायत कार्यालय में जमा निविदा ही मान्य होगी ।

दिनांक – 4/1/2026से 7/1/2026 तक

क्र.सं.	कार्य का नाम	लागत	सामग्री का मूल्य	निविदा मूल्य
1	उच्च प्राथमिक विद्यालय में छत मरम्मत कार्य	196882	3850	500
2	भूखन के घर से रामदास के घर तक सीसी रोड व नाली निर्माण	263902	5250	500
3	सार्वजनिक वितरण प्रणाली के अन्तर्गत ग्राम पंचायत औदहा में उचित दर की दुकान (अन्नपूर्णा भवन) व जन सुविधा केंद्र का निर्माण	846408	16850	500

ग्राम पंचायत सचिव
ग्राम पंचायत औदहा विकास खंड पहाड़ी चित्रकूट

प्रधान
ग्राम पंचायत औदहा विकास खंड पहाड़ी चित्रकूट

न्यूज ब्रीफ

कूड़े को इधर-उधर फेंकने पर किया चालान

इटावा। स्वच्छ भारत मिशन के तहत नगर पालिका परिषद द्वारा सिटी मजिस्ट्रेट राजेन्द्र बहादुर एवं संतोष कुमार मिश्रा अधिशाषी अधिकारी नगर पालिका परिषद ने संयुक्त रूप से इटावा नुमाइश में कूड़ा इधर-उधर डालने वालों के विरुद्ध अभियान चलाया। इधर-उधर कूड़ा करकट न फेंकने के लिए सभी दुकानदारों को निर्देशित किया कि कोई गंदगी इधर-उधर नहीं फेंकें। सत्यम मैरिज होम का 10000 हजार का चालान एवं सर्वेस चाट भंडार पर 500 रुपये का चालान काटा गया। इस मौके पर स्वच्छ भारत मिशन के डीपीएम सुनील कुमार, खाद्य एवं सफाई निरीक्षक नत्थीलाल कुशवाह, सफाई नायक रजनीश राठौर, नरेश आदि कई पालिका का स्टाफ साथ में उपस्थित रहा।

किशोरी के अपहरण की रिपोर्ट दर्ज

जसवन्तनगर। बलरई थाना क्षेत्र के एक गांव से 16 वर्षीय किशोरी को अज्ञात युवक द्वारा बहला-फुसलाकर अपहरण किए जाने का मामला सामने आया है। किशोरी के पिता ने थाने में तहरीर देकर आरोप लगाया कि उसकी बेटी को एक अज्ञात युवक बहला-फुसलाकर ले गया है। सूचना मिलते ही पुलिस ने मामला गंभीरता से लेते हुए जांच शुरू कर दी है। प्रभारी निरीक्षक दिवाकर सरोज ने बताया कि तहरीर के आधार पर अपहरण व बहला-फुसलाकर ले जाने की सुसंगत धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। किशोरी की बरामदगी के लिए पुलिस टीमों को लगाया गया है और संभावित स्थानों पर दबिश दी जा रही है।

ग्रामसभा की जमीन पर हो रहे कब्जे को एसडीएम ने रुकवाया

जसवंतनगर। बलरई थाना क्षेत्र के अंतर्गत ग्राम तिजौरा में ग्राम सभा की खाली जमीन पर दबंगों द्वारा किए जा रहे अवैध कब्जे को लेकर गांव के ही सुरेंद्र सिंह पुत्र काले सिंह ने उप जिलाधिकारी कुमार सत्यम जीत से शिकायत की। शिकायती प्रार्थना पत्र में बताया गया कि उक्त गांव के ही बलबीर सिंह, राजू, राजकुमार, रघुनंदन, जगतपाल, सत्यभान, धर्मेंद्र, जितेंद्र के द्वारा कोर्ट द्वारा घोषित ग्राम सभा की जमीन पर मिट्टी का भराव करके उस पर अवैध तरीके से निर्माण कार्य किया जा रहा है। एसडीम तुरंत ही शिकायत को संज्ञान में लेते हुए संबंधित क्षेत्र के लेखपाल और थाना प्रभारी निरीक्षक बलरई दिवाकर सरोज को अवैध निर्माण रुकवा कर कार्रवाई करने के आदेश दिए।

अनियंत्रित कार खेत में गिरी, सवार बचे

बकेवर। लवेदी थाना क्षेत्र के अंतर्गत लखना-लवेदी मार्ग पर जैतपुरा गांव के समीप एक कार अनियंत्रित होकर सरसों के खेत में पलट गई। इस दुर्घटना में कार में सवार चालक सहित चार लोग बाल-बाल बच गए। यह घटना शनिवार सुबह करीब 11:30 बजे हुई। कार लखना की ओर से जैतपुरा गांव जा रही थी, तभी वह अनियंत्रित होकर सड़क किनारे एक खेत में जा गिरी। हादसे के बाद राहगीरों और खेत में काम कर रहे किसानों ने तुरंत बचाव कार्य शुरू किया। उन्होंने कार में फंसे सभी चार लोगों को सुरक्षित बाहर निकाला। किसी को भी गंभीर चोट नहीं आई। दुर्घटनास्थल पर देखते ही देखते ग्रामीणों और राहगीरों की भीड़ जमा हो गई। लोगों ने मिलकर काफी मशक्कत के बाद पलटी हुई कार को सीधा किया।

किशोरी से दुष्कर्म के दोषी को 20 साल का कारावास

जुर्माना अदा न करने पर एक साल की अतिरिक्त सजा

कार्यालय संवाददाता, इटावा

41 हजार रुपये का कोर्ट ने जुर्माना भी लगाया

अमृत विचार। विशेष न्यायाधीश पॉक्सो एक्ट राखी चौहान ने पांच साल पुराने किशोरी से दुष्कर्म के मामले की सुनवाई करते हुए साक्ष्यों के आधार पर अभियुक्त को दोषी पाया। दोषी पाए जाने पर कोर्ट ने उसे बीस साल के सश्रम कारावास की सजा सुनाई। इसके अलावा कोर्ट ने उस पर 41 हजार रुपये का जुर्माना भी लगाया। जुर्माना अदा न करने पर उसे एक साल का अतिरिक्त कारावास भोगना पडेगा। कोर्ट ने यह भी आदेश दिया कि जुर्माने की रकम में चालीस प्रतिशत पीड़िता को दी जाएगी।

जिला शासकीय अधिवक्ता शिव कुमार शुक्ला ने बताया कि बकेवर थाना क्षेत्र के एक गांव की रहने वाली 13 साल की किशोरी चार जनवरी 2020 को अपने प्लॉट पर शाम करीब सात बजे अपने पिता के पास आग ताप रही थी। उसी समय उसके पिता अपना बिस्तर लगाने के लिए झोपड़ी में चले गए तभी गांव का आशू उर्फ सचिन पुत्र राम नारायण दोहरे आया और किशोरी को जबरन उठा ले गया। किशोरी को पास के सरसों के खेत में ले गया, जहां उसने उसके साथ दुष्कर्म किया। किशोरी को गायब देख परिवार के लोगों ने खोजबीन की। बाद में किशोरी घर आई और उसने अपने परिवार के लोगों को पूरी घटना से अवगत कराया। जानकारी होने के बाद परिवार के लोग उसे लेकर थाने पहुंचे और पुलिस को घटना की जानकारी दी। तहरीर के आधार पर पुलिस ने दुष्कर्म व पॉक्सो एक्ट की धाराओं में मामला दर्ज कर लिया। बाद में किशोरी का मेडिकल कराया गया। मामला दर्ज होने के बाद पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। छानबीन के बाद पुलिस ने आशु उर्फ सचिन के खिलाफ दुष्कर्म व पॉक्सो एक्ट की धाराओं में आरोप पत्रकोर्ट में पेश कर दिए।

मामले की सुनवाई विशेष न्यायाधीश पॉक्सो एक्ट की कोर्ट में हुई। अपर जिला शासकीय अधिवक्ता अजीत प्रताप सिंह तोमर ने सरकार की ओर से पैरवी की। उनके द्वारा पेश किए साक्ष्यों व गवाहों के आधार पर कोर्ट ने आशु उर्फ सचिन को दोषी पाया और उसे बीस साल की सजा व 41 हजार रुपया के अर्थदंड से दंडित किया। कोर्ट ने यह भी आदेश दिया कि जुर्माने की चालीस प्रतिशत रकम पीड़िता को दी जाएगी।

अलग-अलग हादसों में सिपाही समेत तीन युवक घायल

जसवंतनगर। शुक्रवार को क्षेत्र में हुई अलग-अलग सड़क दुर्घटनाओं में सिपाही सहित तीन युवक घायल हो गए। पहली घटना बलरई जाने वाले मार्ग पर गांव राजपुर के समीप हुई, जहां बंबा की सफाई के बाद सड़क के तीव्र मोड़ पर रखी गई सिल्ट पर बाइक फिसलने से कोकावली गांव निवासी 29 वर्षीय अनिल पुत्र विजय बहादुर गंभीर रूप से घायल हो गया। राहगीरों ने एंबुलेंस की मदद से उसे सीएचसी पहुंचाया, जहां से हालत गंभीर होने पर सैफई मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया गया। दूसरी घटना में गांव नगला नरिया निलोई निवासी 28 वर्षीय गजेंद्र पुत्र गुरुप्रसाद नगला बरी के पास बाइक फिसलने से घायल हो गया। उसे सीएचसी लाया गया, जहां से परिजन अपने साथ ले गए। बताया गया है कि गजेंद्र मऊ जिले में कांस्टेबल पद पर तैनात है।

तीसरी घटना नगर के बस स्टैंड चौराहे के पास स्थित जीजीआईसी कॉलेज के सामने हुई। जहां एक व्यक्ति शराब के नशे में किसी अज्ञात वाहन से टकराकर घायल हो गया। थानाध्यक्ष कमल भाटी ने घायल को अस्पताल भेजा।

समूह नृत्य में नारायण कालेज और एसएस मेमोरियल का रहा दबदबा

कार्यालय संवाददाता, इटावा

अमृत विचार। पानकुंवर इंटरनेशनल स्कूल के तत्वावधान में प्रदर्शनी पंडाल में समूह नृत्य प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। सांस्कृतिक कार्यक्रम में जनपद के विभिन्न प्रतिष्ठित विद्यालयों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। प्रतियोगिता में बालिकाओं की कुल 13 टीमों ने भाग लिया, जबकि बालकों की 15 टीमों ने अपनी प्रस्तुतियों से दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया।

बालिका वर्ग में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए नारायण कॉलेज की टीम ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। द्वितीय स्थान रेडवुड ग्लोबल स्कूल को तथा तृतीय स्थान अर्चना मेमोरियल स्कूल को प्राप्त हुआ। इसके अतिरिक्त पानकुंवर इंटरनेशनल स्कूल, एसएस मेमोरियल सैफई एवं प्रियंशी संस्कार वैली की बालिका टीमों को उनके सराहनीय प्रदर्शन हेतु सांत्वना पुरस्कार प्रदान किए गए। बालक वर्ग में एसएस मेमोरियल सैफई की टीम ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। द्वितीय स्थान

विजेता टीमों के खिलाड़ियों के साथ आयोजक व अतिथि। अमृत विचार

● प्रदर्शनी पंडाल में आयोजित की गई समूह गान प्रतियोगिता

लीडर्स इंटरनेशनल स्कूल तथा तृतीय स्थान अर्चना मेमोरियल स्कूल को प्राप्त हुआ। वहीं पान कुंवर इंटरनेशनल स्कूल एवं कृष्णा एकेडमी की बालक टीमों को सांत्वना पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के शुभारंभ अवसर पर पानकुंवर इंटरनेशनल स्कूल के डायरेक्टर, मैनेजर डॉ. कैलाश चंद्र यादव ने सभी अतिथियों, प्रतिभागी विद्यालयों एवं छात्र-छात्राओं का स्वागत किया। विद्यालय के प्रधानाचार्य अरविंद कुमार तोमर ने आयोजन की सराहना की। शुभारंभ एसएसपी बृजेश कुमार श्रीवास्तव ने किया। विशिष्ट अतिथि सीटीओ डोगरा शक्ति, डॉ. शैलेन्द्र शर्मा प्राचार्य हैवरा डिग्री कॉलेज, सह जिला विद्यालय निरीक्षक डॉ. मुकेश, एचएन कॉलेज के प्रबंधक पवन, चित्रगुप्त कॉलेज के प्राचार्य डॉ उमेश, पुलिस मॉडर्न स्कूल के प्रिंसिपल अभिषेक सक्सेना, थियोसॉफ्ट के प्रिंसिपल अनूप मिश्रा, एसएस मेमोरियल सैफई के प्रिंसिपल डॉ एसएन यादव, रेडवुड के प्रिंसिपल विवेक श्रीवास्तव रहे।

कंबल वितरण करते सांसद साथ में लाखन सिंह जाटव। अमृत विचार

सांसद ने निराश्रितों को बांटे कंबल

इटावा। सांसद जितेंद्र दोहरे से गुरुवार को शहर के मोहल्ला एसडी फील्ड में सर्दी से बचाव के लिए निराश्रित लोगों को कंबल वितरित किए। उन्होने इस मौके पर जिले की जनता को नववर्ष की बधाई भी दी और शांति समृद्धि एवं अच्छे स्वास्थ्य की ईश्वर से कामना की।

नववर्ष के मौके पर सांसद जितेंद्र दोहरे ने पूर्व जिला अध्यक्ष लाखन सिंह जाटव के आवास पर आयोजित एक कार्यक्रम में निराश्रित लोगों को कंबल बांटे। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि गरीबों की सेवा करना मनुष्य का प्रथम कर्तव्य है। उन्होने कहा कि वह गरीब लोगों की सेवा के लिए हमेशा तत्पर रहेगे उन्होंने 50 लोगों को कंबल दिए। इस मौके पर पूर्व प्रत्याशी सर्वेश शाक्य, संगीता राजपूत, शैलेंद्र सिंह ,रवि बघेल मोहम्मद अल्ताफ राजेंद्र कुलश्रेष्ठ कुलदीप कश्यप रतन त्यागी चिराग सिंह के अलावा सपा के तमाम कार्यकर्ता मौजूद रहे।

बंदरों का आतंक कई लोगों पर हमला बोल कर चुके घायल

महेवा। विकासखंड क्षेत्र के कस्बा एवं ग्रामीण अंचलों में बंदरों के आतंक है। रमपुरा व्यास निवासी रामप्रताप उपाध्याय की पत्नी विमला देवी दूसरी मंजिल पर खाना खा रही थी तभी बंदरों के झुंड ने उन पर हमला बोल दिया। जिससे वह असंतुलित होकर छत से नीचे जा गिरी और घायल हो गई। स्वजन उन्हें कस्बा के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में ले गए। जहां सिर में चोट को देखते हुए अधीक्षक डॉक्टर अभिषेक वर्मा ने उन्हें जिला अस्पताल रेफर कर दिया। इसीतरह ग्राम पंचायत उझियानी बहेड़ा आनेपुर महेवा राहतपुर टिलीटिला सुनवरसा। लीटेपुर गौतमपुरा नगला शुक्ल सहित क्षेत्र के लोग इन बंदरों के आतंक से काफी भयभीत है कभी-कभी यह कटखने बंदर अकारण बच्चों एवं महिलाएं पर हमला बोल रहे हैं।

कड़ाके की सर्दी से लोग और पशु-पक्षी हलकान

कार्यालय संवाददाता, इटावा

7.2 डिग्री सेल्सियस रहा न्यूनतम तापमान

11 बजे निकली हल्की धूप नहीं मिली सर्दी से राहत

अमृत विचार। कड़ाके की सर्दी से राहत नहीं मिल रही है। इसके चलते लोगों के साथ पशु-पक्षी भी प्रभावित हो रहे हैं। सुबह सूर्यदेव के दर्शन तो हुए, लेकिन सर्द हवा लगातार चलती रही इसके कारण धूप बेअसर रही। बाद में बादल छा गए और गलन भरी सर्दी ने लोगों को बेहाल कर दिया। शनिवार को न्यूनतम तापमान 7.2 डिग्री रहा। लोग दिन भर अलाव तापते नजर आए।

शनिवार सुबह चार बजे से ही सर्दी का प्रकोप नजर आने लगा। गलन बढ़ने के कारण बुजुर्गों और बच्चों को सबसे अधिक परेशानी का सामना करना पड़ा। सर्दी से बचाव के लिए परिजनों ने बच्चों को घरों में ही रोक लिया। विद्यालयों में अवकाश होने से अभिभावकों ने राहत की सांस ली। सर्दी के चलते शहर और ग्रामीण इलाकों में सड़कों पर आवाजाही कम रही। चौराहों, बाजारों और मोहल्लों में लोग अलाव तापते नजर आए। सर्दी से बचने के लिए कई घरों में हीटर और अंगीठी का सहारा लिया गया। लकड़ी और कंडों से जलाए गए अलाव दिनभर सुलगते रहे। ग्रामीण इलाकों में खुले स्थानों पर अलाव के सहारे लोग ठंड से बचाव करते दिखे।

दिन में अलाव तापते लोग।

शनिवार को सुबह करीब 11 बजे हल्की धूप निकली तो यह लगा कि दोपहर तक धूप में तेजी आएगी तो सर्दी से कुछ राहत मिलेगी लेकिन ऐसा नहीं हुआ। दोपहर एक बजे ही धूप ने विदा ले ली। इससे सर्दी से

● धूप रही बेअसर, सर्द हवा से कांपते रहे लोग

राहत मिलने की जो उम्मीद बनी थी वह भी टूट गई। शाम होते ही एक बार फिर सर्दी बढ़ गई। दोपहर बाद से ही यह स्थिति होने लगी थी कि कई स्थानों पर लोग सड़क के किनारे कागज और लकड़ी जलाकर बैठे थे ताकि सर्दी से बच सकें। रात को सर्दी और भी बढ़ गई। प्रमुख चौराहों पर अलाव भी नहीं जले हैं इसके कारण भी रात में राहगीरों और वाहन चलाने वालों को परेशानी होती है। यदि अलाव जल रहे हों तो कुछ देर बैठकर सर्दी से बच सकते हैं। सर्दी बढ़ने के साथ ही बाजारों में गर्म कपड़ों की मांग तेज हो गई है।

मफलर, टोपी, दस्ताने, स्वेटर और कैप की बिक्री में खासा इजाफा देखा गया। दुकानदारों का कहना है कि बीते दिनों की तुलना में बिक्री में अच्छी बढ़ोतरी हुई है।

शूटिंग चैंपियनशिप का हुआ समापन

कार्यालय संवाददाता, इटावा

मेडल प्राप्त करने वाले बच्चों के साथ सीओ व आयोजक। अमृत विचार

अमृत विचार। जिला राइफल क्लब द्वारा आयोजित 13वीं इंटर डिस्ट्रिक्ट शूटिंग चैंपियनशिप का समापन हो गया। मुख्य अतिथि सीओ सिटी अभय नारायण राय रहे। उन्होंने प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों को मेडल प्रदान कर सम्मानित किया।

प्रतियोगिता में 10 मीटर एयर राइफल में राजीव कुमार, आशुतोष कुमार एवं युवराज यादव चैंपियन ऑफ चैंपियन बने। 10 मीटर एयर पिस्टल में अग्रज प्रताप सिंह, शिवम पाल एवं हर्षित दुबे ने चैंपियन ऑफ चैंपियन का खिताब जीता। लिटिल चैंप वर्ग में पीप साइट राइफल में श्राव्या, ओपन साइट राइफल में ईवा, लिटिल चैंप पिस्टल में सूर्य, ध्रुव कुमार एवं जतिन ने शानदार प्रदर्शन करते हुए बाजी मारी। प्रतियोगिता में इटावा, कन्नौज, औरैया, फर्रुखाबाद, बस्ती, विधूना एवं शिकोहाबाद जनपदों के खिलाड़ियों ने भाग लिया। 10 मीटर एयर राइफल पुरुष वर्ग में हेमंत सिकेरा, गौरव पटेल, प्रांशु चतुर्वेदी, धैर्य श्रीवास्तव, हार्दिक तिवारी, आलोक, निखिल, अनिल कुमार पाल एवं हरिओम पाल ने पदक जीतकर जिले का नाम रोशन किया। 10 मीटर एयर पिस्टल में विशेष, अनुराग, हर्षित एवं संचीत ने पदक अपने नाम किए। 10 मीटर एयर राइफल महिला वर्ग में कशिश तथा एन आर राइफल वर्ग में स्पर्शिका राठौर ने पदक प्राप्त किए। शॉटगन नेशनल प्रतियोगिता में प्रतिभाग करने के लिए ऋत्विक तिवारी को भी विशेष रूप से सम्मानित किया गया।

9 हजार मतदाताओं की नहीं हो सकी मैपिंग

इटावा। चकरनगर तहसील क्षेत्र में विशेष गहन पुनरीक्षण के तहत लगभग नौ हजार मतदाता ऐसे हैं, जिनका विवरण 2003 की मतदाता सूची से मेल नहीं खा रहा है। अधूरे गणना फॉर्म के कारण इन मतदाताओं की मैपिंग नहीं हो सकी है।

निर्वाचन विभाग ने स्पष्ट किया है कि ऐसे मतदाताओं को अपनी पहचान सत्यापित करने के लिए आधार कार्ड सहित 13 विकल्प उपलब्ध कराए गए हैं। जिन मतदाताओं का विवरण अधूरा है, उन्हें 6 जनवरी से नोटिस जारी किए जाएंगे। इन मतदाताओं को नोटिस का जवाब देने और आवश्यक दस्तावेज प्रस्तुत करने के लिए एक सप्ताह का समय दिया जाएगा। एसडीएम ब्रह्मानंद कठेरिया ने जवाहर इंटर कॉलेज में बीएलओ के साथ बैठक में यह जानकारी दी।

सावित्रीबाई फुले की जयंती मनाई

कार्यालय संवाददाता, इटावा

सावित्रीबाई फुले के चित्र पर माल्यार्पण करते सपा नेता। अमृत विचार

अमृत विचार। सपा कार्यालय पर क्रांतिकारी शिक्षाविद सावित्रीबाई फुले की जयंती के मौके पर प्रदीप शाक्य बबलू जिला अध्यक्ष समाजवादी पार्टी ने पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं के साथ सावित्रीबाई फुले के चित्र पर माल्यार्पण किया तत्पश्चात विचार गोष्ठी का आयोजन हुआ।

विचार गोष्ठी को संबोधित करते हुए प्रदीप शाक्य बबलू जिला अध्यक्ष समाजवादी पार्टी ने कहा कि सावित्रीबाई फुले पहली महिला शिक्षिका, समाज सुधारक तथा कवयित्री थी, इन्होंने महिलाओं, पिछड़ों एवं दलितों की शिक्षा एवं उत्थान के लिए बहुत काम किये, वह समाज के सभी वर्गों को शिक्षा प्रदान करने की पक्षधर थी, उन्होंने बाल विवाह तथा सती प्रथा जैसी

● समाजवादी पार्टी के कार्यालय में हुई विचार गोष्ठी

कुरीतियों का घोर विरोध किया था। सपा जिला अध्यक्ष प्रदीप शाक्य बबलू ने आगे कहा कि सावित्रीबाई फुले ने अपने पति ज्योति राव फुले के साथ मिलकर लड़कियों और वंचितों के लिए शिक्षा के द्वार खोलें, छुआछूत और जातिगत भेदभाव के खिलाफ लड़ाई लड़ी और विधवा पुनर्विवाह को बढ़ावा दिया जिससे वे महिला सशक्तिकरण और नारीवाद का प्रतीक बन गई। विचार गोष्ठी में जिला महासचिव वीरू भदोरिया, जिला उपाध्यक्ष आशीष राजपूत, अनवर हुसैन, वरिष्ठ नेता लाखन सिंह जाटव, उदयभान सिंह यादव, प्रवक्ता विक्की गुप्ता, विधानसभा अध्यक्ष उमेश राजपूत डुले, प्रवीण कुशवाहा, दीपी सिंह, मनोज राणा वाल्मीक, लाइक खान, सपा नेत्री नम्रता दोहरे , रविन्द्र यादव, अमित कठेरिया, रियाज अहमद राजू, साबिर भाई, ब्रजेश लोधी, अंकुर यादव आदि शामिल हुए।

खंडवा रेलवे स्टेशन से बरामद हुई अपहृत छात्रा

संवाददाता, ताखा

अमृत विचार। चार दिन पूर्व अपहृत कक्षा नौ की छात्रा को ऊसराहार पुलिस ने मध्य प्रदेश के खंडवा रेलवे स्टेशन से सकुशल बरामद कर लिया है। आरोपी युवक छात्रा को लेकर मुंबई जा रहा था, जहां उससे शादी करने की योजना बना रहा था।

ऊसराहार थाना क्षेत्र के एक गांव की 16 वर्षीय छात्रा 31 दिसंबर को खेतों पर कूड़ा डालने गई थी। इसी दौरान दिलशाद ने अपने साथी परवेश की बाइक से छात्रा का अपहरण कर लिया। अपहरण के बाद पुलिस को गुमराह करने के लिए परवेश ने अपनी बाइक गुम होने की झूठी सूचना ऊसराहार थाने में दे दी, ताकि उस पर शक न हो। जब छात्रा देर शाम तक घर नहीं लौटी तो परिजनों ने तलाश शुरू की। जांच में पता चला कि अपहरण

● आरोपी मुंबई ले जाकर करना चाहता था शादी

में प्रयोग बाइक इटावा रेलवे स्टेशन पर खड़ी है। छात्रा के पिता की तहरीर पर ऊसराहार पुलिस ने दिलशाद और परवेस के खिलाफ अपहरण का मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू की।

थानाध्यक्ष बलराज भाटी ने बताया कि दिलशाद ने अपना मोबाइल बंद कर रखा था, जिससे सर्विलांस से अधिक मदद नहीं मिल सकी। इसके बाद पुलिस ने इटावा रेलवे स्टेशन के सीसीटीवी फुटेज खंगाले, जिसमें दोनों आरोपी 31 दिसंबर की शाम करीब पांच बजे ग्वालियर जाने वाली पैसेंजर ट्रेन में चढ़ते दिखाई दिए। ग्वालियर स्टेशन पर वे कोल्हापुर एक्सप्रेस में सवार होते दिखे। इसके बाद भोपाल और बीना रेलवे स्टेशन को अलर्ट किया गया। बीना स्टेशन के सीसीटीवी में दोनों आरोपी मुंबई जाने वाली पंजाब मेल में चढ़ते नजर आए, जिसके बाद खंडवा रेलवे स्टेशन पर आरपीएफ को सूचना दी गई।

खंडवा में आरपीएफ के देवेंद्र सिंह ने पंजाब मेल को रोककर आरोपी युवक को छात्रा के साथ ट्रेन से उतार लिया। कानूनी प्रक्रिया पूरी करने के बाद दोनों को ऊसराहार थाने लाया गया। थानाध्यक्ष ने बताया कि दिलशाद की उम्र कागजों में 17 वर्ष दर्ज है और वह छात्रा से करीब डेढ़ वर्ष से मोबाइल पर बातचीत कर रहा था। वह छात्रा को मुंबई ले जाकर शादी करने की योजना बना रहा था। पुलिस ने छात्रा को चिकित्सीय परीक्षण के लिए भेज दिया है। जांच में परवेश की भूमिका भी सामने आई है, जिसने अपहरण के लिए अपनी बाइक दिलशाद को दी थी। दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया है और उन्हें रिमांड पर लेने की कार्रवाई की जा रही है।

कार्यक्रम | **प्रदर्शनी पंडाल में हुआ ऑल इंडिया मुशायरे का आयोजन**

इश्क करते हैं अपने वतन से हम लखनऊ छोड़कर लाहौर नहीं जाएंगे

कार्यालय संवाददाता, इटावा

कार्यक्रम की शुरुआत करते जिला पंचायत अध्यक्ष अंशुल यादव व अन्य।

अमृत विचार। प्रदर्शनी पंडाल में ऑल इंडिया मुशायरे का शुक्रवार रात आयोजन किया गया। मुशायरे का आगाज मुख्य अतिथि जिला पंचायत अध्यक्ष अंशुल यादव ने मंच पर शमा जलाकर किया। कहा मुशायरे में देश के मशहूर शायरों ने आकर चार चांद लगा दिए। मुशायरा सुबह चार बजे कामयाबी के साथ सम्पन्न हुआ।

मुशायरे के संयोजक फुरकान अहमद पूर्व चेयरमैन नगर पालिका ने जिला पंचायत अध्यक्ष अंशुल यादव, सांसद जितेंद्र दोहरे, विधायक भरथना राघवेंद्र गौतम व सपा जिलाध्यक्ष प्रदीप शाक्य बबलू, सर्वेश शाक्य का बैज लगाकर स्वागत किया। सह संयोजक नफीसुल अंसारी व डॉ. कुश चतुर्वेदी ने शायरों का स्वागत किया। पूर्व चेयरमैन नोशाबा खानम ने शायरा अंजुम रहबर का स्वागत किया। मुशायरे में देश के नामचीन शायरों अंजुम रहबर, मंजर भोपाली, जौहर कानपुरी बेहतरीन शायरी कर श्रोताओं की जमकर वाहवाही लूटी। मुशायरे का शानदार संचालन करते हुए शायर नदीम फरुख ने कहा हिन्दू मुस्लिम आपके माथे पर चाहे जो भी हो, आपके सीने में हिंदुस्तान होना चाहिए। देवबंद से आये शायर डॉ. नदीम शाद ने नात पाक पेश करते हुए कहा आपके बस की बात नहीं है आप नहीं कर पाएंगे, जालिम को जालिम कहने में हिम्मत करनी पड़ती है। शायरा शबीना अदीब ने कहा सारे गम वहीं पर हैं हर खुशी वहीं पर है, हम जहां बिछड़े थे जिंदगी वहीं पर है। शायर राहुल शर्मा मुरादाबादी ने कहा कलमकारों सियासत से बनाकर रखना दूरी, ये तुमसे ले तो सकती है कुछ दे नहीं सकती। डॉ. ओम शर्मा लखनऊ ने कहा जिस्म से जान निकल लेते कैसे वो खुद को ढाल लेते हैं, बूढ़े मां बाप को भगाकर लोग कुत्ते पाल लेते हैं। शायर बिलाल सहारनपुरी ने कहा छोड़के घर को किसी दौर नहीं जाएंगे जिनको जाना था गए और नहीं जाएंगे, इश्क करते हैं अपने वतन से हम लखनऊ छोड़कर लाहौर नहीं जाएंगे। युवा शायरा हिमांशी बाबरा मेरठ ने कहा साथ देने का दिलाया था भरोसा तूने, और फिर छोड़ दिया अकेला तूने। हास्य शायर जहाज देवबंदी ने कहा फासलें सबके सब मिटा डालूं उस कदर दिल नवाज हो जाऊं, लेके उड़ जाऊं सब हसीनों को काश ऐसा जहाज हो जाऊं। शायर हाशिम फीरोजाबादी ने कहा जिनकी जुल्फों से खेलता था मैं वो मेरी जिंदगी से खेलें हैं, आज पहुंचे हैं इस नतीजे पर इश्क में किस कदर झमेले हैं। मुशायरे की परंपरा के अनुसार आमिर अंसारी ने निसार सीमावी और समी उद्दीन जुबैरी ने बेदम शाह वारसी की गजल पेश की। इसके अलावा खुर्शीद हैदर, अमीर इमाम, अली बाराबंकी, आयशा खुशनसीब, शाहबाज तालिब लखनऊ ने भी कलाम पेश किए। शांति स्वरूप पाठक एड, रमा शंकर चौधरी एड., सुरेश त्रिपाठी एड., अनिल मिश्रा, राजीव शर्मा, प्रवीन तिवारी, रामजी, पूर्व मंत्री राम प्रसाद सविता, प्रधानाचार्य गुफरान अहमद, आशीष राजपूत, विक्की गुप्ता, धीरेंद्र यादव, सहित बड़ी संख्या में दर्शकों ने मुशायरे का आनंद लिया। संयोजक फुरकान अहमद ने मुशायरे की कामयाबी के लिए अतिथियों, शायरों सहित श्रोताओं का शुक्रिया अदा किया।

अमृत विचार

कानपुर, रविवार, 4 जनवरी 2026

हमीरपुर

न्यूज ब्रीफ

मामूली विवाद में दंपति को पीटा

राठ (हमीरपुर)। कस्बे के भटियाना मोहल्ले में एक मामूली विवाद के चलते युवकों ने दंपति के साथ जमकर मारपीट की। पीड़ित दंपति ने कोतवाली में तहरीर दी है। भटियाना मोहल्ला के रहने वाले हीरालाल सेन ने बताया कि मोहल्ले के दो युवक बेवजह उनके साथ गाली-गलौज करने लगे। जब उसने बेवजह गालीगलौज का विरोध किया तो आरोपी युवकों ने उनकी पिटाई शुरू कर दी। मारपीट होते देख जब उसकी पत्नी उन्हें बचाने के लिए दौड़ी तो उसे भी मारा-पीटा। कोतवाल ने बताया कि मामले की जांच-पड़ताल की जा रही है।

कोचिंग से लौट छात्रों को मारी टक्कर

मौदहा (हमीरपुर)। कोचिंग से पढ़कर घर लौट रहे बाइक सवार छात्रों को पिकअप ने टक्कर मार दी। जिससे बाइक सवार दोनों छात्र गंभीर घायल हो गए। राहगीरों की मदद से घायल छात्रों को कस्बे के सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया है। कोतवाली क्षेत्र के ग्राम तिंदुही निवासी अभय (14) पुत्र दृगभान व आदर्श वीर (16) पुत्र मेखराज शनिवार को बाइक पर बिना हेलमेट लगाए कस्बे से कोचिंग पढ़कर अपने गांव तिंदुही जा रहे थे कस्बे के नेशनल रोड़ पर सामने से आ रहे पिकअप ने टक्कर मार दी। पिकअप की टक्कर से दोनों छात्र गिरकर घायल हो गए। घायल छात्रों को राहगीरों की मदद से कस्बे के सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया। जहां उनका चिकित्सकों द्वारा इलाज किया जा रहा है।

वारंटी को गिरफ्तार कर भेजा गया जेल

बिवांर (हमीरपुर)। थाना के मसगवां गांव के शिवरतन पुत्र मुनुवां का अदालत में मुकदमा के चलने से हाजिर नहीं हो रहा था। अदालत के वारंट के जारी कर देने से कुनहेटा चौकी प्रभारी रवींद्र कुमार ने उसको गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। इसी तरह पीटीओ चंदन पाण्डेय के आगे बांधुर तिराहा के पास छोटी भेड़ी गांव के पास डंपर के खलासी विजय ने अपने वाहन को तिरछा खड़ा कर आगे नहीं जाने दिया था। पीटीओ के डंपर के हटाए जाने की बात के कहने पर खलासी ने अभद्रता की थी। पीटीओ की सूचना पर आई पुलिस उसको गिरफ्तार कर थाना ले आई थी। सब इंस्पेक्टर अंकित बैसला ने उसके खिलाफ कार्रवाई कर चालान कर दिया है।

घर से चांदी के जेवर लेकर महिला गायब

बिवांर (हमीरपुर)। घर से लाखों रुपयों के चांदी की जेवरात लेकर महिला पुरुष मित्र के साथ फरार हो गई। महिला के पति ने उसके गायब हो जाने की थाना में तहरीर दी है। कस्बे के एक मोहल्ला निवासी युवक ने थाना में तहरीर देते बताया कि उसकी पत्नी दो दिन पहले साड़ी को डालने की बात को कह घर से दोपहर 3:00 बजे चली गई थी। शाम तक घर वापस न लौटने पर उसे चिंता हुई। उसकी तलाश की, लेकिन कोई सुराग नहीं लगा। घर से चांदी की पायल, बिछुआ, हाथ फूल, चूड़ी, कमरबंद, तोड़ियां भी गायब मिले। पति ने आरोप लगाया कि हमीरपुर कोतवाली के कलौलीतीर निवासी पीयूष पुत्र मुन्नीलाल उसकी पत्नी को भगा ले गया है। बिवांर थानाध्यक्ष नंदराम प्रजापति ने बताया कि तहरीर मिली है, मामले की जांच कर कार्रवाई की जाएगी।

सीएससी संचालक से 10 हजार की ठगी

हमीरपुर। फर्जी मोबाइल बैंकिंग ऐप से साइबर ठग ने जनसेवा केंद्र संचालक से दस हजार की ठगी कर ली। पीड़ित ने कोतवाली पुलिस को पत्र सौंप न्याय की गुहार लगाई है। सदर कोतवाली क्षेत्र के गौरा देवी मोहल्ला निवासी पीयूष सेन पुत्र राजेंद्र कुमार सेन ने कोतवाली में दी तहरीर में बताया कि बीते 28 दिसंबर को वह मुख्यालय के बस स्टैंड स्थित अपने जनसेवा केंद्र में बैठा था। तभी हरिद्वार जिले के सिकंदरपुरा लंधौरा निवासी विशाल चौधरी नाम का युवक पैसे निकालने के लिए उसके जनसेवा केंद्र में आया था। फर्जी मोबाइल बैंकिंग ऐप के माध्यम से उसने पीयूष के खाते में दस हजार रुपये डाल दिए, जो उसके खाते में शो कर गया था। जिस पर पीयूष ने उसे दस हजार नगद दे दिए थे, बाद में अपने आप खाते से ट्रांजक्शन गायब हो गया। पीड़ित ने जब बैंक में पता किया तो कोई ट्रांजक्शन नहीं मिला। उसने शनिवार को सदर कोतवाली पुलिस को शिकायती पत्र सौंप विशाल चौधरी के विरुद्ध धोखाधड़ी करने की रिपोर्ट दर्ज कर पैसा वापस दिलाने की मांग की है।

ट्रांसफॉर्मर के उपकरण खोल ले गए शातिर चोर

संवाददाता, सुमेरपुर (हमीरपुर)

- शातिरों ने 18 दिसंबर को भी यहां चोरी का किया था प्रयास
- अवर अभियंता ने चोरी के मामले में दर्ज कराई एफआईआर

अमृत विचार। शुक्रवार की रात कस्बे के इमिलिया थोक के वार्ड दो के मुख्य मार्ग के किनारे लगे 400 केवीए के विद्युत ट्रांसफार्मर से चोर करीब ढाई लाख रुपए के वेशकीमती उपकरण चोरी करके फरार हो गए। अवर अभियंता ने अज्ञात चोरों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया है।

कस्बे के इमिलिया थोक के मुख्य मार्ग में हाईवे से महज 100 मीटर आगे वार्ड संख्या 2 में लगे 400 केवीए के विद्युत ट्रांसफार्मर से अज्ञात चोर ढाई लाख रुपये कीमत के उपकरण चोरी करके फरार हो गए। सुबह घटना की जानकारी होने पर अवर अभियंता कार्तिकेय त्रिपाठी ने अज्ञात चोरों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया है। बता दें कि चोरों ने गत 18 दिसंबर की रात इस ट्रांसफार्मर में चोरी का प्रयास

खुला पड़ा ट्रांसफॉर्मर।

किया था लेकिन सफल नहीं हुए थे। इसका मुकदमा भी दर्ज हुआ था। इसके बाद चोरों के हौसले बुलंद रहे और उन्होंने मौका पाकर इस ट्रांसफार्मर से करीब ढाई लाख कीमत के उपकरण चोरी कर लिए और फरार हो गए।

बर्फीली हवा से बढ़ी गलन, कांप रहे बदन

कार्यालय संवाददाता, हमीरपुर

- शीतलहर चलने से अधिकतम और न्यूनतम तापमान गिरा
- कड़ाके की सर्दी को देखते हुए 5 जनवरी तक स्कूलों में अवकाश

अमृत विचार। जिले में शनिवार को दिन बेहद ठंडा रहा। सुबह के समय कोहरे से भले ही राहत मिली, लेकिन पूरे सूर्यदेव के दर्शन नहीं होने के कारण ठिठुरन भरी ठंड से लोग कांपते रहे। मौसम विभाग के अनुसार अगले कुछ दिनों तक शीतलहर चलने का अनुमान है। लगातार बढ़ती ठिठुरन के चलते 5 जनवरी तक तक जिले के सभी विद्यालय बंद रहेंगे।

शुक्रवार की देर शाम बादलों से अचानक पानी का झरना शुरू हो गया जो लगभग एक घंटे तक चला। जिससे शनिवार की सुबह कोहरे से राहत रही। हालांकि दिनभर हल्की धुंध छाई रही और दिनभर सूर्य के दर्शन नहीं हो सके। गलन और ठिठुरन बढ़ जाने से लोग बेहाल हो गए। सुबह से ही लोग सर्दी से राहत पाने के लिए अलाव के सहारे बैठे रहे। शनिवार को अधिकतम

सूर्यदेव के दर्शन नहीं होने से अलाव का सहारा लेते लोग। अमृत विचार

तापमान 17 डिग्री और न्यूनतम तापमान 8 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया, जबकि हवा की रफ्तार पांच किलोमीटर प्रति घंटा रही। शनिवार को अवकाश होने से बच्चे और बुजुर्ग घरों में कैद होने को मजबूर हुए। शाम ढलते ही बाजारों और सड़कों पर सन्नाटा छा गया।मौसम विभाग के अनुसार ने पहाड़ी क्षेत्रों में हो रही बर्फबारी का असर मैदानी क्षेत्रों में दिखाई देने लगा है। बर्फीली हवा के चलते जिले में भी गलन का असर बढ़ा है। अगले चार से पांच दिन शीतलहर चलने का अनुमान है। ऐसे में ठिठुरन ओर बढ़ सकती है।

सिंचाई करते समय सर्दी लगने से किसान की मौत

■ राठ। तहसील के मझगवां थाना क्षेत्र के मल्हेटा गांव में खेत की सिंचाई कर घर लौटे किसान की हालत बिगड़ने के बाद मौत हो गई। किसान की मौत से परिवार में कोहराम मच गया। मल्हेटा गांव निवासी किसान संतोष (44) पुत्र जियालाल शनिवार को खेतों से पानी लगाकर घर लौटा। घर लौटते ही अचानक हालत बिगड़ गई। इसके बाद परिजन फौरन उसे नौरंगा के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले गए, जहां डॉक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया। परिजनों ने बताया कि मृतक संतोष अपने दादा की 5 एकड़ कृषि भूमि में खेती किसानी के साथ निजी वाहन चलाकर अपने परिवार का भरण पोषण करता था। बताया कि संतोष खेत में फसल की सिंचाई करने के लिए गया हुआ था तथा खेत से वापस घर लौटते ही अचानक उसकी हालत बिगड़ गई। जिसके बाद उसे नौरंगा के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में ले जाया गया। जहां चिकित्सक ने उसे मृत घोषित कर दिया। मृतक के पारिवारिक भाई उमाशंकर ने आशंका व्यक्त करते हुए कहा कि सिंचाई करने के दौरान सर्दी लगने से ही भाई की मौत हुई है। मृतक के परिजनों ने बताया कि मृतक संतोष अपने पीछे मां भानकुअर, भाई रमेश, उमेश और पत्नी मंजू सहित पुत्री नैन्सी, दिव्यांशी और अंजना के अलावा दो वर्षीय पुत्र उदयवीर सहित अन्य सभी परिजनों को रोता बिलखता हुआ छोड़ गया है। मामले में मझगवां थाना के प्रभारी इंस्पेक्टर ने बताया कि मृतक किसान के शव का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम कराया गया है तथा आवश्यक कार्रवाई कराई जाएगी।

युवक की मौत के बाद पुलिस चौकन्ना

दो पक्षों के बीच तनाव को देखते हुए पुलिस की मौजूदगी में हुआ पोस्टमार्टम और अंतिम संस्कार

संवाददाता, राठ (हमीरपुर)

अमृत विचार। कस्बे के सिकंदरपुरा मोहल्ले में पिटाई के बाद युवक की मौत को लेकर परिवार में गुस्सा पनपा तो पुलिस प्रशासन चौकन्ना हो गया। किसी भी हालात से निपटने के लिए शुक्रवार की देर शाम ही पुलिस रामलीला मैदान पर मुस्तैद हो गई और शनिवार की दोपहर तक पुलिस बल तैनात रहा। पुलिस की निगरानी में युवक के शव का पोस्टमार्टम और फिर अंतिम संस्कार हुआ। पुलिस ने पत्नी की तहरीर पर चार लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की है।

शहर के सिकंदरपुरा मोहल्ले में 31 दिसंबर की शाम रमजान (30) पुत्र शम्मी के साथ पड़ोस में रहने वाले युवकों ने पुरानी खुन्नस को लेकर मारपीट की थी। मारपीट में रमजान गंभीर रूप से घायल हो गया था। उसकी हालत नाजुक होने पर परिजन उसे ग्वालियर मेडिकल कॉलेज ले गए थे, जहां शुक्रवार की दोपहर बाद रमजान ने इलाज के दौरान दम तोड़ दिया था। रमजान की मौत के बाद परिवार में आक्रोश पनप गया था। कोतवाली में तहरीर देने के बाद भी पुलिस ने कोई कार्रवाई नहीं की तो परिजन भड़क उठे।

परिवार वालों से बातचीत करते एसडीएम और सीओ। अमृत विचार

अंतिम संस्कार के दौरान भारी पुलिस बल मुस्तैद रहा। अमृत विचार

- पिटाई के मामले में कार्रवाई नहीं होने से पीड़ित परिवार खफा
- मौत होने के बाद चार लोगों के खिलाफ दर्ज हुई एफआईआर

शुक्रवार को रमजान का शव घर पहुंचने और मोहल्ले के लोगों के बीच जाम लगाने की चर्चाएं शुरू हुईं तो पुलिस प्रशासन चौकन्ना हो गया। पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए रमजान के घर के बाहर आधा दर्जन पुलिसकर्मी तैनात कर दिए। देर शाम पत्नी सायना की तहरीर पर पुलिस ने आरोपी कृष्ण कुमार, उसके भाई निर्णय कुमार, शिवम और प्रदीप पंडित के विरुद्ध मुकदमा दर्ज किया। शनिवार की सुबह पुलिस की निगरानी में रमजान के शव का पोस्टमार्टम हुआ। दोपहर बाद पुलिस की मौजूदगी में रमजान को सुपुर्द-ए-खाक किया गया। तब जाकर पुलिस ने राहत की सांस ली। कोतवाल राकेश कुमार ने बताया कि पुलिस आरोपियों की तलाश में जुटी हुई है। शीघ्र ही आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

परिवार का गम बांटने पहुंचे अफसर, कार्रवाई का दिया भरोसा

■ हमपहले पिटाई और फिर इलाज के दौरान अस्पताल में युवक की मौत पर परिवार का गम साझा करने के लिए एसडीएम अभिमन्यु कुमार और सीओ राजीव प्रताप सिंह मौके पर पहुंचे। उन्होंने परिवार वालों को भरोसा दिया कि तहरीर के आधार पर रिपोर्ट दर्ज कर ली गई है। पूरे मामले की गहराई से जांच कर आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

लीकेज से पानी की बर्बादी सड़क भी हो रही खराब

संवाददाता, मौदहा (हमीरपुर)

अमृत विचार। मानव जीवन की आधार शिला माने जाने वाले प्राकृतिक संसाधन जल को लेकर जहां सरकार पानी बचाओ पानी बचाओ का नारा देते नहीं थकती। वहीं जिम्मेदारों के गैर जिम्मेदाराना रवैया के चलते हर दिन हजारों लीटर पानी बर्बाद हो रहा है। वहीं सड़कों में जल भराव के कारण सड़कें खराब हो रही हैं।

कोतवाली क्षेत्र के ग्राम मांचा में एक सप्ताह से पाइप लाइन फटी होने के कारण हर दिन हजारों लीटर पानी की बर्बादी हो रही है। इतना ही नहीं गलियों पर जल भराव के कारण जहां सड़कें खराब हो रही हैं, तो वहीं इस भीषण ठण्ड में आमजन को कीचड़ हो होकर गुजरने में भी भारी परेशानी हो रही है। स्थिति एक सप्ताह से जस की तस होने को लेकर जहां गांव की सरकार आंख बंद किए हुए है तो वहीं जिम्मेदार भी अपनी जिम्मेदारी नहीं निभा रहे हैं। पानी बर्बाद हो रहा है।

पाइप लाइन में लीकेज से बहता पानी।

पट्टे की जमीन पर दुकान का निर्माण

■ हमीरपुर। कुरारा के टेंडरी निवासी लालाराम ने शिकायती पत्र में बताया कि नगर पंचायत से उसे वर्ष 1986 में भूमि का पट्टा स्वीकृत हुआ था, जिसमें पौधे लगाए थे। अध्यक्ष व ईओ के दबाव बनाने पर उसने वाद दायर किया। अगली सुनवाई 29 जनवरी को है। शुक्रवार को जेसीबी से पेड़ों को नष्ट कराकर दुकानों का निर्माण शुरू कर दिया है। मंडलायुक्त से शिकायत के बाद एसडीएम सदर ने जांच कर कहा था कि वाद विचाराधीन होने से कार्यवाही करना उचित नहीं है।

कंबल मिलते ही खिल उठे चेहरे

संवाददाता, सरीला (हमीरपुर)

अमृत विचार। तहसील में शनिवार को कंबल वितरण समारोह का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि विधायक मनीषा अनुरागी ने 300 जरूरतमंदों को कंबल वितरित किये। कम्बल लेने के लिए नगर व गांवों के काफी संख्या में जरूरतमंद बुजुर्ग पहुंचे थे। ठंड में कंबल मिलते ही गरीबों के चेहरे खिल गए।

इस मौके पर क्षेत्रीय विधायक मनीषा अनुरागी ने कहा कि प्रदेश सरकार का सपना है कि गरीबों को उनका हक मिले। कोई भी गरीब सरकार की योजनाओं से अछूता न रहे। शासन द्वारा गरीब, विधवा, विकलांगों के लिए ठंड से राहत के लिए कम्बल वितरण कराए जा रहे हैं। विशिष्ट अतिथि जिला पंचायत अध्यक्ष जयंती राजपूत व भाजपा जिलाध्यक्ष शकुंतला निषाद ने

गरीबों को कंबल बांटतीं विधायक मनीषा अनुरागी व जिलाध्यक्ष शकुंतला निषाद।

सरकार की योजनाओं के बारे में जानकारी दी है।

एसडीएम बलराम गुप्ता ने बताया कि ठंड से बचाव के लिए जरूरतमंद लगभग 300 लोगों को कंबल वितरित किया गया है। स्वास्थ्य विभाग का काउंटर लगाकर दवाएं भी वितरित की गई। इस मौके पर अपर जिलाधिकारी (वित्त एवं राजस्व) विजय शंकर तिवारी, एसडीएम बलराम गुप्ता, तहसीलदार राममोहन कुशवाहा, ब्लॉक प्रमुख प्रतिनिधि जीतू राजपूत, नगर पंचायत अध्यक्ष पवन कुमार अनुरागी सहित भाजपा पदाधिकारी व राजस्व कर्मी मौजूद रहे।

जिला जेल में बंदियों को बांटे गए कंबल

हमीरपुर। जिला कारागार में कौमी एकता रक्त फाउंडेशन द्वारा कंबल वितरण का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव डॉ.महेंद्र कुमार पाण्डेय एवं जेल अधीक्षक मंजीव विश्वकर्मा, बाल कल्याण समिति की अध्यक्ष विभा भारती एवं कौमी एकता रक्त फाउंडेशन के अध्यक्ष ज़िरगाम सिद्दीकी द्वारा बंदियों को कंबल वितरण किया गया। इसके साथ ही महिला बैरक में महिला बंदियों को मोजे वितरित किए गए। कंबल एवं मोजे वितरण के दौरान बाल कल्याण समिति के अध्यक्ष विभा भारती, कौमी एकता के फाउंडर के सदस्य, तबस्सुम परवीन, ऊषा गुप्ता, मनोज कुमार, अल्ताफ मंसूरी, अभितेज सक्सेना एडवोकेट, मो.तौसीफ आदि मौजूद रहे।

महिला पहलवानों ने दिखाए दांव

संवाददाता, मौदहा (हमीरपुर)

अमृत विचार। विकासखंड के ग्राम करहिया में अखिल भारतीय दंगल एवं विशाल तीन दिवसीय मेले का भव्य और ऐतिहासिक आयोजन किया गया। प्रतिष्ठित दंगल का आयोजन स्व.गुलाब सिंह की स्मृति में किया गया। जिसमें दूर-दराज से आए पहलवानों के साथ-साथ बड़ी संख्या में ग्रामीणों, दर्शकों और कुश्ती प्रेमियों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की।

दंगल में इस बार महिला पहलवानों की कुश्ती विशेष आकर्षण का केंद्र रही। महिला पहलवानों ने अपने दमदार दांव-पेंच और आत्मविश्वास से भरे प्रदर्शन से दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। प्रतियोगिता में चित्रकूट, बांदा, लखनऊ, मथुरा, अयोध्या सहित कई अन्य जिलों व प्रदेशों से

करहिया के दंगल में दांव-पेच दिखाते पहलवान। अमृत विचार

- करहिया गांव के तीन दिवसीय मेले में दंगल का आयोजन

पहुंचे नामी पहलवानों ने अखाड़े में उतरकर अपने हुनर और ताकत का बेहतरीन प्रदर्शन किया। इस मौके पर भाजपा जिलाध्यक्ष शकुंतला निषाद, पूर्व विधायक युवराज सिंह, लालाराम निषाद, साधना सिंह, रमेश सिंह आदि उपस्थित रहे। वहीं तीन दिवसीय मेले में भी लोगों की जबरदस्त भीड़ देखने को मिली। मेले में विभिन्न दुकानों, झूलों और मनोरंजन के साधनों ने बच्चों से लेकर बड़ों तक सभी को आकर्षित किया। महिलाओं ने खरीदारी की।

जयंती | देश की पहली महिला शिक्षिका के संघर्षों का बखान, उनके विचारों को जन-जन तक पहुंचाने का आह्वान

सावित्रीबाई फुले ने बेटियों को दिलाया शिक्षा का अधिकार

संवाददाता, हमीरपुर/मौदहा

अमृत विचार। देश की पहली महिला शिक्षिका महान समाज सुधारक और नारी मुक्ति आंदोलन की अग्रदूत सावित्रीबाई फुले की जयंती हर्षोल्लास से मनाई गई।

सपा कार्यालय में जिलाध्यक्ष इदरीश खान के नेतृत्व में पार्टी नेताओं ने सावित्री बाई फुले के चित्र पर माल्यार्पण कर श्रद्धा सुमन अर्पित किए। पूर्व चेयरमैन व सदस्य प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य माया वाल्मीकि ने सावित्री बाई फुले के आदर्शों पर चलने का आवाहन किया। इस अवसर पर राघवेंद्र यादव, हरनारायण निषाद, ओम प्रकाश सोनकर, शंकर दादा अतगांव, जुनैद अहमद, वर्षा नामदेव आदि लोग उपस्थित रहे।

सावित्रीबाई फुले को श्रद्धांजलि अर्पित करते सपा कार्यकर्ता। अमृत विचार

मौदहा के शहीद स्मारक पर आम आदमी पार्टी के कार्यकर्ताओं ने सावित्रीबाई फुले के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर श्रद्धांजलि दी और उनके शिक्षा दृष्टि व सामाजिक समानता के विचारों पर विस्तार से चर्चा की। जिलाध्यक्ष मनीष गुप्ता ने कहा कि सावित्रीबाई फुले ने उस दौर में लड़कियों की शिक्षा की अलख जगाई, जब समाज का बड़ा हिस्सा महिलाओं को पढ़ने-लिखने का अधिकार देने के खिलाफ था। उन्होंने कहा कि सावित्रीबाई फुले का जीवन इस बात का प्रमाण है कि शिक्षा ही सामाजिक बदलाव का सबसे मजबूत हथियार है। नगर अध्यक्ष गुलाम मोहम्मद ने कहा कि आज भी जब बेटियों की पढ़ाई, दलित-पिछड़ों के अधिकार और सामाजिक न्याय पर हमले हो रहे हैं। प्रदेश उपाध्यक्ष (छात्र विंग) आदित्य प्रजापति ने पार्टी नेताओं ने आह्वान किया कि माता सावित्रीबाई फुले के विचारों को जन-जन तक पहुंचाया जाए और शिक्षा व समानता के उनके संघर्ष को आगे बढ़ाया जाए। इस अवसर पर कोषाध्यक्ष त्रिलोक चन्द्र, अल्पसंख्यक मोर्चा के जिलाध्यक्ष मोहम्मद साबिर, रवि साहू, इमामुद्दीन, याकूब मोहम्मद, आदित्य गुप्ता, राज प्रजापति, रामेश्वर, सरदार यादव आदि रहे।

दलितोत्थान की नायिका थीं सावित्रीबाई फुले

■ सुमेरपुर। वर्णिता संस्था के अध्यक्ष डा.भवानीदीन ने सावित्री बाई फुले की जयंती पर श्रद्धासुमन अर्पित किए। उन्होंने कहा कि सावित्री बाई फुले दलितोत्थान की नायिका थीं। इनका जन्म पुणे के सतारा जिले के नयागांव में खन्दोजी नेवसे और लक्ष्मीबाई के घर हुआ था। 10 वर्ष की उम्र में महान समाजसेवी ज्योतिबा राव फुले से विवाह हुआ था। वह भारत की पहली महिला शिक्षक थीं, उन्होंने दलित, वंचित और कमजोर वर्ग के लिए बहुत काम किया। शिक्षा के क्षेत्र इनके योगदान को भुलाया नहीं जा सकता। वह जब पढ़ाने जातीं तो उन पर दूषित पदार्थ डाले जाते थे, फिर भी डरती नहीं थी। इन्होंने विद्यालय खोले। 10 मार्च 1897 को निधन हो गया। यहां सागर, रामनारायण सोनकर, सिद्धा, प्रेम, प्रिंस, महावीर, रिचा, पंकज सिंह, सतेन्द्र, राहुल आदि रहे।

अंतरात्मा में दिखता परमात्मा का स्वरूप

संवाददाता, बिवांर (हमीरपुर)

अमृत विचार। सत्संग के चौथे दिन प्रयागराज के मानस मर्मज्ञ तुलसी किंकर महाराज ने कहा कि सनातन धर्म को बचाने व भारत को विश्व गुरु बनाने के लिए धर्म को बचाने की आवश्यकता है।

मुस्करा ब्लाक के उमरी गांव में शाश्वत शांति इंटर कॉलेज में सत्संग के चौथे दिन प्रधानाचार्य अनिल कुमार पालीवाल ने महामंडलेश्वर रामदेव महाराज व प्रयागराज के मानस मर्मज्ञ तुलसी किंकर महाराज का माल्यार्पण कर कथा की शुरुआत कराई। किंकर महाराज ने बताया कि परमात्मा का कोई स्वरूप नहीं है आपने परमात्मा को जिस रूप में देखा उसी रूप में विद्यमान है लकड़ी में, पत्थर में, कागज में सभी जगह परमात्मा है उन्होंने बताया कि सनातन का मतलब है जो सना है तन में उसी को सनातन कहते हैं इसे कोई समूल नष्ट नहीं कर सकता है। सनातन के चार विभागाध्यक्ष है पहला धर्म जो ब्राह्मण को दिया गया, दूसरा अर्थ जो गाय को दिया गया, काम जो भगवान को और अंतिम मोक्ष जो संतों की संगत से मिलता है। महामंडलेश्वर रामदेव महाराज ने बताया कि यह जो संसार में दिखता है सब मिथ्या मात्र है। प्रधानाचार्य अनिल कुमार पालीवाल ने बताया कि कल सत्संग का अंतिम दिन है। सभी गांव वासी अधिक संख्या में आकर कथा का श्रवण कर जीवन को कृतार्थ करें। इस मौके पर प्रवक्ता वेद प्रकाश सिंह, बादशाह सिंह, वरिष्ठ लिपिक आलोक सिंह, सचिन आदि लोग मौजूद रहे।

न्यूज ब्रीफ

उद्घाटन करते संत मदनगोपाल दास।

प्रदूषण रोकती है बैटरी वाली स्कूटी

सीतापुर (चित्रकूट)। तीर्थक्षेत्र में पीली कोठी के पास बैटरी वाली स्कूटी शोरूम खोला गया। प्रथम मुखारबिंद के संत मदनगोपाल दास ने तारा मोटर्स का उद्घाटन किया और पूजापाठ की। उन्होंने व्यापारी को शुभकामनाएं दीं और उन्होंने कहा कि जनमानस के लिए बैटरी स्कूटी अत्यंत फायदेमंद है। इससे ईंधन की बचत होती है और प्रदूषण नहीं होता। इस मौके पर पहाड़ी बाबा के महंत दिनेश दास, रामकिशोर मिश्रा, ललित कुमार, रमाकांत मिश्रा, भालेंद्र, पवन मिश्रा, प्रो. मनोज मिश्रा आदि मौजूद रहे।

शराब बरामद, 50 किलो लहन नष्ट

चित्रकूट। विशेष प्रवर्तन अभियान के तहत जिला आबकारी अधिकारी की अगुवाई में विभागीय कर्मचारियों ने विभिन्न स्थानों पर नेतृत्व में मऊ में शराब की दुकानों का निरीक्षण किया। इसके अलावा थाना कर्वी क्षेत्रांतर्गत गोपालगंज तरौंहा, बहादुरपुर, कटरा गूदर तथा चौगलिया सीतापुर में अवैध शराब के अड्डों पर दबिश देकर लगभग 50 किलो लहन जब्त कर मौके पर नष्ट किया गया। सात लीटर अवैध शराब जब्त कर रिपोर्ट दर्ज की गईं।

अनुबंधित रोडवेज बस से ग्रामीण घायल

मऊ (चित्रकूट)। थानांतर्गत अहिरी निवासी कैरा उर्फ हरी (50) पुत्र ननकू सड़क दुर्घटना में गंभीर रूप से घायल हो गया। बताया जाता है कि हरी शनिवार शाम साइकिल लेकर हाइवे किनारे खड़ा था। चित्रकूट की ओर से प्रयागराज की ओर आ रही जीरोरोड डिपो की अनुबंधित बस ने टक्कर मार दी। घायल को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया है।

रास्ते से निकलने पर महिलाओं से मारपीट

मऊ (चित्रकूट)। थानांतर्गत सिकरौं गांव निवासी गंगोत्री पत्नी लक्ष्मी प्रसाद निषाद ने कुछ लोगों पर रास्ते से निकलने से मना करने और मारपीट करने की रिपोर्ट दर्ज कराई है। उसने बताया कि बीते दिन वह अपनी ननद रंजना के साथ मवेशियों को चारा देने जा रही थी। रास्ते में शकुंतला, संध्या, ननकाई ने रास्ते से निकलने से मना किया और गालीगलौज की। मना करने पर दोनों को लाठी-डंडे से मारापीटा। चिल्लाने पर लोग पहुंचे तो आरोपी धमकी देते हुए भाग गए।

गाली-गलौज का विरोध करने पर पीटा

चित्रकूट। भरतकूप थानांतर्गत पतौड़ा निवासी देवीदयाल सिंह ने कुछ लोगों पर गालीगलौज करने पर मारपीट करने की रिपोर्ट दर्ज कराई है। उसका आरोप है कि बीते दिनों वह दवा लेने भरतकूप मंदिर रोड गया था। वहां बिना किसी कारण रोहित यादव निवासी अकबरपुर व तीन अज्ञात लोगों ने गालीगलौज की और मना करने पर गला दबाकर मारापीटा।

अभद्रता से मना करने पर मारापीटा, रिपोर्ट

चित्रकूट। एक युवक ने कुछ लोगों पर अपनी बहन से अभद्रता करने और रोकने पर मारपीट करने का आरोप लगाया है। उसने बताया कि बीते दिन वह सीतापुर स्थित एक कैफे में अपने दोस्त और बहन के साथ चाय नाश्ता कर रहा था। इसी दौरान जानकीकुंड निवासी यश ठाकुर, हिमांशु गुप्ता रामघाट और गोपाल भदौरिया नयागांव कई दूसरे लड़कों के साथ वहां आए और बहन से अभद्रता करने लगे। मना करने पर यश और हिमांशु ने उन पर हमला कर दिया। कुछ देर बाद फिर लौटे और तीनों लोगों को मारापीटा। साथ ही धमकी दी कि अगर रिपोर्ट दर्ज कराई तो फिर से मारेंगे। पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

प्रचार वाहन ने किया लोगों को जागरूक

चित्रकूट। राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह के तहत शनिवार को प्रचार वाहन ने कई जगहों पर लोगों को जागरूक किया। तहसील राजापुर के असोह, पहाड़ी, प्रसिद्धपुर, बछरन, अर्जुनपुर गांवों में सड़क सुरक्षा से संबंधित प्रचार-प्रसार कराया गया। आरपी सिंह एआरटीओ एवं दीप्ति त्रिपाठी, यात्रीकर/ मालकर अधिकारी ने ग्रामीणों को नियमों की जानकारी दी और उनका पालन करने के लिए प्रेरित किया।

गुणवत्ताविहीन काम किया तो ठेकेदार होंगे ब्लैकलिस्टेड

प्रभारी नगर निकाय ने किया मुआयना, दी चेतावनी

संवाददाता, राजापुर (चित्रकूट)

अमृत विचार। अपर जिलाधिकारी और प्रभारी अधिकारी नगर निकाय अरुण कुमार सिंह ने शनिवार को मुख्यमंत्री नगरीय सृजन योजना के मद से हुए विकास कार्यों का मौका मुआयना किया। उन्होंने ईओ नगर पंचायत और ठेकेदारों को निर्देश दिए कि कामों में गुणवत्ता का ध्यान रखा जाए। ठेकेदारों को चेतावनी दी कि काम ठीक न पाए गए तो ब्लैकलिस्टेड कर दिया जाएगा।

प्रभारी अधिकारी ने मैटेरियल रिकवरी फैलेसिटी (एमआरएफ) सेंटर सहित अन्य कामों को मौके पर जाकर देखा। ठेकेदारों से कहा कि मानक के अनुसार कार्य कराया जाए। गुणवत्ता से कोई समझौता नहीं किया जाएगा। गुणवत्ता में कमी पाई गई तो ब्लैकलिस्टेड करने के साथ कठोर कार्रवाई भी की जाएगी। उन्होंने नगर पंचायत की सफाई व्यवस्था पर संतोष जताया। इस मौके पर अवर अभियंता सिंधु राज, शिवा कुमार, शिवविजय सिंह, राहुल चौरसिया, मोनू मोदनवाल, जयप्रकाश शर्मा आदि मौजूद रहे।

नगर का मुआयना करते प्रभारी अधिकारी नगर निकाय अरुण कुमार सिंह।

निःशुल्क दी जाएगी लोगों को खाद

उप जिलाधिकारी फूलचंद्र यादव ने बताया कि प्रधानमंत्री स्वच्छता मिशन योजना के अंतर्गत नगर को स्वच्छ और सुंदर बनाने के लिए एमआरएफ केंद्र के माध्यम से गीला कचरा और सूखे कचरे को अलग-अलग कराकर गीले कचरे से कंपोस्ट खाद बनाई जाती है। इसे पांच-पांच किलो की थैली बनाकर नगर में बागवानी करने वाले लोगों को निशुल्क वितरण किया जाएगा। कंपोस्ट खाद को लैब में भेज कर मानक के अनुरूप विक्रय किया जाएगा और इससे नगर पंचायत की आय बढ़ाई जाएगी।

उम्मीदवारों ने दक्षता भाषण में बताईं भावी योजनाएं

चित्रकूट। जिला अधिवक्ता संघ चुनाव के तहत शनिवार को संघ सभागार में प्रत्याशियों का दक्षता भाषण हुआ। इस दौरान अध्यक्ष पद के प्रत्याशियों रामसजीवन वर्मा, देवमूरत वर्मा, सुशील मिश्रा, सुरेश सिंह पटेल ने अपनी भावी योजनाओं की जानकारी दी। महासचिव पद पर विजय प्रकाश त्रिपाठी, शिवशंकर उपाध्याय, मान सिंह, दीपक द्विवेदी, शशिकांत ने भी अधिवक्ताओं को अपने विचार बताए। कनिष्ठ उपाध्यक्ष के दावेदार लवकुश गौतम, कृष्णगोपाल शुक्ल, रणविजय पाल, मनीष विश्वकर्मा, संयुक्त सचिव प्रशासनिक पद पर प्रिया द्विवेदी, कोषाध्यक्ष पद के दावेदार आशीष तिवारी, अनुराग चंदेल, मुकेश चतुर्वेदी, कृष्ण कुमार मिश्रा, रामप्रकाश मिश्रा ने भी अधिवक्ता हित पर विचार रखे। दक्षता भाषण के दौरान एल्डर कमेटी चेयरमैन बुआराम शुक्ल, हेमराज सिंह, जगतनारायण पांडेय, आनंद मिश्रा, रामप्रकाश पांडेय, सत्यहरण यादव, सुरेश तिवारी आदि अधिवक्ता मौजूद रहे। सोमवार को अधिवक्ता संघ का चुनाव और अगले दिन मतगणना है।

अधूरी पत्रावलियां भेजने पर डीएम ने जताई नाराजगी

कार्यालय संवाददाता, चित्रकूट

- कार्यालयाध्यक्षों को जिलाधिकारी ने दिए कड़े निर्देश

अमृत विचार। जिलाधिकारी पुलकित गर्ग ने विभागीय अधिकारियों द्वारा आधी-अधूरी पत्रावलियां प्रस्तुत करने पर नाराजगी जताई है। उन्होंने पत्रावलियों में फोटोग्राफ्स लगाने के साथ अन्य सूचनाएं आवश्यक रूप से देने के कड़ाई से निर्देश दिए हैं।

डीएम ने सभी विभागीय कार्यालयाध्यक्षों से कहा है कि पत्रावलियों को देखने से यह पता चला है कि जिले में संचालित विभिन्न विकास व निर्माण कार्यों के भुगतान तथा उपभोग प्रमाणपत्र से संबंधित जो पत्रावलियां, उनके समक्ष प्रस्तुत की जा रही हैं, उनमें निर्माण स्थल पर कार्य प्रारंभ कराने से पूर्व एवं बाद की फोटोग्राफ्स एवं निर्माण स्थल पर योजनाओं से संबंधित लगाए गए बोर्ड की फोटोग्राफ्स भी नहीं संलग्न की जा रही। साथ ही निर्माण कार्य कराये जाने वाली परियोजना के रखरखाव आदि सूचना का स्पष्ट उल्लेख नहीं किया जा रहा। इससे भविष्य में कार्यों की पारदर्शिता एवं उत्तरदायित्व आदि निर्धारण में कठिनाई उत्पन्न हो सकती है। डीएम ने निर्देश दिए कि प्रत्येक विकास और निर्माण कार्य के प्रारंभ एवं पूर्ण होने के उपरांत की फोटोग्राफ्स अनिवार्य रूप से संलग्न की जाएं। साथ ही निर्माण कार्य स्थल पर बोर्ड लगाया जाये, जिसमें योजना का नाम, कार्यदायी संस्था आदि के नाम का स्पष्ट रूप से अंकन किया जाए। योजनाओं के प्रचार-प्रसार के लिए पूरी जानकारी उनके सोशल मीडिया प्लेटफार्म पर अपलोड कराई जाए। पत्रावली में उपलब्ध प्रपत्रों की पेजिंग भी सुनिश्चित कराई जाए तथा हस्ताक्षर करने वाले अधिकारियों और कर्मचारियों के नाम की मुहर भी लगाई जाए। इसके बाद ही भुगतान के लिए पत्रावली उनके समक्ष प्रस्तुत की जाए। डीएम ने सभी कार्यालयाध्यक्षों से इन निर्देशों का कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित किए जाने के निर्देश दिए।

छात्र ने लगाया जमीन कब्जाने का आरोप

मानिकपुर (चित्रकूट)। तहसील क्षेत्र के गढ़चपा गांव निवासी छात्र मनीष द्विवेदी ने गांव के दबंगों पर उसकी जमीन हड़पने और परिवार को धमकाने का आरोप लगाया है। छात्र का कहना है कि वह मानिकपुर में रहकर पढ़ाई कर रहा है और उसके पिता का पहले ही निधन हो चुका है।

इसी स्थिति का फायदा उठाकर दबंग जमीन पर कब्जा करने की कोशिश कर रहे हैं। मनीष ने बताया कि उसने इस मामले को लेकर कई बार संबंधित अधिकारियों को प्रार्थना पत्र दिए लेकिन अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई। छात्र ने अब मुख्यमंत्री और राजस्व परिषद को पत्र भेजकर न्याय की गुहार लगाई है। उसका कहना है कि यदि समय रहते कार्रवाई नहीं हुई तो उसकी पढ़ाई के साथ-साथ परिवार की आजीविका भी प्रभावित होगी।

www.amritvichar.com
पर भी खबरें पढ़ें

सुपर चैलेंज कप के तहत हुए तीन मैच

पहाड़ी (चित्रकूट)। सुपर चैलेंज कप बरेठी के तहत शनिवार को पहला मैच सरधुआ और पहाड़ी टीमों के बीच खेला गया। पहाड़ी टीम ने टास जीतकर सरधुआ को बल्लेबाजी के लिए आमंत्रित किया। सरधुआ टीम ने निर्धारित 12 ओवर में नौ विकेट खोकर 91 रन बनाए। पहाड़ी टीम 74 रन पर ही आल आउट हो गई। सरधुआ टीम के खिलाड़ी रितेश को प्लेयर ऑफ द मैच का पुरस्कार दिया गया। दूसरा मैच फतेहपुर की धाता टीम और ब्योहरा टीम के बीच हुआ। बल्लेबाजों ने 71 रन का लक्ष्य रखा। धाता टीम ने 8 ओवर में 4 विकेट खोकर लक्ष्य हासिल कर लिया। धाता टीम के खिलाड़ी मुस्तफा को प्लेयर आफ द मैच का खिताब मिला। एक अन्य मैच में भानपुर को तरौंहा ने हराया। टीम के विनय को प्लेयर आफ द मैच चुना गया।

'समानता स्थापित करने वाली लहर है शिक्षा'

कार्यालय संवाददाता, चित्रकूट

अमृत विचार। शंकर बाजार स्थित दृष्टि विद्यालय में दो दिवसीय लुई ब्रेल महोत्सव की शुरुआत हुई। जिलाधिकारी पुलकित गर्ग ने बच्चों को पढ़ाई लिखाई का महत्व बताया। उन्होंने कहा कि शिक्षा समानता स्थापित करने वाली लहर है।

कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती और लुई ब्रेल की प्रतिमाओं पर माल्यार्पण से किया गया। छात्राओं द्वारा ने सरस्वती वंदना की और संकल्प गीत गाया। डीएम ने मशाल प्रज्ज्वलन किया। संस्था के संस्थापक महासचिव शंकरलाल गुप्ता ने अपने संस्मरण साझा किए। जिलाधिकारी ने कहा कि उन्हें इस आयोजन में आमंत्रित किए जाने पर प्रसन्नता है। उन्होंने संस्था के कामों की सराहना की। उन्होंने कहा कि रोजगार के अवसर खोजना और सृजित करना अत्यंत आवश्यक है, जिसकी सीमा हमारी सोच पर निर्भर करती है। जिला पंचायत अध्यक्ष अशोक जाटव ने शंकरलाल के योगदान को सराहा। आश्वस्त किया कि संस्था के सहयोग के लिए सभी लोग सदैव तत्पर हैं। उन्होंने उत्तर प्रदेश के अलावा छत्तीसगढ़, राजस्थान, मध्य प्रदेश एवं दिल्ली से आई 10 विशेष विद्यालयों की टीमों का स्वागत करते हुए कहा कि पिछड़े जनपद में इस प्रकार के दृष्टिबाधित संस्थान को विकसित करना सराहनीय कार्य है। कोषाध्यक्ष पीडी गुप्ता ने आभार व्यक्त किया। इस दौरान कई छात्र-छात्राओं को सहायता राशि और प्रमाणपत्र दिए गए। कार्यक्रम में कोआपरेटिव बैंक जिलाध्यक्ष पंकज अग्रवाल, विवेक अग्रवाल, विजय चंद्र गुप्ता, अरुण कुमार, जवाहरलाल, जयश्री जोग आदि मौजूद रहीं।

छात्रा को सम्मानित करते जिलाधिकारी पुलकित गर्ग, साथ में जिला पंचायत अध्यक्ष अशोक जाटव व अन्य जनप्रतिनिधि।

10 विशेष विद्यालयों की टीमों ने लिया भाग

- दो दिवसीय लुई ब्रेल महोत्सव की शुरुआत

बेटियों की पढ़ाई-लिखाई पर देना होगा ध्यान: अनिल प्रधान

संवाददाता, पहाड़ी (चित्रकूट)

अमृत विचार। समाजवादी पार्टी के लोगों ने नहरा गांव में देश की पहली महिला शिक्षिका सावित्री बाई फुले की जयंती पर कार्यक्रम का आयोजन किया। सदर विधायक अनिल प्रधान ने कहा कि समाज की मुख्यधारा में आना है तो बेटियों की शिक्षा पर ज्यादा ध्यान देना होगा।

कार्यक्रम की शुरुआत सावित्री बाई फुले, बाबा साहेब, सरदार पटेल और मुलायम सिंह यादव के चित्रों पर माल्यार्पण से की गई। सदर विधायक ने कहा कि उनके नारी समानता, सामाजिक न्याय और मानवाधिकारों के लिए किए गए काम आज भी प्रेरणास्त्रोत हैं। कहा कि सावित्री बाई फुले ने उस दौर में बालिका शिक्षा की अलख जगाई, जब महिलाओं को शिक्षा से वंचित रखा जाता था। जिला उपाध्यक्ष लालबहादुर निषाद ने कहा कि आज सभी को चाहिए कि नारी शिक्षा को आगे बढ़ाएं। जनार्दन सिंह पटेल ने ग्रामीणों से अनुरोध किया कि वे बच्चियों की पढ़ाई लिखाई पर ध्यान दें। कार्यक्रम आयोजक सुरेंद्र यादव ने महिलाओं को उनके विचारों को जीवन में अपनाने की अपील की। इस मौके पर ग्रामीण बच्चियों को शिक्षण सामग्री दी गई। कार्यक्रम में कुलदीप यादव, गिरधारी लाल यादव, सत्यम यादव, भागवत यादव, राजेंद्र यादव, चुनकी देवी, ऊषा प्रजापति, रामा देवी, गुड्डन, शीला देवी, छोटकू वर्मा, कुलदीप वर्मा, संजय यादव, राजाराम वर्मा, मनोज प्रजापति, मंगल वर्मा, राजेंद्र यादव, सत्यम खंगार, मातादीन प्रजापति, रंजीत यादव, भूरा यादव, गजोधर यादव आदि मौजूद रहे।

शारीरिक संबंध न बनाने पर फोटो वायरल करने की धमकी

संवाददाता, पहाड़ी (चित्रकूट)

अमृत विचार। एक विवाहिता ने एक युवक पर उसके साथ शारीरिक संबंध बनाने का दबाव डालने का आरोप लगाया है। उसने इस संबंध में पहाड़ी थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई है। विवाहिता का कहना है कि मना करने पर वह उसके फोटो वायरल करने की धमकी देता है। एसओ ने बताया कि जल्द ही आरोपी को गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

थानांतर्गत एक गांव निवासी महिला ने बताया कि उसका पति पूना में रहकर मजदूरी करता है। वह भी उसके साथ वहां रहती थी। इस दौरान उसका पति आशिक अली पुत्र मुन्ना अली निवासी सरधुआ भी वहां काम करता था। साथ काम करने की वजह से दोनों की दोस्ती हो गई थी। इस पर उसने उसके कई फोटो मोबाइल से खींच लिए थे। बताया कि एक जनवरी की रात आशिक अली उसके घर आया और जबर्दस्ती शारीरिक संबंध बनाने का प्रयास करने लगा। चिल्लाने पर पड़ोसी वहां पहुंचे तो वह बच सकी। उसने आरोप लगाया कि आशिक पहले भी उसे धमकी देता था कि उसकी बात न मानी तो सभी फोटो वायरल कर देगा। उसने आरोपी पर कार्रवाई की गुहार की। इस संबंध में थाना प्रभारी प्रवीण कुमार सिंह ने बताया कि आरोपी पर रिपोर्ट दर्ज कर ली गई है। जल्द ही उसे गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

ठगी के सात पीड़ितों को वापस कराए रुपये

कार्यालय संवाददाता, चित्रकूट

अमृत विचार। पुलिस ने एक बार फिर साइबर क्राइम पीड़ितों को राहत दी। साइबर सेल प्रभारी विनोद कुमार राय व उनकी टीम ने सात साइबर अपराध पीड़ित व्यक्तियों के 1 लाख 78 हजार 297 रुपये उनके खातों में वापस कराए। इनमें से कई लोगों को सोलर पैनल लगवाने, आनलाइन शेयर ट्रेडिंग के नाम पर ठगा गया था।

पुलिस अधीक्षक अरुण कुमार सिंह ने बताया कि इन सात व्यक्तियों के साथ आनलाइन ठगी की गई थी। साइबर सेल प्रभारी के साथ आरक्षी सर्वेश कुमार, प्रशांत कुमार ने इनके रुपये बरामद कराए। एसपी ने बताया कि वर्तमान समय में साइबर अपराधियों द्वारा विभिन्न टेलीग्राम/व्हाट्सएप ग्रुपों के माध्यम से हानिकारक एपीके फाइल डाउनलोड कराने का प्रयास किया जा रहा है । इनमें फर्जी आरटीओ चालान, परिवहन, योनो एसबीआई फाइलें एक मोबाइल वायरस (मेलवेयर) हैं। इंस्टाल करने पर संबंधित के मोबाइल का सारा डेटा चोरी हो सकता है। एसपी ने बताया कि फोन पर कभी भी किसी प्रकार के लुभावने ऑफर प्राप्त होने पर बैंक खाता, एटीएम नंबर, ओटीपी संबंधी जानकारी शेयर न करें। अनजान व्यक्ति के कहने पर फोन पर पैसे प्राप्त करने के लिए यूपीआई पिन न डालें। अनजान लिंक/ वेबसाइट को ओपन करने से बचें। आनलाइन खरीदारी के लिए भुगतान करते समय क्विक सपोर्ट/टीम व्यूवर/ कस्टमर सपोर्ट आदि एप का के इंस्टालेशन से बचें। अज्ञात कालर द्वारा विभिन्न सरकारी योजनाओं व कालोनी स्वीकृत किए जाने के नाम पर पैसे न भेजें एवं तत्काल नजदीकी थाने पर शिकायत करें। न्यूड वीडियो क्लिप भेजकर पैसे की मांग करने पर पैसे न भेजें एवं तत्काल नजदीकी थाने पर शिकायत करें। परिचित को एक्सीडेन्ट/बीमार बताने पर इलाज के लिए आनलाइन पैसे की मांग करने पर पैसे न भेजें। सामान अधिकृत विक्रेता/दुकान से ही खरीदें। किसी को एडवांस पैसे न भेजें। परिचितों की आवाज में पैसे आदि की डिमांड करने पर परिचित से पुष्टि करने के बाद ही पैसे भेजें।

पुलिस अधीक्षक अरुण कुमार सिंह।

डीआईजी ने सुरक्षा का जायजा लिया

सीतापुर (चित्रकूट)। पुलिस उपमहानिरीक्षक राजेश एस ने शनिवार को तीर्थक्षेत्र में सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया। उनके साथ पुलिस अधीक्षक अरुण कुमार सिंह एवं अपर पुलिस अधीक्षक सत्यपाल सिंह भी रहे। अधिकारियों ने रामघाट का भ्रमण कर अधिकारियों, कर्मचारियों को सतर्कतापूर्वक ड्यूटी करने एवं श्रद्धालुओं से विनम्रतापूर्वक व्यवहार करने के लिए निर्देशित किया। घाटों पर लगे पुलिस बल को बताया कि श्रद्धालुओं को गहरे पानी में जाने से रोकें। इस दौरान क्षेत्राधिकारी नगर अरविंद कुमार वर्मा, थानाध्यक्ष पहाड़ी प्रवीण कुमार सिंह, बहिलपुरवा सत्यमपति त्रिपाठी, पीआरओ प्रदीप पाल आदि अधिकारी, कर्मचारी रहे।

अमृत विचार

क्लासीफाइड

विज्ञापन हेतु अमृत विचार कार्यालय में सम्पर्क करें

वर्गीकृत विज्ञापन हेतु अमृत विचार अखबार के कार्यालय में सम्पर्क करें

सूचना

पहले मेरा नाम AASHISH YADAV था अब मैने बदलकर अपना नाम ASHISH YADAV रख लिया है भविष्य में मुझे ASHISH YADAV के नाम से जाना व पहचाना जाए। S/O- MOHAN LAL YADAV R/O- 410/44, NAI BADA POST CHOWK THANA SAADATGANJ, LUCKNOW

सूचना

मैने अपना नाम SADIA SHAIKH से बदलकर SADIA ASADULLAH SHAIKH रख लिया अब इसी नाम से जाना व पहचाना जाये। W/0-ZOHEB ARSHAD ADD-278/006 BHADEWA, NAI BASTI, DIST-LUCKNOW-226004(U.P.)

सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मैं **ताजुद्दीन कमालुद्दीन शाह पुत्र कमालुद्दीन, निवासी ग्राम नरायनपुर पूरबडीह, पोस्ट धौरहरा, थाना गैंड़ास बुजुर्ग, तहसील उतरौला, जनपद बलरामपुर (उ.प्र.)** का निवासी हूँ। पूर्व में मेरे पासपोर्ट जिसका नंबर एन 4591018 में मेरा नाम मोहम्मद ताजुद्दीन अंकित था, जबकि आधार कार्ड में मेरा सही नाम ताजुद्दीन कमालुद्दीन शाह, पुत्र कमालुद्दीन दर्ज है, जो सत्य एवं मान्य है। भविष्य में मेरे सभी अभिलेखों में यही नाम मान्य माना जाए।

सूचना

पहले मेरा नाम RANDHEER SINGH था अब मैने बदलकर अपना नाम RANDHIR SINGH रख लिया है भविष्य में मुझे RANDHIR SINGH के नाम से जाना व पहचाना जाए। S/O-DEENANATH SINGH R/O-MAKRANDPUR MAHUAPAR, GORAKHPUR

सूचना

मैं **शोभित चौधरी पुत्र श्री राजकुमार चौधरी, निवासी–180A, विष्णुलोक कालोनी, मानसनगर, लखनऊ, उ0प्र0**, सबको सूचित करता हूँ कि मेरा सही नाम SHOBHIT CHAUDHARY है किन्तु ड्राईविंग लाइसेंस पर त्रुटिवश SHOBHIT CHAUDHRI S/O RAJ KUMAR अंकित हो गया है, अतः मुझे SHOBHIT CHAUDHARY S/O RAJ KUMAR CHAUDHARY के नाम से जाना पहचाना व लिखा जाये।

सूचना

सूचित हो कि मेरी हाइस्कूल की मार्कशीट जिसका अनुक्रमाक 5256764 वर्ष 2008 व इंटरमीडिएट की मार्कशीट जिसका अनुमांक 5745151 वर्ष 2010 है वास्तव मे कही खो गई है। **कुंवर विजेयन्द्र सिंह चन्देल निः** M–680, **आशियाना कालोनी लखनऊ मो0–7007401581**

सूचना

मैं, **अमन रावत** (AMAN RAWAT) **पुत्र परशुराम** (PARSHURAM), **निवासी रहीमाबाद, बिजनौर, लखनऊ, पिन कोड –** 226002, मेरे आधार कार्ड में मेरा नाम अमित कुमार अंकित है जबकि मेरे सभी शैक्षणिक दस्तावेजों में मेरा नाम अमन रावत (AMAN RAWAT) अंकित है अब मैंने अपना नाम बदलकर Aman Rawat रख लिया है जो मेरे मार्कशीट में अंकित है। भविष्य में मैं सभी दस्तावेजों, कामों और सरकारी अभिलेखों में अमन रावत (Aman Rawat) नाम से ही जाना और पहचाना जाऊँगा।

हाल ईओ बोले, नहीं ली गई किसी तरह की परमीशन

होर्डिंग लगवाकर नववर्ष की बधाई दे रहे सीएमओ साहब!

संजय साहू, चित्रकूट

अमृत विचार। एक ओर जहां जिलाधिकारी ने नगर में अवैध रूप से लगाई गई होर्डिंग और बैनर पोस्टरों को तुरंत हटाने का फरमान जारी किया है, वहीं दूसरी ओर सरकारी विभागों के जिम्मेदार होर्डिंग पर बाकायदा अपनी फोटो छपवाकर लोगों को नए साल की बधाई दे रहे हैं। मजे की बात यह कि होर्डिंग लगाने में विभाग ने पालिका से किसी तरह की अनुमति नहीं ली।

गौरतलब है कि बीते दिन ही जिलाधिकारी पुलकित गर्ग ने पूरे शहर में अवैध रूप से लगे पोस्टर, बैनर और होर्डिंग पर नाराजगी जताते हुए ईओ लालजी को इनको तुरंत हटवाने को कहा था। उन्होंने इसके साथ ही अवैध रूप से होर्डिंग, पोस्टर, बैनर लगाने वाले के विरुद्ध नियमानुसार जुर्माने की कार्रवाई भी किए जाने के निर्देश दिए थे। इस संबंध में अधिशाषी अधिकारी ने यह भी बताया था कि वर्तमान में जिस ठेकेदार द्वारा यह कार्य किया जा रहा था, उसका टेंडर निरस्त कर दिया गया है, उसके स्थान पर कोई टेंडर नहीं कराया गया। इस पर डीएम ने अतिशीघ्र नियमानुसार टेंडर प्रक्रिया पूर्ण कर लिए जाने को निर्देशित भी किया था। प्रशासन के निर्देश पर होर्डिंग बैनर हटाने का काम शुरू तो हुआ पर कई जगहों पर शायद अनदेखी भी की गई। ट्रैफिक चौराहे पर मुख्य चिकित्साधिकारी डा. भूपेश द्विवेदी की बड़ी सी फोटो वाली होर्डिंग पर लगता है कि पालिका की नजर नहीं पड़ी। इसमें सीएमओ नववर्ष, मकर संक्रांति और गणतंत्र दिवस की बधाई देते नजर आ रहे हैं। दूर से देखने पर यह किसी अधिकारी का कम, राजनेता का बैनर ज्यादा नजर आता है। नीचे जरूर जिला स्वास्थ्य समिति चित्रकूट लिखा है। इस संबंध में तमाम लोगों ने नाराजगी जताई है और पालिका पर पक्षपात का आरोप लगाया है।

ट्रैफिक चौराहे पर लगी होर्डिंग। अमृत विचार

हटवाई जाएंगी अवैध लगी होर्डिंग्स- ईओ

- उधर, इस संबंध में जब पालिका के अधिशासी अधिकारी लालजी से पूछा गया तो उन्होंने भी इसे गलत बताया। उनका कहना था कि पालिका से इस होर्डिंग के संबंध में कोई परमीशन नहीं ली गई। बताया कि जिलाधिकारी के निर्देशों का अक्षरशः पालन किया जाएगा और जहां भी अवैध रूप से होर्डिंग, बैनर और पोस्टर लगे हैं, हटाए जाएंगे और जुर्माने की भी कार्रवाई की जाएगी।

..तो तुरंत हट जाती होर्डिंग

- बुंदेली सेना के जिलाध्यक्ष अजीत सिंह ने कहा कि अगर अभी किसी सामान्य व्यक्ति की होर्डिंग होती तो पालिका इसे तुरंत फड़वा देती, हटवा देती पर एक अधिकारी की होर्डिंग नहीं हटवाई जा रही। लोगों का यह भी कहना है कि अगर यह सरकारी विभाग की होर्डिंग होती तो इसमें सरकारी योजनाओं की जानकारी होती, जिलाधिकारी की भी फोटो होती। यह तो ऐसा लगता है कि सीएमओ किसी महत्वाकांक्षा के तहत यह प्रचार कर रहे हैं। अजीत ने कहा कि एक नहीं, कई जगह इस तरह की होर्डिंग लगाई गई हैं।

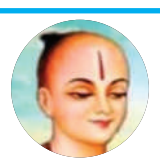

तुलसी मीठे बचन ते, सुख उपजत चहुं ओर।
बसीकरन इक मंत्र है,परिहरू बचन कठोर।।

संत तुलसीदास कहते हैं, मीठे बोल से हम सब तरफ सुख फैला सकते हैं। किसी को भी वश में करने के लिए मिठास भरे शब्द मंत्र सरीखे होते हैं, इसलिए इंसान को चाहिए कि कठोर बातें छोड़कर मीठा बोलने की कोशिश करे और अनजानों को भी अपना बना लें।

भारतीयों की रुचि पर्यटन के बजाय तीर्थाटन में निहित

> भारत का मन उत्सवी है। भारतीयों की रुचि पर्यटन के बजाय तीर्थाटन में रही है। पर्यटन और तीर्थाटन में मूलभूत अंतर है। पर्यटन में अच्छा खाना, अच्छे होटल और अच्छी सुख-सुविधाएं जरूरी होती हैं, लेकिन तीर्थाटन में इन कारकों की महत्वपूर्ण आवश्यकता नहीं होती। तीर्थाटन में प्राय : किसी ऐसी जगह पर जाते हैं, जहां नदियां आपस में मिलती हैं। जहां प्रकृति खिलती है, जहां किसी न किसी देवता के दर्शन की अभिलाषा रहती है। प्रयागराज इसका जीवंत उदाहरण है।

भारतीय संस्कृति उत्सवधर्मा है। यहां बारहों महीने उत्सव चलते हैं। 6 ऋतुएं हैं। प्रत्येक ऋतु के अपने उत्सव हैं। वर्षा और बसंत प्रकृति प्रायोजित उत्सव हैं। शिशिर और हेमंत का क्या कहना। होली सनातन उल्लास है। व्यक्ति की तरह समाज और राष्ट्र की भी ऊर्जा होती है। जैसे मनुष्य अपने शरीर को स्वस्थ रखने का प्रयास करते हैं, वैसे ही समाज और राष्ट्र को स्वस्थ रखने के प्रयास जरूरी हैं और यह प्रयास संस्कृतिधर्मा लोगों द्वारा किया जाता रहता है। उत्स का अर्थ होता है मूल। उत्सव का अर्थ है देश के मूल से जुड़ी सामाजिक सक्रियता।

संस्कृति मनुष्य की रचना है। संस्कृति का निर्माण सतत् प्रवाही प्रक्रिया है। भारत के मन की संस्कारमय संस्कृति प्राचीन ज्ञान परंपरा में निहित है। भारत की संस्कृति का जन्म और विकास ज्ञान व दर्शन की परंपरा से हुआ है। भारतीय दर्शन में बुध और जैन को मिलाकर आठ दार्शनिक धाराएं हैं। भारत के राष्ट्र जीवन के सभी धाराओं ने प्रभावित किया है। कपिल का सांख्य दर्शन अनीश्वरवादी माना जाता है। बुद्ध व जैन दर्शन भी ईश्वर की सत्ता को स्वीकार नहीं करते। अद्वैत वेदांत का प्रभाव काफी बड़ा है। अद्वैत की धारा शंकराचार्य के पहले से थी, लेकिन शंकराचार्य ने उपनिषदों, गीता और ब्रह्मसूत्र के तत्वों के आधार पर ब्रह्म को सत्य और जगत को मिथ्या कहा है। वे घर बैठ तर्क का आनंद उठाने वाले कार्यकर्ता नहीं थे।

शंकराचार्य ने देश की एकता को देखते हुए चार धामों की घोषणा की। उन्होंने उत्तर में ऊंचे पहाड़ों पर बद्रीनाथ धाम की स्थापना की और पश्चिम में द्वारका की। पूरब में जगन्नाथ पुरी की और दक्षिण में रामेश्वरम् की। चारों स्थान पहले बहुत प्रतिष्ठित नहीं थे, लेकिन शंकर की घोषणा के बाद वे अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर चर्चित हो गए। भारत का मन उत्सवी है। भारतीयों की रुचि पर्यटन के बजाय तीर्थाटन में रही है। पर्यटन और तीर्थाटन में मूलभूत अंतर है। पर्यटन में अच्छा खाना, अच्छे होटल और अच्छी सुख-सुविधाएं जरूरी होती हैं, लेकिन तीर्थाटन में इन कारकों की महत्वपूर्ण आवश्यकता नहीं होती। तीर्थाटन में प्रायः किसी ऐसी जगह पर जाते हैं, जहां नदियां आपस में मिलती हैं। जहां प्रकृति खिलती है, जहां किसी न किसी देवता के दर्शन की अभिलाषा रहती है। प्रयागराज इसका जीवंत उदाहरण है।

ऋषिकेश की गगनचुंभी पहाड़ियों के दरश परश से मन संगीतमय हो जाता है। ऋग्वेद में नदियों से पार उतरने के लिए उथले स्थल को तीर्थ बताया गया है। जहां से हम आसानी से नदी पार कर सकते हैं। उपासना परंपरा में किसी देवता के नाम से चले आ रहे पुण्य स्थान तीर्थ कहलाते हैं। कुंभ (प्रयागराज) में सारी दुनिया के लोग आते हैं। करोड़ों लोगों का यह एकत्रीकरण गंगा, जमुना व सरस्वती का संगम बनता है।

हृदय नारायण दीक्षित
पूर्व विधानसभा अध्यक्ष उत्तर प्रदेश

प्रयागराज दुनिया का आकर्षण है। ऐसे ही हरिद्वार, रामेश्वरम्, तिरुपति, कांचीपुरम् आदि अनेक स्थलों पर तीर्थ यात्री भूखे-प्यासे चले जाते हैं। अयोध्या, मथुरा, काशी ऐतिहासिक तीर्थ हैं। काशी में शिव दर्शन के लिए लाखों लोग आते हैं। वैसे भारतीय दर्शन में तीर्थाटन की तुलना में दर्शन को ज्यादा श्रेष्ठ बताया गया है। शंकराचार्य ने एकमात्र ब्रह्म की सत्ता को सत्य मानते हुए कर्मकांड को भी उचित बताया है। उन्होंने काशी के प्रवास में अपना दर्शन सबको बताया था। ब्रह्म को एकमात्र सत्य और संसार को मिथ्या बताने वाले आचार्य शंकर के दर्शन ने परवर्ती संतों का ध्यान भी आकर्षित किया था। शंकराचार्य जगत् को मिथ्या बताते थे।

भारत स्वयं में एक तीर्थ है। सारी दुनिया को परिवार बताने वाला यह राष्ट्र शंकराचार्य जैसे दार्शनिकों की जन्मस्थली और कर्मस्थली है। आवागमन के साधन बढ़े हैं। शंकराचार्य के समय न साइकिल थी न रेल। आश्चर्य है कि आचार्य ने कैसे भारत भ्रमण किया होगा? अब आवागमन के व्रतगामी साधन बढ़े हैं। हजारों किलोमीटर की दूरी अल्प समय में तय की जा सकती है। आधुनिक सभ्यता के दबाव में देश के लोगों का एक वर्ग तनाव में रहता है। वह तीर्थाटन का मजा नहीं लेता। पर्यटन को महत्व देता है।

पर्यटन से मानसिक शांति नहीं मिलती। तीर्थाटन से लौटे परिवार आनंद से भरे-पूरे दिखाई पड़ते हैं। भारत राष्ट्र जीवन के सभी क्षेत्रों में आत्मविश्वास से भरा पूरा है। पर्यटन उद्योग बन गया है। पर्यटन की दृष्टि से महात्मा गांधी के जन्म और कर्म स्थान साबरमती जाना अपने आप में जीवंत अनुभव है। सरदार पटेल की प्रतिमा केवड़िया, गुजरात में दर्शनीय है। डॉक्टर आंबेडकर के दिल्ली सहित कई स्थानों पर बने स्मारक दर्शनीय हैं। उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में राष्ट्रीय प्रेरणास्थल भी दर्शनीय है।

यज्ञ में काफी धन लगता था, इसलिए पुण्य प्राप्त करने के लिए यज्ञ का विकल्प तीर्थ यात्रा बताया गया है। महाभारत वन पर्व के 42वें अध्याय में यज्ञ के विकल्प की चर्चा की गई है। पुलस्त्य भीष्म से कहते हैं, 'ऋषियों के अनुसार यज्ञ करने से इस लोक और परलोक में फल मिलता है।' परंतु गरीब मनुष्य यज्ञों का अनुष्ठान नहीं कर सकते। उनके पास साधन नहीं होते, इसलिए जो साधनहीन हैं, वे तीर्थ यात्रा कर सकते हैं। तीर्थ यात्रा को यज्ञ के विकल्प के रूप में प्रस्तुत करते हुए कहते हैं, 'मनुष्य तीर्थ यात्रा से जो फल पाता है, वह बड़े से बड़े यज्ञों से नहीं मिलता।'

महाभारत के रचनाकाल में ज्यादातर तीर्थ कुरुक्षेत्र के आसपास थे। पुष्कर तीर्थ का महत्व बताते हुए कहते हैं, 'पुष्कर में दस सहस्त्र कोटि तीर्थ का निवास रहता है।' यहां पुष्कर तीर्थ का महत्व बताने कि लिए दस खरब तीर्थों की उपस्थिति बताई गई है। बताते हैं कि पुष्कर में ब्रह्मा जी नित्य निवास करते हैं। यहां स्नान करने से अश्वमेघ यज्ञ का दस गुना फल मिलता है। पुष्कर तीर्थ ब्रह्मा से जुड़ा हुआ है।

महाकाल (उज्जैन) में शिव के दर्शन से हजार गोदान का फल मिलता है। ऐसी बहुत सी नदियां हैं, जिनमें स्नान करने से यज्ञ के फल मिलते हैं। नर्मदा सहित अनेक नदियों में स्नान से यज्ञों के फल मिलते हैं। महाभारत के रचनाकाल में सरस्वती पर्याप्त जल से भरी हुई दिखाई पड़ती हैं। ये बाद में सूखीं। सिंधु और सागर के मिलन स्थल पर स्नान करने से वरुण लोक मिलता है। सरस्वती ऋग्वेद के ऋषियों की प्रिय नदीतमा हैं। पुलस्त्य कहते हैं कि वायु द्वारा उड़ा कर लाई गई कुरुक्षेत्र की धूल से मनुष्य को परम गति मिल जाती है। जो यहां नहीं रहते कुरुक्षेत्र जाने की इच्छा करें। तीर्थ की प्रशंसा मजेदार है। बताते हैं, भूमंडल के निवासियों के लिए नैमिष, अंतरिक्ष निवासियों के लिए पुष्कर और तीनों लोकों के निवासियों के लिए कुरुक्षेत्र तीर्थ है।

देवी उपासना भारत में वैदिक काल से स्पष्ट दिखाई देती है। ऋग्वेद में जल माताएं हैं। वन देवी हैं। उत्तर प्रदेश का विंध्याचल देवी उपासना का महत्वपूर्ण केन्द्र है। मध्य प्रदेश का दतिया और असम के गुवाहाटी में कामाख्या देवी के दर्शनार्थ पूरे देश से श्रद्धालु आते हैं। तीर्थाटन से मिलने वाले लाभ व हानि पर आग्रही बहस चलना जरूरी नहीं है। मुख्य बात है देश के एक कोने से दूसरे कोने तक भारत भक्तों का आवागमन। शंकराचार्य ने इसीलिए चारों धामों की स्थापना की थी। प्रत्येक तीर्थ के साथ अविश्वसनीय कथाएं चलती हैं। इन्हें बड़े सरल ढंग से अंधविश्वास कहा जा सकता है, लेकिन पर्यटन का विकल्प तीर्थाटन ही है।

मशीन बनते कर्मचारी और उनकी मुश्किलें

इंटरनेट युग ने मनुष्य की जीवन शैली को 'हैक' कर के उन्हें मशीन बना दिया है। कोरोना काल में सुरक्षा के मद्देनजर सहूलियत के लिए वर्क फ्रॉम होम कल्चर की जब शुरुआत हुई, तो घर और कार्यालय के मध्य सूक्ष्म मानसिक और शारीरिक सीमाओं का अतिक्रमण हुआ। उसके पश्चात से सरकारी, निजी व बहुराष्ट्रीय प्रतिष्ठान में अब एक धारणा आम हो गई है कि आप 24 घंटे के नौकर हैं। हर समय घर में कार्य अवधि के पश्चात या अवकाश में यदि आपको ऑफिस से कॉल या मेल आता है, तो आपकी त्वरित प्रतिक्रिया अपेक्षित है, जिससे कई बार व्यक्ति सुकून भरे अवकाश के क्षणों में भी तनाव, चिंता और मानसिक थकान का अनुभव करता है। कई बार ऐसा होता है कि कर्मचारी अवकाश में होता है, लेकिन मानसिक रूप से वह कार्यालय संबंधी काम की चिंता में होता है।

बीना नयाल
शिक्षिका

इसी तनाव के चलते कार्यस्थल पर होने वाली मौतों और दुर्घटनाओं की संख्या भी बढ़ती जा रही है। पिछले वर्ष पुणे की चार्टर्ड अकाउंटेंट एना सेबस्टियन की काम के दबाव के कारण मौत हो गई थी, जिसका मुख्य कारण काम व निजी जिंदगी में उचित प्रबंधन न कर पाना बताया गया। स्वतंत्रतोत्तर भारत में संविधान निर्माण के दौरान जो छह मौलिक अधिकार प्रदान किए गए, वह उस दौर की मांग थी, जो आज परिपक्व हो चुके हैं। राइट टू डिस्कनेक्ट वर्तमान समय की मांग है।

> निजी और खास तौर से बहुराष्ट्रीय कंपनियों में अब एक धारणा आम हो गई है कि आप 24 घंटे के नौकर हैं। कार्य अवधि के पश्चात घर में या अवकाश में यदि आपको ऑफिस से कॉल या मेल आता है, तो आपकी त्वरित प्रतिक्रिया अपेक्षित है। यह बातें जीवन में तनाव पैदा करती हैं।

आवश्यकतानुसार तकनीक से डिस्कनेक्ट होकर हम अपने पर्सनल स्पेस को सुकून से जी सकते हैं और वास्तविक दुनिया में अपने परिवार, दोस्तों व प्रकृति से कनेक्ट हो सकते हैं, क्योंकि राइट टू डिस्कनेक्ट विधेयक हमें न केवल कार्य के पश्चात मोबाइल, लैपटॉप, टैबलेट सदैव हाथ में रखने की अनिवार्यता को समाप्त कर जरूरी सूचनाओं के मस्तिष्क में अवशोषण व सोशल मीडिया में घुमक्कड़ी पर भी युक्ति संगत प्रतिबंध लगाएगा। इस बिल की वर्तमान समय में भारत के लिए प्रासंगिकता और भी अधिक इसलिए बढ़ जाती है, क्योंकि फ्रांस, पुर्तगाल, फिनलैंड और ऑस्ट्रेलिया जैसे विकसित राष्ट्र पहले से ही इस अधिकार को अपने देश में लागू कर चुके हैं। साथ ही देश में ईमानदार, निष्ठावान और समर्पित कार्यशैली का भी होना आवश्यक है, जहां कर्मचारी आवंटित कार्य को नियत समय सीमा में पूरा करें, जिससे न संस्थान के सुचारु संचालन में दिक्कत हो और न ही कर्मचारियों का पर्सनल स्पेस बाधित हो।

अधिकारियों में भी यह संस्कृति विकसित की जानी चाहिए कि पर्सनल संबंध और प्रोफेशनल संबंधों को अलग रखें। पर्सनल संबंध खराब होने पर कर्मचारियों को कार्य संबंधित तनाव और दबाव न दें और आवंटन में पारदर्शिता, निष्पक्षता और समान अवसरों को बनाए रखें। कर्मचारियों की खुशहाल जिंदगी, बेहतर मानसिक और शारीरिक स्थिति कार्य स्थल में उनकी दक्षता व गुणवत्ता में वृद्धि कर उनके बेहतर निष्पादन की राह सुनिश्चित करनी चाहिए।

समुद्र की गहराइयों में नारी शक्ति की गूंज

पिछले दिनों जब भारत की सर्वोच्च कमांडर और राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने भारतीय नौसेना की अत्याधुनिक पनडुब्बी 'आईएनएस वाघशीर' पर सवार होकर समुद्र की गहराइयों में प्रवेश किया, वह क्षण भारत के सैन्य इतिहास में एक प्रतीकात्मक मील का पत्थर बन गया। उनकी यह यात्रा केवल एक औपचारिक कार्यक्रम नहीं थी, बल्कि यह भारत की समुद्री शक्ति, रक्षा आत्मनिर्भरता, महिला नेतृत्व और हिंद महासागर क्षेत्र में देश की निर्णायक भूमिका का सशक्त प्रदर्शन थी। राष्ट्रपति मुर्मू न केवल भारत की पहली महिला राष्ट्रपति हैं, जिन्होंने पनडुब्बी यात्रा की बल्कि इसका गहरा प्रतीकात्मक अर्थ यह है कि भारत अब तकनीकी, रणनीतिक और नेतृत्व, तीनों स्तरों पर नया आत्मविश्वास अर्जित कर चुका है।

योगेश गोयल
वरिष्ठ पत्रकार

लगभग 19 वर्ष पहले फरवरी 2006 में भारत के राष्ट्रपति 'मिसाइल मैन' डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम ने आईएनएस सिंधु रक्षक में समुद्री यात्रा की थी। तब से लेकर अब तक भारत का रक्षा परिदृश्य पूरी तरह बदल चुका है। जो राष्ट्र तब विदेशी प्रणालियों पर निर्भर था, वह आज आत्मनिर्भरता और उन्नत तकनीकी क्षमता के साथ समुद्र की गहराइयों में अपनी शक्ति का प्रदर्शन कर रहा है।

राष्ट्रपति मुर्मू की यह यात्रा इस ऐतिहासिक निरंतरता को नया आयाम देती है। यह केवल एक संवैधानिक औपचारिकता नहीं, बल्कि भारतीय राष्ट्रपति की एक सक्रिय, संलग्न और रणनीतिक भूमिका का प्रतीक है, जहां सर्वोच्च नेतृत्व स्वयं उन चुनौतियों और अवसरों को प्रत्यक्ष रूप से अनुभव करता है, जिनसे हमारे सशस्त्र बल प्रतिदिन जूझते हैं।

'आईएनएस वाघशीर' प्रोजेक्ट-75 स्कॉर्पीन कार्यक्रम की छठी और अंतिम पनडुब्बी है, जो भारतीय नौसेना में जनवरी 2025 में शामिल हुई थी। इसका निर्माण मुंबई स्थित मझगांव डॉक शिपबिल्डर्स लिमिटेड (एमडीएल) ने फ्रांस की कंपनी 'नेवल ग्रुप' के तकनीकी सहयोग से किया। यह सहयोग अब केवल तकनीक हस्तांतरण का मॉडल नहीं रहा, बल्कि 'मेक इन इंडिया' की वास्तविक सफलता का उदाहरण बन चुका है। भारत आज न केवल जटिल नौसेना प्रणालियों को जोड़ने में सक्षम है, बल्कि उनमें नवाचार करने की दिशा में भी अग्रसर है। तकनीकी रूप से वाघशीर दुनिया की सर्वश्रेष्ठ डीजल-इलेक्ट्रिक पनडुब्बियों में गिनी जाती है। लगभग 67 मीटर लंबी और 1,565 टन वजनी यह पनडुब्बी 350 मीटर तक गोता लगाने और पानी के नीचे 37 किलोमीटर प्रति घंटे की गति से चलने में सक्षम है।

आईएनएस वाघशीर का उन्नत स्टील्थ डिजाइन इसे दुश्मन के सोनार और रडार से लगभग अदृश्य बनाता है। वायर-गाइडेड टॉरपीडो और एंटी-शिप मिसाइलें इसे दुश्मन के किसी भी युद्धपोत को ध्वस्त करने की क्षमता देती हैं। उच्च-संवेदनशील सोनार और रडार प्रणालियां इस पनडुब्बी को खुफिया जानकारी, निगरानी और विशेष अभियानों के लिए आदर्श प्लेटफॉर्म बनाती हैं। 50 दिनों तक समुद्र में तैनाती की क्षमता से यह लंबी अवधि के मिशन संचालित कर सकती है।

मौत का पानी व जवाबदेही की सूखी टोटियां

> इंदौर में दूषित पानी पीने से अब तक 14 लोगों की मौत हो चुकी है। यह कोई अचानक आया तूफान नहीं था। यह मौतें धीरे-धीरे आईं, चेतावनी देती रहीं, शिकायतों की शक्ल में दस्तक देती रहीं, लेकिन जलदाय विभाग और जिम्मेदार तंत्र ने उन्हें सुना ही नहीं।

देश के सबसे स्वच्छ शहर का तमगा पाने वाला इंदौर आज एक ऐसे सवाल के सामने खड़ा है, जो किसी एक गली, एक कॉलोनी या एक हादसे तक सीमित नहीं है। भागीरथपुरा और आसपास के इलाकों में दूषित पानी पीने से अब तक 14 लोगों की मौत हो चुकी है। यह केवल एक आंकड़ा नहीं है, यह 14 घरों में पसरे सन्नाटे की गिनती है, 14 चिताओं की राख है और सैकड़ों बीमार शरीरों की कराह है। जिन शहरों को हम विकास, स्वच्छता और आधुनिक व्यवस्था का मॉडल बताते नहीं थकते, वहीं अगर नल से ज़हर बहने लगे, तो यह व्यवस्था की सबसे बड़ी विफलता नहीं तो और क्या है!

भागीरथपुरा की संकरी गलियों में बीते कई दिनों से मातम पसरा है। अरविंद, उम्र 43 वर्ष, कुलकर्णी भट्टा निवासी, इस त्रासदी का 14वां शिकार बना। उससे पहले 21 से 31 दिसंबर के बीच 13 जिंदगियां बुझ चुकी थीं। यह कोई अचानक आया तूफान नहीं था। यह मौतें धीरे-धीरे आईं, चेतावनी देती रहीं, शिकायतों की शक्ल में दस्तक देती रहीं, लेकिन जलदाय विभाग और जिम्मेदार तंत्र ने उन्हें सुना ही नहीं। दो साल से लोग कह रहे थे कि नलों से बदबूदार, गंदा पानी आ रहा है। दो साल से बच्चे बीमार पड़ रहे थे। बुजुर्ग उल्टियां कर रहे थे। घरों में दवाइयों की बोतलें जमा हो रही थीं। अगर तब सुना जाता, तो शायद आज 14 चिताएं न जल रही होतीं।

कांतिलाल मांडोत
वरिष्ठ पत्रकार

पानी जीवन है, यह वाक्य हम किताबों में पढ़ते हैं, लेकिन जब वही पानी मौत बन जाए, तो सवाल सीधे उस विभाग पर जाता है, जिसकी जिम्मेदारी लोगों तक सुरक्षित जल पहुंचाने की है। जलदाय विभाग की पाइप लाइनों में लीकेज था, यह बात अब सरकारी रिपोर्ट भी मान चुकी है। सीएमएचओ की जांच रिपोर्ट ने साफ कर दिया कि पाइपलाइन में रिसाव के कारण पानी दूषित हुआ और उसी पानी को पीने से लोग बीमार पड़े और मरे। सांसद ने भी स्वीकार किया कि पानी के सैंपल में जानलेवा बैक्टीरिया मिले हैं, लेकिन यह स्वीकारोक्ति तब आई, जब कई घर उजड़ चुके थे। क्या किसी विभाग की जिम्मेदारी सिर्फ रिपोर्ट आने के बाद बयान देना है, या समय रहते खतरे को रोकना भी उसका दायित्व है?

स्वास्थ्य विभाग ने करीब आठ हजार घरों का सर्वे किया, ढाई हजार से ज्यादा लोग संक्रमित या संदिग्ध पाए गए, सैकड़ों अस्पताल में भर्ती हुए। यह संख्या बताती है कि समस्या कितनी व्यापक थी। फिर भी जलदाय विभाग की तरफ से न समय पर सप्लाई रोकी गई, न वैकल्पिक व्यवस्था की गई, न ही बड़े स्तर पर चेतावनी जारी की गई। जिन नलों से पानी आता है, वही नल मौत का फंदा बन गए और लोग मजबूरी में वही पानी पीते रहे, जिनके पास बोतलबंद पानी खरीदने की हैसियत नहीं थी, उनके लिए इससे ज्यादा कठिनाई और क्या हो सकती थी?

जब मंत्री कैलाश विजयवर्गीय भागीरथपुरा पहुंचे और मृतकों के परिजनों को दो-दो लाख रुपये के चेक देने की कोशिश की गई, तो वह दृश्य अपने आप में व्यवस्था के प्रति लोगों के गुस्से का आईना था। परिजनों ने चेक लेने से मना कर दिया। उन्होंने साफ कहा कि उन्हें पैसे नहीं चाहिए, उन्हें जवाब चाहिए। महिलाओं ने मंत्री को घेरकर कहा कि दो साल से शिकायत कर रहे थे, अगर तब सुन लिया गया होता तो आज इतने लोग नहीं मरते। यह कोई राजनीतिक विरोध नहीं था, यह एक मां, एक पत्नी, एक बहन की पीड़ा थी, जिसे चेक से नहीं खरीदा जा सकता।

मंत्रियों और जनप्रतिनिधियों के बयान इस त्रासदी में और नमक छिड़कते नजर आए। कहीं कहा गया कि जांच होगी, कहीं कहा गया कि जिम्मेदारों पर कार्रवाई होगी, कहीं यह बताया गया कि आंकड़े जल्द जारी किए जाएंगे। सवाल यह है कि जब लोग मर रहे थे, तब ये बयान कहां थे? जब बदबूदार पानी की शिकायतें दर्ज हो रही थीं, तब जलदाय विभाग की मशीनरी क्यों नहीं जागी? क्या हर हादसे के बाद यही रटी-रटाई पंक्तियां सुनना ही जनता की नियति है? इंदौर की यह घटना सिर्फ एक शहर की कहानी नहीं है। यह उस पूरे देश का आईना है, जहां आजादी के इतने वर्षों बाद भी साफ पानी की गारंटी नहीं दी जा सकी। शहरों में स्मार्ट सिटी की बातें होती हैं, करोड़ों की परियोजनाएं गिनाई जाती हैं, लेकिन जमीनी हकीकत यह है कि गरीब और मध्यम वर्ग आज भी नल खोलते वक्त डरता है कि पता नहीं आज पानी आएगा भी या नहीं और अगर आएगा तो कैसा आएगा। भागीरथपुरा के लोग आज यही डर जी रहे हैं। पानी की सप्लाई कोई विलासिता नहीं, बल्कि मूलभूत अधिकार है।

जरूरी है कि मन की पांचों ज्ञानेंद्रियों पर नियुक्त रहे 'पहरेदार'

धनाढ्य घरों एवं कॉलोनियों की सुरक्षा के लिए पहरेदार रखे जाते हैं, जो रात भर जागते हैं तथा चोर-डाकुओं से घर की रक्षा करते हैं। ये पहरेदार लोगों को सजग करते हुए 'जागते रहो' की आवाज़ तथा सीटी बजाते रहते हैं। पहरेदार के 'जागते रहो' की आवाज़ और सीटी बजाने का आशय यह है कि घर तथा कॉलोनी के लोगों को यह एहसास होता रहे कि चौकीदार खुद जाग रहा है तथा सजग स्थिति में है, न कि खुद सो गया है।

सलिल पांडेय
मिर्जापुर

यही स्थिति निजी जीवन की है। घर का मतलब आंतरिक जगत से है, जहां घर का मालिक मन रहता है। मन के पास ही बहुमूल्य संपदा होती है। मन बादशाह की तरह है, तो जीवन में बादशाहियत झलकती है, जबकि यदि मन में बुरी आदतें हैं, तो वह भी बाहरी दुनिया में झलक कर रहेगी ही, क्योंकि मन के अनुसार व्यक्ति आचरण करता है। अब सवाल उठता है कि मन उत्कृष्ट भाव में रहे तो सर्वप्रथम यह समझना आवश्यक है कि मन जिन पांच ज्ञानेंद्रियों से प्रभावित होता हैं, उसमें मुख (जिह्वा), नेत्र, कान, नासिका एवं त्वचा शामिल है।

मन को प्रभावित करने वाले इन पांचों द्वार की हिफाज़त के लिए इन द्वारों पर पहरेदार बैठाना जरूरी होता है, वरना मन तो क्षुद्र चीजों के लिए अधिक लालायित होता है। इन पांचों द्वारों के पहरेदार में मुख का पहरेदार है सात्विक भोजन, क्योंकि आहार की शुद्धता नहीं रहेगी तो मन में विकृतियां पैदा होती रहेंगी। मसलन शराब पीने वाले का मन हमेशा बहका-बहका रहेगा और उसका मन पर नियंत्रण नहीं रहेगा। इसी तरह अखाद्य वस्तुओं के खाने से स्वास्थ्य ठीक नहीं रहेगा। अस्वस्थ व्यक्ति सकारात्मक भाव-विचार का रहे, इसमें संशय है। मुख पर पहरेदार बैठाने पर आहार की शुद्धता के साथ शब्दों की भी शुद्धता रहेगी। अश्लील एवं अशोभनीय शब्द नहीं निकलेंगे।

नेत्र पर पहरेदार बैठाने से नेत्रों में भी अश्लीलता नहीं आएगी और नेत्र बाह्य जगत की सुंदरता एवं प्रकृति की भव्यता पर ही जाएगी। कान पर पहरेदार बैठाने से निंदा, चुगली और अशोभनीय शब्दों से परहेज होगा। नासिका पर पहरेदार बैठने से सुगंधित वातावरण में जीने की आदत पड़ेगी। त्वचा की स्पर्श की शुद्धता से घटियापन का भाव नहीं पैदा होगा। खुद के हाथ में है कि हम उन्नत अवस्था में रहें या निकृष्ट अवस्था में।

वैश्विक परिप्रेक्ष्य में हिंदी और दक्षिण भारतीय भाषाएं

भारत विविध भाषाओं का देश है। हिंदी भारतीय संविधान की राजभाषा के रूप में स्वीकृत है और उत्तर भारत में व्यापक रूप से बोली जाती है, किंतु दक्षिण भारत में इसके प्रसार की प्रक्रिया एक लंबी और संघर्षपूर्ण यात्रा रही है। दक्षिण भारत में हिंदी का प्रसार केवल भाषाई प्रश्न नहीं है, बल्कि यह राष्ट्रीय एकता, सांस्कृतिक आदान-प्रदान और शिक्षा नीति से जुड़ा हुआ मुद्दा है, हालांकि यह प्रक्रिया भाषाई अस्मिता और राजनीतिक चुनौतियों से प्रभावित रही है, लेकिन भविष्य में शिक्षा, मीडिया, डिजिटल मंचों और सांस्कृतिक आदान-प्रदान के माध्यम से हिंदी का महत्व और बढ़ेगा।

द्रविड़ भाषा परिवार (Dravidian Language Family) का मुख्य केंद्र दक्षिण भारत है। यह क्षेत्र भाषाई विविधता और गहरी साहित्यिक परंपराओं का संगम है। दक्षिण भारत में मुख्य रूप से चार प्रमुख भाषाएं प्रचलन में हैं, जो अपने-अपने राज्यों की आधिकारिक भाषाएं हैं। राज्य स्तर पर इन भाषाओं का प्रचलन बहुत अधिक है, जो क्षेत्र की भाषाई पहचान को मजबूत करता है। केरल में मलयालम (96.69%) और तमिलनाडु में तमिल (86.89%) का क्षेत्रीय प्रभुत्व बहुत मजबूत है।

प्रो. मीना यादव
शिक्षाविद्

कर्नाटक में कन्नड़ मातृभाषा बोलने वालों का प्रतिशत लगभग 66.24% है, जो इसे भारत का एक महत्वपूर्ण बहुभाषी राज्य बनाता है, जहां उर्दू, तेलुगु और मराठी जैसी भाषाएं भी अच्छी संख्या में बोली जाती हैं। तेलुगु बोलने वालों की संख्या (मातृभाषा के रूप में 8.11 करोड़) अन्य सभी द्रविड़ भाषाओं में सबसे अधिक है, जिससे यह राष्ट्रीय स्तर पर चौथी सबसे बड़ी भाषा बन जाती है। इन प्रमुख भाषाओं के अलावा, तटीय क्षेत्रों में तुलू और कोंकणी जैसी अन्य द्रविड़ और इंडो-आर्यन भाषाएं भी बोली जाती हैं।

बड़े शहरी केंद्रों में, हिंदी और अंग्रेजी का प्रयोग भी व्यापक रूप से होता है। संक्षेप में, दक्षिण भारत की भाषाएं इस क्षेत्र की संस्कृति और इतिहास की अमूल्य निधि हैं, जो न केवल संचार का माध्यम हैं, बल्कि एक समृद्ध साहित्यिक विरासत को भी दर्शाती हैं। भाषा केवल संवाद का माध्यम नहीं होती, बल्कि समाज की संस्कृति, पहचान और परंपरा की वाहक होती है। यह राष्ट्र की आत्मा को जोड़ती है और उसकी विरासत को सुरक्षित रखती है। भारत जैसे बहुभाषी देश में, राष्ट्रीय एकता और सांस्कृतिक समन्वय बनाए रखने के लिए एक सर्वमान्य भाषा की आवश्यकता अनुभव की गई। इसी संदर्भ में हिंदी का प्रचार एक राष्ट्रीय आंदोलन के रूप में उभरा।

राष्ट्रपिता महात्मा गांधी जब 1915 में दक्षिण अफ्रीका से भारत लौटे, तब उन्होंने पूरे देश का भ्रमण किया। इस यात्रा के दौरान उन्होंने यह अनुभव किया कि भारत के अनेक क्षेत्रों, विशेषकर दक्षिण भारत में, अंग्रेज़ी का प्रभाव बढ़ता जा रहा है। इससे भारतीय भाषाओं, विशेषकर हिंदी के प्रति लोगों का आकर्षण घटने लगा था। गांधीजी का मानना था कि यदि कोई भाषा कमजोर पड़ती है, तो उसका प्रभाव उस भाषा के समाज, इतिहास और चिंतन पर भी पड़ता है। इसी चिंता से प्रेरित होकर उन्होंने दक्षिण भारत में हिंदी के प्रचार का संकल्प लिया। उनका स्पष्ट विचार था कि जब तक हम हिंदी को राष्ट्रभाषा और प्रांतीय भाषाओं को उनके उचित स्थान पर नहीं प्रतिष्ठित करेंगे, तब तक स्वराज्य की भावना अधूरी रहेगी। गांधीजी ने मातृभाषा के अनादर को 'मां के अनादर' के समान बताया और भारतीय भाषाओं को सम्मान दिलाने के लिए स्वयं आगे आए।

1918 में गांधीजी ने इंदौर में हुए हिंदी साहित्य सम्मेलन (स्थापना: 1910) के वार्षिक अधिवेशन की अध्यक्षता की। यहीं से हिंदी को राष्ट्रभाषा के रूप में दक्षिण भारत में प्रचारित करने की दिशा में संगठित प्रयास आरंभ हुआ। गांधीजी का उद्देश्य केवल भाषा सिखाना नहीं था, बल्कि हिंदी को भारत के विभिन्न प्रांतों के बीच संपर्क भाषा बनाना था। इसके माध्यम से वे राष्ट्रीय एकता, सांस्कृतिक आदान-प्रदान और परस्पर समझ को सुदृढ़ करना चाहते थे।

स्वामी-रुहेलखंड इंटरप्राइजेज के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक त्रिनाथ शुक्ला द्वारा प्लाट नं.-42, निकट बद्री नगर,इंडस्ट्रियल एरिया, नादरगंज, लखनऊ-226008 (उ.प्र.) से मुद्रित एवं 117/एल/320-ए, नवीन नगर काकादेव, कानपुर नगर 208001 (उ.प्र.) से प्रकाशित। **संपादक- राजेश श्रीनेत, कार्यकारी संपादक- दिग्विजय सिंह***
0512-2548300 (कार्यालय), ईमेल- editorschoice@amritvichar.com, आर.एन.आई नं0-UPHIN/2022/85730 *इस अंक में प्रकाशित समाचार के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट की धारा 7 के अंतर्गत उत्तरदायी।(नोट-सभी विवादों का न्यायक्षेत्र कानपुर होगा)।

न्यूज ब्रीफ

हादसे में अधेड़ की मौत, शिनाख्त नहीं

कुलपहाड़। कोतवाली क्षेत्र के लाड़पुर गांव के पास शुक्रवार की रात वाहन की टक्कर से अधेड़ गंभीर रूप से घायल हो गया। पुलिस ने जिला अस्पताल में भर्ती कराया, जहां उसकी मौत हो गई। शुक्रवार देर रात्रि तेज रफ्तार वाहन की टक्कर का शिकार हुए 55 वर्षीय अधेड़ व्यक्ति की शिनाख्त नहीं हो सकी है। पुलिस ने पहले घायल को कुलपहाड़ पहुंचाया, जहां हालत गंभीर होने पर उसे जिला अस्पताल रेफर किया गया, जहां पर उपचार दौरान उसकी मौत हो गई। पहचान न होने के कारण पुलिस ने शव को मोर्चरी में सुरक्षित रखवा दिया है और शिनाख्त कर मामले की जांच पड़ताल में जुटी गई है।

किशोरी से छेड़खानी आरोपी हिरासत में

कालपी (जालौन)। नववर्ष पर घर से मंदिर के लिए निकली किशोरी के साथ पडोसी युवक ने छेड़खानी की। पिता की ओर से दर्ज कराई रिपोर्ट के अनुसार 15 वर्षीय पुत्री मानसिक रूप से कमजोर है, जो कभी कभार बिना बताए घर से निकल जाती है और फिर वापस आ जाती है। वह नववर्ष पर निकली थी, तभी मोहल्ले के आदित्य यादव पुत्र रूप सिंह ने छेड़खानी की। बेटी ने घर लौटकर मां-बाप को जानकारी दी। कोतवाली प्रभारी अजय ब्रह्म तिवारी का कहना है कि किशोरी मानसिक रूप से कमजोर है, इसलिए उसे आरोपी युवक की पहचान बताने में समय लगा। पहचान होने के बाद युवक के खिलाफ छेड़छाड़ व पॉक्सो एक्ट सहित बीएनएस की धाराओं में मामला दर्ज कर आरोपी युवक को हिरासत में लिया गया है।

ओटीएस में 1200 लोगों ने कराया पंजीकरण

कालपी (जालौन)। विद्युत बिल राहत योजना का पहला चरण शनिवार को समाप्त हो गया। महज 1200 पंजीयन हो सके। राहत योजना में ब्याज में शत प्रतिशत माफी के साथ 31 दिसम्बर तक एकमुश्त जमा करने पर मूलधन में भी 25 प्रतिशत छूट का भी लाभ मिलना था, जिसे तीन दिन बढ़ाया गया था, जिसकी समय सीमा शनिवार को समाप्त हो गई। एसडीओ धर्मेन्द्र सिंह सचान के अनुसार उपखंड क्षेत्र में राहत योजना के दायरे में नौ हजार से अधिक उपभोक्ता हैं जिनके पंजीकरण के लिए जगह-जगह कैम्प लगाए जा रहे हैं। शनिवार को पिपरौंधा गांव में शिविर लगाया गया। इसमें भी उपभोक्ताओं ने कोई खास दिलचस्पी नहीं दिखाई। जेई सत्यप्रकाश, नवीन सचान के मुताबिक प्रतिदिन गांवों और नगरों में शिविर आयोजित हो रहे हैं लेकिन अपेक्षित परिणाम नहीं आ रहे हैं। रविवार से योजना का दूसरा चरण शुरू होगा। इसमें सरचार्ज के साथ मूलधन का 20 प्रतिशत माफ होगा।

बाल विवाह नहीं करने की दिलाई गई शपथ

महोबा। डीएम गजल भारद्वाज के निर्देश पर जिला प्रोबेशन अधिकारी के नेतृत्व पर मिशन शक्ति अभियान के तहत शहर के बस स्टैंड, रेलवे स्टेशन में बाल विवाह मुक्त भारत अभियान चलाया गया। प्रमुख मार्गों पर जागरूकता रैली निकाली गई। बाल विवाह जैसी कुरीतियों को समाप्त किए जाने के लिए लोगों को शपथ दिलाई गई। कार्यक्रम में महिला कल्याण विभाग की संरक्षण अधिकारी संगीता राजपूत ने बताया कि बाल विवाह प्रतिषेध अधिनियम 2006 के अंतर्गत लड़की की शादी की उम्र 18 वर्ष और लड़के की शादी की उम्र 21 वर्ष है और अगर इससे कम उम्र में शादी होती है तो वह बाल विवाह की श्रेणी में आता है। कहा कि इस अधिनियम का उल्लंघन करने पर 2 साल तक की कैद और 1 लाख रुपये तक के जुर्माने का प्रावधान है, यह एक गैर जमानती और संज्ञेय अपराध है।

प्रशिक्षण: बेटियां सीख रहीं सिलाई का हुनर

कार्यालय संवाददाता, महोबा

अमृत विचार। कुलपहाड़ तहसील के अजनर गांव के सुखानंद हाईस्कूल में कबीर फाउंडेशन के तत्वावधान में महिला कौशल विकास कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यहां बेटियों को आत्म निर्भर बनाने के लिए सिलाई का प्रशिक्षण दिया जाएगा, जिससे वह स्वयं का रोजगार कर अपनी आजीविका चला सके।

वरिष्ठ आईपीएस अधिकारी मृणालिनी श्रीवास्तव ने बताया कि यह प्रशिक्षण बालिकाओं को आर्थिक सशक्तिकरण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। उन्होंने कहा कि महिलाओं को सिलाई प्रशिक्षण देकर आत्मनिर्भर बनाने के अभियान से उन्हें आर्थिक स्वतंत्रता मिलती है, जिससे वे घर बैठे आय अर्जित कर सकती हैं, आत्मविश्वास बढ़ता है, और लैंगिक असमानता व गरीबी के दुष्चक्र को तोड़ने में मदद मिलेगी। फाउंडेशन के जिला संचालक

प्रशिक्षण सत्र में सिलाई करतीं बालिकाएं।

- **कबीर फाउंडेशन की ओर से अजनर में चल रहा प्रशिक्षण**

कालका प्रसाद गुप्ता ने बताया कि प्रशिक्षण शिविर में 50 रजिस्ट्रेशन हुए हैं, जिनका प्रशिक्षण भी शुरू कर दिया गया है। अप्रैल में सिलाई का दूसरा बैच शुरू किया जाएगा। इसके बाद कंप्यूटर शिक्षा के दो बैच संचालित किए जाएंगे, यहां अध्यक्ष फूल सिंह तोमर, उप प्रबंधक सुरेश पाठक, धर्मपाल राजपूत, आलोक नगरिया, पूर्व प्रधानाचार्य बृजगोपाल सिंह, प्रशिक्षक घनश्याम नामदेव, विद्यालय के प्रधानाचार्य अमर सिंह आदि लोग मौजूद रहे।

उत्साह से मनी हजरत अली की यौम-ए पैदाइश

कार्यालय संवाददाता, महोबा

अमृत विचार। हजरत अली की यौम-ए पैदाइश जोशो-खरोश और उत्साह के साथ मनाई गई। यौम-ए-पैदाइश पर शहर में दो दर्जन से ज्यादा स्थानों पर स्टाल लगाकर राहगीरों को चाय, पानी, हलवा, दूध, जलेबी का वितरण किया गया। शहर के सुभाष चौकी चौराहे पर खादिमाने हुसैन कार्यकारिणी समिति की ओर से कार्यक्रम हुआ, जहां अधिकारियों और धर्म गुरुओं ने हजरत अली के जीवन पर प्रकाश डालते हुए उनके बताए रास्ते पर चलने का आह्वान किया।

शनिवार को सुभाष चौक, ऊदल चौक, आल्हा चौक, जुमा बाजार, रेलवे स्टेशन तिराहा, हवेली दरवाजा, मकनियापुरा, भटीपुरा, चौसियापुरा, मदीना मस्जिद चौराहा, लवकुश नगर तिराहा सहित दो दर्जन से अधिक स्थानों पर स्टाल लगाकर लोगों को मिष्ठान के साथ साथ हलवा, बिरयानी, चाय-पानी, बिस्किट आदि वितरित किया।

सुभाष चौकी चौराहे पर आयोजित कार्यक्रम में मौजूद धर्मगुरु। अमृत विचार

स्टाल लगाकर हलवा वितरित करते लोग। अमृत विचार

- **शहर में दो दर्जन स्थानों पर स्टाल लगाकर चाय पिलाई गई**
- **राहगीरों को बिरयानी के साथ बांटी गई हलवा और जलेबी**

हवेली दरवाजा में मशीन लगाकर राहगीरों को काफी पिलाई गई। स्टालों के पास डीजे पर नातिया कलाम बजते रहे। यौम-ए-पैदाइश का लोगों में खासा उत्साह दिखा।

सुभाष चौकी चौराहे पर आयोजित कार्यक्रम में काजी-ए शहर मौलाना आफाक हुसैन ने कहा कि मौला अली ने कुबूल किया जो नबी की बारगाह का मकबूल हुआ और जो मौला अली से अलग हुआ वो नबी की बारगाह से मरदूद हुआ। नबी की बारगाह में पहुंचने के लिए अली की गुलामी जरूरी है। हजरत अली के मर्तबे का क्या कहना उनकी पैदाइश ही हरम-ए-काबा में हुई। शहरकाजी ने कहा कि नबी की नींद पर नमाज-ए-असर कुर्बान कर दी और नबी ने उनकी नमाज को अदा करने के लिए डूबा हुआ सूरज वापस किया। जलसे के बाद लंगर वितरित किया गया। सदर उप जिलाधिकारी शिवध्यान पांडेय ने कहा कि हजरत अली ने आपसी भाईचारे का संदेश दिया, हम सभी को उसके बताए रास्ते पर चलना चाहिए। समिति के अध्यक्ष अलताफ हुसैन ने कहा कि हजरत अली पैगम्बर मुहम्मद के चचाजाद भाई और दामाद थे। इन्हें मुसलमानों के खलीफा के तौर पर जाना जाता है। हजरत अली का जन्म मक्का में हुआ था। इनका निकाह हजरत पैगम्बर मोहम्मद की बेटी फातिमा से हुआ था। इनके बेटे हुसैन ने कर्बला की लड़ाई में भूखे-प्यासे रहकर बताया कि जेहाद किसे कहते हैं। नियाज मोहम्मद ने कहा कि हजरत अली ने दुनिया को इंसानियत का पैगाम दिया। उन्होंने सिखाया कि दुश्मन से भी प्यार करो, ताकि वो दोस्त बन जाए। यहां मनोज तिवारी, किशियन धर्म गुरु राजेंद्र, धीरेंद्र शास्त्री, दाऊ तिवारी, शिवकुमार गोस्वामी, रामजी गुप्ता, मनु गुप्ता, अब्दुल हादी, जाहिद काजी, सईद लम्बरदार, इरफान, बब्लू लम्बरदार आदि मौजूद रहे।

शोभायात्रा में करतबों के साथ घोड़ों का नृत्य

पूरे उत्साह के साथ मनाया गया गुरु गोविंद सिंह का प्रकाश उत्सव, बैंडबाजों के साथ सबद-कीर्तन की धूम

शोभायात्रा में आगे चलते पंचप्यारे। अमृत विचार

शोभायात्रा के मार्ग पर झाड़ू लगातीं महिलाएं। अमृत विचार

शोभायात्रा के दौरान अखाड़ों ने करतब दिखाए। अमृत विचार

कार्यालय संवाददाता, महोबा

अमृत विचार। जिले में सिख समुदाय के दसवें गुरु गोविंद सिंह का 359वां प्रकाश उत्सव धूमधाम से मनाया गया। गुरुद्वारा में श्रीगुरु ग्रंथ साहिब के पाठ का आयोजन किया गया। इसके बाद गुरुद्वारा में सत्संग सभा, सबद-कीर्तन के साथ अन्य कार्यक्रम चलते रहे। शोभायात्रा में महिलाओं के साथ साथ पुरुषों और बच्चों ने भाग लिया। पुष्पांजलि कार्यक्रम में गुरु गोविंद सिंह के बताए रास्ते पर चलने का संकल्प लिया गया। अरदास के बाद लंगर का आयोजन हुआ। डीजे, बैंडबाजों के साथ शोभायात्रा निकाली गई, जो शहर के प्रमुख चौराहों और मार्गों से होते हुए पुनः गुरुद्वारा में आकर समाप्त हुई।

गुरुद्वारा परिसर से अपराह्न तीन बजे गुरुद्वारा प्रबंध समिति के सदस्य सरदार जसपाल सिंह, सरदार पप्पू सिंह के नेतृत्व में शोभायात्रा निकाली गई। शोभायात्रा डीजे और बैंडबाजों के साथ आल्हा चौक, तहसील चौराहा, सराफा चौराहा, मेन बाजार, ऊदल चौक होते हुए देर शाम गुरुद्वारा पहुंचकर समाप्त हुई। शोभायात्रा में आगे युवाओं के साथ अश्व नृत्य करते चल रहे थे, तो पीछे महिलाएं सबद-कीर्तन करती चल रही थीं। पंच प्यारे हाथ में तलवार लिए पैदल आगे चल रहे थे। पंच प्यारों के पैर में कंकड़ व अन्य चुभनशील वस्तु न लग सके, इस उद्देश्य से महिलाएं नंगे पैर झाड़ू लगाती चल रही थी। शोभायात्रा में जो बोले सो निहाल, सत श्री अकाल, वाहे गुरुजी की खालसा, वाहे गुरुजी की फतेह जैसे उद्घोष गूंज रहे थे।

शोभायात्रा में पंजाब से आए जत्थों ने अखाड़े में तलवारबाजी के हैरतअंगेज करतब दिखाए, जिसे देखने के लिए सड़कों के दोनों तरफ भारी भीड़ रही। प्रकाश उत्सव के मौके पर एमएलसी जितेंद्र सिंह सेंगर ने कहा कि हम सभी को गुरु गोविंद सिंह ने सच्चाई का रास्ता दिखाया है, हमें उनके बताए गए रास्ते पर चलना चाहिए। इस मौके पर डीएवी इंटर कालेज के पूर्व प्रधानाचार्य शिवकुमार गोस्वामी, आल्हा परिषद के अध्यक्ष दाऊ तिवारी, आशीष अवस्थी, डॉ. ज्ञानेश्वर अवस्थी, संतोष कुमार पटैरिया आदि वक्ताओं ने विचार व्यक्त किए। गुरुद्वारा में जुटी भारी भीड़ को समिति के लोगों ने बैठाकर लंगर खिलाया और राह चलते लोगों को भी लंगर वितरित किया गया। शोभायात्रा के दौरान सुरक्षा की दृष्टि से पुलिस बल तैनात रहा।

शोभायात्रा का जगह-जगह स्वागत

- शहर में शोभायात्रा का जगह-जगह जोरदार स्वागत किया गया। हिन्दू, मुस्लिम भाईयों ने चाय, पानी, मिठाई, कॉफी वितरित की। सिख समुदाय के लोगों में विशेष उत्साह दिखा। शोभायात्रा में शामिल लोगों को चाय-काफी पिलाने के लिए टीमें लगी रहीं। शनिवार को दोपहर बाद धूप निकलने से उत्साह दोगुना हो गया। व्यापारियों ने जल, फल और मिठाई से शोभायात्रा का स्वागत किया। शोभायात्रा के दौरान आल्हा चौक से गुरुद्वारा तक वनवे कर दिया गया था।

पंजाब के जत्थे ने मचाई धूम

- प्रकाश पर्व पर पंजाब से आए जत्थे ने सुबह गुरुद्वारा में सबद-कीर्तन किया, जहां सिख समुदाय के लोगों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। सुबह से ही गुरुद्वारा में माथा टेकने वालों का तांता लगा रहा। सुबह छह बजे घने कोहरे के बीच बच्चों ने प्रभातफेरी निकाली, जो शहर के आल्हा चौक, जीजीआईसी तिराहा, तहसील चौराहा होते हुए गुरुद्वारा परिसर में समाप्त हुई। प्रभातफेरी के दौरान बच्चे हाथ में झंडा लिए हुए चल रहे थे।

पानी डालने पर दो कैदी भिड़े, चबाया

महोबा। जिला उपकारागार में नहाते समय पानी डालने पर दो कैदी भिड़ गए। एक कैदी ने दूसरे के गाल में दांतों से चबा कर घायल कर दिया। शोर सुनकर सुरक्षा कर्मी पहुंचे और दोनों को हटा घायल को जिला अस्पताल में भर्ती कराया।

जिला उपकारागार में 2021 से चोरी के मामले में गैंगस्टर कमलेश सजा काट रहा है, जबकि धारा 307, 308 (गैर इरादतन हत्या) में सिरसीखुर्द गांव निवासी हरिओम तिवारी 2023 से बंद है। शनिवार की सुबह करीब 10 बजे जेल में कैदी नहाने की लाइन लगे थे। इसी दौरान हरिओम ने कमलेश पर पानी डाल दिया। भीषण ठंड में अचानक पानी पड़ने से कमलेश भड़क गया और इसी बात को लेकर दोनों के बीच तीखी बहस शुरू हो गई। फिर दोनों आपस में भिड़ गए। जेल के भीतर हो रही इस झड़प को देखकर अन्य कैदियों में हड़कंप मच गया। इसी बीच, आरोपी हरिओम ने कमलेश के गाल को अपने दांतों से चबा लिया, जिससे कमलेश चिल्ला उठा। गाल से खून बहता देख सुरक्षाकर्मी तुरंत हरकत में आए। दोनों को पकड़कर अलग किया। घायल कमलेश को तत्काल जेल एम्बुलेंस से जिला अस्पताल के इमरजेंसी वार्ड में भर्ती कराया गया।

सप्त शक्ति संगम में नारियों का सम्मान

कार्यालय संवाददाता, महोबा

अमृत विचार। सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कॉलेज में शनिवार को सप्त शक्ति संगम कार्यक्रम में महिला सशक्तिकरण, सामाजिक समरसता और कुटुंब प्रबोधन जैसे विषयों पर चर्चा हुई। मुख्य अतिथि सप्त शक्ति संगम टोली की सदस्य इंदिरा पुरवार रहीं, जबकि अध्यक्षता पूर्व प्रधानाचार्या निर्मला खरे ने की।

शुरुआत में छात्र-छात्राओं ने पर्यावरण संरक्षण, नारी सशक्तिकरण और संयुक्त परिवार पर आधारित लघु नाटिकाएं और सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दीं, जिसे खूब सराहा गया। वक्ताओं ने नारी शक्ति की गरिमा, समाज में उनके योगदान और शिक्षा में उनकी भूमिका पर

सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत करतीं छात्राएं। अमृत विचार

विचार किए। यहां विभिन्न क्षेत्रों में योगदान देने वाली अमर शहीद राकेश चौरसिया की माता शोभारानी चौरसिया, पूर्व प्रधानाचार्या राजेश्वरी द्विवेदी को सम्मानित किया गया। मुख्य अतिथि ने संयुक्त परिवार, बदलते सामाजिक परिदृश्य और टीवी, मोबाइल के प्रभाव पर विस्तृत चर्चा की। उन्होंने कहा कि इंटरनेट युग में माता-पिता को बच्चों के प्रति सजग रहना चाहिए। रामनगर की प्रधानाचार्या आशी सिंह ने महिलाओं को नेतृत्व और पारिवारिक समरसता की दिशा में आगे बढ़ने का संदेश दिया। उन्होंने कहा कि संविधान ने महिलाओं को सशक्त बनाया है। अंत में प्रधानाचार्य कमलेश सिंह ने अतिथियों का आभार जताया।

पौष पूर्णिमा पर गोरखगिरि की लगाई परिक्रमा

कार्यालय संवाददाता, महोबा

अमृत विचार। गुरु गोरखनाथ परिक्रमा समिति की ओर से शनिवार को बर्फीली हवाओं के बीच प्रातः श्रद्धालुओं ने पौष पूर्णिमा पर विश्व शांति के लिए गुरु गोरखनाथ की तपोस्थली गोरखगिरि की पैदल परिक्रमा लगाई। श्रद्धालु राम नाम की धुन व ओम नमः शिवाये उद्घोष के साथ हाथों में धर्मिक ध्वज लेकर चल रहे थे। परिक्रमा के बाद शिव मंदिर में गोष्ठी कर पूर्णिमा के महत्व और श्रीराम, माता सीता व लक्ष्मण वनवास काल दौरान गोखारगिरि आने पर प्रकाश डाला गया।

शिव तांडव मंदिर परिसर में आयोजित गोष्ठी को संबोधित करते हुए समिति प्रमुख डॉ. एलसी

पूर्णिमा पर गोरखगिरि की परिक्रमा लगाते श्रद्धालु। अमृत विचार

अनुरागी ने कहा कि शास्त्रों में कहा गया है कि पौष पूर्णिमा के दिन किए गए स्नान, दान और जप तप का फल कई गुना बढ़ जाता है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार इस दिन गंगा, यमुना, नर्मदा आदि पवित्र नदियों में स्नान करने से जन्म जन्मांतर के पाप नष्ट होते हैं और मन निर्मल होता है। उन्होंने बताया कि चौदह वर्ष के वनवास काल के समय भगवान राम, माता सीता व लक्ष्मण इस पर्वत पर रहे थे, जिसका सीता रसोई व रामकुंड इसके जीवंत प्रमाण है और तभी से यह पर्वत कामदगिरि पर्वत की तरह पुन्य फल प्रदान करने वाला बन गया है। साध्वी सुनीता अनुरागी ने वाल्मीकि रामयण के राम आदर्श गुणों के श्लोक सुनाकर भक्तों को भाव विभोर कर दिया। गोष्ठी में पंडित हरीशंकर नायक ने कहा कि इस पर्वत में गुरू गोरखनाथ तपस्यारत रहे और इस पर्वत के पश्चिम क्षेत्र में गुरू गोरखनाथ के शिष्य दीपकनाथ की चौकी आज भी प्रमाण स्वरुप स्थित है। अधिवक्ता दमुन्नालाल धुरिया ने कहा कि श्रीराम राष्ट्र की आत्मा है, उनके आदर्श अपनाने से राष्ट्र और अधिक मजबूत बनेगा। उन्होंने गोरखगिरि में वर्षा जल को रोकने के लिए चेकडैम निर्माण पर जोर दिया। इस मौके पर ओमप्रकाश, परशुराम अनुरागी, विनोद, पवन चौरसिया, गौरीशंकर आदि लोग मौजूद रहे।

एपीएल टूर्नामेंट | दूसरे सेमीफाइनल मैच में दीपेश ने शिवम क्लब को हरा फाइनल में किया प्रवेश

जेआरपीएस-दीपेश के बीच आज फाइनल मैच

संवाददाता, बेलाताल (महोबा)

अमृत विचार। अजनर के कुरेले मैदान में चल रहे एपीएल क्रिकेट टूर्नामेंट पहले क्वार्टर फाइनल मैच में जेआरपीएस क्लब से हारने के बाद दीपेश क्लब का शिवम क्लब टीम के साथ टूर्नामेंट का आखिरी क्वाटर फाइनल खेला गया। इस मैच में दीपेश क्लब ने तीन ओवर पहले ही दिए गए लक्ष्य को पूरा करते हुए मैच जीत लिया। अब 4 जनवरी को जेआरपीएस क्लब और दीपेश क्लब के मध्य फाइनल मुकाबला होगा।

पिछले एक पखवाड़े से चल रहे एपीएल क्रिकेट टूर्नामेंट के फाइनल से पूर्व आखिरी मुकाबला दीपेश क्लब और शिवक क्लब के बीच

फाइनल में पहुंचने के लिए खिलाड़ियों ने पूरी ताकत लगाई। अमृत विचार

हुआ। आम्पायरों ने दोनो टीमों के कप्तानो को मैदान पर बुलाकर टॉस के लिए सिक्का उछाला, जिसे शिवम टीम के कप्तान ने जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला लिया। निर्धारित 12 ओवर के मैच में शुरुआती बल्लेबाजों ने बल्ले से अच्छा प्रदर्शन किया, लेकिन उसके बाद टीम नौ विकेट पर 73 रन बना सकी। मैच दौरान दशकों की ठंड के बाद भी भारी भीड़ मैदान में मैच देखने के लिए जुटी। दर्शकों ने भी गेंदबाजों और बल्लेबाजों का उत्साह बढ़ाया।

लंच के बाद रणनीति बनाते हुए दीपेश क्लब के कप्तान ने अपने ओपनर जोड़ी को मैदान में पहुंचाया जिन्होंने सावधानी पूर्वक खेलते लक्ष्य का पीछा करान शुरू किया और चार ओवर में 32 रन बनाने के बाद लगातार दो विकेट गवां दिया। इसके बाद बल्लेबाजों से गेंदबाजों का सामान करते हुए नौ ओवर में चार विकेट खोकर 74 रन बनाकर दीपेश क्लब टीम ने मैच में जीतकर फाइनल में प्रवेश किया। बल्लेबाज रवि ने सर्वाधिक 30 रन बनाए जिस पर उन्हें मैन आफ द मैच मिला। इस मैच में माजिद व देवेंद्र यादव ने अम्पायरिंग की, जबकि कमेंट्री राजू व स्कोर धमेंद्र ने लिखा।

खुले में फेंका गोवंश का शव, हड़कंप

कालपी (जालौन)। महेवा ब्लॉक के गुढा खास में गोवंश का शव खुले में पड़ा होने की सूचना पर हड़कंप मच गया। पशु चिकित्सक और पंचायत सचिव ने दफन कराया।

पिछले दिनों मटरा गांव में गोवंशों के शवों को कुत्ते नोच रहे थे। एसडीएम मनोज कुमार सिंह ने जांच कर पशु चिकित्सक, पंचायत सचिव तथा प्रधान के खिलाफ कार्रवाई की संस्तुति की थी लेकिन गौशाला संचालक संवेदनशील नहीं हुए। शनिवार सुबह महेवा ब्लॉक के गुढा खास गोशाला में मरी गाय को खुले में फेंक दिया। गांव के युवाओं ने वीडियो वायरल कर दिया। मामला सामने आते ही पशु चिकित्सक, पंचायत सचिव ने उसे सम्मान पूर्वक दफन कर दिया है।

समय-समय पर वाहनों की कराएं जांच

संवाददाता, कालपी (जालौन)

अमृत विचार। सड़क सुरक्षा माह के तीसरे दिन शनिवार को उरई-बारा परियोजना द्वारा जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। तीसरे दिन उरई-बारा परियोजना की टीम द्वारा टोल प्लाजा पर विशेष सड़क सुरक्षा जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में सभी प्रकार के वाहन चालकों एवं स्थानीय नागरिकों को सड़क सुरक्षा नियमों के प्रति जागरूक किया। कार्यक्रम के दौरान टोल प्लाजा से गुजरने वाले सभी वाहनों की जांच की गई। वाहन चालकों को निःशुल्क हवा भरने एवं ग्रीसिंग की सुविधा प्रदान की गई। इससे वाहन चालक समय-समय पर अपने वाहनों की जांच एवं

उरई-बारा टोल प्लाजा पर सड़क सुरक्षा माह के तहत जागरूक करती टीम।

रखरखाव के प्रति जागरूक रहें। इसके अतिरिक्त स्थानीय लोगों एवं वाहन चालकों को सड़क सुरक्षा से संबंधित पंपलेट वितरित किए गए तथा सुरक्षित यातायात के महत्व के बारे में जानकारी दी गई।

इस अवसर पर उरई-बारा परियोजना प्रमुख उत्तम सिंह एवं उनकी टीम द्वारा कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए मार्गदर्शन एवं सहयोग प्रदान किया गया। अधिकारियों ने वाहन चालकों से यातायात नियमों का पालन करने, वाहन की नियमित जांच कराने तथा सुरक्षित एवं जिम्मेदाराना ड्राइविंग करने की अपील की।

तमिलनाडु सरकारी कर्मियों के लिए नई पेंशन योजना

चेन्नई। तमिलनाडु में सरकारी कर्मचारियों और शिक्षकों की मांग को पूरा करते हुए मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने शनिवार को नई योजना तमिलनाडु सुनिश्चित पेंशन की घोषणा की, जो पुरानी पेंशन योजना (ओपीएस) के लाभ प्रदान करेगी। सरकार ने कहा कि सरकारी कर्मचारियों को मिले अंतिम वेतन का 50% हिस्सा सुनिश्चित पेंशन के रूप में दिया जाएगा। इसके लिए राज्य सरकार कर्मचारियों के 10 प्रतिशत योगदान के साथ ही पेंशन फंड में जरूरी अतिरिक्त धनराशि देगी।

अमृत विचार

कानपुर, रविवार, 4 जनवरी 2026

www.amritvichar.com

कारोबार

बिजनेस ब्रीफ

फोप ग्रेफाइट लाइसेंस को ओआईएल से समझौता

ईटानगर। ओआईएल इंडिया लिमिटेड ने अरुणाचल के याजाली सर्कल में फोप ग्रेफाइट और वेनेडियम ब्लॉक के लिए समग्र लाइसेंस समझौता किया। यह समझौता गुरुवार को केयी पन्योअर जिले स्थित खनिज ब्लॉक के लिए राज्य के भूविज्ञान और खनन सचिव एके सिंह, ओआईएल के मुख्य महाप्रबंधक रघुनाथ मिश्रा और हिमालय अध्ययन एवं पृथ्वी विज्ञान केंद्र (सीईएसएचएस) के निदेशक ताना टैगे की उपस्थिति में किया गया। समझौते के तहत सीईएसएचएस परियोजना में 10% हिस्सेदारी के साथ शामिल होगा। सीईएसएचएस प्रारंभिक और अन्वेषणात्मक सर्वेक्षण कार्य में सहायता करेगा और स्थानीय समुदायों और अधिकारियों के साथ समन्वय सुनिश्चित करने में योगदान देगा ताकि अन्वेषण गतिविधियां चल सकें।

24 घंटे संचालित होगा सिंधुदुर्ग हवाई अड्डा

मुंबई। महाराष्ट्र के कोंकण क्षेत्र में स्थित सिंधुदुर्ग हवाई अड्डे को विमानन सुरक्षा नियामक डीजीसीए (डीजीसीए) से 24 घंटे संचालन की मंजूरी मिली है, जिसमें कम दृश्यता और प्रतिकूल मौसम की स्थितियां भी हैं। आईआरबी इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपर्स नेयह जानकारी दी। आईआरबी इंफ्रास्ट्रक्चर द्वारा संचालित इस हवाई अड्डे ने अक्टूबर 2021 में व्यावसायिक परिचालन शुरू किया था। आईआरबी सिंधुदुर्ग हवाई अड्डे के मुख्य सलाहकार और प्रमुख जय एस सदाना ने कहा कि 24 घंटे सभी मौसमों में संचालन की मंजूरी हवाई अड्डे की विश्वसनीयता और परिचालन क्षमता को काफी बढ़ाती है।

पुडुचेरी से सप्ताह में 14 उड़ानें भरेगा इंडिगो

चेन्नई। इंडिगो ने पुडुचेरी में सेवाओं को मजबूत करते हुए सप्ताह में 14 उड़ानें संचालित करेगा, जिससे क्षेत्रीय, संपर्क में सुधार हुआ है। शनिवार को एयरलाइन ने बताया कि बेहतर हवाई संपर्क ने पुडुचेरी के कई क्षेत्रों के विकास को बढ़ावा दिया है। बैंगलोर और हैदराबाद तक आसान पहुंच ने निवासियों को विशेषीकृत स्वास्थ्य सेवा और उच्च शिक्षा के लिए अधिक कुशल यात्रा करने में मदद की है। इंडिगो ने 20 दिसंबर 2024 से पुडुचेरी से संचालन शुरू किया था और केंद्र शासित प्रदेश में एक साल पूरा कर लिया है।

गिग व्यवस्था से डिलीवरी कर्मियों पर दबाव नहीं

लचीले कार्य घंटे और कल्याणकारी सुविधाओं के कारण गिग कार्य आय का भरोसेमंद साधन

- कामकाजी परिस्थितियों पर जारी बहस के बीच एटरनल के संस्थापक गोयल ने की टिप्पणी
- जोमैटो-ब्लिंकिट ने डिलीवरी सहयोगियों के लिए बीमा सुरक्षा पर 100 करोड़ किए खर्च

नई दिल्ली, एजेंसी

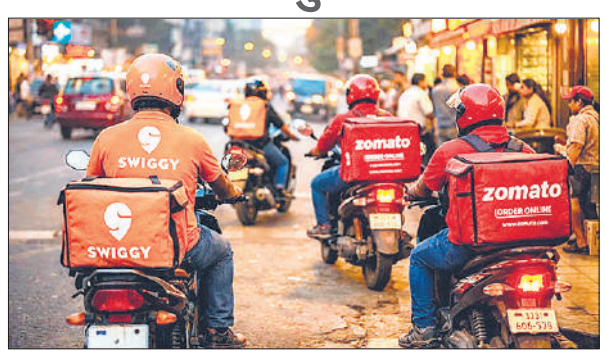

गिग कर्मचारियों की कमाई और कामकाजी परिस्थितियों को लेकर जारी बहस के बीच एटरनल के संस्थापक और मुख्य कार्यपालक अधिकारी दीपिंदर गोयल ने कहा कि यह व्यवस्था डिलीवरी करने वाले कर्मियों पर दबाव नहीं डालती तथा लचीले कार्य घंटे और कल्याणकारी सुविधाएं गिग कार्य को अनेक लोगों के लिए आय का भरोसेमंद साधन बनाती हैं।

एटर्नल के पास खाद्य आपूर्ति कंपनी जोमैटो और क्विक-कॉमर्स फर्म ब्लिंकिट का स्वामित्व है। गोयल की यह टिप्पणी ऐसे समय आई है जब गिग कर्मियों के संगठन बेहतर भुगतान और कार्य परिस्थितियों की मांग को लेकर प्रदर्शन कर रहे हैं। गोयल ने एक्स पर लिखा कि वर्ष 2025 में जोमैटो और ब्लिंकिट ने डिलीवरी करने वाले सहयोगियों के लिए बीमा सुरक्षा पर 100 करोड़ रुपये से अधिक खर्च किए। 2025 में जोमैटो पर एक डिलीवरी सहयोगी की औसत प्रति घंटे की कमाई (उपदान को छोड़कर) 102 रुपये रही, जबकि वर्ष 2024 में यह 92 रुपये थी। यह वार्षिक आधार पर 10.9 प्रतिशत की वृद्धि है। उन्होंने दावा किया कि 10 मिनट में सामान पहुंचाने का वादा गिग कर्मियों पर कोई अतिरिक्त दबाव नहीं डालता। गोयल ने कहा कि लचीले कार्य समय और कल्याणकारी सुविधाएं गिग कार्य को अनेक लोगों के लिए आय का विश्वसनीय स्रोत बनाती हैं। हालांकि, उनकी इन टिप्पणियों पर सामाजिक माध्यमों पर मिली-जुली प्रतिक्रिया देखने को मिली।

कई उपयोगकर्ताओं ने आरोप लगाया कि 10 मिनट की समय सीमा पूरी करने के लिए गिग कर्मी तेज और लापरवाही से वाहन चलाते हैं तथा यातायात नियमों का उल्लंघन करते हैं। गिग एवं मंच आधारित सेवा कर्मी संघ ने पिछले महीने श्रम एवं रोजगार मंत्री मनसुख मांडविया को पत्र लिखकर कई मुद्दे उठाए थे। इनमें प्रमुख मांग कर्मियों की सुरक्षा को प्राथमिकता देते हुए 10 से 20 मिनट में वस्तु पहुंचाने की अनिवार्यता को तत्काल समाप्त करने की थी।

गोयल ने भारत की गिग अर्थव्यवस्था के लिए कम नियमन की भी पैरवी की और कहा कि इससे अंततः अधिक लोगों को संगठित कार्यबल में लाने में मदद मिलेगी। उन्होंने कहा कि हमारे मंच पर डिलीवरी करने वाले कर्मचारियों से अत्यधिक काम नहीं कराया जाता। 2025 में जोमैटो पर एक औसत डिलीवरी कर्मियों ने पूरे वर्ष में 38 दिन और प्रति कार्य दिवस सात घंटे काम किया। यह तय समय सारिणी के बजाय वास्तविक गिग-शैली की भागीदारी को दर्शाता है। केवल 2.3% सहयोगियों ने वर्ष में 250 दिनों से अधिक कार्य किया। गिग भूमिकाओं के लिए भविष्य निधि या सुनिश्चित वेतन जैसे पूर्णकालिक कर्मचारी लाभों की मांग इस व्यवस्था के अनुरूप नहीं है।

माह में कुछ दिन व कुछ घंटे ही करते हैं कार्य कर्मचारी

एटरनल के संस्थापक ने कहा कि अधिकांश डिलीवरी वाले कर्मी महीने में कुछ ही दिनों और कुछ ही घंटों के लिए कार्य करते हैं। उन्होंने कहा कि यदि कोई व्यक्ति प्रतिदिन 10 घंटे और महीने में 26 दिन कार्य करता है, तो उसकी सकल आय 26,500 रुपये प्रतिमाह होती है। ईंधन और रखरखाव पर होने वाले खर्च (20%) घटाने के बाद उसकी शुद्ध आय 21,000 रुपये प्रतिमाह रह जाती है। नवंबर में केंद्र सरकार ने सभी चार श्रम संहिताओं को अधिसूचित किया, जिससे गिग कर्मियों के लिए सार्वभौमिक सामाजिक सुरक्षा कवरेज सहित व्यापक सुधारों का मार्ग प्रशस्त हुआ।

ईवी बैटरियों को आधार संख्या देने का परिवहन मंत्रालय का प्रस्ताव

नई दिल्ली, एजेंसी

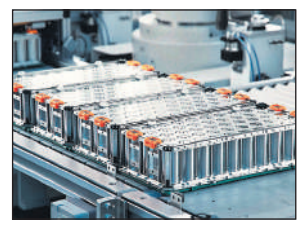

- प्रस्तावित व्यवस्था के तहत बैटरी विनिर्माताओं या आयातकों के लिए बीपीएन होगा अनिवार्य

परिवहन मंत्रालय ने इलेक्ट्रिक वाहनों (ईवी) की बैटरी की संपूर्ण पहचान और प्रभावी पुनर्चक्रण तय करने को उन्हें आधार जैसी अद्वितीय पहचान संख्या देने का प्रस्ताव रखा है। मसौदा दिशा-निर्देशों के अनुसार, प्रस्तावित व्यवस्था के तहत बैटरी विनिर्माताओं या आयातकों के लिए यह अनिवार्य होगा कि वे हर बैटरी को 21 अंकों का बैटरी पैक आधार नंबर (बीपीएन) दें। उन्हें संबंधित बैटरी पैक गतिशील डेटा को बीपीएन के आधिकारिक पोर्टल पर भी अपलोड करना होगा।

बैटरी विनिर्माताओं या आयातकों की जिम्मेदारी होगी कि वे बाजार में लाई जाने वाली हर बैटरी और स्वयं उपयोग में लायी जाने वाली बैटरी को अद्वितीय बीपीएन दें। बीपीएन को स्पष्ट और सुलभ स्थान पर अंकित किया जाना चाहिए और उसका स्थान ऐसा चुना जाना चाहिए कि यह नष्ट या खराब न हो। बीपीएन बैटरी के कच्चे माल से लेकर निर्माण, उपयोग, पुनर्चक्रण या अंतिम निपटान तक की महत्वपूर्ण जानकारी संग्रहित करेगा।

इसका मुख्य उद्देश्य बैटरी उद्योग में पारदर्शिता, जवाबदेही और स्थिरता लाना है। इससे बैटरियों के प्रदर्शन और पर्यावरण पर पड़ने वाले प्रभाव की निगरानी करने में मदद मिलेगी। भारत में लिथियम-आयन बैटरियों की अधिकतर मांग (80–90%) इलेक्ट्रिक वाहनों के लिए है। इसलिए इस योजना में इलेक्ट्रिक वाहन बैटरियों को प्राथमिकता दी जाएगी।

आयातित चाय की जांच करेगा बोर्ड : डिप्टी चेयरमैन

कोलकाता, एजेंसी

- नेपाल और वियतनाम से सस्ती और खराब चाय आने की उद्योग जगत ने की थी शिकायत
- प्रक्रिया के लिए जरूरी आधारभूत संरचना तैयार करने में लगेंगे 15–20 दिन

चाय बोर्ड के डिप्टी चेयरमैन सी मुरुगन ने शनिवार को भरोसा दिलाया कि देश में सस्ती और निम्न गुणवत्ता वाली चाय के आयात को रोकने के लिए आयात की गुणवत्ता का 100 प्रतिशत परीक्षण किया जाएगा। चाय उद्योग ने शिकायत की है कि नेपाल और वियतनाम जैसे देशों से सस्ती और खराब गुणवत्ता वाली चाय देश में आ रही है, जिससे उद्योग को नुकसान हो रहा है।

चाय एसोसिएशन ऑफ इंडिया (टीएआई) की द्विवार्षिक बैठक में मुरुगन ने कहा कि बोर्ड आयात की गुणवत्ता का 100 प्रतिशत परीक्षण करने की प्रक्रिया को औपचारिक रूप दे रहा है। इस प्रक्रिया के लिए आवश्यक आधारभूत संरचना तैयार की जा रही है, जिसमें 15–20 दिन लगेंगे। इसके बाद कानूनी सलाह और वाणिज्य मंत्रालय की मंजूरी ली जाएगी।

मुरुगन ने कहा कि बोर्ड उद्योग में सुविधा प्रदान करेगा और नियंत्रण को आसान बनाएगा। चाय बोर्ड नीलामी प्रणाली में सीधे शामिल नहीं होगा, लेकिन इसे सुगम बनाएगा। साथ ही, भारतीय चाय के प्रचार और विपणन को बढ़ावा देने का प्रयास भी करेगा। चाय विकास और प्रचार योजना के तहत अगले पांच वर्षों में 1,500 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है, जिससे छोटे चाय उत्पादकों को भी लाभ मिलेगा। पश्चिम बंगाल के श्रम सचिव अवनींद्र सिंह ने कहा कि चाय उद्योग कठिन दौर से गुजर रहा है। नेपाल से आयातित सस्ती और निम्न गुणवत्ता वाली चाय दार्जीलिंग चाय उद्योग को नुकसान पहुंचा रही है। उन्होंने उद्योग से अपील की कि बंद चाय बागानों को खरीदकर उन्हें पुनर्जीवित किया जाए और इसमें कामगारों को इक्विटी देकर उनकी भागीदारी सुनिश्चित की जाए। इससे कामगारों में स्वामित्व की भावना विकसित होगी।

खर्च में देरी से राज्यों को होगा नुकसान

नई दिल्ली, एजेंसी

- राज्यों से योजना खर्च में तेजी को केंद्र ने कहा, देरी पर दी चेतावनी
- राज्य कृषि मंत्रियों के साथ केंद्रीय मंत्री चौहान ने की समीक्षा बैठक
- बैठक में उप्र, महाराष्ट्र, राजस्थान उत्तराखंड व मिजोरम शामिल

केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने शनिवार को राज्यों से अपने बजट के रणनीतिक उपयोग का आग्रह किया। साथ ही चेताया कि खर्च में देरी से राज्यों को नुकसान होता है और केंद्र से मिलने वाले कोष को समय पर जारी करने में बाधा आती है।

राज्य कृषि मंत्रियों के साथ समीक्षा बैठक को संबोधित करते हुए चौहान ने कहा कि विभिन्न योजनाओं के लिए आरक्षित धन को मार्च से पहले खर्च करना आवश्यक है, ताकि प्रशासनिक अड़चनों के कारण कार्यक्रमों के क्रियान्वयन में देरी न हो। उन्होंने कहा कि यदि राज्य समय पर अपने बजट का उपयोग नहीं कर पाते हैं, तो इससे उन्हें नुकसान होता है। मंत्री ने बताया कि अक्सर छोटे प्रशासनिक और प्रक्रियागत कारणों से बजट आवंटन में देरी हो जाती है। बैठक में प्रधानमंत्री राष्ट्रीय कृषि विकास योजना (पीएम-आरकेवीवाई) और कृषोन्नति योजना (केवाई) सहित केंद्रीय कृषि योजनाओं की प्रगति और बजट उपयोग की समीक्षा की गई।

चौहान ने पीएम-किसान योजना के तहत पात्र किसानों की शीघ्र सत्यापन, फसल बीमा योजना में कवरेज बढ़ाने और दावों का समय पर निपटान सुनिश्चित करने की जरूरत पर जोर दिया। उन्होंने बीज और उर्वरक की उपलब्धता, संतुलित उपयोग और केंद्र-राज्य समन्वय को मजबूत करने पर भी ध्यान दिलाया। बैठक में उत्तर प्रदेश, महाराष्ट्र, राजस्थान, उत्तराखंड और मिजोरम के कृषि मंत्री, कृषि सचिव देवेश चतुर्वेदी और मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

राष्ट्रीय

बुद्ध के अवशेष देश की विरासत का हिस्सा : मोदी

बुद्ध से जुड़ी वस्तुओं की प्रदर्शनी का प्रधानमंत्री ने किया उद्घाटन

- लाइट एंड लोटस: रेलिक्स ऑफ द अवेकंड वंस नामक प्रदर्शनी को मोदी ने किया संबोधित

नई दिल्ली, एजेंसी

नई दिल्ली में बुद्ध से जुड़ी प्रदर्शनी का अवलोकन करते प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शनिवार को बुद्ध से जुड़ी वस्तुओं की प्रदर्शनी का उद्घाटन किया और कहा कि ये केवल वस्तुएं नहीं हैं बल्कि भारत की वंदनीय विरासत का अटूट हिस्सा हैं। प्रधानमंत्री ने कहा कि पवित्र पिपरहवा अवशेष वियतनाम, थाईलैंड और रूस समेत उन विभिन्न देशों की यात्रा कर चुके हैं जहां बौद्धों की आबादी अधिक है। इन देशों में आस्था और भक्ति की लहरें उठीं तथा लोग बड़ी संख्या में श्रद्धांजलि अर्पित करने के लिए पहुंचे। प्रधानमंत्री ने कहा कि बुद्ध की यह साझा विरासत इस बात का प्रमाण है कि भारत केवल राजनीति, कूटनीति और अर्थव्यवस्था के माध्यम से ही नहीं, बल्कि भावनाओं, आस्था और आध्यात्मिकता के गहरे बंधनों के माध्यम से भी जुड़ा हुआ है।

मोदी दक्षिण दिल्ली के किला राय पिथोरा सांस्कृतिक परिसर में लाइट एंड लोटसः रेलिक्स ऑफ द अवेकंड वंस नामक प्रदर्शनी के उद्घाटन समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने याद दिलाया कि सरकार और गोदरेज समूह के हस्तक्षेप से ये पवित्र अवशेष 125 वर्षों से अधिक समय बाद भारत लाए गए हैं।

मोदी ने कहा कि दोनों ने मिलकर गत वर्ष मई में हांगकांग में इनकी नीलामी रोकी थी। प्रधानमंत्री ने बौद्ध विद्वानों, राजनयिकों और अन्य अतिथियों की उपस्थिति में कहा कि भारत के लिए, बुद्ध के पवित्र अवशेष केवल अवशेष नहीं हैं, बल्कि हमारी वंदनीय विरासत व सभ्यता का एक अटूट हिस्सा हैं। मोदी ने कहा कि भारत न केवल भगवान बुद्ध के पवित्र अवशेषों का संरक्षक है, बल्कि उनकी परंपरा का जीवंत वाहक भी है। प्रधानमंत्री ने कहा कि उनका जन्मस्थान गुजरात का वडनगर बौद्ध अध्ययन का एक बहुत बड़ा केंद्र रहा है और वाराणसी के पास स्थित सारनाथ, जहां भगवान बुद्ध ने अपना पहला उपदेश दिया था, उनकी कर्मभूमि है।

उन्होंने कहा कि भाजपा के नेतृत्व वाली सरकार बनने से पहले, उन्होंने 'जायंट वाइल्ड गूज पैगोडा' तथा मंगोलिया के गांडन मठ की अपनी यात्राओं को याद किया। प्रधानमंत्री ने कहा कि श्रीलंका के अनुराधापुरा में स्थित जया श्री महाबोधि की उनकी यात्रा सम्राट अशोक, भिक्षु महिंदा और संघमित्रा द्वारा स्थापित परंपरा से जुड़ने का एक अनुभव था।

थाईलैंड और सिंगापुर के बुद्ध मंदिर की यात्राओं ने मेरी प्रभाव को और गहरा किया : प्रधानमंत्री

मोदी ने कहा कि थाईलैंड के वाट फो और सिंगापुर के बुद्ध टूथ रेलिक मंदिर की यात्राओं ने बुद्ध की शिक्षाओं के प्रभाव के बारे में उनकी समझ को और गहरा किया। प्रधानमंत्री ने कहा कि उन्होंने बोधिवृक्ष के पौधे विश्व भर के बौद्ध तीर्थ स्थलों तक पहुंचाने का विशेष प्रयास किया। उन्होंने कहा, मानवता के लिए उस गहरे संदेश की कल्पना की जा सकती है जब परमाणु बम से तबाह हुए शहर हिरोशिमा के वनस्पति उद्यान में एक बोधि वृक्ष खड़ा होता है। प्रधानमंत्री ने कहा कि उनकी सरकार यह सुनिश्चित करने के लिए प्रयासरत है कि बौद्ध विरासत स्वाभाविक रूप से अगली पीढ़ियों तक पहुंचे। उन्होंने कहा कि वैश्विक बौद्ध शिखर सम्मेलन और वैशाख एवं आषाढ़ पूर्णिमा जैसे अंतर्राष्ट्रीय आयोजन इसी विचार से प्रेरित हैं। प्रधानमंत्री ने कहा कि उनकी सरकार ने पाली भाषा को शास्त्रीय भाषा का दर्जा दिया है ताकि बुद्ध द्वारा दिए गए उपदेश आम लोगों तक आसानी से पहुंच सकें। धम्म को उसके मूल स्वरूप में समझना और समझाना आसान होगा और बौद्ध से जुड़े शोध को मजबूती मिलेगी। पिपरहवा अवशेष बौद्ध धर्म के पुरातात्विक अध्ययन में केंद्रीय स्थान रखते हैं। ये अवशेष बुद्ध से जुड़े प्राचीन व ऐतिहासिक हैं। पुरातत्वीय के अनुसार, पिपरहवा स्थल प्राचीन कपिलवस्तु जुड़ा था, जिसे उस स्थान के रूप में पहचाना जाता है जहां भगवान बुद्ध ने संन्यास लेने से पहले अपना प्रारंभिक जीवन व्यतीत किया था।

वीबी-जी राम जी अधिनियम को कोर्ट में चुनौती देगी कांग्रेस

नई दिल्ली। कांग्रेस ने शनिवार को कहा कि वह अगले सप्ताह से करीब 45 दिवसीय ''मनरेगा बचाओ संग्राम'' की शुरुआत करेगी और ''विकसित भारत-जी राम जी अधिनियम'' को न्यायालय में चुनौती भी देगी। कांग्रेस के इस अभियान के तहत ग्राम स्तर से लेकर प्रदेश स्तर तक कई कार्यक्रम करने के साथ ही देश के अलग-अलग हिस्सों में चार बड़ी सभाएं आयोजित की जाएंगी।

पार्टी का कहना है कि उसके इस संग्राम का मकसद महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम (मनरेगा) बहाल हो और नए कानून को वापस लिया जाए। संगठन महासचिव केसी वेणुगोपाल ने बताया कि अभियान 10 जनवरी से शुरू होकर 25 फरवरी तक चलेगा। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने आरोप लगाया कि मनरेगा के स्थान पर बनाए गए विकसित भारत-जी राम जी अधिनियम के तहत सिर्फ विनाश भारत और योजना के केंद्रीकरण की गारंटी दी गई है। उन्होंने कहा कि नए कानून को न्यायालय में चुनौती दी जाएगी।

अदालतें जांच पूरी करने को जो समयसीमा तय करती हैं वह नियम नहीं अपवाद है

नई दिल्ली, एजेंसी

- इलाहाबाद हाईकोर्ट के आदेश पर गौर करते हुए सुप्रीम कोर्ट ने की टिप्पणी

सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि अदालतें जांच एजेंसियों के लिए जांच पूरी करने को लेकर समयसीमा एहतियात के तौर पर नहीं, बल्कि तभी तय करती हैं जब जांच में बहुत ज्यादा देरी होने लगे और उससे लोगों को नुकसान होने का खतरा पैदा हो जाए। न्यायमूर्ति संजय करोल और एनके सिंह की पीठ ने ये टिप्पणियां इलाहाबाद हाईकोर्ट के एक आदेश पर गौर करते हुए कीं।

हाईकोर्ट ने उत्तर प्रदेश पुलिस को कथित रूप से दस्तावेजों में हेरफेर कर शस्त्र लाइसेंस प्राप्त करने के मामले में जांच पूरी करने के लिए 90 दिन का समय दिया था और आरोपी को किसी भी प्रकार की दंडात्मक कार्रवाई से संरक्षण दिया था। पीठ ने कहा कि संक्षेप में, समय-सीमाएं तब तय की जाती हैं जब देरी से समस्या पैदा हो रही हो, न कि केवल इस आधार पर कि भविष्य में समस्या हो सकती है। इसने शीर्ष अदालत के पिछले फैसलों का विश्लेषण करते हुए यह भी कहा कि अदालतों ने लगातार यह माना है कि समयबद्ध जांच का निर्देश देना नियम नहीं, बल्कि अपवाद होना चाहिए। शीर्ष अदालत ने कहा कि इसी संवैधानिक परिप्रेक्ष्य में अदालतों ने उपयुक्त मामलों में हस्तक्षेप किया है, जहां जांच में देरी स्वयं ही पूर्वाग्रह या नुकसान का कारण बनने लगती है। इन टिप्पणियों के साथ सुप्रीम कोर्ट ने हाईकोर्ट के आदेश को निरस्त कर दिया।

संदेशखालि में टीएमसी कार्यकर्ता को गिरफ्तार करने पहुंची पुलिस टीम पर भीड़ का हमला

कोलकाता, एजेंसी

- छह पुलिस वाले घायल, ग्रामीणों ने पुलिस वाहन को किया क्षतिग्रस्त
- पंचायत प्रधान समेत दो नेताओं पर लोगों को उकसाने का आरोप

उत्तर 24 परगना जिले के संदेशखालि इलाके में टीएमसी के कार्यकर्ता को गिरफ्तार किए जाने के बाद उग्र भीड़ ने पुलिस पर हमला कर दिया, जिसमें छह पुलिसकर्मी घायल हो गए। अधिकारी के अनुसार, नजात थाने की टीम शुक्रवार रात संदेशखालि ब्लॉक के बोयरमारी गांव में टीएमसी कार्यकर्ता मूसा मोल्ला को गिरफ्तार करने गई थी। ग्रामीणों के समूह ने पुलिसकर्मियों पर हमला कर दिया और पुलिस वाहन को भी क्षतिग्रस्त कर दिया।

अधिकारी ने कहा कि जब पुलिसकर्मी मोल्ला को उसके घर से हिरासत में लेकर पुलिस वाहन में बिठा रहे थे, उसी समय ग्रामीणों के समूह ने पथराव कर दिया। मोल्ला को जलाशयों पर कब्जा के आरोप में गिरफ्तार किया गया। ग्राम पंचायत प्रधान समेत टीएमसी के दो स्थानीय नेताओं को भी भीड़ को उकसाने के आरोप में हिरासत में लिया गया है।

ईडी की टीम पर भी ऐसे ही हुआ था हमला

5 जनवरी 2024 को राशन वितरण घोटाले में टीएमसी के नेता और जिला परिषद के सदस्य शेख शाहजहां के आवास पर छापेमारी करने पहुंची ईडी की टीम पर भी ऐसे ही हमला हुआ था। शाहजहां को बाद में सीबीआई ने गिरफ्तार किया था और वह न्यायिक हिरासत में है। भाजपा नेता सजल घोष ने कहा कि राज्य पुलिस पर हमला मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के शासन में टीएमसी कार्यकर्ताओं के दुस्साहस को दर्शाता है। दो साल पहले ईडी अधिकारियों पर हुआ हमला हो या अब राज्य पुलिस पर हमला... तरीका वही है।

इंदौर पेयजल त्रासदी : अब तक एक छह माह के बच्चे सहित 16 लोगों की मौत

इंदौर। भागीरथपुरा में दूषित पानी पीने से उल्टी-दस्त होने से अब तक 16 लोगों की मौत हो चुकी है। जिलाधिकारी शिवम वर्मा ने शनिवार को बताया कि शहर के 41 अस्पतालों में कुल 203 मरीजों का इलाज जारी है और छह लोगों की मौत हो चुकी है। वहीं, 34 लोग आईसीयू में हैं।

- शहर के 41 अस्पतालों में 203 लोग भर्ती, 34 लोग आईसीयू में

इंदौर के महापौर पुष्यमित्र भार्गव ने बताया था कि दूषित पेयजल से 10 लोगों की मौत होने की उन्हें जानकारी है। स्थानीय लोगों के अनुसार छह माह के एक बच्चे समेत 16 लोगों की मौत हो चुकी है। वहीं दूषित पेयजल से हुई मौत के बाद घर-घर पहुंचने वाले पानी को लेकर लोगों में भय है। पानी के अब भी दूषित होने की आशंकाओं से लोग बाहर से पानी मंगाने को मजबूर हो गए हैं।

जरूरतमंदों तक न्याय पहुंचना चाहिए : सीजेआई

पटना, एजेंसी

- चाणक्य राष्ट्रीय विधि विवि में आयोजित दीक्षांत समारोह को किया संबोधित

भारत के प्रधान न्यायाधीश (सीजेआई) सूर्यकांत ने शनिवार को कहा कि कानून प्रणाली में सहानुभूति होना जरूरी है, क्योंकि इसी से एक न्यायपूर्ण समाज और अन्यायपूर्ण समाज में फर्क होता है। उन्होंने कहा कि न्याय सबसे ज्यादा उन लोगों और समुदायों तक पहुंचना चाहिए, जिन्हें इसकी सबसे ज्यादा जरूरत है। सीजेआई ने ये बातें पटना के चाणक्य राष्ट्रीय विधि विवि में आयोजित दीक्षांत समारोह में कहीं।

उन्होंने युवा वकीलों को याद दिलाया कि करियर में मेहनत और जोश होना जरूरी है, लेकिन इसके कारण संवेदनशीलता व नैतिक भावनाओं का नुकसान नहीं होना चाहिए। कई युवा वकील मानते हैं कि सफलता के लिए काम, नियमों और उम्मीदों के प्रति समर्पित होना जरूरी है। कुछ समय के लिए यह जोश जरूरी है, लेकिन इससे मन की संवेदनशीलता नहीं मिटनी चाहिए। अगर कानून आपके जीवन के हर हिस्से पर हावी होता है, तो आप उस सहानुभूति और न्याय के लिए जरूरी समझ खो सकते हैं जो जरूरी है।

न्यायमूर्ति सूर्यकांत ने कहा कि हमारी कानूनी प्रणाली में यही सहानुभूति न्यायपूर्ण समाज को अन्यायपूर्ण समाज से अलग करती है। उन्होंने कहा कि जब आप इस विश्वविद्यालय से विदा होंगे, तो याद रखें कि कानून सिर्फ उन लोगों के लिए नहीं है जो इसे वहन कर सकते हैं, बल्कि उन सभी के लिए है जिन्हें इसकी सख्त जरूरत है। आपके ऊपर यह जिम्मेदारी है कि आप अपनी क्षमताओं का उपयोग लोगों के लाभ के लिए करें। जैसा कि मैं अक्सर कहता हूं, सवाल यह नहीं है कि आपने कानून सीखा है या नहीं, बल्कि यह है कि क्या आप कानून को बेहतर बनाने और न्याय की दिशा उन समुदायों की ओर मोड़ने के लिए तैयार हैं जिन्हें इसकी सबसे ज्यादा जरूरत है। सीजेआई ने बिहार के इतिहास पर कहा कि यह भूमि, तार्किक विचारकों और न्यायशास्त्र के महान चिंतकों की भूमि है और लंबे समय से नीति, तर्क व न्याय का संगम रही है।

वर्ल्ड ब्रीफ

अमेरिका में हेलीकॉप्टर क्रैश, चार की मौत

सुपीरियर। अमेरिका में एरिजोना के पहाड़ी इलाके में एक हेलीकॉप्टर के दुर्घटनाग्रस्त होने से उसमें सवार चार लोगों की मौत हो गई। पिनाल काउंटी शेरिफ कार्यालय ने एक्स पर एक पोस्ट में बताया कि यह दुर्घटना फीनिक्स से लगभग 103 किलोमीटर पूर्व में स्थित टेलीग्राफ कैन्यन के पास शुक्रवार पूर्वाह्न करीब 11 बजे हुई। हेलीकॉप्टर में सवार सभी चार लोगों की मौत हो गई। मृतकों में 59 वर्षीय पायलट, 21 वर्षीय दो महिलाएं और 22 वर्षीय एक अन्य महिला शामिल हैं।

मेक्सिको में आए भूकंप में दो लोगों की मौत

मेक्सिको सिटी। दक्षिणी और मध्य मेक्सिको में शुक्रवार को आए जबरदस्त भूकंप के कारण दो लोगों की मौत हो गई और दर्जनों लोग घायल हुए हैं। मेक्सिको की राष्ट्रीय भूकंप एजेंसी के अनुसार, भूकंप की प्रारंभिक तीव्रता 6.5 थी और इसका केंद्र प्रशांत तट पर स्थित अकापुल्को रिसॉर्ट के नजदीक दक्षिणी प्रांत गुरेरो में सैन मार्कोस शहर के निकट था। भूकंप बाद के 500 से अधिक झटके भी महसूस किए गए। राज्य की नागरिक सुरक्षा एजेंसी ने बताया कि अकापुल्को के आसपास और राज्य के अन्य राजमार्गों में कई स्थानों पर भूस्खलन हुए।

आयरलैंड के पीएम आज चीन पहुंचेंगे

बीजिंग। आयरलैंड के प्रधानमंत्री माइकल मार्टिन रविवार को पांच दिवसीय यात्रा पर चीन पहुंचेंगे और चीनी राष्ट्रपति शी चिनपिंग से मुलाकात करेंगे। चीन के विदेश मंत्रालय ने कहा कि यह 14 वर्षों में किसी आयरिश प्रधानमंत्री की पहली चीन यात्रा होगी। चीन सीमा शुल्क और मानवाधिकार मुद्दों को लेकर यूरोपीय संघ के साथ तनाव के बावजूद उसके विभिन्न सदस्यों के साथ संबंध मजबूत कर रहा है। पिछले साल फ्रांस के राष्ट्रपति एमैनुएल मैक्रों और स्पेन के राजा फेलिप षष्ठम ने चीन की यात्रा की तथा शी जिनपिंग से मुलाकात की।

पूर्व कोरियाई राष्ट्रपति के खिलाफ वारंट

सियोल। दक्षिण कोरिया की अदालत ने शुक्रवार को पूर्व राष्ट्रपति यून सुक योल के खिलाफ सबूतों को नष्ट करने की चिंताओं का हवाला देते हुए एक अतिरिक्त हिरासत वारंट जारी किया। कोर्ट ने एक स्वतंत्र वकील के अनुरोध को स्वीकार कर निर्णय सुनाया। पिछले साल जुलाई में दोबारा हिरासत में लिए गए यून की हिरासत को छह महीने तक और बढ़ाए जाने की उम्मीद है। देश के कानून के अनुसार, हिरासत अवधि अधिकतम छह महीने है लेकिन अदालत इसे बढ़ा सकती है।

शराब सेवन नियम तोड़ने पर एयर इंडिया को दी चेतावनी

- ट्रांसपोर्ट कनाडा ने कहा-रद्द की जा सकती है उड़ान अनुमति

वैंकूवर, एजेंसी

एयर इंडिया के एक पायलट को वैंकूवर अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर उड़ान भरने की तैयारी करते समय गिरफ्तार किए जाने के एक सप्ताह बाद कनाडा की परिवहन एजेंसी ने विमानन कंपनी को चेतावनी दी है कि यदि वह शराब सेवन से संबंधित नियमों का पालन सुनिश्चित नहीं करती है तो उसे दी गई उड़ान संबंधी अनुमति रद्द की जा सकती है।

परिवहन एजेंसी ट्रांसपोर्ट कनाडा ने शुक्रवार को जारी बयान में कहा कि यह घटना 23 दिसंबर को हुई थी और वह एयर इंडिया एवं भारतीय विमानन अधिकारियों के साथ मिलकर यह सुनिश्चित करेगी कि इसके संबंध में उचित कार्रवाई की जाए। रॉयल कनाडियन माउंटेड पुलिस ने बताया कि यह गिरफ्तारी विमानन कंपनी के चालक दल के एक सदस्य से जुड़ी चिंताजनक सूचना मिलने के बाद की गई। पुलिस ने कहा कि मामले की जांच जारी है और फिलहाल कोई अतिरिक्त जानकारी जारी नहीं की जाएगी।

भारतीय रेलवे प्रगति के नित नए सोपान गढ़ रही है। यात्रियों को सुविधा देने के लिए वंदे भारत, हमसफर, राजधानी जैसी सुविधाजनक ट्रेनों के साथ शीघ्र ही बुलेट ट्रेन भी लाने की तैयारी है जिससे यात्रियों को बेहतर सुविधा मिलने के साथ उनका समय भी बचेगा। यही नहीं अब ट्रेनों को पर्यावरण सापेक्ष फ्यूल से संचालित करने की योजना है। अभी तक डीजल, इलेक्ट्रिक इंजनों से चलने वाली ट्रेनें अब हाइड्रोजन से भी संचालित की जाएंगी। कुछ ही दिनों में देश की पहली हाइड्रोजन ट्रेन पटरियों पर दौड़ती-भागती नजर आएगी। इस हाइड्रोजन ट्रेन को पहली बार हरियाणा के जींद से सोनीपत के बीच चलाने की भारतीय रेलवे की योजना है।

हाईड्रोजन ट्रेन

दुनिया में देश का 8वां स्थान

जींद से पानीपत तक चलेगी पहली ट्रेन

देश की पहली हाइड्रोजन ट्रेन जींद से पानीपत के बीच चलेगी। जींद से ही यह ट्रेन 20 जनवरी के बाद सोनीपत के लिए पहली बार रवाना होगी। ट्रेन व हाइड्रोजन प्लांट की टेस्टिंग के लिए लखनऊ से अनुसंधान और विकास संगठन (आरडीएसओ) की टीमें भी जींद पहुंच चुकी हैं। जो उपकरणों आदि की टेस्टिंग के बाद संचालन के लिए हरी झंडी देंगी।

पूरी तरह स्वदेश में विकसित

यह ट्रेन भारत में डिजाइन और विकसित की गई है। ब्रॉड गेज लाइन पर चलने वाली यह दुनिया की सबसे लंबी (10 कोच) और सबसे शक्तिशाली (2400 किलोवाट) हाइड्रोजन ट्रेन होगी। यह एक बार में 2500 यात्रियों को ले जा सकती है। 360 किलो हाइड्रोजन से 180 किलोमीटर तक चल सकती है। दूसरी तरफ डीजल गाड़ी साढ़े चार लीटर में एक किलोमीटर चलती है। इसकी अधिकतम स्पीड 140 किमी प्रति घंटा है। 1,200 हॉर्स पावर यह ट्रेन हाइड्रोजन फ्यूल सेल तकनीक पर आधारित है। इस पर 82 करोड़ रुपये लागत आई है।

मिलेगा नया अनुभव

ट्रेन के कोच चेन्नई स्थित इंटीग्रल कोच फैक्टरी में तैयार किए गए हैं। इसका परीक्षण भी सफलतापूर्वक पूरा हो चुका है। जर्मनी, जापान, दक्षिण कोरिया, कनाडा, फ्रांस, स्वीडन के बाद हाइड्रोजन ट्रेन वाला भारत आठवां देश बन गया है। ट्रेन को इस तरह डिजाइन किया गया है कि यात्रियों को सुविधा, सुरक्षा व बेहतर सफर का नया अनुभव मिल सके। ट्रेन-सेट में दो ड्राइविंग पावर कार हैं। इनमें प्रत्येक की क्षमता 1200 किलोवाट व कुल मिलाकर 2400 किलोवाट शक्ति के साथ 8 यात्री कोच लगाए गए हैं।

मेट्रो की तर्ज पर कोचों में होंगे डिस्प्ले बोर्ड

ट्रेन के कोच मेट्रो की तर्ज पर खुलेंगे और बंद होंगे। पूरी तरह दरवाजे बंद होने के बाद ही ट्रेन स्टेशन छोड़ेगी। बिना आवाज के चलेगी, यात्री आरामदायक सफर का अनुभव करेंगे। सफर के दौरान पंखे, लाइट और एसी की सुविधा। हर कोच में डिस्प्ले होगा। आने वाले स्टेशन के बारे में पहले ही सूचना मिल जाएगी।

प्रदूषण-ईंधन खर्च होगा कम

यह ट्रेन शून्य कार्बन डाइऑक्साइड उत्सर्जन करती है और इसका एकमात्र उत्सर्जन जल वाष्प है। ट्रेन चलने के दौरान केवल पानी और भाप उत्सर्जित करेगी। इंजन में डीजल की जगह फ्यूल मॉल, हाइड्रोजन और ऑक्सीजन डाली जाएगी। ऑक्सीजन की मदद से हाइड्रोजन नियंत्रित ढंग से जलेगी और इससे पैदा होने वाली बिजली लिथियम आयन बैटरी को चार्ज करेगी। इस दौरान धुएं की जगह सिर्फ भाप निकलेगी। ट्रेन से न सिर्फ प्रदूषण कम होगा बल्कि ईंधन खर्च में भी कमी आएगी।

ऑपरेशन सिंदूर : पाकिस्तान ने संघर्ष को रुकवाने का चीन को दिया क्रेडिट

चीन ने किया था दोनों देशों में तनाव कम करने में भूमिका निभाने का दावा

- चीन की पहल को शांति के लिए कुटनीति करार दिया

इस्लामाबाद, एजेंसी

पाकिस्तान ने ऑपरेशन सिंदूर के दौरान नई दिल्ली और इस्लामाबाद के बीच तनाव कम करने में अहम भूमिका निभाने के चीन के दावे का समर्थन किया है। उसने चीन की पहल को अंतर्राष्ट्रीय प्रयासों का हिस्सा बताते हुए इसे शांति के लिए कूटनीति करार दिया है। पाकिस्तान के विदेश कार्यालय के प्रवक्ता ताहिर अंद्राबी ने कहा कि चीनी नेतृत्व लगातार पाकिस्तान के नेतृत्व के साथ संपर्क में था और उसने छह से 10 मई 2025 के बीच और शायद उससे पहले तथा बाद में भी भारतीय नेतृत्व के साथ कुछ बातचीत की थी।

अंद्राबी की यह टिप्पणी चीनी विदेश मंत्री वांग यी के इस दावे के बारे में पूछे गए सवाल के जवाब में आई कि भारत-पाकिस्तान तनाव उन प्रमुख मुद्दों में शामिल था, जिनके समाधान के लिए चीन ने 2025 में मध्यस्थता की थी। अंद्राबी ने कहा कि मेरा मानना है कि सकारात्मक राजनयिक आदान-प्रदान वाली इन वार्ताओं ने क्षेत्र में तनाव घटाने और शांति एवं सुरक्षा बहाल करने में अहम भूमिका निभाई। इसलिए मुझे पूरा यकीन है कि मध्यस्थता के सिलसिले में चीन का दावा बिल्कुल सही है। हालांकि, भारत ने बार-बार दोहराया है कि पिछले साल मई में पाकिस्तान के साथ छिड़ा संघर्ष दोनों देशों की सेनाओं के सैन्य संचालन महानिदेशकों (डीजीएमओ) के बीच हुई सीधी बातचीत के जरिये रुका था। भारत लगातार यह भी कहता आया है कि नई दिल्ली और इस्लामाबाद से जुड़े मामलों में किसी भी तीसरे पक्ष के हस्तक्षेप के लिए कोई जगह नहीं है। अंद्राबी ने मध्यस्थता के चीन के दावे को शांति के लिए कूटनीति बताया। उन्होंने कहा कि यह समृद्धि और सुरक्षा के लिए कूटनीति थी और यह उन तीन-चार दुर्भाग्यपूर्ण दिनों में उस संघर्ष को सुलझाने के लिए किए गए विभिन्न अंतर्राष्ट्रीय प्रयासों में शामिल थी।

भारत ने पाकिस्तान में बनाया था आतंकी ठिकानों को निशाना

चीन के विदेश मंत्री वांग यी ने मंगलवार को बीजिंग में एक कार्यक्रम में कहा था कि भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव उन ज्वलंत मुद्दों की सूची में शामिल है, जिन्हें सुलझाने के लिए चीन ने 2025 में मध्यस्थता की। भारत ने जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में 22 अप्रैल को हुए आतंकवादी हमले के बाद सात मई को ऑपरेशन सिंदूर शुरू किया था, जिसके तहत पाकिस्तान और उसके कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) में कई आतंकवादी ठिकानों को निशाना बनाया गया था। जवाब में पाकिस्तान ने भारत पर ड्रोन और मिसाइल हमले किए, जिससे दोनों पक्षों में संघर्ष छिड़ गया जो 10 मई को नई दिल्ली और इस्लामाबाद के बीच बनी आम सहमति के तहत समाप्त हुआ था।

पाकिस्तान ने की विदेशमंत्री जयशंकर की टिप्पणियों की आलोचना

इस्लामाबाद। पाकिस्तानी विदेश कार्यालय ने विदेश मंत्री एस. जयशंकर द्वारा पाकिस्तान के बारे की गई टिप्पणियों की आलोचना करते हुए शनिवार को दावा किया कि ये बयान क्षेत्र में अस्थिरता को बढ़ावा देने के भारत के चिंताजनक रिकॉर्ड से ध्यान हटाने के लिए की गई थीं। जयशंकर ने शुक्रवार को कहा था कि बुरे पड़ोसियों के मामले में भारत को अपने लोगों की रक्षा करने का पूरा अधिकार है और यदि कोई पड़ोसी देश भारत में आतंकवाद फैलाना जारी रखता है तो वह नई दिल्ली से पानी साझा करने की मांग नहीं कर सकता। हालांकि, उन्होंने किसी देश का नाम नहीं लिया था। विदेश कार्यालय के प्रवक्ता ताहिर अंद्राबी ने मीडिया के सवालों के जवाब में कहा कि पाकिस्तान भारत के विदेश मंत्री द्वारा किए गए गैर-जिम्मेदाराना दावों को खारिज करता है। अंद्राबी ने आरोप लगाया कि भारत एक बार फिर क्षेत्रीय अस्थिरता को बढ़ावा देने वाले पड़ोसी के रूप में अपने चिंताजनक रिकॉर्ड से ध्यान हटाने की कोशिश कर रहा है। कहा कि सिंधु जल संधि सद्भावना के साथ संपन्न एक अंतर्राष्ट्रीय समझौता है और इसका कोई भी एकतरफा उल्लंघन क्षेत्रीय स्थिरता को कमजोर करेगा।

वेनेजुएला में आपातकाल का किया गया एलान, अमेरिकी हमले की कड़ी निंदा

- विदेशी आक्रमण करार देते हुए नागरिकों से शांति बनाए रखने की अपील

कारकस, एजेंसी

वेनेजुएला के ला गुआइरा बंदरगाह पर अमेरिकी हमलों के बाद एक गोदी से उठता हुआ धुआं।

वेनेजुएला सरकार ने अमेरिकी हमले की कड़े शब्दों में निंदा करते हुए इसे विदेशी आक्रमण करार दिया और अमेरिका पर चुनी हुई सरकार को अस्थिर करने का आरोप लगाया। अमेरिकी हमले के तुरंत बाद मादुरो ने राष्ट्रीय आपातकाल की घोषणा कर दी थी और रक्षा बलों को लामबंद करने के साथ-साथ नागरिकों से शांत रहने का आग्रह किया था।

उन्होंने इसे बाहरी हस्तक्षेप बताते हुए इसके खिलाफ एकजुट रहने की अपील की थी। वेनेजुएला की राजधानी कारकस में सुरक्षा बलों को अलर्ट करके संवेदनशील इलाकों के पास की सड़कों को सील कर दिया गया तथा नुकसान का आकलन करने के साथ-साथ हमलों के सटीक ठिकानों का पता लगाने के लिए जांच शुरू कर दी गई। अधिकारियों ने नागरिकों को घरों के अंदर रहने और बिना पुष्टि वाली जानकारी न फैलाने की सलाह दी है। यह घटना संयुक्त राज्य अमेरिका और वेनेजुएला के बीच पहले से ही खराब संबंधों में एक नाटकीय मोड़ है। दोनों देशों के बीच राजनीतिक वैधता, आर्थिक प्रतिबंधों और नशीले पदार्थों की तस्करी से जुड़े आरोपों को लेकर लंबे समय से तनाव चल रहा है। हाल के हफ्तों में कैरिबियाई क्षेत्र में अमेरिकी सैन्य और नौसैनिक गतिविधियों में वृद्धि देखी गई थी, जिससे टकराव की आशंका बढ़ गई थी।

सुरक्षा परिषद की बैठक बुलाने का अनुरोध

काराकास। वेनेजुएला के विदेश मंत्री इवान गिल पिंटो ने शनिवार को कहा कि वेनेजुएला ने देश पर अमेरिकी हमले के जवाब में संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की आपातकालीन बैठक बुलाने का अनुरोध किया है। अमेरिकी प्रसारक सीएनएन ने यह जानकारी दी है। पिंटो ने टेलीग्राम पर संयुक्त राष्ट्र (संरा) को भेजे गये पत्र को साझा करते हुए कहा कि कोई भी कायरतापूर्ण हमला इस देश के लोगों की ताकत के सामने टिक नहीं पाएगा, जो विजयी होकर उभरेंगे।

अनेक देशों ने की अमेरिकी हमले की निंदा

नई दिल्ली। वेनेजुएला पर अमेरिकी हमले की यूरोपीय संघ (ईयू), रूस समेत विभिन्न देशों ने निंदा की है। यूरोपीय संघ की विदेश नीति के प्रमुख काजा क्लास संयम ने बरतने का आह्वान करते हुए कहा कि ईयू वेनेजुएला की स्थिति पर बारीकी से नजर रख रहा है। क्यूबा ने अमेरिकी हमले को वेनेजुएला के लोगों के खिलाफ राज्य प्रायोजित आतंकवाद बताया है। कोलंबिया और ईरान ने भी अमेरिकी सैन्य हमले की कड़ी निंदा की है। स्पेन ने संयम बरतने का आह्वान किया। जर्मनी और इटली ने कहा कि वह स्थिति की बारीकी से निगरानी कर रहे है। रूस ने अमेरिकी कार्रवाई को आक्रामक कृत्य बताते हुए इसकी निंदा की है।

छात्रा से रैगिंग में प्रोफेसर निलंबित

- हिमाचल प्रदेश सरकार ने गठित की जांच समिति

शिमला, एजेंसी

हिमाचल प्रदेश सरकार ने रैगिंग के कारण 19 वर्षीय दलित छात्रा की मौत को लेकर बढ़ते आक्रोश के मद्देनजर शनिवार को एक समिति गठित करने की बात कही, जो कॉलेज में एक प्रोफेसर द्वारा यौन उत्पीड़न किए जाने और जातिसूचक अपशब्द कहे जाने समेत सभी पहलुओं की जांच करेगी। आरोपी प्रोफेसर को निलंबित भी कर दिया गया है।

मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू ने दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई का वादा किया। विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) ने भी धर्मशाला में स्थित सरकारी डिग्री कॉलेज में छात्रा की मौत से संबंधित मामले की जांच के लिए पांच सदस्यीय तथ्यान्वेषी समिति गठित की है।

इससे पहले यूजीसी रैगिंग रोधी हेल्पालइन ने स्वतः संज्ञान लेते हुए शिकायत दर्ज की थी। सुक्खू ने कहा कि छात्रा के वीडियो बयान के आधार पर आरोपी प्रोफेसर को तत्काल निलंबित कर दिया गया है। इस वीडियो में उसने प्रोफेसर का नाम लिया था। मुख्यमंत्री ने सोलन जिले के कंडाघाट में कहा कि प्रोफेसर के खिलाफ जांच शुरू की जाएगी और सभी संलिप्त दोषियों के खिलाफ कार्रवाई होगी। लुधियाना के अस्पताल में इलाज के दौरान छात्रा की मौत हो गई।

महिला आयोग ने मामले में मांगी कार्रवाई रिपोर्ट

नई दिल्ली। राष्ट्रीय महिला आयोग ने हिमाचल प्रदेश के धर्मशाला स्थित राजकीय डिग्री कॉलेज में एक 19 वर्षीय छात्रा की रैगिंग, शारीरिक उत्पीड़न एवं यौन उत्पीड़न के बाद उपचार के दौरान मृत्यु का स्वतः संज्ञान लेते हुए राज्य के डीजीपी से पांच दिन में कार्रवाई रिपोर्ट देने को कहा है। आयोग ने इसे जघन्य, अमानवीय एवं निंदनीय कृत्य बताते हुए इसकी कड़ी भर्त्सना की है। आयोग के अनुसार यह छात्रा के जीवन, गरिमा एवं अधिकारों का घोर उल्लंघन है।

यमन पर सऊदी अरब ने किया हवाई हमला, 20 लोगों की मौत

- हद्रामौत प्रांत में हुए हवाई हमलों में दर्जनों लोग घायल

अदन, एजेंसी

सऊदी अरब के युद्धक विमानों ने यमन के दक्षिणपूर्वी तेल-समृद्ध प्रांत हद्रामौत में शुक्रवार को कई स्थानों पर हवाई हमला किया जिसमें 20 से ज्यादा लोग मारे गए और दर्जनों अन्य घायल हो गए। सेयुन पब्लिक हॉस्पिटल के एक सूत्र ने शिन्हुआ से कहा कि पिछले कुछ घंटों में अस्पताल में 20 से अधिक शव लाए गए हैं।

हमलों में नागरिकों सहित दर्जनों अन्य लोग घायल हुए हैं और वर्तमान में उनका उपचार चल रहा है। इससे पहले दिन में, दक्षिणी संक्रमणकालीन परिषद (एसटीसी) से संबद्ध उपग्रह चैनल एआईसी ने कहा कि सऊदी अरब के तीव्र हवाई हमलों में सेयुन हवाई अड्डे और आसपास की आवासीय इमारतों को निशाना बनाया गया, जिसमें एक ही परिवार के सात सदस्यों की मौत हो गई। स्थानीय लोगों ने शिन्हुआ से कहा कि हवाई हमलों के कारण नागरिकों में दहशत का माहौल है जिससे कई परिवारों को अपना घर छोड़कर भागने के लिए मजबूर होना पड़ा।

सुरक्षा परिषद के पांच अस्थायी सदस्य देशों ने संभाला काम

संयुक्त राष्ट्र। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के अस्थायी सदस्य के रूप में बहरीन, कोलंबिया, कांगो लोकतांत्रिक गणराज्य, लातविया और लाइबेरिया ने शुक्रवार अपनी जिम्मेदारियां संभालनी शुरू की। उन पांच देशों का दो वर्षीय कार्यकाल एक जनवरी से शुरू हुआ लेकिन नए साल की छुट्टियों के बाद परिषद का 2026 का पहला कार्य दिवस शुक्रवार को था। समारोह की सह-मेजबानी करने वाले कज़ाकिस्तान के संयुक्त राष्ट्र राजदूत कैरात उमरोव ने परिषद के पांच नए सदस्यों को बधाई दी और उनकी सफलता की कामना की।

ईरान के सर्वोच्च नेता खामनेई ने कहा, दंगाइयों पर करेंगे सख्ती

- विरोध प्रदर्शनों में मृतकों की संख्या बढ़कर 10 पर पहुंची

दुबई, एजेंसी

ईरान के सर्वोच्च नेता ने शनिवार को देश में अशांति उत्पन्न करने वाले विरोध प्रदर्शनों पर कहा कि दंगाइयों पर सख्ती करनी होगी। सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई की ये टिप्पणियां एक सप्ताह से जारी प्रदर्शनों के प्रति अधिकारियों को अधिक आक्रामक रुख अपनाने की अनुमति देने का संकेत प्रतीत होती है।

ईरान की खराब अर्थव्यवस्था के कारण भड़के विरोध-प्रदर्शनों के दौरान हुई हिंसा में कम से कम 10 लोगों की मौत हो चुकी है। ऐसे में 86 वर्षीय अयातुल्ला अली खामेनेई की यह पहली टिप्पणी सामने आई है। विरोध-प्रदर्शन का सिलसिला थमता नहीं दिख रहा है और ऐसा अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा शुक्रवार को ईरान को दी गई चेतावनी के बाद हो रहा है। ट्रंप ने चेतावनी देते हुए कहा था कि अगर तेहरान शांतिपूर्ण प्रदर्शनकारियों की हिंसक हत्या करता है तो अमेरिका उनकी मदद के लिए आगे आएगा। यह अभी स्पष्ट नहीं है कि ट्रंप हस्तक्षेप करेंगे या नहीं।

आज का भविष्यफल

-पं.डॉ. ज्ञानेन्द्र शर्मा

आज की ग्रह स्थिति : 4 जनवरी, रविवार 2026 संवत-2082, शक संवत 1947 मास- माघ, पक्ष-कृष्ण पक्ष, प्रतिपदा 12.29 तक तत्पश्चात द्वितीया।

आज का पंचांग

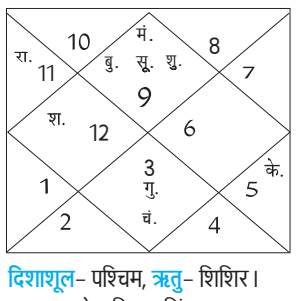

दिशाशूल- पश्चिम, **ऋतु**- शिशिर।
चन्द्रबल- मेष, मिथुन, सिंह, कन्या, धनु, मकर।
ताराबल- भरणी, रोहिणी, आर्द्रा, पुनर्वसु, पुष्य, आश्लेषा, पूर्वा फाल्गुनी, हस्त, स्वाति, विशाखा, अनुराधा, ज्येष्ठा, पूर्वाषाढ़ा, श्रवण, शतभिषा, पूर्वाभाद्रपद, उत्तराभाद्रपद, रेवती।
नक्षत्र- पुनर्वसु 15.11 तक तत्पश्चात पुष्य।

मेष — आज आपकी पुराने मित्रों से मुलाकात हो सकती है। लंबित योजनाएं समय पर पूर्ण हो जाएंगी। आपकी दिनचर्या व्यवस्थित और अनुशासित रहने वाली है। मांगलिक कार्यों को लेकर मन में कुछ दुविधा रहेगी।

वृष — आज नौकरीपेशा लोगों की पदोन्नति होने की संभावना है। पूरे जोश और मेहनत के साथ अपने काम में लगे रहेंगे। ऑफिस का काम आपको घर पर करना पड़ सकता है। विरोधी आपको नुकसान पहुंचाने का प्रयास कर सकते हैं।

मिथुन — आज परिवार के साथ मांगलिक कार्यक्रमों का आनंद उठाएंगे। रुके हुए कार्य पूर्ण करने का प्रयास करेंगे, जिसमें आपको सफलता भी अवश्य मिलेगी। नए उपक्रमों की शुरुआत कर सकते हैं। आपकी कार्यक्षमता में वृद्धि होगी।

कर्क — आज व्यवसाय में बड़े निवेशकों का सहयोग मिलने की भी संभावना बन रही है। आपकी सूझबूझ और बुद्धिमत्ता की प्रशंसा होगी। प्रतियोगी परीक्षा में आपका प्रदर्शन जबरदस्त रहने वाला है। साहित्य से जुड़े लोगों को पुरस्कार मिल सकता है।

सिंह — आज आपका समाज में आपका मान-सम्मान बढ़ेगा। रियल एस्टेट से जुड़े कारोबार में वृद्धि होगी। परिजनों की सुख-सुविधाओं का ध्यान रखें। घर के लिए महत्वपूर्ण एक्सेसरीज की खरीदारी कर सकते हैं। उच्च शिक्षा में आपका प्रदर्शन जबरदस्त रहेगा।

कन्या — आज का दिन अत्यंत ही शुभ रहेगा। कारोबार में बड़ी साझेदारी हो सकती है। नौकरी में उन्नति के योग बन रहे हैं। किसी पुराने मित्र से मुलाकात हो सकती है। उधार दिया हुआ धन वापस मिल सकता है। माता के स्वास्थ्य का ध्यान रखें।

तुला — आज प्रेम संबंधों को नए रिश्ते की ओर परिणित कर सकते हैं। आप अपने पसंदीदा कार्यों को लेकर अत्यंत उत्सुक रहेंगे। आपको परिवार का अतिरिक्त ध्यान रखना पड़ेगा। नजदीकी मित्रों से अपने मन की बातें शेयर कर सकते हैं।

वृश्चिक — आज आपके उदार स्वभाव की लोग प्रशंसा करेंगे। विचारों को सदैव सकारात्मक बनाए रखें। रिश्तेदार आपसे कुछ निजी मामलों को लेकर राय ले सकते हैं। यदि आप सजग रहे तो आपके काम निर्बाध रूप से हो जाएंगे।

धनु — आज आप स्वयं को और अपनी जीवनशैली को पर्याप्त समय देंगे। विधिक मामलों में आपको विजय मिल सकती है। छोटे भाई-बहनों की उपलब्धियों पर आपको गर्व होगा। पेट में गैस और एसिडिटी बन सकती है।

मकर — आज संतान को लेकर कुछ चिंतित हो सकते हैं। विद्यार्थियों को उच्च अध्ययन में थोड़ी कठिनाई महसूस होगी। स्वार्थी प्रवृत्ति के लोगों से आपको परेशानी होगी। आपको झूठ बोलने से बचना चाहिए। परिवार के सदस्यों की सेहत का ध्यान रखें।

कुंभ — आज आर्थिक स्थिति में सुधार होगा। कारोबार में आपको मेहनत का सकारात्मक परिणाम मिलेगा। तकनीकी शिक्षा से जुड़े विद्यार्थियों को करियर के उत्तम विकल्प मिल सकते हैं। आपका मन पूजा-पाठ में लगेगा। नया वाहन खरीद सकते हैं।

मीन — आज आपका सामाजिक संबंधों का दायरा विस्तृत होगा। अपनी उपलब्धियों पर गर्व की अनुभूति होगी। अपनी दिनचर्या में अच्छी आदतों को सम्मिलित कर सकते हैं। संतान को करियर के नए अवसर मिलने के योग बन रहे हैं।

सुडोकू-22

सुडोकू एक तरह का तर्क वाला खेल है, जो एक वर्ग पहेली की तरह होता है। जब आप इस खेल को खेलना सीख जाते हैं तो यह बहुत ही सरलता से खेला जा सकता है। सुडोकू खेल में बॉक्स में 1 नंबर से 9 नंबर तक आने वाले अंक दिए हैं। इसमें कुछ बॉक्स खाली हैं, जिन्हें आपको भरना है। कोई भी अंक दोबारा नहीं आना चाहिए। एक सीधी लाइन और एक खड़ी लाइन तथा बॉक्स में नंबर रिपीट नहीं होना चाहिए।

		5	1				6	
7					6			
		9		8	5		4	3
	5				9	3		7
9	2						8	1
1		3	8				5	
3	9		5	4		6		
			3					9
	8				7	2		

सुडोकू - 21 का हल

2	7	4	3	6	9	8	1	5
6	3	8	5	7	1	2	4	9
1	9	5	8	2	4	6	3	7
9	8	2	7	1	3	4	5	6
7	4	3	6	5	2	1	9	8
5	1	6	4	9	8	3	7	2
3	6	9	2	4	7	5	8	1
4	2	1	9	8	5	7	6	3
8	5	7	1	3	6	9	2	4

मैं चाहता हूं कि टी20 क्रिकेट में एक गेंदबाज पांचवां ओवर भी फेंके। अगर कोई बल्लेबाज पहली गेंद से लेकर आखिरी गेंद तक पूरी पारी में क्रीज पर रह सकता है तो फिर हम सभी गेंदबाजों को चार ओवर तक क्यों सीमित कर रहे हैं।
–साइमन टॉफेल, पूर्व अंपायर

स्टेडियम

कानपुर, रविवार, 4 जनवरी 2026

अमृत विचार

www.amritvichar.com

हाईलाइट

टी-20 में एक गेंदबाज को पांच ओवर मिलने चाहिए : टॉफेल

नई दिल्ली। पूर्व अंपायर साइमन टॉफेल ने टी20 क्रिकेट में बल्ले और गेंद के बीच बेहतर संतुलन बनाने की अपील करते हुए सुझाव दिया है कि एक गेंदबाज को मौजूदा चार ओवर के कोटे के बजाय पांच ओवर गेंदबाजी करने की अनुमति दी जानी चाहिए। अभी क्रिकेट के सबसे छोटे प्रारूप में प्रत्येक गेंदबाज को अधिकतम चार ओवर फेंकने की अनुमति है लेकिन टॉफेल का मानना है कि एक गेंदबाज को पांचवा ओवर करने की अनुमति देने से इस खेल में नया रणनीतिक आयाम जुड़ सकता है। ऑस्ट्रेलिया के इस 54 वर्षीय अंपायर ने क्रिकबज से कहा मैंने कुछ अलग-अलग लीग को कुछ सुझाव दिए हैं, जिन पर अभी तक कोई ध्यान नहीं दिया गया है। लेकिन मैं सीमित ओवरों के क्रिकेट में बल्ले और गेंद के बीच संतुलन देखना चाहता हूं।

कार्लोस को अस्पताल से मिली छुट्टी

साओ पाउलो। ब्राजील और रियल मैड्रिड के पूर्व स्टार फुटबॉलर रॉबर्टो कार्लोस को इस सप्ताह के शुरू में की गई हृदय शल्यक्रिया के बाद अस्पताल से छुट्टी दे दी गई है। अस्पताल विला नोवा स्टार ने शुक्रवार को यह घोषणा की लेकिन उसने इस बारे में विस्तार से कोई जानकारी नहीं दी। रॉबर्टो कार्लोस को सोमवार को हृदय में कुछ परेशानी के कारण अस्पताल में भर्ती कराया गया था। इस 52 वर्षीय खिलाड़ी को उसी दिन कोरोनरी एंजियोप्लास्टी कराने की सलाह दी गई। यह प्रक्रिया न्यूनतम चीर-फाड़ वाली होती है। इसमें दिल की अवरुद्ध या संकुचित धमनियों को चौड़ा किया जाता है। इस पूर्व डिफेंडर को चिकित्सा प्रोटोकॉल के कारण शुरू में गहन चिकित्सा इकाई में भर्ती कराया गया था।

तेज गेंदबाज मयंक पूर्ण फिटनेस के करीब

नई दिल्ली। भारतीय तेज गेंदबाज मयंक यादव पीठ के निचले हिस्से में ऐंठन के कारण लगभग एक साल तक मैदान से बाहर रहने के बाद अब अपनी पूरी क्षमता से गेंदबाजी करने के लिए फिट होने के करीब हैं। इस 23 वर्षीय तेज गेंदबाज ने आईपीएल 2024 में अपनी तूफानी गेंदबाजी से सबका ध्यान खींचा था। इसके बाद वह सबसे छोटे प्रारूप में भारत के लिए भी खेले। हालांकि पीठ की चोट के कारण वह 2025 में केवल दो प्रतिस्पर्धी मैच ही खेल पाए। मयंक की फिटनेस संबंधी समस्याओं के बावजूद उनकी आईपीएल टीम लखनऊ सुपर जायंट्स ने इस तेज गेंदबाज पर भरोसा दिखाया और पिछले महीने हुई नीलामी से पहले उन्हें अपनी टीम में बनाए रखा।

अजय को 10 मी. एयर पिस्टल में मिला स्वर्ण

नई दिल्ली। 68वीं राष्ट्रीय शूटिंग चैंपियनशिप में शनिवार को रोमांचक मुकाबलों से भरा दिन देखने को मिला, जहां आर्मी के अजय कुमार और कर्नाटक के जोनाथन गेविन एंथनी ने सुर्खियां बटोरीं। अजय कुमार ने 10 मीटर एयर पिस्टल पुरुष फाइनल में कड़े मुकाबले के बाद स्वर्ण पदक अपने नाम किया, जबकि जोनाथन ने पुरुष एयर पिस्टल स्पर्धाओं में सब-यूथ, यूथ और जूनियर-तीनों वर्गों में खिताब जीतकर दुर्लभ हैट्रिक पूरी की।

मोहम्मद सिराज न्यूजीलैंड श्रृंखला से करेंगे वनडे में वापसी

नई दिल्ली, एजेंसी

अनुभवी भारतीय तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज ने न्यूजीलैंड के खिलाफ तीन मैचों की घरेलू एकदिवसीय श्रृंखला के लिए शुक्रवार को चुनी गयी 15 सदस्यीय भारतीय टीम में वापसी की जबकि श्रेयस अय्यर भी फिटनेस मंजूरी मिलने पर इस टीम का हिस्सा होंगे। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ घरेलू श्रृंखला में नजरअंदाज किए गए सिराज की वनडे टीम में वापसी हुई है।

नवंबर में ऑस्ट्रेलिया में वनडे श्रृंखला के दौरान 'स्प्लीन' (तिल्ली) में चोट लगने के कारण अस्पताल में भर्ती हुए अय्यर को भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) के उत्कृष्टता केंद्र (सीओई) से फिटनेस मंजूरी पाने के लिए इस महीने विजय हजारे ट्रॉफी में अपनी मैच फिटनेस साबित करनी होगी। दिग्गज हरफनमौला हार्दिक पंड्या को सीओई से मैच में 10 ओवर गेंदबाजी करने की अनुमति नहीं मिली इसलिए चयनकर्ताओं ने उन्हें 11 जनवरी से वडोदरा में शुरू होने वाली श्रृंखला के लिए टीम में शामिल नहीं किया। इस श्रृंखला के बाकी दो मैच राजकोट और इंदौर में क्रमशः 14 और 18 जनवरी को खेले जाएंगे। बीसीसीआई ने यहां जारी बयान में कहा श्रेयस अय्यर की उपलब्धता बीसीसीआई सीओई से फिट होने का प्रमाण मिलने पर निर्भर है। उन्होंने कहा बीसीसीआई सीओई ने हार्दिक पंड्या को एक मैच में 10 ओवर गेंदबाजी करने की अनुमति नहीं दी है और आगामी आईसीसी पुरुष टी20 विश्व कप के मद्देनजर उनके कार्यभार को नियंत्रित किया जा रहा है। दक्षिण अफ्रीका श्रृंखला के दौरान शानदार शतक बनाने के बावजूद ऋतुराज गायकवाड़ को चयनकर्ताओं ने नजरअंदाज किया।

- श्रेयस अय्यर की भागीदारी फिटनेस पर निर्भर

टीम

दाएं से शुभमन गिल (कप्तान), श्रेयस अय्यर (उपकप्तान), रोहित शर्मा, विराट कोहली, रविंद्र जड़ेजा, नीतीश कुमार रेड्डी, केएल राहुल (विकेट कीपर), यशस्वी जायसवाल, वाशिंगटन सुंदर, हर्षित राणा, मोहम्मद सिराज, प्रसिद्ध कृष्णा, कुलदीप यादव, ऋषभ पंत और अर्शदीप सिंह।

कप्तान शुभमन गिल और श्रेयस अय्यर चोट के कारण दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ वनडे श्रृंखला का हिस्सा नहीं थे ऐसे में गायकवाड़ को मौका मिला था। उन्होंने रायपुर में नंबर चार पर बल्लेबाजी करते हुए 83 गेंदों में शानदार 105 रन बनाए थे।

गिल टी20 विश्व कप टीम से बाहर किए जाने के बाद वनडे कप्तानी की जिम्मेदारी केएल राहुल से वापस लेंगे, जिन्होंने गिल की अनुपस्थिति में टीम की कमान संभाली थी। ऋषभ पंत ने अटकलों के बावजूद टीम में दूसरे विकेटकीपर के रूप में अपनी जगह बरकरार रखी है। पिछली श्रृंखला में टीम का हिस्सा रहे तिलक वर्मा और ध्रुव जुरेल सीनियर खिलाड़ियों के चोट से वापसी करने के कारण टीम से बाहर हो गये हैं। तेज गेंदबाजी आक्रमण में सिराज, हर्षित राणा और अर्शदीप सिंह शामिल हैं।

हार्दिक की शतकीय पारी के बावजूद बड़ौदा की करारी हार

विजय हजारे ट्रॉफी : उत्तर प्रदेश की लगातार पांचवी जीत

राजकोट, एजेंसी

हार्दिक पंड्या। एजेंसी

हार्दिक पंड्या की 92 गेंद में 133 रन की आक्रामक पारी के बावजूद बड़ौदा को विजय हजारे ट्रॉफी ग्रुप बी मैच में शनिवार को यहां विदर्भ के खिलाफ नौ विकेट की करारी शिकस्त का सामना करना पड़ा। हार्दिक ने अपनी पारी में आठ छक्के और 11 चौके जड़े। उन्होंने इस दौरान पारी के 39वें ओवर में लगातार पांच छक्के और एक चौका भी लगाया।

बड़ौदा का स्कोर एक समय पांच विकेट पर 71 रन था, लेकिन इसके बाद हार्दिक ने अपना कमाल दिखाते हुए टीम को नौ विकेट पर 293 रन तक पहुंचा दिया। विदर्भ ने हालांकि लक्ष्य का पीछा करते हुए आसानी से जीत हासिल कर ली। अमन मोखाडे ने 121 गेंदों में 150 रन बनाकर नाबाद रहे और ध्रुव शोरे ने 76 गेंदों में 65 रन का योगदान दिया। टीम ने 294 रनों का लक्ष्य 41.4 ओवरों में ही हासिल कर लिया। विदर्भ की यह पांच मैचों में चौथी जीत थी, जबकि बड़ौदा को पांच मैचों में दूसरी हार का सामना करना पड़ा।

यूपी ने जम्मू कश्मीर को 58 रनों से हराया

उत्तर प्रदेश ने 48 ओवर के मैच में समीर रिजवी की 45 गेंद में नाबाद 80 रन की पारी से पांच विकेट पर 322 रन बनाने के बाद जम्मू कश्मीर को आठ विकेट पर 264 रन पर रोक दिया। टीम की 58 रन की जीत में जीशान अंसारी (49 रन पर तीन विकेट), कुलदीप यादव (47 रन पर दो विकेट), प्रशांत वीर (33 रन पर एक विकेट) और विप्रज निगम (51 रन पर एक विकेट) की स्पिन गेंदबाजों की चौकड़ी ने अहम योगदान दिया।

पडिक्कल ने सत्र का चौथा शतक जड़ा

अहमदाबाद : भारतीय टीम से बाहर चल रहे बल्लेबाज देवदत्त पडिक्कल ने विजय हजारे ट्रॉफी में सत्र का अपना चौथा शतक लगाया जिससे सितारों से सजी कर्नाटक की टीम ने शनिवार को यहां ग्रुप ए में त्रिपुरा को 80 रन से हराकर अपनी पांचवीं जीत हासिल की। घरेलू क्रिकेट के दिग्गज पडिक्कल ने 120 गेंद में 108 रन बनाए और कर्नाटक ने सात विकेट पर 332 रन का विशाल स्कोर खड़ा किया। फिर टीम ने त्रिपुरा को एक ओवर रहते 252 रन पर समेटकर आसान जीत हासिल की। अभी दो और लीग मैच खेले जाने हैं। कर्नाटक 20 अंक से शीर्ष पर है, उसके बाद मध्य प्रदेश (16), झारखंड (12) और केरल (12) की टीम हैं। त्रिपुरा के आठ अंक हैं। तमिलनाडु और राजस्थान के चार-चार अंक हैं। पडिक्कल ने सिर्फ 10 दिन में पांच मैच में 500 से अधिक रन बना लिए हैं। कर्नाटक के सिर्फ छह रन पर दो विकेट गिर गए थे, तब शानदार फॉर्म में चल रहे इस 25 वर्षीय खिलाड़ी ने पारी को संभाला। कप्तान मयंक अग्रवाल (5) और करुण नायर (0) दोनों तीसरे ओवर में आउट हो गए, दोनों त्रिपुरा के अभिजीत सरकार (चार विकेट) की तेज गेंदों का शिकार हुए। पडिक्कल और रविचंद्रन स्मरण ने तीसरे विकेट के लिए 136 रन की साझेदारी की। सलामी बल्लेबाज ने विकेटकीपर-बल्लेबाज केएल राहुल (35) के साथ 65 रन की साझेदारी करके पारी को और मजबूत किया। कर्नाटक के सफेद गेंद के विशेषज्ञ अभिनव मनोहर ने फिर 43 गेंद में नाबाद 79 रन बनाए। लक्ष्य का पीछा करने उतरे त्रिपुरा के शीर्ष पांच बल्लेबाज सिर्फ 59 रन पर आउट हो गए।

एसजी पाइपर्स शीर्ष पर बरकरार

एसजी पाइपर्स ने महिला हॉकी इंडिया लीग (एचआईएल) में जेएसडब्ल्यू सूरमा हॉकी क्लब (सफेद ड्रेस) को 3-1 से हराकर अंक तालिका में शीर्ष स्थान बरकरार रखा। एसजी पाइपर्स के लिए लोला रीरा (13वें मिनट), ज्योति सिंह (18वें मिनट) और सुनेलिता टोप्पो (58वें मिनट) ने गोल किए जबकि सूरमा के लिए पेनी स्क्विब (12वें मिनट) ने एकमात्र गोल किया। सूरमा ने स्क्विब के पेनल्टी कॉर्नर पर गोल करने से बढ़त बना ली थी पर एसजी पाइपर्स ने वापसी करते हुए जीत दर्ज की। ● एजेंसी

महाराष्ट्र ने मुंबई को 128 रनों से हराया

जयपुर, एजेंसी

अर्शिन कुलकर्णी के 114 रन और रामकृष्ण घोष के 64 रन की मदद से महाराष्ट्र ने शनिवार को विजय हजारे ट्रॉफी ग्रुप सी मैच में मुंबई पर 128 रन की बड़ी जीत दर्ज की।

यह मुंबई की पहली हार थी, लेकिन टीम पंजाब के साथ 16-16 अंक के साथ शीर्ष दो में बनी हुई है। महाराष्ट्र 12 अंक के साथ तीसरे स्थान पर है, उसने पांच में से तीन मैच जीते हैं। पहले बल्लेबाजी करने का फैसला करने के बाद कुलकर्णी ने पृथ्वी साव (71 रन) के साथ पहले विकेट के लिए 140 रन जोड़े और महाराष्ट्र के चार विकेट पर 366 रन के विशाल स्कोर की नींव रखी। कप्तान ऋतुराज गायकवाड़ ने 66 रन बनाए, लेकिन घोष ने मुंबई के गेंदबाजों की धुनाई करते हुए 27 गेंद में 64 रन बनाए जिसमें तीन चौके और पांच छक्के शामिल थे। इससे महाराष्ट्र का स्कोर 350 रन के पार पहुंच गया। इस विशाल लक्ष्य का पीछा करते हुए मुंबई के सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल नौ गेंद में सिर्फ तीन रन बनाकर आउट हो गए। उन्हें शनिवार को घरेलू मैदान पर होने वाली न्यूजीलैंड श्रृंखला के लिए भारत की वनडे टीम में चुना गया था। लेकिन उनके सलामी जोड़ीदार अंगकृष रघुवंशी ने 88 गेंद में 92 रन बनाकर मुंबई की उम्मीद बनाए रखी। पर रन रेट बढ़ता रहा और 33वें ओवर में 186 रन पर सातवां विकेट गिरने के साथ ही मुंबई की उम्मीदें खत्म हो गईं। सिद्धेश लाड और तनुष कोटियन ने क्रमशः 52 और 36 रन का योगदान दिया लेकिन यह बड़े लक्ष्य का पीछा करने के लिए काफी नहीं था। इससे मुंबई की टीम 42 ओवर में 238 रन पर ऑल आउट हो गई। महाराष्ट्र के लिए प्रदीप दाधे ने 43 रन देकर तीन विकेट लिए जबकि सत्यजीत बच्चाव ने 44 रन देकर दो विकेट लिए। वहीं भारतीय तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह ने 34 रन देकर पांच विकेट झटकते हुए पंजाब को सिक्किम पर 10 विकेट से जीत दिलाई।

नीरज चोपड़ा अभी रिहैबिलिटेशन पर दे रहे ध्यान

नई दिल्ली : भारतीय एथलेटिक्स महासंघ (एएफआई) ने शनिवार को कहा कि स्टार भाला फेंक खिलाड़ी नीरज चोपड़ा पिछले सितंबर में विश्व चैंपियनशिप से ठीक पहले लगी अपनी पीठ की चोट के रिहैबिलिटेशन पर ध्यान दे रहे हैं और उन्होंने अभी तक यह तय नहीं किया है कि सत्र कब और कहां से शुरू करना है।

चोपड़ा ने सितंबर 2025 में तोक्यो में विश्व चैंपियनशिप में पीठ की चोट के साथ हिस्सा लिया था और वह 84.03 मीटर के सर्वश्रेष्ठ थ्रो के साथ आठवें स्थान पर रहे जो पिछले साल मई में उनके सत्र और व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ 90.23 मीटर के प्रयास से काफी कम था। यह पूछने पर कि चोपड़ा का सत्र का पहला संभावित टूर्नामेंट कौन सा होगा तो एएफआई के प्रवक्ता आदिल सुमरिवाला ने कहा वह ब्रेक ले रहे हैं। वह अपनी चोटों से उबर रहे हैं। उन्हें दो चोटें लगी थीं। ध्यान रिहैबिलिटेशन पर है, मुझे लगता है कि यह सबसे अहम यही है, ना कि पहला टूर्नामेंट कौन सा होगा।

बोंडी में गोलीबारी के बाद एशेज टेस्ट की बढ़ी सुरक्षा

सिडनी, एजेंसी

- सिडनी में पांचवां व अंतिम टेस्ट आज से

सिडनी के बोंडी बीच में हुई गोलीबारी की घटना को देखते हुए ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड के बीच रविवार से यहां शुरू होने वाले पांचवें और अंतिम एशेज टेस्ट मैच के लिए सुरक्षा कड़ी कर दी गई है। इस मैच के दौरान लंबी राइफलों से लैस पुलिस गश्त करेगी। ऑस्ट्रेलिया में किसी खेल प्रतियोगिता के दौरान अमूमन इस तरह की सुरक्षा नहीं देखी जाती है। सिडनी क्रिकेट ग्राउंड (एससीजी) में होने वाले इस मैच में स्टेडियम खचाखच भरे रहने की संभावना है। इस दौरान वर्दीधारी और घुड़सवार पुलिस के साथ-साथ सार्वजनिक व्यवस्था और दंगा नियंत्रण दस्ते के अधिकारी भी निगरानी रखेंगे।

बोंडी बीच में तीन सप्ताह पहले हनुक्का उत्सव के दौरान दो बंदूकधारियों ने 15 लोगों की हत्या कर दी थी। इस घटना में कई अन्य लोग घायल हो गए थे। न्यू साउथ वेल्स राज्य के पुलिस आयुक्त माल लैन्योन ने शनिवार को कहा कि कड़ी सुरक्षा व्यवस्था करने का उद्देश्य जनता को सुरक्षा के प्रति आश्वस्त करना है। उन्होंने कहा हो सकता है कि कई लोग खेल प्रतियोगिता के दौरान पुलिस को राइफल लिए देखने के आदी न हों, लेकिन हमारा उद्देश्य जनता को सुरक्षित महसूस कराना है और पुलिस बल तैनात रहेगा। अंतर सिर्फ इतना होगा कि लंबी बंदूकें दिखाई देंगी और पुलिस की मौजूदगी मजबूत होगी।

पुलिस हमेशा की तरह असामाजिक और असुरक्षित व्यवहार करने वालों को निशाना बनाएगी। मेलबर्न क्रिकेट ग्राउंड में 26 दिसंबर से खेले गए चौथे एशेज टेस्ट के लिए भी इसी तरह के सुरक्षा उपाय अपनाए गए थे। वहां भी विशेष पुलिस अधिकारियों को अर्ध-स्वचालित राइफलों से लैस किया गया था और उन्होंने स्टेडियम, पास के एक पार्क और रेलवे स्टेशन के आसपास गश्त की थी।

राजनीतिक तनाव के कारण भारत बांग्लादेश सीरीज पर संदेह

नई दिल्ली, एजेंसी

- एक सितंबर से वनडे और 9 सितंबर से टी-20 श्रृंखला है तय

भारत और बांग्लादेश के बीच बिगड़ते राजनयिक संबंधों के कारण दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय क्रिकेट कुछ समय के लिए ठप पड़ सकता है और बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) द्वारा कार्यक्रम की घोषणा के बावजूद भारतीय टीम के दौरे की संभावना कम है। बीसीबी ने शुक्रवार को घोषणा की कि सितंबर में दोनों देशों के बीच सीमित ओवरों की छह मैचों की श्रृंखला खेली जाएगी। उसने बीसीसीआई से परामर्श करने का दावा करते हुए तारीखों की घोषणा भी की।

बीसीबी के कार्यक्रम के अनुसार भारतीय टीम के 28 अगस्त को बांग्लादेश पहुंचने के बाद एक, तीन और छह सितंबर को तीन वनडे मैच खेलेगी जबकि टी20 अंतर्राष्ट्रीय मैच नौ, 12 और 13 सितंबर को खेले जाएंगे। यह श्रृंखला मूल रूप से पिछले साल आयोजित होने वाली थी लेकिन भारतीय बोर्ड की सुरक्षा चिंताओं के कारण इसे अनिश्चितकाल के लिए रद्द कर दिया गया था। विश्वसनीय सूत्रों से पता चला है कि बीसीसीआई इस बार भी सहयोग करने के लिए तैयार नहीं है, जिसका एक बड़ा संकेत आईपीएल फ्रेंचाइजी कोलकाता नाइट राइडर्स को तेज गेंदबाज मुस्तफिजुर रहमान को टीम से 'रिलीज' करने का निर्देश देना है। बांग्लादेश पिछले छह महीने से राजनीतिक हिंसा की चपेट में है और बीसीसीआई इस अस्थिरता की स्थिति में इस देश के दौरे का जोखिम नहीं लेना चाहता है।

बांग्लादेश को हालांकि अगले महीने से ही टी20 विश्व कप मैचों के लिए भारत आना है। बीसीसीआई के निर्देशों पर रहमान को आईपीएल से 'रिलीज' किए जाने के बाद बीसीबी का इस पर रुख सबकी नजरों में रहेगा। हालात अगर और बिगड़ते हैं तो भारत और पाकिस्तान के बीच जैसी स्थिति उत्पन्न होना पूरी तरह से इनकार नहीं किया जा सकता है। भारत-पाकिस्तान अपने सभी आईसीसी मैच तटस्थ मैदानों पर खेलते हैं क्योंकि पिछले साल पहलगाम आतंकी हमले के बाद उनके संबंध और भी खराब हो गए हैं। टी20 विश्व कप का भारत-पाकिस्तान मैच अगले महीने श्रीलंका में खेला जाएगा। बांग्लादेश की प्रधानमंत्री शेख हसीना को सत्ता से बेदखल किए जाने के बाद दोनों देशों में संबंध तनावपूर्ण हो गए।

यूनाइटेड कप | 40 वर्ष की उम्र में भी अपने दमखम का शानदार नमूना पेश करते हुए फ्रांस के आर्थर रिंडरकनेच को हराया

वावरिंका ने जीत के साथ अपने विदाई वर्ष की शुरुआत की

यूनाइटेड कप टेनिस टूर्नामेंट के महिला सिंगल्स में ऑस्ट्रेलिया की स्टॉर्म हंटर के खिलाफ शॉट लगातीं नॉर्वे की मैलेन हेल्गो। एजेंसी

पर्थ, एजेंसी

इस सत्र के बाद संन्यास लेने की पहले ही घोषणा कर चुके स्टेन वावरिंका ने 40 वर्ष की उम्र में भी अपने दमखम का शानदार नमूना पेश करते हुए शनिवार को यहां यूनाइटेड कप टेनिस टूर्नामेंट में जीत के साथ नए साल की शुरुआत की।

तीन बार के ग्रैंड स्लैम एकल चैंपियन वावरिंका ने फ्रांस के आर्थर रिंडरकनेच को 5-7, 7-6 (5), 7-6 (5) से हराया। रिंडरकनेच की विश्व रैंकिंग 29 जबकि वावरिंका की 157 है। यह मैच तीन घंटे 16 मिनट तक चला। वावरिंका ने दिसंबर में घोषणा की थी कि यह वर्ष एटीपी टूर पर उनका आखिरी साल होगा। वावरिंका ने मैच के बाद कहा आज का मुकाबला काफी कड़ा था। मैं पहली बार यहां आया हूं और इतना समर्थन मिलना अद्भुत है। मुझे एटीपी टूर में 20 साल हो गए हैं। आप लगभग हमेशा एक ही जगह और एक ही टूर्नामेंट में खेलते हैं। इसलिए मेरे लिए इस साल पर्थ में खेलने का यह अवसर मिलना बहुत ही शानदार है। उन्होंने कहा मैं संन्यास के अपने फैसले से खुश हूं और इससे अधिक सहज महसूस कर रहा हूं। स्विट्जरलैंड की उनकी साथी खिलाड़ी बेलिंडा बेनसिच ने इस मिश्रित टीम प्रतियोगिता में इससे पहले फ्रांस की लियोलिया जीनजेन को 6-2, 6-4 से हराया था।

स्टेन वावरिंका। एजेंसी

ऑस्ट्रेलियाई ओपन तक ओसाका के फिट होने की उम्मीद

पर्थ : चार बार की ग्रैंड स्लैम एकल चैंपियन नाओमी ओसाका यूनाइटेड कप टेनिस टूर्नामेंट के दौरान अस्वस्थ महसूस कर रही हैं लेकिन उन्हें 18 जनवरी से शुरू होने वाले ऑस्ट्रेलियाई ओपन तक पूरी तरह फिट होने की उम्मीद है। ओसाका शुक्रवार को यूनान की मारिया सकारी से 6-4, 6-2 से हार गई थी। उन्होंने कहा कि वह क्रिसमस की छुट्टियों के दौरान बीमार हो गई थीं, इसलिए सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन नहीं कर पाई। मैच के दौरान ओसाका को बीच-बीच में खांसी आ रही थी और वह थकी हुई लग रही थीं। उन्होंने कहा मैं कुछ स्वास्थ्य समस्याओं से जूझ रही थी, अभी यहां आकर खुशी हो रही है।